इंडिया एक्ज़िम बैंक
India Exim Bank

वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2019-20

इंडिया एक्ज़िम बैंक का उद्देश्य भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार का संवर्धन करना है। बैंक के प्रतीक चिन्ह का दुतरफ़ा वैशिष्ट्य है। आयात से संबन्धित भुजा निर्यात वाली भुजा से पतली है जो निर्यातों में मूल्ययोजन के उद्देश्य को प्रदर्शित करता है।

India Exim Bank aims to promote India's international trade. The Bank's Logo depicts the two-way significance. The import arrow is thinner than the export arrow, which reflects the aim of value addition to exports.

उद्देश्य

भारतीय निर्यात-आयात बैंक की स्थापना देश के अंतरराष्ट्रीय व्यापार के संवर्धन की दृष्टि से निर्यातकर्ताओं को वित्तीय सहाता प्रदान करने के लिए तथा माल और सेवाओं के निर्यात और आयात के वित्तपोषण में लगी संस्थाओं के कार्यकरण का समन्वय करने के लिए प्रमुख वित्तीय संस्था के रूप में कार्य करने के उद्देश्य से की गई है...

: भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981

Objectives

The Export-Import Bank of India was established for providing financial assistance to exporters and importers, and for functioning as the principal institution for co-ordinating the working of institutions engaged in financing export and import of goods and services with a view to promoting the country's international trade...

: The Export-Import Bank of India Act, 1981

विषय वस्तु CONTENTS

निदेशक मंडल
Board of Directors 02

प्रबंध निदेशक का वक्तव्य
Managing Director's Statement 04

आर्थिक परिवेश
Economic Environment 11

निदेशकों की रिपोर्ट
Directors' Report 15

व्यवसाय परिचालन
Business Operations 25

वित्तीय विवरण
Financial Statements 71

निर्यात विकास कोष
The Export Development Fund 173

निदेशक मंडल BOARD OF DIRECTORS

भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले निदेशक
Directors representing the Government of India

श्री बिद्युत बिहारी स्वैन
विशेष सचिव
वाणिज्य विभाग
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

Shri Bidyut Behari Swain
Special Secretary
Department of Commerce
Ministry of Commerce and Industry

श्री आनंद सिंह भाल
वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

Shri Anand Singh Bhal
Senior Economic Adviser
Ministry of Commerce and Industry

भारतीय रिज़र्व बैंक, संस्थाओं और वाणिज्यिक बैंकों से निदेशक
Directors from the Reserve Bank of India, Institutions and Commercial Banks

श्रीमती इंद्राणी बनर्जी
कार्यपालक निदेशक
भारतीय रिज़र्व बैंक

Smt. Indrani Banerjee
Executive Director
Reserve Bank of India

श्री रजनीश कुमार
अध्यक्ष
भारतीय स्टेट बैंक

Shri Rajnish Kumar
Chairman
State Bank of India

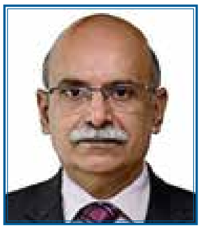

श्री एम. सेंथिलनाथन
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक
ईसीजीसी लिमिटेड

Shri M. Senthilnathan
Chairman-cum-Managing Director
ECGC Ltd.

पूर्णकालिक निदेशक
Whole-time Directors

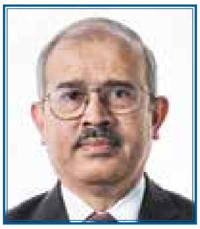

श्री डेविड रस्कीना
प्रबंध निदेशक

Shri David Rasquinha
Managing Director

सुश्री हर्षा बंगारी
उप प्रबंध निदेशक

Ms. Harsha Bangari
Deputy Managing Director

श्री के. राजारमन
अपर सचिव (निवेश)
आर्थिक कार्य विभाग
वित्त मंत्रालय

Shri K. Rajaraman
Additional Secretary (Investment)
Department of Economic Affairs
Ministry of Finance

श्री पंकज जैन
अपर सचिव
वित्तीय सेवाएं विभाग
वित्त मंत्रालय

Shri Pankaj Jain
Additional Secretary
Department of Financial Services
Ministry of Finance

श्री राकेश शर्मा
प्रबंध निदेशक एवं सीईओ
आईडीबीआई बैंक लिमिटेड

Shri Rakesh Sharma
Managing Director & CEO
IDBI Bank Ltd.

श्री राजकिरन राय जी.
प्रबंध निदेशक एवं सीईओ
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

Shri Rajkiran Rai G.
Managing Director & CEO
Union Bank of India

श्री ए. एस. राजीव
प्रबंध निदेशक एवं सीईओ
बैंक ऑफ महाराष्ट्र

Shri A. S. Rajeev
Managing Director & CEO
Bank of Maharashtra

(यथा 23 जून, 2020/As on June 23, 2020)

प्रबंध निदेशक का वक्तव्य
MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

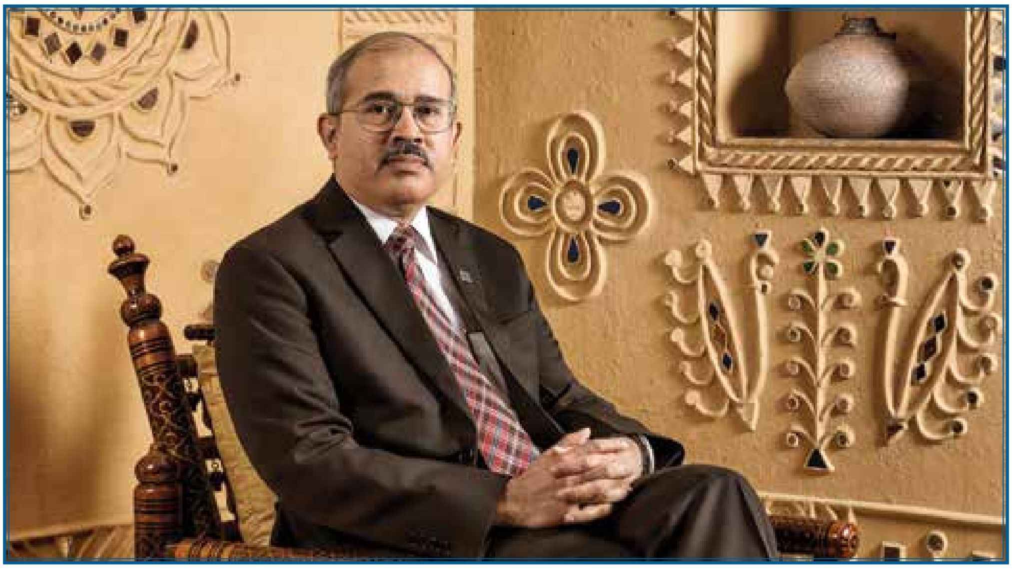

जैसे ही हम 2019-20 की ओर देखते हैं, कोविड-19 महामारी ज़ेहन में उभरने लगती है, जिसने इस साल की चौथी तिमाही में पूरी दुनिया को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया था। अपने मूल स्थान से तेजी से लगातार फैले इस वायरस ने दुनिया में लाखों लोगों को इस बीमारी से ग्रसित किया और दुनिया ने मौत का मंजर देखा। हालांकि भारत भी इस वायरस से बच नहीं पाया। तथापि, जनसंख्या को देखते हुए, संक्रमण और मृत्यु दर अपने देश में तुलनात्मक रूप से कम रही। हालांकि यह इसके कहर से शोक संतप्त लोगों के लिए थोड़ी राहत की बात रही, लेकिन जिन्होंने अपनों को खोया उनके साथ हम सहानुभूति रखते हैं। इस महामारी के चलते आर्थिक गतिविधियां मंद पड़ गईं, क्रय शक्ति कम होने लगी और बेरोजगारी बढ़ने लगी। इस तरह इसने दुनिया की अर्थव्यवस्था को हिलाकर रख दिया। चिकित्सा विज्ञान अनवरत इसके उपचार खोज रहा है और वैक्सीन विकसित करने के प्रयास निरंतर जारी हैं। इस सबके बीच हम डॉक्टरों, नर्सों और अन्य मेडिकल प्रोफेशनलों के आभारी हैं, जो कोविड के विरुद्ध इस युद्ध में मोर्चे पर डटे हैं।

संक्षेप में कहा जा सकता है कि कम लागत पर ऋण प्राप्त करने या कैपेक्स स्थगन के लिए उधारकर्ताओं द्वारा लिए गए ऋणों के पूर्व-भुगतान के चलते बैंक अपने ऋण पोर्टफोलियो को 6.23 प्रतिशत तक बढ़ाने में सफल रहा है। भारत सरकार की ओर से तथा उनके निर्देश पर किया गया पॉलिसी बिजनेस वर्ष के अंत में, कुल ऋण पोर्टफोलियो का 60 प्रतिशत रहा।

As we look back on 2019-20, the abiding image is that of the COVID-19 pandemic which began to sweep the world in the fourth quarter of the year. Spreading swiftly and inexorably from its origin, the virus has tragically infected millions of people across the globe with disease, debility and death. India has not been spared, though we are perhaps fortunate in a lower infection as well as mortality rate relative to our size. That is however small comfort to the afflicted and the bereaved, and our hearts go out to those who have lost loved ones. The economic impact of the pandemic globally has also been severe in terms of lost economic activity, reduced spending, rising unemployment and so on. Medical science is racing to find therapeutic measures and vaccines to stem the disease. Meanwhile we owe a debt of gratitude to the doctors, nurses and other medical professionals who are on the front lines of the war against COVID.

In sum, the Bank was able to grow its loan portfolio by 6.23 per cent, in the face of pre-payment of loans taken by high-rated borrowers who preferred to refinance at lower cost or defer capex. At the year end, the Policy Business done on behalf and at the behest of the Government of India (GOI)

वाणिज्यिक व्यवसाय में पूर्व भुगतानों तथा ऋण पोर्टफोलियो के क्रेडिट प्रोफाइल में सुधार लाने के लिए बैंक द्वारा लागू किए गए सख्त फिल्टरिंग मानकों के चलते वाणिज्यिक व्यवसाय 40 प्रतिशत रहा, जबकि पॉलिसी बिजनेस में निरंतर वृद्धि हुई है। परिणामस्वरूप, वाणिज्यिक व्यवसाय का 80 प्रतिशत से अधिक पोर्टफोलियो निवेश ग्रेड का हो गया है, जिससे स्लिपेज की संभावना कम हुई है (जैसा कि स्लिपेज अनुपात में गिरावट से प्रदर्शित होता है)। विवेकपूर्ण प्रावधान के साथ खराब ऋणों की वसूली पर अधिक ध्यान देने से, बैंक की निवल अनर्जक आस्तियां (नेट एनपीए) घटकर निवल ऋणों की मात्र 1.77 प्रतिशत रह गई हैं। प्रावधान कवरेज अनुपात 88.76 प्रतिशत रखा गया है, ताकि भविष्य में पुराने एनपीए के चलते परेशानी न हो। बैंक का गैर-निधिक पोर्टफोलियो, ऋण पोर्टफोलियो की तुलना में तेजी से बढ़ा है। यह भारतीय निर्यातकों द्वारा हासिल की गई परियोजना निर्यात संविदाओं को प्रदर्शित करता है, जिसके लिए बैंक द्वारा गारंटियां प्रदान की गई हैं।

2019-20 के दौरान एक्ज़िम बैंक का कार्य निष्पादन अच्छा रहा और बैंक ने विभिन्न मानदंडों पर निम्नलिखित अनुसार उच्चतर उपलब्धि हासिल कीः

comprised 60 per cent of the loan portfolio, while the Commercial Business stood at 40 per cent. The growth in the Policy Business has been more sustained due to the above mentioned pre-payments in the Commercial Business as well as tighter filtering standards implemented by the Bank to improve the credit profile of the loan portfolio. As a result, over 80 per cent of the Commercial Business is rated Investment Grade, materially reducing the probability of slippage (as evidenced by the drop in the Slippage Ratio). Intensive focus on recovery of bad loans, combined with prudential provisioning, have reduced net NPAs to just 1.77 per cent of the net loans, with a Provision Coverage Ratio of 88.76 per cent, implying minimal legacy pain going forward. The non-funded portfolio has grown even faster than the loan portfolio, reflecting project export contracts secured by Indian exporters, for which guarantees have been provided by the Bank.

Exim Bank has turned in a sound business performance during 2019-20, with demonstrably higher achievement on numerous parameters, as under:

मानदंड Parameter (A – H ₹ बिलियन में in Billion, I – L in % में)		Performance in 2019-20 में निष्पादन	Performance in 2018-19 में निष्पादन	Growth over 2018-19 से वृद्धि
A.	ऋण पोर्टफोलियो/Loan Portfolio	994	936	6.23%
B.	गैर-निधिक पोर्टफोलियो/Non-Funded Portfolio	159	141	12.59%
C.	ग्राहक आस्ति पोर्टफोलियो (ए+बी)/ Customer Asset Portfolio (A+B)	1,153	1,087	7.06%
D.	कुल उधारियां/Total Borrowings	1,051	923	13.93%
E.	कुल व्यवसाय (सी+डी)/Total Business (C+D)	2,204	2,000	10.23%
F.	प्रति कर्मचारी व्यवसाय/Business per Employee	6.21	5.71	8.76%
G.	कर पूर्व लाभ/Profit Before Tax	2.44	1.87	30.48%
H.	कर पश्चात लाभ/ Profit After Tax	1.24	0.82	51.22%
I.	निवल अनर्जक आस्तियां/Net Non-Performing Assets	1.77%	2.44%	(67 bps)
J.	जोखिम भारित आस्ति पूँजी अनुपात/ Capital to Risk Weighted Assets Ratio	20.13%	19.07%	106 bps
K.	प्रावधान कवरेज अनुपात/Provision Coverage Ratio	88.76%	84.72%	404 bps
L.	स्लिपेज अनुपात/Slippage Ratio	1.94%	2.74%	(80 bps)

बैलेंस शीट को मजबूत करने और भावी वृद्धि के लिए पूँजी प्रदान करने के लिए वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवाएं विभाग के जरिए, भारत सरकार की ओर से दिए जाते रहे निरंतर सहयोग के लिए हम उनके विनम्र आभारी हैं। यथा 31 मार्च, 2020 को हमारा लिवरेज मल्टीपल 8.10 (अधिकतम अनुमेय 10.0) रहा है, जो पूँजी के उच्च उपयोग तथा भावी वृद्धि की गुंजाइश को दर्शाता है। यथा 31 मार्च, 2020 को बैंक का जोखिम भारित आस्तियों की तुलना में पूँजी अनुपात (सीआरएआर) 20.13 प्रतिशत की मजबूत स्थिति में रहा। हालांकि यह अनुपात, ऋण-व्यवस्थाओं/रियायती वित्त योजना के अंतर्गत ऋणों के लिए भारत सरकार द्वारा गारंटी दिए गए ऋण के लिए शून्य जोखिम भार लेने के चलते थोड़ा अधिक है; किन्तु यदि इनके लिए भी हम 50 प्रतिशत का जोखिम भार ले लें तो भी, समायोजित सीआरएआर 14.84 प्रतिशत रहेगा, जो एक अच्छी स्थिति और वृद्धि की संभावनाओं को दर्शाता है।

बैंक ने जनवरी 2020 में 10 वर्षीय बॉन्ड के जरिए 1 बिलियन यूएस डॉलर जुटाकर अंतरराष्ट्रीय ऋण पूँजी बाजारों में अपना उल्लेखनीय रिकॉर्ड बनाए रखा है। बैंक ने यह राशि किसी भी भारतीय जारीकर्ता के लिए 10 वर्षीय बॉन्ड में सबसे कम कूपन दर पर जुटाई। बैंक ने क्रेडिट के मामले में सचेत रहने वाले जापान में समुराई बॉन्ड बाजार को भी टैप किया है, और (अवधारणा के रूप में) बैंक ने एक छोटी पेशकश के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व वाले बॉन्ड बाज़ार में भी अपनी पैठ बनाई है, जो एक नया बाज़ार है। जनवरी 2015 के बाद से पिछले पांच वर्षों में, बैंक विदेशों में सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा पेपर जारीकर्ता रहा है।

गत वर्षों में बैंक को अपने निदेशक मंडल में सम्मानित और प्रतिष्ठित निदेशकों का सान्निध्य मिलता रहा है, जिन्होंने बैंक को अपने लक्ष्य हासिल करने में मार्गदर्शन दिया है। बैंक के निदेशक मंडल में परिवर्तन भी हुए हैं। श्री रमेश अभिषेक, सचिव, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय; श्री टी. एस. तिरुमूर्ति, सचिव (आर्थिक संबंध), विदेश मंत्रालय; श्री एम. डी. पात्र, कार्यपालक निदेशक, भारतीय रिज़र्व बैंक; श्री दीनबंधु महापात्र, प्रबंध निदेशक व सीईओ, बैंक ऑफ इंडिया; सुश्री गीता मुरलीधर, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, ईसीजीसी लिमिटेड; और श्री देबाशिस मल्लिक, उप प्रबंध निदेशक, एक्ज़िम बैंक, ने अपने पदभार में परिवर्तन होने के चलते या अधिवार्षिता आयु पूरी होने के चलते, जैसा भी मामला हो, निदेशक के

The Bank is deeply appreciative and grateful for the unstinted support of GOI, through the Department of Financial Services, Ministry of Finance, in providing us with capital to strengthen the balance sheet and grow. As of March 31, 2020, the leverage multiple stood at 8.10 (maximum permissible 10.0), implying high utilisation of capital, yet leaving room to grow further. The Bank's Capital to Risk Weighted Assets Ratio (CRAR) as of March 31, 2020 stood at a robust 20.13 per cent. This is however arithmetically exaggerated by the zero risk weightage for GOI guaranteed Lines of Credit / Concessional Finance Scheme Loans; at a midway risk weightage of 50 per cent instead, the adjusted CRAR would stand at 14.84 per cent, which is still robust and offers room for growth.

The Bank maintained its enviable track record in the international debt capital markets, raising US$ 1 billion in 10-year bonds in January 2020, at the lowest coupon for any Indian 10-year issuer ever. The Bank also tapped the highly credit conscious Samurai Bond market in Japan, and also (as a Proof of Concept) explored new ground with a small offering of Socially Responsible Bonds, a promising new area. Over the last five years since January 2015, the Bank has been the largest issuer of foreign currency paper out of India.

The Bank, over the years, has been blessed with an esteemed list of Directors on its Board, who have been guiding the Bank towards attaining its chartered objectives. There have also been changes on the Board of the Bank. Shri Ramesh Abhishek, Secretary, Department for Promotion of Industry and Internal Trade, Ministry of Commerce and Industry; Shri T. S. Tirumurti, Secretary (Economic Relations), Ministry of External Affairs; Dr. M. D. Patra, Executive Director, Reserve Bank of India; Shri Dinabandhu Mohapatra, Managing Director & CEO, Bank of India; Ms Geetha Muralidhar, Chairman-cum-Managing Director, ECGC Ltd.; and Shri Debasish Mallick, Deputy Managing Director, Exim Bank, relinquished their directorships consequent upon change in office

अपने पदभार से त्यागपत्र दे दिया है। बैंक निदेशकों के रूप में दिए गए उनके बहुमूल्य योगदान के लिए उनका आभार मानता है और इसके लिए सदैव उनका ऋणी रहेगा। मैं श्री देबाशिस मल्लिक की महत्त्वूपर्ण भूमिका का विशेष रूप से उल्लेख करूंगा, जिन्होंने जुलाई 2014 से बैंक के उप प्रबंध निदेशक के रूप में पांच वर्षों तक अपनी सेवाएं दीं। देबाशिस आईडीबीआई असेट कंपनी लिमिटेड से बैंक आए थे। उन्हें क्रेडिट और विकास वित्त में बेजोड़ अनुभव और विशेषज्ञता प्राप्त थी। उनके अनुभव, सकारात्मक दृष्टिकोण, और बेहतरीन संबंध प्रबंधन से बैंक के रोजमर्रा के कार्यकलापों में बड़ा परिवर्तन आया। हम उनके अविस्मरणीय योगदान को नोट करते हुए उनके स्वस्थ एवं खुशहाल सेवानिवृत्त जीवन की कामना करते हैं।

बैंक अपने निदेशक मंडल में शामिल हुए नए निदेशकों का भी स्वागत करता है, जिनका निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग बैंक को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मददगार होगा। इनमें श्री आनंद सिंह भाल, वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय; सुश्री इंद्राणी बनर्जी, कार्यपालक निदेशक, भारतीय रिज़र्व बैंक; श्री ए. एस. राजीव, प्रबंध निदेशक और सीईओ, बैंक ऑफ महाराष्ट्र; श्री एम सेंथिलनाथन, अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक, ईसीजीसी लिमिटेड; और सुश्री हर्षा बंगारी, उप प्रबंध निदेशक, एक्ज़िम बैंक शामिल हैं। हर्षा का विशेष रूप से स्वागत है, जो एक्ज़िम बैंक में प्रबंधन प्रशिक्षु के रूप में अपना करियर शुरू कर निरंतर परिश्रम से लगातार आगे बढ़ती रहीं और आखिरकार भारत सरकार द्वारा बैंक की उप प्रबंध निदेशक नियुक्त की गईं। हम सब उनकी करियर यात्रा के इस पड़ाव पर उन्हें शुभकामनाएं देते हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि वह अपनी नई भूमिका में भी अपार सफलता हासिल करेंगी।

बैंक में 354 अधिकारियों का छोटा–सा और कुशल स्टाफ है, जो सदैव अपनी क्षमताओं से अधिक प्रदर्शन करते हैं। हमारे अधिकारियों के इस कठिन परिश्रम और उनकी दृढ़ निश्चयी प्रवृत्ति ने खराब ऋणों की उल्लेखनीय वसूली और व्यवसाय में अच्छी वृद्धि को संभव बनाया है। साथ ही शोध अध्ययनों, आउटरीच प्रयासों और अन्य कार्यों में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। प्रति कर्मचारी व्यवसाय के मामले में बैंक के स्टाफ की उत्पादकता उद्योग में एक मिसाल है। कोविड के चलते राष्ट्रव्यापी तालाबंदी के बावजूद बैंक ने अपने आईटी

or achieving superannuation, as may be the case. The Bank gratefully acknowledges their invaluable contribution as Directors and will always remain indebted to them. I would particularly recognize the invaluable role of Shri Debasish Mallick, who served as Deputy Managing Director of the Bank for five years since July 2014. Debasish joined the Bank from IDBI Asset Management Company Ltd, bringing with him a wealth of expertise and experience in the field of credit and development finance. His experience, positive approach and superb relationship building made a huge difference to the functioning of the Bank. We fondly remember him, and wish him good health and happiness in retirement.

The Bank also takes the opportunity to welcome new directors on the Board and looks forward to their guidance and support in taking the Bank to greater heights. These include Shri Anand Singh Bhal, Senior Economic Adviser, Ministry of Commerce and Industry; Ms. Indrani Banerjee, Executive Director, Reserve Bank of India; Shri A. S. Rajeev, Managing Director & CEO, Bank of Maharashtra; Shri M Senthilnathan, Chairman-cum-Managing Director, ECGC Ltd.; and Ms. Harsha Bangari, Deputy Managing Director, Exim Bank. A special welcome to Harsha, who started her career in Exim Bank as a Management Trainee and has grown from strength to strength, culminating in her appointment by the Government of India as Deputy Managing Director. We all wish her well in this new stage of her career journey and I am sure she will be a tremendous success in her new role.

The Bank has a compact and highly skilled staff of 354 officers who habitually punch well above their weight. The diligence and indomitable attitude of our officers has led to significant recovery of bad loans as well as strong growth in business, research studies, outreach efforts, and so on. The productivity of the Bank's staff as measured in business per employee is exemplary. Following nation-wide lockdown regulations due to COVID, the Bank has

इन्फ्रास्ट्रक्चर का प्रभावी रूप से सदुपयोग किया और बैंक के कुशल स्टाफ ने घर से भी प्रभावपूर्ण तरीके से काम किया, जो बैंक की सुदृढ़ व्यवसाय निरंतरता योजनाओं को दर्शाता है।

बैंक भारत और विश्व की एक श्रेष्ठ कॉर्पोरेट संस्था बने रहने के लिए निरंतर प्रयासरत रहता है। बैंक अपने अधिदेश को ध्यान में रखते हुए अच्छे व्यवसाय परिणाम तो लाता ही है, साथ ही अक्षय पात्र फाउंडेशन, स्वच्छ भारत पहल, तथा भारत के विभिन्न हिस्सों में स्वच्छता और स्वास्थ्य अभियानों एवं रक्तदान अभियानों का हिस्सा बनकर समाज कल्याण में भी अपना योगदान देता रहा है।

चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 के चुनौतीपूर्ण रहने की आशंका है। अप्रैल-जून 2020 तिमाही के दौरान सभी लागू विनियमों का अनुपालन करते हुए बैंक ने अधिकांशतः घर से काम किया है और अपने बिजनेस को निर्बाध रूप से जारी रखने में सफल रहा है। हालांकि, आगे भी घर से काम करना जारी रह सकता है, किन्तु बिना यात्रा और मार्केटिंग के नया बिजनेस लाना अव्यावहारिक और मुश्किल दिखता है। अप्रैल-जून 2020 की निरंतर तालाबंदी के बाद देश में जैसे ही व्यावसायिक गतिविधियां दोबारा शुरू होती हैं, मैं और मेरे सहयोगी 2020-21 में बेहतर कार्यनिष्पादन के साथ बेहतर परिणामों के लिए नए व्यवसाय प्रस्ताव लाने के लिए तत्पर हैं। हम निर्यातों के लिए निवेश को बढ़ाने हेतु निर्यातकों और उत्पादकों से जुड़ेंगे और जैसा कि माननीया वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में 'उभरते सितारे' कार्यक्रम के संदर्भ में उल्लेख किया है, हम इस दिशा में अपने प्रयासों को तेज करेंगे। मैं आशान्वित हूं कि 'उभरते सितारे' कार्यक्रम आने वाले दिनों में भारत के भावी निर्यात चैंपियंस को चिह्नित करेगा और उन्हें विकसित करेगा।

मैं और बैंक में मेरे सहयोगी, आने वाले वर्षों में, आत्मनिर्भर भारत के पथ पर अग्रसर होते हुए भारत सरकार और भारत की जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। बल्कि हम इन अपेक्षाओं से बेहतर निष्पादन के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

डेविड रस्कीना
23 जून, 2020

effectively leveraged its IT infrastructure and its skilled staff to effectively function in Work From Home mode, proving the robustness of its Business Continuity Plans.

The Bank strives to be a good corporate citizen of India and the world. While we take pride in delivering strong business results in keeping with our mandate, we also look to give back to society via support to the Akshaya Patra Foundation, the Swachh Bharat initiative, cleanliness and health initiatives in various parts of India, blood donation drives and so on.

The current year 2020-21 appears to be challenging. During April-June 2020, the Bank, in compliance with all applicable regulations, has maximized Work From Home and has been successful in managing its business uninterrupted. However, while ongoing business is amenable to Work From Home, origination of new business without active travel and marketing is impractical. After continuous lockdown during April-June 2020, as the country opens up again, my colleagues and I look forward to actively generating new business proposals to enable superior growth performance in 2020-21. We will engage with exporters and producers to try and stimulate investment for exports, and the Ubharte Sitaare Programme, which the Hon'ble Finance Minister graciously blessed in her Budget Speech, will be the fore runner of our efforts. I am highly optimistic that the Ubharte Sitaare Programme will identify and develop future Export Champions of India in the days ahead.

My colleagues in the Bank, and I, are ready and determined to leave no stone unturned in the years ahead, to live up to, and in fact exceed, the expectations of the Government and people of India on the road to Atmanirbhar Bharat.

David Rasquinha
June 23, 2020

प्रबंधन Management

मुख्य महाप्रबंधक Chief General Managers

श्री मुकुल सरकार
Shri Mukul Sarkar

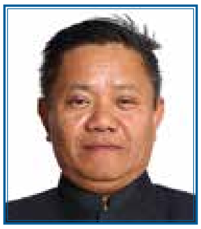

श्री डेविड सिनाटे
Shri David Sinate

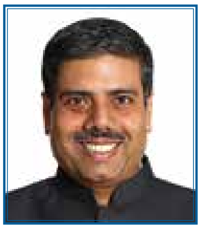

श्री प्रहलादन अय्यर
Shri Prahalathan Iyer

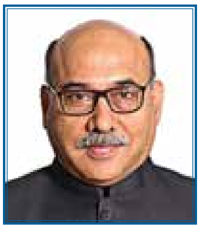

श्री नदीम पंजेतन
Shri Nadeem Panjetan

सुश्री रीमा मार्फतिया
Ms. Rima Marphatia

श्री सुदत्त मंडल
Shri Sudatta Mandal

सुश्री सुनीता सिंदवानी
Ms. Sunita Sindwani

सुश्री मंजिरी भालेराव
Ms. Manjiri Bhalerao

महाप्रबंधक General Managers

श्री उत्पल गोखले
Shri Utpal Gokhale

श्री गौरव भंडारी
Shri Gaurav Bhandari

सुश्री दीपाली अग्रवाल
Ms. Deepali Agrawal

श्री टी. डी. सिवाकुमार
Shri T. D. Sivakumar

सुश्री मीना वर्मा
Ms. Meena Verma

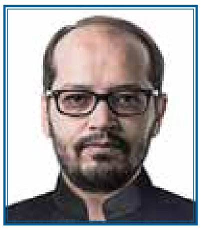

श्री तरुण शर्मा
Shri Tarun Sharma

श्री विक्रमादित्य उगरा
Shri Vikramaditya Ugra

श्री धर्मेन्द्र सचान
Shri Dharmendra Sachan

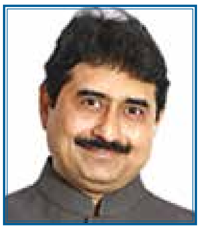

श्री सुजीत भाले
Shri Sujeet Bhale

सुश्री शिल्पा वाघमारे
Ms. Shilpa Waghmare

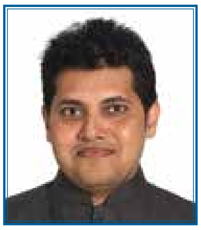

श्री उदय शिंदे
Shri Uday Shinde

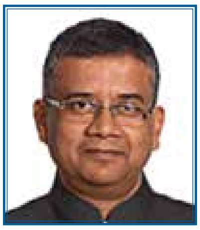

श्री लोकेश कुमार
Shri Lokesh Kumar

श्री सरोज खुंटिया
Shri Saroj Khuntia

श्री रिकेश चंद
Shri Rikesh Chand

आर्थिक परिवेश

ECONOMIC ENVIRONMENT

वैश्विक अर्थव्यवस्था

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के मुताबिक, 2019 में वैश्विक अर्थव्यवस्था में वृद्धि पिछले वर्ष की तुलना में थोड़ी कमजोर हुई। वर्ष 2018 में यह वृद्धि दर 3.6 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2019 में घटकर 2.9 प्रतिशत रह गई। यह गिरावट कुछ उभरते बाजार वाली अर्थव्यवस्थाओं, विशेष रूप से भारत में, आर्थिक गतिविधियों के लिए नकारात्मक अप्रत्याशित घटनाओं को परिलक्षित करती है। व्यापार नीति में अनिश्चितता, भू-राजनीतिक तनाव और प्रमुख उभरते बाजार वाली अर्थव्यवस्थाओं में विशिष्ट प्रकार के तनाव के चलते वैश्विक आर्थिक गतिविधियों पर दबाव जारी रहा।

विकसित अर्थव्यवस्थाओं में भी बड़ी गिरावट आई और प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित हुईं। विशेष रूप से यूएसए (वर्ष 2018 में 2.9 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2019 में 2.3 प्रतिशत), यूरो क्षेत्र (वर्ष 2018 की 1.9 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2019 में 1.3 प्रतिशत) में उल्लेखनीय मंदी आई और छोटी एशियाई उन्नत अर्थव्यवस्थाएं भी इससे प्रभावित हुईं। ब्राजील, चीन, भारत, मेक्सिको और रूस सहित उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में यह मंदी और भी अधिक रही, जिनकी वृद्धि दर 2018 में 4.5 प्रतिशत के आसपास रही थी और 2019 में उल्लेखनीय रूप से घटकर मात्र 3.7 प्रतिशत रह गई। कुछ अर्थव्यवस्थाओं को मैक्रो-इकनॉमिक और वित्तीय तनावों का सामना करना पड़ा।

वैश्विक व्यापार

मात्रात्मक रूप से वस्तुओं और सेवाओं में वैश्विक व्यापार की वृद्धि दर में भारी गिरावट दर्ज की गई। यह वृद्धि दर वर्ष 2019 में गिरकर मात्र 0.9 प्रतिशत रह गई, जो वर्ष 2018 में 3.8 प्रतिशत थी। यह वर्ष 2012 के बाद से सबसे बड़ी गिरावट है। उच्चतर टैरिफ और लंबे समय से चली आ रही अनिश्चितताओं से घिरी व्यापार नीति के चलते निवेश बुरी तरह प्रभावित हुआ और इस प्रकार पूँजीगत वस्तुओं की मांग में भारी गिरावट आई, जिनका व्यापार में बड़ा हिस्सा होता है। वैश्विक निवेशों में आई मंदी मुख्य रूप से आयात वृद्धि में आई गिरावट के साथ चक्रीय कारकों, दबावग्रस्त अर्थव्यवस्थाओं और बढ़ते व्यापार तनावों के चलते विनिर्माण क्षेत्र में व्यवसाय भावनाओं के प्रभावित होने के परिणामस्वरूप हुई। बढ़ते व्यापार तनावों के चलते विनिर्माण क्षेत्र में व्यवसाय भावनाएं भी अत्यधिक प्रभावित हुईं। उपभोक्ता वस्तुओं की खरीद में आई गिरावट, व्यापार वृद्धि में मंदी लाने वाला अन्य कारक रहा।

विश्व मर्चेंडाइज व्यापार में मात्रा की दृष्टि से गिरावट दर्ज की गई। वर्ष 2018 में 2.9 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी के बाद वर्ष 2019 में व्यापार तनावों और मंद आर्थिक वृद्धि के चलते इसमें

Global Economy

According to the International Monetary Fund (IMF), expansion of the global economy has weakened in 2019, moderating to 2.9 per cent as compared to 3.6 per cent in 2018, reflecting negative surprises to economic activity in a few emerging market economies, notably India. Trade policy uncertainty, geopolitical tensions, and idiosyncratic stress in key emerging market economies continued to weigh on global economic activity.

Among advanced economies, the weakening has been broad-based, affecting major economies notably the United States (2.3 per cent in 2019 as against 2.9 per cent in 2018), Euro area (1.3 per cent in 2019 as against 1.9 per cent in 2018) and smaller Asian advanced economies. The slowdown in activity was even more pronounced in emerging market and developing economies, including Brazil, China, India, Mexico and Russia, which clocked a growth rate of 4.5 per cent in 2018 and slowed down significantly to 3.7 per cent in 2019, with few economies suffering macroeconomic and financial stress.

World Trade

Growth of global trade in goods and services, in volume terms, slowed down to 0.9 per cent in 2019, down from 3.8 per cent in 2018, the weakest level since 2012. Higher tariffs and prolonged uncertainty surrounding trade policy have dented investment and thus, reduced demand for capital goods, which are heavily traded. Slowdown in global investment, in line with reduced import growth, resulted from cyclical factors, steep downturn in investment in stressed economies, and the impact of increased trade tensions on business sentiment in the manufacturing sector. Another factor weighing down the trade growth has been the decline in purchase of consumer durables.

World merchandise trade in volume terms registered a decline of 0.1 per cent in 2019, after rising by 2.9 per cent in 2018, weighed down by trade tensions and slowing economic growth.

0.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। तदनुसार, वर्ष 2019 में डॉलर मूल्य में विश्व मर्चेंडाइज निर्यात 18.89 ट्रिलियन यूएस डॉलर का रहा, जिनमें गत वर्ष की तुलना में 3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसके विपरीत, वर्ष 2019 में विश्व वाणिज्यिक सेवाओं का व्यापार गत वर्ष के मुकाबले 2 प्रतिशत बढ़कर 6.03 ट्रिलियन यूएस डॉलर का रहा। तथापि, वृद्धि की यह दर वर्ष 2018 की 9 प्रतिशत की तुलना में काफी कम रही।

भारतीय अर्थव्यवस्था

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा मई 2020 में जारी 2019-20 के लिए राष्ट्रीय आय के अनंतिम अनुमानों के अनुसार, 2019-20 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 4.2 प्रतिशत आकलित की गई, जो ग्यारह वर्षों में न्यूनतम है। विभिन्न क्षेत्रों की बात की जाए तो वर्ष के दौरान मांग में गिरावट आने से औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों की गतिविधियों में मंदी रही, किन्तु कृषि और संबद्ध गतिविधियों की वृद्धि में थोड़ा सुधार देखा गया। कोविड–19 महामारी के परिणामस्वरूप आर्थिक झटकों का असर दिखाई देना शुरू हो गया और फिक्स्ड निवेश, निजी खपत में वृद्धि, विदेश व्यापार और वित्तीय क्षेत्र में तरलता (लिक्विडिटी) प्रभावित हुई। इस पूरे परिदृश्य में देश की पूर्व आकलित वृद्धि दर को बनाए रखने को लेकर जोखिम बना हुआ है। भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने इस नवीनतम चुनौती के चलते अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) को भी भारत की वृद्धि दर के अपने पूर्वानुमानों को घटाना पड़ा है। आईएमएफ ने वर्ष 2020 के लिए भारत की वृद्धि दर अप्रैल 2020 में 1.9 प्रतिशत आकलित की थी, जिसे कोविड–19 महामारी के बाद जून 2020 में घटाकर (-)4.5 प्रतिशत कर दिया।

भारत का अंतरराष्ट्रीय व्यापार

भारत के मर्चेंडाइज निर्यातों में लगातार तीन वर्षों तक बढ़ोत्तरी के बाद 2019-20 के दौरान गिरावट दर्ज की गई और ये 313.2 बिलियन यूएस डॉलर के रहे। गत वर्ष की तुलना में इनमें 5.1 प्रतिशत की कमी आई। निर्यातों में कमी मुख्य रूप से विदेशी मांग कमजोर पड़ने के चलते आई। वहीं दूसरी ओर, भारत के आयात भी 2019-20 के दौरान गिरकर 474 बिलियन यूएस डॉलर के रहे, जिनमें गत वर्ष की तुलना में 7.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

2019-20 के दौरान पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यातों में 11.4 प्रतिशत की गिरावट आई और ये 41.2 बिलियन यूएस डॉलर के रहे। वहीं, इसी अवधि के दौरान गैर–तेल निर्यातों में 4.1 प्रतिशत की गिरावट आई और ये 271.9 बिलियन यूएस डॉलर के रहे। रत्न एवं आभूषण,

Accordingly, the dollar value of world merchandise exports in 2019 fell by 3 per cent to US$ 18.89 trillion. In contrast, world commercial services trade increased in 2019, with exports in dollar terms rising by 2 per cent to US$ 6.03 trillion. The pace of expansion was, however, slower than in 2018, when it increased by 9 per cent.

Indian Economy

According to the Provisional Estimates of National Income, 2019-20 released by the National Statistical Office (NSO) in May 2020, the Indian economy is estimated to grow at 4.2 per cent in 2019-20, the lowest in eleven years. At the sectoral level, a rebound in the growth of agriculture and allied activities during the year was outweighed by the dampening of industrial and services activities due to weak demand conditions. Economic shock as a result of the COVID-19 pandemic has started to further impact fixed investment, private consumption growth, external trade and liquidity in the financial sector, which pose a risk to sustaining the earlier growth estimates. The latest challenge faced by the Indian economy has led to a substantial downward revision of the country's growth projection by the IMF in June 2020 to (-)4.5 per cent for the year 2020, from its earlier estimate of 1.9 per cent in April 2020.

India's International Trade

After growing for three consecutive years, India's merchandise exports declined in 2019-20 and stood at US$ 313.2 billion, which is a contraction of 5.1 per cent over the previous year. Exports have declined mainly owing to weaker external demand. At the same time, India's imports also fell to US$ 474 billion during 2019-20, registering a decline of 7.8 per cent over the previous year.

During 2019-20 export of petroleum and petroleum products declined by 11.4 per cent to US$ 41.2 billion, whereas non-oil exports fell by 4.1 per cent to US$ 271.9 billion in the same period.

टेक्सटाइल और संबंधित उत्पाद, कृषि तथा संबद्ध उत्पाद, बेस धातुएं, परिवहन उपकरण अन्य महत्त्वपूर्ण क्षेत्र रहे, जिनमें 2019-20 के दौरान निर्यातों में ऋणात्मक वृद्धि दर्ज की गई। वहीं दूसरी ओर, इसी अवधि के दौरान रसायन और संबंधित उत्पाद, अयस्क और खनिज तथा इलेक्ट्रॉनिक सामान जैसी कमोडिटीज़ के निर्यातों में धनात्मक वृद्धि दर्ज की गई। 2019-20 के दौरान भारत ने 130.5 बिलियन यूएस डॉलर के पेट्रोलियम उत्पादों (मुख्य रूप से कच्चा तेल) का आयात किया और गत वर्ष की तुलना में इसमें 7.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वहीं, वर्ष 2019-20 के दौरान गैर-तेल आयात 343.5 बिलियन यूएस डॉलर के रहे, जिनमें गत वर्ष की उसी अवधि की तुलना में 8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। भारत द्वारा आयात की गई ऐसी मुख्य मदों में रत्न एवं आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक सामान, रसायन और संबंधित उत्पाद, अयस्क एवं खनिज तथा मूल धातुएं शामिल रहीं, जिनमें वर्ष के दौरान गैर-तेल श्रेणी में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई।

समग्र रूप से भारत का व्यापार घाटा 2018-19 के 184 बिलियन यूएस डॉलर की तुलना में 2019-20 के दौरान 160.8 बिलियन यूएस डॉलर का रहा। भारत के सेवा निर्यात वर्ष 2019-20 के दौरान 213.2 बिलियन यूएस डॉलर के रहे और इनमें गत वर्ष के 208 बिलियन यूएस डॉलर की तुलना में 2.4 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। 2019-20 में सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात गत वर्ष के 86.3 बिलियन यूएस डॉलर की तुलना में बढ़कर 96.1 बिलियन यूएस डॉलर के रहे।

2019-20 के दौरान भारत का चालू खाता घाटा 2018-19 के 57.2 बिलियन यूएस डॉलर (जीडीपी का 2.1 प्रतिशत) की तुलना में कम होकर 24.6 बिलियन यूएस डॉलर (जीडीपी का 0.9 प्रतिशत) हो गया, जो पिछले तीन वर्षों के दौरान सबसे कम है। इस अवधि के दौरान, पूँजीगत और वित्तीय लेखों के अंतर्गत नेट आवक (इनफ्लो) 57.7 बिलियन यूएस डॉलर से घटकर 23.6 बिलियन यूएस डॉलर की रही।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार मार्च 2020 के अंत में 477.8 बिलियन यूएस डॉलर का रहा, जो मार्च 2019 के अंत में 412.9 बिलियन यूएस डॉलर का रहा। इसमें आयातों के लगभग 11 महीने कवर होते हैं। वहीं दूसरी ओर, विदेशी ऋण में भी बढ़ोत्तरी हुई और यह मार्च 2019 के 543.3 बिलियन यूएस डॉलर से बढ़कर मार्च 2020 के अंत में 558.5 बिलियन यूएस डॉलर रहा।

Gems and jewellery, textile and allied products, agriculture and allied products, base metals, and transport equipment are the other major sectors that registered a negative growth in exports during 2019-20. On the other hand, commodities such as chemical and related products, ores and minerals and electronic items registered positive export growth during the same period. India's import of petroleum and its products (mainly crude) stood at US$ 130.5 billion during 2019-20, declining by 7.4 per cent as compared to the preceding year. Non-oil imports stood at US$ 343.5 billion during 2019-20, registering a decline of 8 per cent over the corresponding period of the last year. Gems and jewellery, electronics items, chemicals and related products, ores and minerals and base metals were the major imported items that registered a significant fall in the non-oil import category.

Overall, India's trade deficit narrowed to US$ 160.8 billion during 2019-20, as compared to US$ 184 billion in 2018-19. India's services exports increased by 2.4 per cent to US$ 213.2 billion during 2019-20 as compared to US$ 208 billion during the preceding year. Software services exports in 2019-20 rose to US$ 96.1 billion, compared to US$ 86.3 billion last year.

India's current account deficit narrowed to US$ 24.6 billion (0.9 per cent of GDP) during 2019-20 from a deficit of US$ 57.2 billion (2.1 per cent of GDP) during 2018-19, which is the lowest in the last three years. During the same period, net inflows under the capital and financial account decreased from US$ 57.7 billion to US$ 23.6 billion.

India's foreign exchange reserves increased from US$ 412.9 billion as at end March 2019 to US$ 477.8 billion as at end March 2020, which covers around 11 months of imports. At the same time, external debt rose to US$ 558.5 billion as at the end of March 2019 from US$ 543.3 billion in March 2020.

निदेशकों की रिपोर्ट

DIRECTORS' REPORT

परिचालनों तथा वित्तीय निष्पादन की समीक्षा

ऋण आस्तियां

बैंक ने विभिन्न ऋण कार्यक्रमों के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2018-19 की ₹ 380.00 बिलियन की ऋण राशि के मुकाबले वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान ₹ 402.55 बिलियन की ऋण राशि अनुमोदित की। वित्तीय वर्ष 2018-19 के ₹ 366.60 बिलियन की तुलना में वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान बैंक ने ₹ 337.35 बिलियन की ऋण राशि का संवितरण किया। वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान चुकौती की राशि जहां ₹ 519.84 बिलियन थी, वहीं वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान चुकौती की राशि ₹ 334.87 बिलियन रही। यथा 31 मार्च, 2020 को निवल ऋण-आस्तियां ₹ 994.47 बिलियन की रहीं, जिनमें गत वर्ष की तुलना में 6 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। यथा 31 मार्च, 2020 को रुपया राशि के ऋण और अग्रिम, निवल ऋण आस्तियों के 16 प्रतिशत रहे, वहीं विदेशी मुद्रा में ऋण और अग्रिम 84 प्रतिशत रहे। यथा 31 मार्च, 2020 को अल्पावधि ऋण, निवल ऋणों तथा अग्रिमों के 8 प्रतिशत रहे।

गैर-निधिक सुविधाएं

बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2018-19 की ₹ 44.99 बिलियन राशि की तुलना में वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान ₹ 71.39 बिलियन की गैर-निधिक सुविधाएं मंजूर की गईं। इनमें परियोजना गारंटियां, वित्तीय गारंटियां और साख-पत्र शामिल रहे। यथा 31 मार्च, 2020 को बैंक का कुल गैर-निधिक पोर्टफोलियो, यथा 31 मार्च, 2019 के ₹ 140.96 बिलियन की तुलना में 12.58 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी के साथ ₹ 158.70 बिलियन का रहा, जिसमें गारंटियां, साख-पत्र एवं आपाती साख-पत्र शामिल रहे। वित्तीय वर्ष 2018-19 में ₹ 34.22 बिलियन की तुलना में वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान ₹ 50.30 बिलियन की गारंटियां जारी की गईं। वित्तीय वर्ष 2018-19 में ₹ 6.43 बिलियन की तुलना में वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान ₹ 17.64 बिलियन के साख-पत्र जारी किए गए। बैंक की बहियों में गारंटियां यथा 31 मार्च, 2019 को ₹ 139.12 बिलियन की तुलना में, यथा 31 मार्च, 2020 को ₹ 150.40 बिलियन की रहीं। वहीं, साख पत्र, यथा 31 मार्च, 2019 के ₹ 1.84 बिलियन की तुलना में यथा 31 मार्च, 2020 को ₹ 8.30 बिलियन के रहे।

REVIEW OF OPERATIONS AND FINANCIAL PERFORMANCE

Loan Assets

The Bank approved loans aggregating ₹ 402.55 billion under various lending programmes during FY 2019-20, as against ₹ 380.00 billion during FY 2018-19. Loan disbursements during FY 2019-20 were ₹ 337.35 billion, as against ₹ 366.60 billion during 2018-19, while loan repayments during FY 2019-20 amounted to ₹ 334.87 billion, as against ₹ 519.84 billion in FY 2018-19. Net loan assets as of March 31, 2020, were ₹ 994.47 billion, registering an increase of 6 per cent vis-à-vis the previous year. Rupee loans and advances accounted for 16 per cent of net loan assets as on March 31, 2020, while the balance 84 per cent were in foreign currency (FC). Short-term loans accounted for 8 per cent of net loans and advances as on March 31, 2020.

Non-Funded Facilities

During FY 2019-20, the Bank sanctioned non-funded facilities aggregating ₹ 71.39 billion, as against ₹ 44.99 billion in FY 2018-19, comprising project guarantees, financial guarantees and Letters of Credit. The Bank's aggregate non-funded portfolio, comprising Guarantees, Letters of Credit and Standby Letters of Credit, as of March 31, 2020, stood at ₹ 158.70 billion, as against ₹ 140.96 billion as of March 31, 2019, representing a growth of 12.58 per cent. Guarantees issued during FY 2019-20 amounted to ₹ 50.30 billion, as against ₹ 34.22 billion in 2018-19. Letters of Credit issued during FY 2019-20 amounted to ₹ 17.64 billion, as against ₹ 6.43 billion in FY 2018-19. Guarantees in the books of the Bank as of March 31, 2020, were ₹ 150.40 billion, as against ₹ 139.12 billion as of March 31, 2019, and Letters of Credit as of March 31, 2020, amounted to ₹ 8.30 billion as against ₹ 1.84 billion as of March 31, 2019.

आय / व्यय

बैंक ने सामान्य निधि लेखे में 2018-19 के दौरान ₹ 1.87 बिलियन के कर पूर्व लाभ के मुकाबले 2019-20 के दौरान ₹ 2.44 बिलियन का कर पूर्व लाभ दर्ज किया। आयकर के लिए ₹ 1.20 बिलियन की राशि का प्रावधान करने के बाद, 2019-20 के दौरान कर पश्चात लाभ ₹ 1.24 बिलियन का रहा, जबकि 2018-19 में ₹ 0.82 बिलियन का कर पश्चात लाभ दर्ज किया गया था। इस लाभ में से ₹ 0.93 बिलियन की राशि आरक्षित निधियों में अंतरित कर दी गई और ₹ 0.19 बिलियन की राशि निवेश उतार-चढ़ाव आरक्षित निधि में अंतरित कर दी गई। शेष ₹ 0.12 बिलियन की राशि भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 में किए गए प्रावधान के अनुसार भारत सरकार को अंतरित की जाएगी।

निर्यात विकास कोष में 2018-19 के दौरान ₹ 69.32 मिलियन के मुकाबले वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान ₹ 108.79 मिलियन का कर पूर्व लाभ दर्ज किया गया। कर के लिए ₹ 37.81 मिलियन का प्रावधान करने के बाद कर पश्चात लाभ 2018-19 के ₹ 45.10 मिलियन की तुलना में 2019-20 के दौरान ₹ 70.98 मिलियन का रहा।

ऋणों पर ब्याज, विनिमय, कमीशन, ब्रोकरेज और शुल्क आदि को मिलाकर कारोबारी आय 2018-19 में ₹ 63.30 बिलियन की तुलना में 2019-20 में ₹ 56.35 बिलियन की रही। निवेश आय, बैंक जमा राशियों आदि पर ब्याज आय 2018-19 की ₹ 27.66 बिलियन की तुलना में 2019-20 के दौरान ₹ 30.18 बिलियन रही। उधारियां बढ़ने के बावजूद 2019-20 में ब्याज व्यय ₹ 5.10 बिलियन कम होकर ₹ 63.09 बिलियन का रहा। स्टाफ संबंधी खर्चों सहित प्रशासनिक खर्च (आकस्मिकताओं के लिए प्रावधान को छोड़कर)

बैंक ने कुवैत में नई अल सबा अस्पताल परियोजना के डिजाइन, निर्माण और संचालन रखरखाव कॉन्ट्रैक्ट के लिए शापूरजी पालोनजी मिडईस्ट एलएलसी को गारंटी सुविधा प्रदान की।

The Bank extended guarantee facility to Shapoorji Pallonji Mideast LLC for a design, construction and operational maintenance contract of the New Al Sabah Hospital Project in Kuwait.

Income/Expenditure

The Bank registered profit before tax of ₹ 2.44 billion on account of General Fund during 2019-20, as against a profit before tax of ₹ 1.87 billion for the year 2018-19. After providing for income tax of ₹ 1.20 billion, profit after tax amounted to ₹ 1.24 billion during 2019-20 as against a profit after tax of ₹ 0.82 billion during 2018-19. Out of this profit, an amount of ₹ 0.93 billion is transferred to the Reserve Fund and an amount of ₹ 0.19 billion is transferred to Investment Fluctuation Reserve. The balance of ₹ 0.12 billion will be transferred to the Government of India (GOI) as provided in the Export-Import Bank of India Act, 1981.

Profit before tax of the Export Development Fund during 2019-20 was ₹ 108.79 million as against ₹ 69.32 million during 2018-19. After providing for tax of ₹ 37.81 million, the post-tax profit amounted to ₹ 70.98 million as against ₹ 45.10 million, during 2018-19.

Business income including interest on loans, exchange, commission, brokerage and fees, etc. during 2019-20 was ₹ 56.35 billion as compared to ₹ 63.30 billion in 2018-19. Investment income, interest on bank deposits etc. during 2019-20 was ₹ 30.18 billion as compared to ₹ 27.66 billion in 2018-19. Interest expenses in 2019-20 at ₹ 63.09 billion were lower by ₹ 5.10 billion despite increase in borrowings. Administrative expenses (including Staff related expenses) as a per cent of total expenses (excluding provisions for contingencies) worked out to 4.72 per cent during 2019-20 as against 2.98 per cent, during 2018-19.

Borrowings

Total borrowings of the Bank were at ₹ 1,051.66 billion as on March 31, 2020, higher by 13.93 per cent than the total borrowings of ₹ 923.04 billion as on March 31, 2019.

2018-19 के दौरान कुल व्यय के प्रतिशत के रूप में 2.98 प्रतिशत की तुलना में 2019-20 के दौरान कुल व्यय के प्रतिशत के रूप में 4.72 प्रतिशत रहा।

उधारियां

यथा 31 मार्च, 2020 को बैंक की कुल उधार राशियां ₹ 1,051.66 बिलियन की रहीं, जो यथा 31 मार्च, 2019 की ₹ 923.04 बिलियन की तुलना में 13.93 प्रतिशत अधिक रहीं।

संसाधन

वर्ष के दौरान, बैंक को भारत सरकार से ₹ 15 बिलियन की पूँजी प्राप्त हुई। इसमें ₹ 9.50 बिलियन की राशि बजट आवंटन के रूप में और ₹ 5.50 बिलियन की राशि पुनर्पूंजीकरण बॉन्डों के जरिए प्राप्त हुई। यथा 31 मार्च, 2020 को ₹ 138.59 बिलियन की चुकता पूँजी तथा ₹ 24.26 बिलियन की आरक्षित निधियों सहित बैंक के कुल संसाधन ₹ 162.85 बिलियन के रहे।

एक्ज़िम बैंक के संसाधन आधार में रुपया बॉन्ड, जमा प्रमाण-पत्र, वाणिज्यिक पत्र, सावधि जमा राशियां, विदेशी मुद्रा बॉन्ड, विदेशी मुद्रा ऋण तथा दीर्घावधि स्वैप आदि शामिल हैं। वर्ष के दौरान, बैंक ने विभिन्न परिपक्वता अवधियों (वर्ष के दौरान जुटाई गई तथा चुकता की गई राशि को छोड़कर) की कुल ₹ 266.21 बिलियन की उधारियां जुटाई। इसमें ₹ 121.61 बिलियन के रुपया संसाधन (जुटाए गए तथा चुकाए गए संसाधनों को घटाकर) 1.91 बिलियन यूएस डॉलर के समतुल्य (₹ 144.60 बिलियन) राशि के विदेशी मुद्रा संसाधन शामिल हैं। विदेशी मुद्रा संसाधनों में 1.34 बिलियन यूएस डॉलर के समतुल्य बॉन्डों के जरिए तथा 567 मिलियन यूएस डॉलर द्विपक्षीय / क्लब / सिंडिकेटेड ऋणों / स्वैप के जरिए जुटाए गए। यथा 31 मार्च, 2020 को बैंक के पास कुल 12.09 बिलियन यूएस डॉलर के समतुल्य विदेशी मुद्रा संसाधन और ₹ 377.61 बिलियन का बकाया रुपया संसाधन रहा। यथा 31 मार्च, 2020 को कुल बाजार उधारियां, कुल उधारियों की 100 प्रतिशत तथा बैंक के कुल संसाधनों की 87 प्रतिशत रहीं।

विदेशी मुद्रा संसाधन

वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान बैंक ने विभिन्न लिखतों के जरिए 1.91 बिलियन यूएस डॉलर के समतुल्य राशि के विदेशी

Resources

During the year, the Bank received capital of ₹ 15 billion from the Government of India (GOI), of which ₹ 9.50 billion was by way of budget allocation and ₹ 5.50 billion was through recapitalisation bonds. As on March 31, 2020, the Bank's total resources including paid-up capital of ₹ 138.59 billion and reserves of ₹ 24.26 billion aggregated ₹ 162.85 billion.

Exim Bank's resource base interalia includes rupee bonds, certificates of deposit, commercial papers, term deposits, FC bonds, FC loans and long-term swaps. During the year, the Bank raised borrowings of varying maturities (excluding raised and repaid during the year) aggregating ₹ 266.21 billion, comprising rupee resources of ₹ 121.61 billion and foreign currency resources of US$ 1.91 billion equivalent. FC resources of US$ 1.34 billion equivalent were raised through bonds, and US$ 567 million through bilateral/ club/ syndicated loans/swaps. As on March 31, 2020, the Bank had a pool of foreign currency resources equivalent to US$ 12.09 billion and outstanding rupee resources of ₹ 377.61 billion. Market borrowings as on March 31, 2020, constituted 100 per cent of the total borrowings and 87 per cent of the total resources of the Bank.

Foreign Currency Resources

During FY 2019-20, the Bank raised FC resources aggregating US$ 1.91 billion equivalent, through a variety of instruments. The Bank, in January 2020, raised US$ 1 billion for a 10-year tenor at a coupon of 3.25 per cent p.a. in the 144A/Reg-S format. The transaction marked the lowest coupon from any Indian issuer for a 10-year US$ issuance. The issue attracted a total order book in excess of

मुद्रा संसाधन जुटाए। बैंक ने जनवरी 2020 में 3.25 प्रतिशत प्रतिवर्ष की कूपन दर पर 144 ए/रेग-एस फॉर्मेट में 10 वर्ष के लिए 1 बिलियन यूएस डॉलर जुटाए। ये 10 वर्षीय यूएस डॉलर निर्गम के लिए किसी भी भारतीय संस्था द्वारा सबसे कम कूपन दर पर जुटाए गए संसाधन रहे। इस इश्यू को 2.7 बिलियन यूएस डॉलर से अधिक के ऑर्डर मिले और उच्च गुणवत्ता वाले 184 निवेशकों से 2.7 गुना से अधिक का सब्सक्रिप्शन मिला। यह संव्यवहार सीटी5+150 बीपीएस के उचित मूल्य पर रखा गया जो सीटी5+175 बीपीएस के प्रारंभिक मूल्य के अंदर था। यह 25 बीपीएस की महत्त्वपूर्ण मूल्य टाइटनिंग और नए निर्गम पर शून्य प्रीमियम को प्रदर्शित करता है। भौगोलिक वितरण की दृष्टि से इसका वितरण एशिया में 44 प्रतिशत, यूएसए में 36 प्रतिशत तथा यूरोप, मध्य पूर्व एवं अफ्रीका में 20 प्रतिशत रहा।

बैंक ने अक्टूबर 2019 में सामाजिक उत्तरदायित्व वाला 50 मिलियन यूएस डॉलर का अपना पहला बॉन्ड जारी किया। यह बॉन्ड इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह एक्ज़िम बैंक का पहला बॉन्ड है, जिसे समाज कल्याण संबंधी निवेश के विकल्प तलाशने वाले निवेशकों तक पहुंचने के लिए जारी किया गया है। समाज कल्याण या सामाजिक उत्तरदायित्व

US$ 2.7 billion at close, thereby achieving more than 2.7 times subscription from 184 high-quality investors. The transaction was priced at the fair value of CT5+150 bps, well inside the initial price guidance of CT5+175 bps area, representing significant price tightening of 25 bps, implying nil new issue premium. The bonds were distributed 44 per cent in Asia, 36 per cent in USA and 20 per cent in the EMEA region.

The Bank, in October 2019, issued its first ever US$-denominated Socially Responsible Bond for US$ 50 million. The Bond is significant as it marks the first issuance by Exim Bank to tap investors seeking more socially responsible investment options. Socially responsible investing, also known as ethical and green investing, means avoiding industries that negatively affect the environment. Social projects are projects, activities and investments that directly aim to help address or mitigate a specific social issue and / or seek to

बैंक ने 1 बिलियन यूएस डॉलर का 10-वर्षीय बॉन्ड इंडिया आईएनएक्स पर लिस्ट किया और सबसे बड़े एकल जारीकर्ता का दर्जा कायम रखा।
The Bank listed its US$ 1 billion, 10-year bond at India INX reinforcing its status as the largest single issuer listed on the Exchange.

वाले निवेशों को हरित निवेश अथवा नैतिक निवेशों के रूप में भी जाना जाता है। ये ऐसे निवेश होते हैं, जिनमें पर्यावरण को नकारात्मक रूप से प्रभावित करने वाले उद्योगों में निवेश करने से बचा जाता है। सामाजिक परियोजनाओं में ऐसी परियोजनाएं, गतिविधियां और निवेश शामिल होते हैं, जो किसी विशिष्ट सामाजिक विषय के लिए सीधे मदद करने अथवा उसके दुष्प्रभावों को कम करने से संबंधित होते हैं और/अथवा उनसे सकारात्मक सामाजिक परिणाम प्राप्त किया जा सकता है। इस बॉन्ड से जुटाई गई निधियों को कंबोडिया, म्यांमार और वियतनाम में परियोजनाओं को कवर करते हुए मेकोंग क्षेत्र में बुनियादी ढांचागत विकास परियोजनाओं में लगाया गया। यह 3 वर्षीय बॉन्ड 2.38 प्रतिशत प्रतिवर्ष की कूपन दर पर जारी किया गया। इस बॉन्ड में जापान की दाई-इची लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने निवेश किया है। इस प्राइवेट प्लेसमेंट को एमटीएन-आई ग्लोबल अवॉर्ड्स में एसआरआई: हरित/सामाजिक श्रेणी के अंतर्गत डील्स ऑफ द ईयर में से एक डील के रूप में पुरस्कृत किया गया।

बैंक ने सितंबर 2019 में समुराई बॉन्ड बाजार में सफलतापूर्वक वापसी कर ली। बैंक ने यह वापसी 32 बिलियन जापानी येन के तीन साल व पांच साल के फिक्स्ड दरों के डबल ट्रांच ट्रांजैक्शन के साथ की। इनकी कूपन दरें क्रमशः 0.59 प्रतिशत और 0.66 प्रतिशत प्रतिवर्ष तय की गई थीं। यह 2006 के बाद एक्ज़िम बैंक द्वारा बिना किसी गारंटी के जारी किया गया पहला स्टैंडअलोन समुराई बॉन्ड निर्गम है। यह निर्गम दर्शाता है कि जेबिक द्वारा गारंटित समुराई बॉन्ड और जापानी रिटेल निवेशकों को लक्षित, जापानी येन सहित विभिन्न मुद्राओं में उरीदाशी बॉन्ड जारी करते हुए एक्ज़िम बैंक ने 2011 से अपनी ऋण साख और पहचान बनाए रखी है। इसकी ऑर्डरबुक 91 बिलियन जापानी येन पर बंद हुई और निर्गम का तीन गुना सब्सक्रिप्शन दर्ज किया गया। 3 साल के ट्रांच के लिए 78.9 बिलियन जापानी येन की मांग रही और 5 साल के ट्रांच के लिए 12.1 बिलियन जापानी येन की मांग रही। अंततः निर्गम की राशि 32 बिलियन जापानी येन (300 मिलियन यूएस डॉलर के समतुल्य) निर्धारित की गई। इसमें 3 साल के ट्रांच का मूल्य 25 बिलियन जापानी येन और 5 साल के ट्रांच का मूल्य 7 बिलियन जापानी येन निर्धारित किया गया।

बैंक ने ऋणों और बॉन्डों के प्राइवेट प्लेसमेंट के जरिए भी संसाधन जुटाए। बैंक ने अब तक ऑस्ट्रेलियाई डॉलर, यूरो, ग्रेट ब्रिटेन पाउंड, जापानी येन, मैक्सिकन पीसो, ऑफशोर

बैंक ने मालदीव सरकार के हाउसिंग डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड को मोहन मुथा-अशोका बिल्डकॉन एलएलपी द्वारा निष्पादित की जा रही हुलहुमाले परियोजना हेतु सड़क नेटवर्क के विकास के लिए 34.33 मिलियन यूएस डॉलर की क्रेता ऋण-एनईआईए सुविधा प्रदान की।

The Bank extended Buyer's Credit-NEIA facility of US$ 34.33 mn to Housing Development Corporation Ltd., Maldives for development of road network for Hulhumalé project being executed by Mohan Mutha-Ashoka Buildcon LLP.

achieve positive social outcomes. The funds raised from the bond were allocated to infrastructure projects in the Mekong Region covering projects in Cambodia, Myanmar and Vietnam. The 3-year US$ 50 million Socially Responsible Bond was issued at a fixed coupon of 2.38 per cent per annum. The bond is exclusively placed with The Dai-ichi Life Insurance Company Ltd. of Japan. The private placement was awarded in the mtn-i Global Awards under the SRI: Green/Social Category as one of the Deals of the Year.

The Bank, in September 2019, successfully returned to the Samurai Bond market and issued a dual tranche JPY 32 billion transaction consisting of 3-year and 5-year fixed rate tranches. The coupon rates were fixed at 0.59 per cent and 0.66 per cent per annum, respectively. The transaction represents Exim Bank's first standalone Samurai issuance (without any guarantee) since 2006. Exim Bank has been maintaining its credit reputation and recognition by issuing JBIC-guaranteed Samurai bonds since 2011 and Uridashi bonds in different currencies including JPY targeting Japanese retail investors. The order book closed at JPY 91 billion representing 3 times oversubscription;

रेनमिन्बी, सिंगापुर डॉलर, दक्षिण अफ्रीकी रैंड, स्विस फ्रैंक, तुर्की लीरा तथा यूएस डॉलर आदि विभिन्न विदेशी मुद्राओं में संसाधन जुटाए हैं।

अंतरराष्ट्रीय और घरेलू रेटिंग

बैंक को मूडीज ने बीएए3 (ऋणात्मक) रेटिंग, एस एंड पी ग्लोबल रेटिंग्स ने बीबीबी– (स्थिर), फिच ने बीबीबी– (ऋणात्मक) रेटिंग तथा जापान क्रेडिट रेटिंग एजेंसी द्वारा बीबीबी+ (स्थिर) रेटिंग प्रदान की गई है। उपरोक्त सभी रेटिंग निवेश ग्रेड या उससे ऊपर की रेटिंग हैं, जो भारत की संप्रभु रेटिंग के समतुल्य हैं। बैंक के घरेलू ऋण लिखतों को क्रिसिल और इक्रा रेटिंग एजेंसियों से दीर्घावधि ऋण लिखतों के लिए उच्चतम रेटिंग अर्थात 'एएए (स्थिर)' तथा अल्पावधि ऋण लिखतों के लिए ए1+ रेटिंग प्रदान की गई है। बैंक द्वारा जारी अतिरिक्त टियर 1 बॉन्डों को क्रिसिल द्वारा एए+/स्थिर और इक्रा द्वारा एए+(हाइब्रिड) (स्थिर) के रूप में रेट किया गया है।

आस्ति गुणवत्ता

वित्तीय संस्थाओं के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित विवेकपूर्ण मानदंडों के अनुसार उस ऋण / कर्ज को अनर्जक आस्ति (एनपीए) के रूप में परिभाषित किया जाता है, जिसके संबंध में देय ब्याज और / या मूलधन 90 दिनों से अधिक समय से बकाया हो। यथा 31 मार्च, 2020 को बैंक की सकल अनर्जक आस्तियां ₹ 93.62 बिलियन की रहीं, जो बैंक के कुल ऋणों तथा अग्रिमों का 8.75 प्रतिशत है। यथा 31 मार्च, 2020 को (प्रावधान घटाकर) बैंक की निवल अनर्जक आस्तियां ₹ 17.57 बिलियन की रहीं, जो निवल ऋणों

घाना सरकार को 447.17 मिलियन यूएस डॉलर की क्रेता ऋण–एनईआईए सुविधा के अंतर्गत एफ्कॉन्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा निष्पादित की जा रही 97.63 किमी की रेलवे लाइन के डिजाइन और निर्माण संबंधी परियोजना।

Project for design and construction of 97.63 km railway line being executed by Afcons Infrastructure Ltd. under Buyer's Credit-NEIA facility of US$ 447.17 mn to the Government of Ghana.

with JPY 78.9 billion of demand for the 3-year tranche and JPY 12.1 billion for the 5-year tranche. The total issue size was then capped at JPY 32 billion (US$ 300 million equivalent) allocated as JPY 25 billion for the 3-year tranche and JPY 7 billion for the 5-year tranche.

The Bank also raised funds through loans and private placement of bonds. So far, the Bank has raised FC resources in diverse currencies including Australian Dollars, Euros, Great Britain Pounds, Japanese Yen, Mexican Peso, Offshore Renminbi, Singapore Dollars, South African Rand, Swiss Francs, Turkish Lira and United States Dollars.

International and Domestic Rating

The Bank is rated Baa3 (Negative) by Moody's, BBB- (Stable) by S&P Global Ratings, BBB- (Negative) by Fitch Ratings and BBB+ (Stable) by Japan Credit Rating Agency. All the above ratings are of investment grade or above and are the same as the sovereign rating. The Bank's domestic debt instruments continued to enjoy the highest rating viz., 'AAA (Stable)' for long-term instruments and A1+ for short-term instruments from the rating agencies CRISIL and ICRA. The Additional Tier 1 Bonds, issued by the Bank have been rated as AA+/Stable by CRISIL and AA+(Hyb) (Stable) by ICRA.

Asset Quality

As per the Reserve Bank of India (RBI)'s prudential norms for Financial Institutions, a credit / loan facility in respect of which interest and / or principal has remained overdue for more than 90 days, is defined as a Non-Performing Asset (NPA). The Bank's gross NPAs at ₹ 93.62 billion worked out to 8.75 per cent of the total loans and advances as of March 31, 2020. The Bank's NPAs (net of provisions) of ₹ 17.57 billion as of March 31, 2020, were

बैंक ने अफ़गानिस्तान में ग़ज़नी से कंधार तक 363 किमी लंबी ट्रांसमिशन लाइन परियोजना के लिए केईसी इंटरनेशनल लिमिटेड को गारंटी सुविधा प्रदान की।

The Bank extended guarantee facility to KEC International Ltd. for a project of 363 km transmission line from Ghazni to Kandahar in Afghanistan.

तथा अग्रिमों (प्रावधान घटाकर) की 1.77 प्रतिशत हैं। यथा 31 मार्च, 2020 को प्रावधान कवरेज अनुपात 88.76 प्रतिशत रहा।

आस्ति वर्गीकरण

'अवमानक आस्तियां' वे होती हैं, जिनका ब्याज और / अथवा मूलधन 90 दिनों से अधिक समय से बकाया होता है। जब ऐसी अवमानक आस्तियां 12 माह से अधिक अवधि तक अनर्जक आस्ति के रूप में बनी रहती हैं, तो उन्हें 'संदिग्ध आस्तियों' को रूप में वर्गीकृत किया जाता है। 'हानि आस्तियां' वे होती हैं जो वसूली योग्य नहीं समझी जातीं। यथा 31 मार्च, 2020 को सकल अनर्जक आस्तियों में 1.51 प्रतिशत की अवमानक आस्तियां और 7.24 प्रतिशत की संदिग्ध आस्तियां रहीं। यथा 31 मार्च, 2020 को निवल अनर्जक आस्तियों में 0.91 प्रतिशत की अवमानक आस्तियां और 0.86 प्रतिशत की संदिग्ध आस्तियां रहीं। यथा 31 मार्च, 2020 को बैंक की कोई हानि आस्तियां नहीं रहीं।

पूँजी पर्याप्तता

जोखिम भारित आस्तियों की तुलना में पूँजी का अनुपात (सीआरएआर) भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित न्यूनतम 9 प्रतिशत के मुकाबले यथा 31 मार्च, 2020 को 20.13 प्रतिशत रहा, जो यथा 31 मार्च, 2019 को 19.07 प्रतिशत था। ऋण-इक्विटी अनुपात यथा 31 मार्च, 2019 के 6.29 प्रतिशत की तुलना में यथा 31 मार्च, 2020 को 6.46 प्रतिशत रहा।

अधिकतम ऋण सीमा (एक्सपोज़र) मानदंड

आरबीआई ने अखिल भारतीय मीयादी ऋणदात्री संस्थाओं के लिए 31 मार्च, 2002 से एकल उधारकर्ताओं के लिए अधिकतम ऋण सीमा वित्तीय संस्था की कुल पूँजी निधियों (टीसीएफ) की 15 प्रतिशत और समूह उधारकर्ताओं के

at 1.77 per cent of the net loans and advances (net of provisions) as of March 31, 2020. The Provision Coverage Ratio as of March 31, 2020 was 88.76 per cent.

Asset Classification

Sub-standard assets are those where interest and / or principal remains overdue for more than 90 days. Sub-standard assets that have remained as NPAs for a period exceeding 12 months are classified as doubtful assets. Loss assets are those considered uncollectable. The gross NPAs as on March 31, 2020, comprised sub-standard assets of 1.51 per cent, and doubtful assets of 7.24 per cent. The net NPAs as of March 31, 2020, comprised sub-standard assets of 0.91 per cent, and doubtful assets of 0.86 per cent. The Bank did not have any loss assets as of March 31, 2020.

Capital Adequacy

The Capital to Risk Weighted Assets Ratio (CRAR) was 20.13 per cent as on March 31, 2020, as compared to 19.07 per cent as on March 31, 2019, as against a minimum 9 per cent norm stipulated by the RBI. The Debt-Equity Ratio as on March 31, 2020, was 6.46 as compared to 6.29 as on March 31, 2019.

Exposure Norms

RBI has prescribed credit exposure limits for all-India term lending institutions, at 15 per cent of the financial institutions' Total Capital Funds (TCF), effective from March 31, 2002, for exposure to individual borrowers and at 40 per cent of TCF for group borrowers. An additional exposure up to 5 per cent of TCF (i.e. a total exposure up to 20 per cent of TCF for single borrowers and 45 per cent of TCF for group borrowers) can be taken in exceptional circumstances, with the prior approval of the Board. The exposure ceilings for

गिनी सरकार को सौर परियोजनाओं के लिए प्रदान की गई 20.22 मिलियन यूएस डॉलर की ऋण-व्यवस्था और ग्रैंड कोनाक्री की पेयजल आपूर्ति के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रदान की गई 170 मिलियन यूएस डॉलर की ऋण-व्यवस्था संबंधी करारों का आदान-प्रदान श्री एस. जयशंकर, विदेश मंत्री, भारत सरकार की उपस्थिति में किया गया।

Exchange of agreements for Lines of Credit of US$ 20.22 mn for solar projects and US$ 170 mn for strengthening the drinking water supply of Grand Conakry, extended to the Government of Guinea, in the presence of Shri. S. Jaishankar, Minister for External Affairs, Government of India.

लिए टीसीएफ की 40 प्रतिशत निर्धारित की है। बोर्ड के पूर्व अनुमोदन से असाधारण मामलों में यह सीमा टीसीएफ के पांच प्रतिशत तक और बढ़ाई जा सकती है अर्थात एकल उधारकर्ता के लिए यह सीमा वित्तीय संस्था की कुल पूँजी निधियों की 20 प्रतिशत तक और समूह उधारकर्ताओं के लिए टीसीएफ की 45 प्रतिशत तक हो सकती है। एकल उधारकर्ताओं और समूह उधारकर्ताओं के लिए इस अधिकतम ऋण सीमा (क्रमशः 20 प्रतिशत और 45 प्रतिशत) को क्रमशः अतिरिक्त 5 प्रतिशत बिंदुओं (अर्थात कुल पूँजी निधियों की 5 प्रतिशत) और 10 प्रतिशत बिंदुओं (अर्थात कुल पूँजी निधियों की 10 प्रतिशत) तक और बढ़ाया जा सकता है, बशर्ते कि बढ़ाई गई ऋण सीमा भारत में बुनियादी क्षेत्र की परियोजनाओं के लिए हो। यथा 31 मार्च, 2020 को एकल तथा समूह उधारकर्ताओं को बैंक की वित्तीय सहायता भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित सीमा के भीतर रही। यथा 31 मार्च, 2020 को ऐसा कोई उधारकर्ता नहीं रहा, जिस पर एक्सपोज़र कुल पूँजी निधि के 15 प्रतिशत से अधिक रहा हो और जिसके लिए निदेशक मंडल से अनुमोदन प्राप्त किया गया हो।

individual borrowers and group borrowers can be exceeded by an additional 5 percentage points (i.e. 5 per cent of TCF) and 10 percentage points (i.e.10 per cent of TCF), respectively (over and above the maximum limits of 20 per cent and 45 per cent, respectively), provided the additional credit exposure is on account of infrastructure projects in India. The Bank's credit exposures to single and group borrowers as on March 31, 2020, were within the limits stipulated by the RBI. There were no borrowers as on March 31, 2020, for whom exposure over 15 per cent of capital funds was assumed with the approval of the Board.

RBI has advised financial institutions to adopt internal limits on exposures to specific industry

आरबीआई ने वित्तीय संस्थाओं को निर्देश दिया है कि वे विशिष्ट उद्योग क्षेत्रों को ऋण सहायता के लिए अपनी आंतरिक सीमाएं निर्धारित करें, ताकि विभिन्न क्षेत्रों को ऋण का समान रूप से वितरण हो सके। बैंक द्वारा प्रत्येक उद्योग क्षेत्र के लिए अधिकतम ऋण सीमा, सभी उद्योग क्षेत्रों को बैंक के ऋण एक्सपोज़र की 15 प्रतिशत निर्धारित की गई है। यथा 31 मार्च, 2020 को किसी भी एकल उद्योग को बैंक का एक्सपोज़र सभी उद्योग क्षेत्रों को बैंक के कुल एक्सपोज़र के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं रहा।

sectors to ensure that the exposures are more evenly spread over various sectors. The exposure limit adopted by the Bank for each industry sector is 15 per cent of the Bank's aggregate credit exposure to all industry sectors. None of the Bank's exposures to individual industry sectors was more than 15 per cent of its total industry exposure as on March 31, 2020.

व्यवसाय परिचालन
BUSINESS OPERATIONS

निर्यातों के वित्तपोषक के रूप में
एक्ज़िम बैंक

Exim Bank as a
Financier of Exports

परियोजनाओं, उत्पादों और सेवाओं का निर्यात

एक्ज़िम बैंक परियोजनाओं एवं परामर्शी सेवाओं के निर्यात को सुगम बनाने के लिए क्रेता ऋण, आपूर्तिकर्ता ऋण, पूँजीगत उपकरण वित्त, निर्यात परियोजना नकदी प्रवाह घाटा वित्त, गारंटियां और साख-पत्र जैसे विभिन्न निर्यात ऋण उत्पाद प्रदान करता है। बैंक भारतीय परियोजना निर्यातकों को निधिक और परियोजना संबंधी गारंटियों के जरिए गैर-निधिक दोनों प्रकार की सहायता सहित व्यापक वित्तपोषण पैकेज प्रदान करता है।

निर्यात कॉन्ट्रैक्ट

वर्ष के दौरान एक्ज़िम बैंक ने अपनी वाणिज्यिक ऋण योजना के अंतर्गत कुल 2.80 बिलियन यूएस डॉलर के 38 परियोजना निर्यात कॉन्ट्रैक्टों को सहायता दी। बैंक द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त कुछ प्रमुख परियोजना निर्यात कॉन्ट्रैक्टों में निम्नलिखित शामिल रहेः

- बांग्लादेश में धारखर से सराइल तक चार लेन के राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण और रखरखाव का एफ्कॉन्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को प्रदान किया गया कॉन्ट्रैक्ट;
- नाइजीरिया में डांगोटे रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स परियोजना के लिए डिजाइन, विनिर्माण और केबलों तथा तारों की आपूर्ति का पॉलीकैब इंडिया लिमिटेड द्वारा हासिल किया गया कॉन्ट्रैक्ट;
- निकारागुआ में सबस्टेशन, ट्रांसमिशन लाइनों के डिजाइन, आपूर्ति और संबद्ध सेवाओं तथा सबस्टेशनों के स्थानांतरण और विस्तार के लिए ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड द्वारा हासिल किया गया कॉन्ट्रैक्ट;

69.62 मिलियन यूएस डॉलर की क्रेता ऋण-एनईआईए सुविधा के अंतर्गत अशोक लेलैंड ने सेनेगल को 675 वाहनों, पुर्जों और संबंधित सेवाओं की आपूर्ति की। इन बसों में दिव्यांगों के लिए रैंप लगे हैं, जो देश में अपनी तरह की प्रथम पहल है।

Under a Buyer's Credit-NEIA facility of US$ 69.62 mn, Ashok Leyland has supplied 675 vehicles alongwith spares to Senegal. The buses are equipped with ramps for the differently-abled, which were introduced for the first time in the country.

Projects, Products and Services Exports

Exim Bank provides a wide range of export credit products to facilitate export of projects and consultancy services such as buyer's credit, supplier's credit, capital equipment finance, export project cash flow deficit finance, guarantees and letters of credit. The Bank offers a comprehensive financing package to Indian project exporters, which includes both funded support as well as non-fund based support by way of project related guarantees.

Export Contracts

During the year, Exim Bank has supported 38 project export contracts valued at US$ 2.80 billion under its commercial window. Some major project exports contracts supported by the Bank during the year include:

- Construction and maintenance of four-lane National Highway from Dharkhar to Sarail in Bangladesh, awarded to Afcons Infrastructure Ltd.;
- Design, manufacture and supply of cables and wires for Dangote Refinery complex project in Nigeria, secured by Polycab India Ltd.;
- Design, supply and related services for building substation, transmission lines and relocation and expansion of substations in Nicaragua, secured by Transrail Lighting Ltd.;
- Design, supply, installation, and commissioning of power transmission line in Togo, secured by KEC International Ltd.;
- Engineering, Procurement and Construction (EPC) of three Central Processing Facilities for a gas field development project being developed by Sonatrach in Algeria, secured by L&T Hydrocarbon Engineering Ltd.;
- EPC of container berth, back up yard, building, utilities, for development of container terminal at the Yangon port, Myanmar, by ITD Cementation India Ltd.;

बैंक ने मिस्र में कुल150 मेगावाट की क्षमता वाली तीन सौर ईपीसी परियोजनाओं के निष्पादन के लिए स्टर्लिंग एंड विल्सन सोलर लिमिटेड को सहायता प्रदान की। यह परियोजना देश की उच्च ऊर्जा मांग को पूरा करने में मदद कर रही है।

The Bank supported Sterling and Wilson Solar Ltd. for executing three solar EPC projects in Egypt with aggregate capacity of 150 MW. The project is enabling the country to meet its high-energy demand.

- टोगो में विद्युत ट्रांसमिशन लाइन के डिजाइन, आपूर्ति, इंस्टॉलेशन और कमीशनिंग का केईसी इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा हासिल किया गया कॉन्ट्रैक्ट;
- अल्जीरिया में सोनात्राश द्वारा लगाई जा रही एक गैस फील्ड विकास परियोजना के लिए एल एंड टी हाइड्रोकार्बन इंजीनियरिंग लिमिटेड द्वारा हासिल किया गया तीन केंद्रीय प्रसंस्करण सुविधाओं का इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और निर्माण (ईपीसी) कॉन्ट्रैक्ट;
- म्यांमार में आईटीडी सीमेंटेशन इंडिया लिमिटेड द्वारा याँगॉन बंदरगाह पर कंटेनर टर्मिनल के विकास के लिए कंटेनर बर्थ, बैक अप यार्ड, भवन, और सुविधाओं के विकास के लिए ईपीसी कॉन्ट्रैक्ट;
- चिले में 190 मेगावाट के डीसी फोटोवोल्टिक संयंत्र के डिजाइन, इंजीनियरिंग, प्रापण, आपूर्ति, निर्माण और कमीशनिंग के लिए स्टर्लिंग एंड विल्सन सोलर लिमिटेड द्वारा हासिल किया गया कॉन्ट्रैक्ट; और
- सूरीनाम में वर्टिकल ऐक्सियल पंपों को लगाने के लिए किर्लोस्कर ब्रदर्स लिमिटेड द्वारा हासिल किया गया डिजाइन, विनिर्माण, आपूर्ति और निगरानी संबंधी कॉन्ट्रैक्ट।

निर्यात ऋण और गारंटियां

वर्ष के दौरान, बैंक ने परियोजना निर्यातों के लिए भारतीय निर्यातकों को क्रेता ऋण और निधिक / गैर–निधिक सहायता के जरिए कुल ₹ 39.76 बिलियन के निर्यात ऋणों और गारंटियों को अनुमोदन प्रदान किया। इनके अंतर्गत वर्ष के दौरान ₹ 11.45 बिलियन के संवितरण किए गए और कुल ₹ 44.83 बिलियन की गारंटियां जारी की गईं। ये गारंटियां विदेशों में मुख्य रूप से तेल और गैस, विद्युत उत्पादन,

- Design, engineering, procurement, supply, construction and commissioning of 190 MW DC solar photovoltaic plant in Chile, secured by Sterling and Wilson Solar Ltd.; and
- Design, manufacture, supply and supervision of the installation and commissioning of vertical axial pumps in Suriname, by Kirloskar Brothers Ltd.

Export Credits and Guarantees

During the year, the Bank approved export credits and guarantees aggregating ₹ 39.76 billion by way of buyer's credit and funded/non-funded support to Indian exporters for project exports. Disbursements amounting to ₹ 11.45 billion and guarantees aggregating ₹ 44.83 billion were issued during the year. These guarantees mainly pertain to overseas projects in sectors such as oil and gas, power generation, transmission and distribution, infrastructure development, solar EPC, consultancy services, etc. Disbursements under the commercial Buyer's Credit programme aggregated ₹ 8.77 billion for exports to countries that include Bhutan, Sri Lanka, Thailand, UAE, the USA and more than 14 countries in Africa. During the year, Exim Bank has also extended a credit line of US$ 100 million to African Export-Import Bank and US$ 10 million to DFCC Bank Plc, Sri Lanka, to facilitate export of goods and services from India.

Buyer's Credit under the National Export Insurance Account

The Bank has sanctioned an aggregate amount of US$ 2.67 billion, for 30 projects, valued at US$ 2.88 billion, as on March 31, 2020, which include: Transmission line projects in Cameroon, Mauritania, Senegal, Zambia and Kenya; a railway line project in Ghana; water supply projects in Uganda and Cameroon; and road project in Maldives.

ज़ेस्को लिमिटेड ज़ाम्बिया को 20.35 मिलियन यूएस डॉलर की क्रेता ऋण-एनईआईए सुविधा के अंतर्गत ट्रांसमिशन लाइन, वितरण नेटवर्क और सबस्टेशनों के निर्माण का कार्य केईसी इंटरनेशनल लिमिटेड को सौंपा गया। इस परियोजना से क्षेत्र के अस्पताल, शिक्षण संस्थाएं, सरकारी कार्यालय और 3 लाख से ज्यादा निवासी लाभान्वित हुए।

Construction of transmission line, distribution network and substations was awarded to KEC International Ltd. under Buyer's Credit-NEIA facility of US$ 20.35 mn to ZESCO Ltd., Zambia. The project has benefited hospitals, educational institutes, government offices and over 300,000 residents of the region.

ट्रांसमिशन और वितरण, बुनियादी ढांचागत विकास, सोलर ईपीसी, परामर्शी सेवाओं जैसे क्षेत्रों की परियोजनाओं से संबंधित रहीं। वाणिज्यिक क्रेता ऋण के अंतर्गत भूटान, श्रीलंका, थाईलैंड, यूएई, यूएसए और अफ्रीका में 14 से अधिक देशों को भारत से निर्यातों के लिए ₹ 8.77 बिलियन के संवितरण किए गए। वर्ष के दौरान, एक्ज़िम बैंक ने भारत से वस्तुओं और सेवाओं के निर्यातों को सुगम बनाने के लिए अफ्रीकी निर्यात-आयात बैंक को 100 मिलियन यूएस डॉलर और डीएफसीसी बैंक, पीएलसी, श्रीलंका को 10 मिलियन यूएस डॉलर की क्रेडिट लाइनें भी प्रदान कीं।

राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाते के अंतर्गत क्रेता ऋण

बैंक द्वारा यथा 31 मार्च, 2020 को 2.88 बिलियन यूएस डॉलर मूल्य की 30 परियोजनाओं के लिए 2.67 बिलियन यूएस डॉलर की राशि को मंजूरी प्रदान की गई। इनमें प्रमुख परियोजनाएं निम्नलिखित हैं: कैमरून, मॉरिटानिया, सेनेगल, ज़ाम्बिया और केन्या में ट्रांसमिशन लाइन परियोजनाएं; घाना में रेलवे लाइन परियोजना; यूगांडा और कैमरून में जल आपूर्ति परियोजनाएं और मालदीव में सड़क परियोजना।

विभिन्न प्रमुख भारतीय परियोजना निर्यातकों के अनुरोध पर बीसी-एनईआईए के अंतर्गत बैंक ने 4.10 बिलियन यूएस डॉलर मूल्य की 28 परियोजनाओं को कुल 3.53 बिलियन यूएस डॉलर की राशि का सहयोग प्रदान करने के लिए सिद्धांततः सहमति भी दी है।

The Bank has also given in-principle commitments for an aggregate amount of US$ 3.53 billion supporting 28 projects valued at US$ 4.10 billion, under BC-NEIA at the request of several leading Indian project exporters.

Lines of Credit

Exim Bank, on behalf and with the support of GOI extends Lines of Credit (LOCs) to sovereign governments, regional development banks and overseas entities to promote development in partner countries. During the year, the Bank extended 27 LOCs, aggregating US$ 3.40 billion, to support export of projects, goods and services from India. LOCs extended by the Bank during the year include LOCs to the Governments of Bolivia, Comoros, D.R. Congo, Gambia, Ghana, Guinea, Madagascar, Mali, Mongolia, Mozambique, Nicaragua, Nigeria, Russian Federation, Rwanda, Seychelles, Sri Lanka, Suriname, Togo, Uzbekistan and Zimbabwe. These LOCs will catalyze exports by way of financing projects such as farm mechanisation, food processing and irrigation development, establishment of rural broadband network, thermal power plant, petrochemical refinery project, solar power projects, social infrastructure and development projects, construction of hospitals and setting up of water supply schemes. The Exim Bank has built up a portfolio of 259 GOI supported LOCs with credit commitments aggregating US$ 25.46 billion, which are at various stages of implementation. With ever expanding reach, the LOCs have gained momentum in stimulating economic growth across 64 countries in Africa, Asia, Latin America, Oceania and the CIS region.

Concessional Financing Scheme

Exim Bank has extended a term loan of US$ 1.60 billion to the Bangladesh-India Friendship Power Company Pvt. Ltd. (a 50:50 joint venture

ऋण-व्यवस्थाएं

एक्ज़िम बैंक, साझेदार देशों में विकास को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की ओर से तथा सरकार के सहयोग से, संप्रभु सरकारों, क्षेत्रीय विकास बैंकों और विदेशी संस्थाओं को ऋण-व्यवस्थाएं प्रदान करता है। वर्ष के दौरान, बैंक ने भारत से परियोजनाओं, वस्तुओं और सेवाओं के निर्यातों को सहयोग के उद्देश्य से 3.40 बिलियन यूएस डॉलर की 27 ऋण-व्यवस्थाएं प्रदान कीं। एक्ज़िम बैंक द्वारा वर्ष के दौरान प्रदान की गई ऋण-व्यवस्थाओं में बोलिविया, कोमोरोस, डी.आर. कांगो, गाम्बिया, घाना, गिनी, मेडागास्कर, माली, मंगोलिया, निकारागुआ, नाइजीरिया, रूस, रवांडा, सेशेल्स, श्रीलंका, सूरीनाम, टोगो, उज़्बेकिस्तान और ज़िम्बाब्वे की सरकारों को प्रदान की गई ऋण-व्यवस्थाएं शामिल रहीं। ये ऋण-व्यवस्थाएं कृषि मशीनीकरण, खादय प्रसंस्करण और सिंचाई विकास, ग्रामीण ब्रोडबैंड नेटवर्क स्थापित करने, थर्मल पॉवर प्लांट, पेट्रोकेमिकल रिफाइनरी परियोजना, सौर विद्युत परियोजनाओं, सामाजिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और विकास परियोजनाओं, अस्पतालों के निर्माण और जल आपूर्ति प्रणाली की स्थापना जैसी परियोजनाओं के वित्तपोषण के माध्यम से भारतीय निर्यातों को बढ़ावा देंगी। एक्ज़िम बैंक द्वारा 25.46 बिलियन यूएस डॉलर की ऋण प्रतिबद्धताओं के साथ भारत सरकार की ओर से 259 ऋण-व्यवस्थाएं प्रदान की गई हैं, जिनके अंतर्गत परियोजनाएं क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। इन ऋण-व्यवस्थाओं के जरिए निरंतर विस्तार के दृष्टिकोण के साथ अफ्रीका, एशिया, लैटिन अमेरिका, ओशिआनिया और सीआईएस क्षेत्रों में 64 देशों के आर्थिक विकास को गति मिली है।

रियायती वित्तपोषण योजना

एक्ज़िम बैंक ने बांग्लादेश के रामपाल में टर्नकी आधार पर 1320 मेगावाट (2x2660 मेगावाट) की रणनीतिक अल्ट्रा सुपर-क्रिटिकल मैत्री सुपर थर्मल पॉवर परियोजना के वित्तपोषण के लिए 1.60 बिलियन यूएस डॉलर का मीयादी ऋण प्रदान किया है। यह ऋण बांग्लादेश पॉवर डेवलपमेंट बोर्ड, बांग्लादेश और एनटीपीसी लिमिटेड, भारत की 50:50 की हिस्सेदारी वाली संयुक्त उद्यम कंपनी 'बांग्लादेश-इंडिया फ्रेंडशिप पॉवर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड' को प्रदान किया गया है। इस टर्नकी परियोजना का कार्य अंतरराष्ट्रीय स्पर्धात्मक बोली प्रक्रिया के जरिए भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड को मिला था। इस परियोजना को पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए आधुनिकतम प्रौद्योगिकी का चयन किया गया है। मैत्री सुपर थर्मल पॉवर परियोजना बांग्लादेश की सबसे बड़ी विद्युत परियोजनाओं में से एक होगी। यह विद्युत संयंत्र बांग्लादेश

between the Bangladesh Power Development Board, Bangladesh and NTPC Ltd., India) for financing the strategic 1320 MW (2x2660 MW) ultra super-critical Maitree Super Thermal Power Project on turnkey basis at Rampal, Bangladesh. The contract was awarded to Bharat Heavy Electricals Ltd., following an International Competitive Bidding process. State-of-the-art technologies have been selected for this project to make it an environment-friendly project. Once commissioned, the Maitree Super Thermal Power Project is expected to be one of the largest power plants in Bangladesh. The power plant is part of the Government of Bangladesh's plan for infrastructure development in the country, particularly in the power sector, augmenting the power generation capacity and reducing the current power deficit. During the year, drawals under the loan aggregated US$ 373.79 million.

Building Export Competitiveness

The Bank operates a range of financing programmes aimed at enhancing the export competitiveness of Indian companies. During FY 2019-20, Exim Bank sanctioned loans aggregating ₹ 118.47 billion under programmes for enhancing export competitiveness. Disbursements amounted to ₹ 108.28 billion under these programmes.

एक्ज़िम बैंक ने गैबॉन में NKOK SEZ में लकड़ी और प्लाइवुड विनिर्माण के लिए ग्रीनफील्ड इकाई स्थापित करने के लिए ग्रीनप्लाई इंडस्ट्रीज लिमिटेड को सहायता प्रदान की। दो साल में इस इकाई की उत्पादन क्षमता 150 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई।

Exim Bank supported Greenply Industries Ltd. for setting up a greenfield veneer and plywood manufacturing unit at NKOK SEZ, in Gabon. In two years, the production capacity of the unit has increased by more than 150 per cent.

बैंक ने फ्रीटाउन, सिएरा लिओन में 200 कमरों वाले होटल के डिजाइन और निर्माण संबंधी कॉन्ट्रैक्ट के निष्पादन के लिए शापूरजी पालोनजी मिडईस्ट एलएलसी को गारंटी सुविधा प्रदान की।

The Bank extended guarantee facility to Shapoorji Pallonji Mideast LLC for the execution of a contract for design and construction of a 200-room hotel in Freetown, Sierra Leone.

सरकार की बुनियादी ढांचागत विकास, विशेष रूप से विद्युत क्षेत्र के लिए तैयार की गई योजना का हिस्सा है। इसका उद्देश्य बांग्लादेश में ऊर्जा उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर देश में बिजली की कमी को दूर करना है। वर्ष के दौरान, उक्त ऋण के अंतर्गत 373.79 मिलियन यूएस डॉलर की राशि आहरित की गई।

निर्यात स्पर्धात्मकता का विकास

बैंक भारतीय कंपनियों की निर्यात स्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए कई वित्तपोषण कार्यक्रमों के जरिए सहयोग प्रदान करता है। एक्ज़िम बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान, निर्यात स्पर्धात्मकता बढ़ाने के अपने इन कार्यक्रमों के अंतर्गत कुल ₹ 118.47 बिलियन के ऋणों को मंजूरी प्रदान की गई और इन कार्यक्रमों के अंतर्गत ₹ 108.28 बिलियन की राशि का संवितरण किया गया।

निर्यात उन्मुख इकाइयों (ईओयू) को ऋण

वर्ष के दौरान, बैंक ने 17 निर्यातोन्मुखी इकाइयों को ₹ 33.94 बिलियन के मीयादी ऋणों को अनुमोदन प्रदान किया। ₹ 23.10 बिलियन की राशि का संवितरण किया गया। उत्पादन उपकरण वित्त कार्यक्रम के अंतर्गत, चार निर्यातक कंपनियों को उत्पादन उपकरण के अधिग्रहण के वित्तपोषण के लिए ₹ 7.43 बिलियन की राशि मंजूर की गई। ₹ 3.96 बिलियन की राशि का संवितरण किया गया।

प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना (टीयूएफएस)

एक्ज़िम बैंक, प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना (टीयूएफएस) के तहत परियोजनाओं की पात्रता निर्धारण और अनुमोदन तथा अनुमोदित परियोजनाओं को सीधे सब्सिडी जारी करने के लिए वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नियुक्त नोडल एजेंसियों में से एक है। बैंक ने अब तक ₹ 185.77 बिलियन की कुल लागत वाली 233 परियोजनाओं को अनुमोदन प्रदान किया। कुल अनुमोदित ऋणों और संवितरण की राशि क्रमशः

Loans to Export Oriented Units (EOUs)

During the year, the Bank approved term loans of ₹ 33.94 billion to 17 EOUs. Disbursements amounted to ₹ 23.10 billion. Under the Production Equipment Finance Programme, 4 exporting companies were sanctioned ₹ 7.43 billion for financing acquisition of production equipment. Disbursements amounted to ₹ 3.96 billion.

Technology Upgradation Fund Scheme (TUFS)

Exim Bank is one of the nodal agencies appointed by the Ministry of Textiles, GOI, to establish and approve the eligibility of projects under TUFS, and release subsidy directly to the approved projects. So far, the Bank had accorded approval for 233 projects with aggregate cost of ₹ 185.77 billion. Loans approved and disbursed aggregated ₹ 67.89 billion and ₹ 50.71 billion, respectively. The Bank's assistance to the textile industry under TUFS is spread across various segments of textile manufacturing and covers several states in India.

Overseas Investment Finance Programme

The Bank has a comprehensive programme covering equity finance, loans, guarantees and advisory services, to support Indian outward investment. During the year, 16 corporates were sanctioned funded and non-funded assistance aggregating ₹ 28.37 billion for part financing their overseas investments in eight countries. So far, Exim Bank has provided finance to 634 ventures set up by 475 companies in 78 countries. Overseas investments supported during the year include setting up of a greenfield manufacturing facility in Morocco for the production and supply of auto components to a global manufacturer of steering and driveline products in Morocco, working capital for a plant manufacturing oleoresins in China,

₹ 67.89 बिलियन और ₹ 50.71 बिलियन रही। टीयूएफएस के अंतर्गत बैंक द्वारा जिन इकाई को सहयोग प्रदान किया गया है, वे वस्त्र विनिर्माण के विभिन्न खंडों से संबंधित हैं और भारत के कई राज्यों में फैली हुई हैं।

विदेशी निवेश वित्त कार्यक्रम

भारत के जावक निवेश को सहयोग प्रदान करने के लिए बैंक का एक व्यापक कार्यक्रम है, जिसमें इक्विटी वित्त, ऋण, गारंटियां और सलाहकारी सेवाएं शामिल हैं। वर्ष के दौरान, 16 कंपनियों को आठ देशों में उनके विदेशी निवेशों के आंशिक वित्तपोषण के लिए कुल ₹ 28.37 बिलियन की निधिक और गैर–निधिक सहायता मंजूर की गई। एक्ज़िम बैंक ने अब तक 78 देशों में 475 कंपनियों द्वारा स्थापित 634 उद्यमों को वित्त प्रदान किया है। वर्ष के दौरान सहयोग प्रदान किए गए विदेशी निवेशों में अन्य के साथ–साथ, मोरक्को में ऑटो पुर्जों के उत्पादन और आपूर्ति के लिए स्टीयरिंग तथा ड्राइवलाइन उत्पादों के एक वैश्विक विनिर्माता को एक ग्रीनफील्ड विनिर्माण सुविधा की स्थापना, चीन में ओलिओरेज़िन विनिर्माण संयंत्र के लिए कार्यशील पूँजी, इंटरमीडिएट बल्क कंटेनर बोतलों और ड्रमों के विनिर्माण के लिए अमेरिका में इकाइयों की स्थापना, ओमान में स्थानीय विद्युत उत्पादन के साथ ग्रीनफील्ड कैल्साइन्ड पेट्रोलियम कोक विनिर्माण परियोजना की स्थापना का वित्तपोषण शामिल है। बैंक द्वारा विदेशी निवेश वित्त कार्यक्रम के अंतर्गत कुल ₹ 612.64 बिलियन की राशि की सहायता प्रदान की गई है, जिसमें फार्मास्यूटिकल्स, घरेलू साज–सज्जा, सिले–सिलाए कपड़े, निर्माण, कागज तथा कागज उत्पाद, टेक्सटाइल, गारमेंट, रसायन, रंजक (डाई), कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और सूचना प्रौद्योगिकी, इंजीनियरी सामान, स्वास्थ्य सेवा, प्राकृतिक संसाधन (कोयला और वन), धातु तथा धातु प्रसंस्करण, कृषि तथा कृषि आधारित उत्पाद, स्टील, तेल और गैस जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

आपाती साख पत्र (एसबीएलसी)/साख पत्र (एलसी)

निर्यातोन्मुखी इकाइयों के व्यापार को सुगम बनाने के लिए बैंक, मुख्यतः अपने द्वारा वित्तपोषित आयातों के लिए साख–पत्र (एलसी) जारी करता है। बैंक निर्यातोन्मुखी इकाइयों को उनके विदेशी उद्यमों के लिए निधियां जुटाने में सक्षम बनाने के लिए गारंटियों / आपाती साख पत्रों के जरिए प्रतिस्पर्धी दरों पर वित्तीय गारंटियां भी प्रदान करता है। वर्ष के दौरान, बैंक ने परियोजना निर्यात कॉन्ट्रैक्टों के लिए गारंटियों के अलावा ₹ 4.37 बिलियन की वित्तीय गारंटियां जारी कीं। बैंक का वित्तीय गारंटी पोर्टफोलियो यथा 31 मार्च, 2019 के

setting up of units in the USA for the manufacture of Intermediate Bulk Container bottles and drums, setting up of a greenfield Calcined Petroleum Coke manufacturing project with captive power generation in Oman, amongst others. Aggregate assistance extended towards overseas investment amounts to ₹ 612.64 billion covering various sectors including pharmaceuticals, home furnishings, readymade garments, construction, paper and paper products, textiles, garments, chemicals, dyes, computer software and IT, engineering goods, healthcare, natural resources, metal and metal processing, agriculture, agro-based products, steel, oil and gas.

Standby Letters of Credit (SBLC) / Letters of Credit (LC)

To facilitate the transactions of EOUs, the Bank issues LCs mainly for imports financed by the Bank. The Bank also extends financial guarantees by way of guarantees / SBLCs to enable EOUs raise funds for their overseas ventures at competitive rates. During the year, the Bank, in addition to guarantees for project export contracts, issued financial guarantees, amounting to ₹ 4.37 billion. This financial guarantee portfolio stood at ₹ 17.31 billion as on March 31, 2020, as against ₹ 17.64 billion as on March 31, 2019. During the year, the Bank opened 33 LCs aggregating ₹ 17.64 billion. The

बांग्लादेश सरकार को प्रदत्त 2 बिलियन यूएस डॉलर की ऋण–व्यवस्था के अंतर्गत यूनिवर्सल इंडस्ट्रियल ने बांग्लादेश के सड़क और राजमार्ग विभाग को 10 स्पॉट मिक्सिंग एस्फाल्ट मशीनों की आपूर्ति की।

Universal Industrial supplied 10 spot mixing asphalt machines to the Roads and Highways Department of Government of Bangladesh under Line of Credit of US$ 2 bn.

बैंक ने सऊदी अरब द्वारा स्थापित नई निर्यात ऋण एजेंसी के लिए वित्तपोषण उत्पादों के विकास के लिए परामर्शी सेवाएं प्रदान करने संबंधी अपना कार्य पूरा किया।

The Bank completed a consultancy services assignment to develop financing products for the new export credit agency set up by Saudi Arabia.

₹ 17.64 बिलियन की तुलना में यथा 31 मार्च, 2020 को ₹ 17.31 बिलियन का रहा। वर्ष के दौरान बैंक ने ₹ 17.64 बिलियन के 33 साख पत्र जारी किए। बैंक निर्यात दस्तावेजों के निगोशिएशन/वसूली संबंधी कार्य भी संभालता है। बैंक ने ₹ 76.18 बिलियन के 1218 निर्यात दस्तावेज संभाले।

Bank also handles negotiation / collection of export documents. The Bank handled 1218 export documents worth ₹ 76.18 billion.

निर्यात सुगमकर्ता के
रूप में एक्ज़िम बैंक

Exim Bank as a
Facilitator of Exports

ग्रासरूट पहलें एवं विकास (ग्रिड)

बैंक अपनी ग्रासरूट पहलों के जरिए सामान्य तौर पर ग्रामीण भारत के लघु और सूक्ष्म उद्यमों के वैश्वीकरण के प्रयासों में मदद करता है। इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य देश के पारंपरिक शिल्पकारों, दस्तकारों तथा ग्रामीण उद्यमियों के लिए नए अवसरों का सृजन करते हुए समाज के वंचित वर्गों की सामाजिक-आर्थिक जरूरतों का खयाल रखना है। इसे सुगम बनाने के उद्देश्य से बैंक इन उद्यमियों में क्षमता सृजन के लिए ऋणों और अनुदानों, दोनों तरह से उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम

एक्ज़िम बैंक हस्तशिल्प उत्पाद बनाने वाले ग्रामीण दस्तकारों और शिल्पकारों को सहयोग प्रदान करता रहा है, ताकि वे अपने उत्पादों की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मौजूदगी बढ़ा सकें। इसके लिए बैंक डिजाइन, कौशल विकास और प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन करता रहा है। अपने इन्हीं प्रयासों के क्रम में बैंक ने आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम के पास पेदना गांव के 30 अनुभवी मास्टर बुनकरों के लिए उत्पाद और डिजाइन विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए सहायता दी। ये बुनकर महीन कलमकारी कला में लगे हैं, जिनके लिए एक महीने के उत्पाद और डिजाइन विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला से इन दस्तकारों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से नए उत्पाद विकसित करने और उत्पादों की गुणवत्ता को उन्नत बनाने में मदद मिली।

बैंक ने श्रृंखलाबद्ध तरीके से 15 कौशल विकास कार्यशालाओं का आयोजन किया। इनमें क्राफ्ट और सिलाई कार्यक्रम; उत्पादन के लिए क्षमता सृजन कार्यक्रम; डिजाइन और उत्पाद

बैंक ने अपने विदेशी निवेश वित्त कार्यक्रम के अंतर्गत ड्राइव लाइन पुर्जों की आपूर्ति के लिए मोरक्को में ग्रीनफील्ड विनिर्माण सुविधा की स्थापना के लिए आईएम गियर्स प्रा.लि. को सहायता प्रदान की।

The Bank supported IM Gears Pvt Ltd., under its Overseas Investment Finance Programme for setting up a greenfield manufacturing facility in Morocco for supply of drive line components.

Grassroots Initiatives and Development (GRID)

The Bank, through its grassroots initiatives, envisages supporting globalization of small and micro-enterprises, generally based out of rural India. The main objective of the programme is to address the socio-economic needs of the disadvantaged sections of the society by creating expanded opportunities for traditional craftsmen, artisans and rural entrepreneurs of the country. To facilitate the same, the Bank provides financial support, both in the form of loans and grants, for capacity building exercises.

Workshops and Training Programmes

Exim Bank has been supporting and assisting rural artisans and craftsmen of handicraft products to widen their domestic as well as international presence by organizing design, skill-building and training workshops. As part of this endeavour, the Bank supported a product and design development training programme for 30 master weavers engaged in the intricate 'Kalamkari' art, in Pedana village, near Machilipatnam, Andhra Pradesh, for a period of one month. The workshop enabled new product development and quality upgradation with an objective to augment income generation for the artisans.

The Bank organised a series of 15 skill-development workshops, comprising craft and tailoring programmes, capacity building programmes for production, design and product development workshops, production management trainings, and residential craft manager trainings for 240 unskilled, semi-skilled, and skilled artisans and crafts persons of Rangsutra Crafts India Ltd. (RCIL) in the regions around Barmer, Bikaner, Srinagar and Varanasi. The training benefitted not only the existing community of RCIL's artisans who face the challenges of creating and developing export quality products and establishing robust brand value for themselves, but

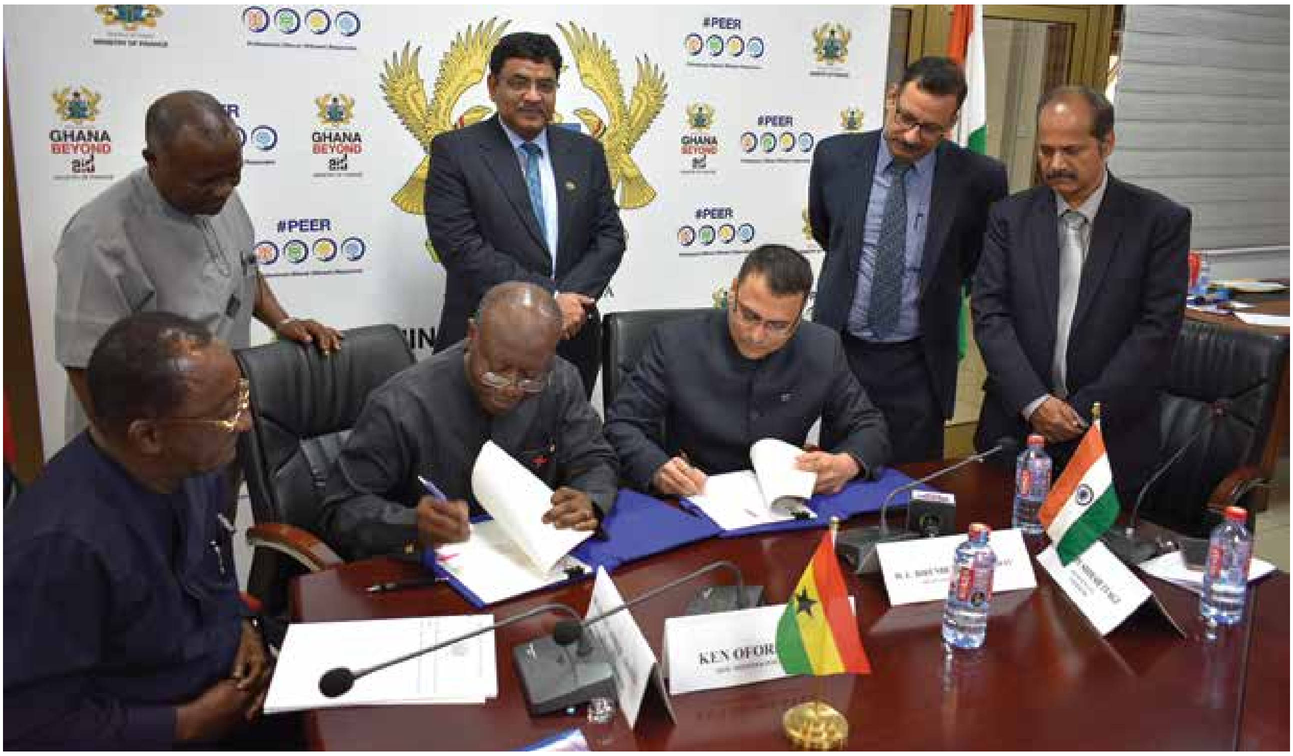

घाना में पेयजल प्रणाली के जीर्णोद्धार और उन्नयन के लिए 30 मिलियन यूएस डॉलर और कृषि मशीनीकरण सेवा केंद्रों को सुदृढ़ करने के लिए घाना सरकार को 150 मिलियन यूएस डॉलर की दो ऋण–व्यवस्थाएं प्रदान की गईं।

Signing of Lines of Credit of US$ 30 mn for rehabilitation and upgradation of potable water system and US$ 150 mn for strengthening of agriculture mechanization service centres, extended to the Government of Ghana.

विकास कार्यशालाएं; उत्पादन प्रबंधन प्रशिक्षण; और बाड़मेर, बीकानेर, श्रीनगर तथा वाराणसी के आसपास के क्षेत्रों में 'रंगसूत्र क्राफ्ट्स इंडिया लिमिटेड' (आरसीआईएल) के 240 अकुशल, अर्द्धकुशल और कुशल दस्तकारों और शिल्पकारों के लिए आवासीय क्राफ्ट मैनेजर प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल रहे। यह प्रशिक्षण न केवल निर्यात गुणवत्ता वाले उत्पाद बनाने और विकसित करने तथा अपने लिए एक ब्रैंड वैल्यू बनाने में चुनौती का सामना करने वाले आरसीआईएल के मौजूदा दस्तकारों के लिए लाभप्रद रहा, बल्कि भौगोलिक रूप से विविधता रखने वाले इन चारों क्षेत्रों की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा को आगे ले जाने के लिए दस्तकारों की अगली पीढ़ी को समर्थ बनाने में भी मददगार रहा। मुख्य रूप से महिलाएं इस कार्यक्रम की लाभार्थी रहीं।

बैंक ने गुजरात के कच्छ क्षेत्र में स्थित एनजीओ सोमैया कला विद्या के साथ मिलकर हथकरघा उत्पादों के डिजाइन विकास के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के 64 गांवों के 2000 से अधिक दस्तकारों, मुख्य रूप से महिलाओं और किसानों के साथ काम करने वाली संस्था 'अवनी' द्वारा स्थापित 'कुमाऊं अर्थक्राफ्ट को–ऑपरेटिव' के हथकरघा उत्पादों के लिए आयोजित किया गया था। इससे टेक्सटाइल्स, प्राकृतिक

also helped equip the next generation of artisans to carry forward the rich tradition of the handicrafts from the four geographically diverse regions. The beneficiaries of the programme were predominantly women.

The Bank supported a training workshop in association with Somaiya Kala Vidya, an NGO based in the Kutch region of Gujarat, on design development for handloom products for Kumaon Earthcraft Cooperative, established by Avani. Avani is engaged with over 2,000 artisans, predominantly women and farmers, across 64 villages in and around Pithoragarh district of Uttarakhand. It provides sustainable livelihood to the traditional artisans through production and sale of textiles, natural dyes, and other ecological products. The artisans developed 43 prototypes which are envisaged to be launched in exhibitions towards the end of 2020.

The Bank supported 'Social Impact Summit - The Power of Collaboration' organized by Women

रंजकों और अन्य पर्यावरणीय उत्पादों के उत्पादन और बिक्री के जरिए परंपरागत दस्तकारों को निरंतर आजीविका प्रदान करने में मदद मिल रही है। इन दस्तकारों ने कार्यक्रम के दौरान 43 प्रोटोटाइप विकसित किए। वर्ष 2020 के अंत तक इन्हें विभिन्न प्रदर्शनियों में लॉन्च करने की तैयारी है।

बैंक ने 'विमन ऑन विंग्स' (वाव) द्वारा आयोजित 'सोशल इम्पैक्ट समिटः द पॉवर ऑफ कोलैबोरेशन' सम्मेलन के लिए सहयोग दिया। इस सम्मेलन का आयोजन अधिकांश छोटे व्यवसायों से जुड़ी 'वाव' की महिला सदस्यों के लिए वित्त और बाजारों तक पहुंच को आसान बनाने के लिए किया गया था। इस सम्मेलन के दौरान ग्रामीण भारत में महिलाओं के लिए रोजगार सृजन पर केंद्रित एक ऑनलाइन प्लैटफॉर्म भी लॉन्च किया गया।

बैंक ने स्वयं सहायता समूहों, गैर-सरकारी संगठनों और सूक्ष्म तथा ग्रासरूट कंपनियों को सूरजकुंड मेले और शरदोत्सव प्रदर्शनी में स्टॉल स्पेस का खर्चा उठाकर सहायता प्रदान की।

एक्ज़िम बाज़ार

एक्ज़िम बैंक देशभर से ग्रासरूट उद्यमों और शिल्पकारों को अपनी अनूठी हस्तशिल्प और हथकरघा प्रदर्शनी 'एक्ज़िम बाज़ार' के माध्यम से सहयोग प्रदान करता रहा है। बैंक ने वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान एक्ज़िम बाज़ार के तीन संस्करणों का आयोजन किया। इनमें 25 से अधिक राज्यों के कुल 324 दस्तकारों ने हिस्सा लिया और अपने हस्तनिर्मित

बैंक ने अपने विदेशी निवेश वित्त कार्यक्रम के अंतर्गत राणे प्रिसीज़न डाई कास्टिंग्स इंक, यूएसए का अधिग्रहण करने के लिए राणे (मद्रास) लिमिटेड को सहायता प्रदान की। रसेलविले स्थित इस विनिर्माण इकाई में ऑटोमोटिव एप्लिकेशनों के लिए उच्च दाब वाली एल्यूमीनियम डाई कास्टिंग का विनिर्माण होता है।

Rane (Madras) Ltd., was supported for acquisition of Rane Precision Die Castings Inc., USA under its Overseas Investment Finance Programme. The unit at Russellville manufactures high pressure aluminium die castings for automotive applications.

on Wings (WoW). The Summit was organized to facilitate access to finance and markets for the women members of WoW belonging mostly to the small businesses. An online platform focusing on job creation for women in rural India was also launched during the summit.

The Bank, offered assistance to self help groups, non-governmental organizations, and micro and grassroots companies by affording stall space at the Surajkund Mela and Sharadotsav exhibitions.

Exim Bazaar

Exim Bank has been supporting and curating grassroots enterprises and craftsmen across India through its own exclusive handicraft and handloom exhibition called the 'Exim Bazaar'. The Bank organized three editions of Exim Bazaars, during FY 2019-20. An aggregate of 324 artisans showcased and sold handmade products representing more than 25 states. The events cumulatively attracted more than a 1,00,000 visitors.

Marketing Advisory Services (MAS)

Exim Bank seeks to help Indian firms in their globalization efforts, by proactively assisting in locating overseas distributors / buyers / partners for their products and services on a success fee basis through its MAS programme. One of the highlights in the year was the assistance provided for the development of Lacustrine Fisheries in Kibouo Lake Dalao city in Abidjan, Cote d'Ivoire. A team of competent consultants from India were identified by Exim Bank to carry out a feasibility study of the project location, followed by preparation of a Detailed Project Report.

The Bank also successfully processed a request from an importer from Sierra Leone, for procurement of manufacturing equipment for hygiene products for women, by identifying an exporter from the MSME sector in India. The negotiations effectively

उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई तथा बिक्री इन तीनों आयोजनों में आगंतुकों की संख्या कुल मिलाकर 1,00,000 से अधिक रही।

मार्केटिंग सलाहकारी सेवाएं (एमएएस)

एक्ज़िम बैंक अपने एमएएस कार्यक्रम के जरिए सफलता शुल्क के आधार पर भारतीय फर्मों के लिए विदेशों में वितरक / खरीदार / भागीदार तलाशने में सक्रियता से सहायता करते हुए उनके वैश्वीकरण के प्रयासों में मदद करता है। इस वर्ष कोत दि'वार के आबिदजान में किबाउ लेक डलाउ सिटी में लैकस्ट्रीन मत्स्य पालन के विकास के लिए प्रदान की गई सहायता प्रमुख उल्लेखनीय कार्यों में से एक है। इस परियोजना के स्थान का व्यवहार्यता अध्ययन करने और फिर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए एक्ज़िम बैंक द्वारा भारत से सक्षम परामर्शदाताओं की एक टीम चिह्नित की गई।

बैंक ने सिएरा लिओन के एक आयातक के अनुरोध को भी सफलतापूर्वक पूरा किया। यह अनुरोध महिलाओं के लिए हाइजीन उत्पादों के विनिर्माण उपकरण की खरीद के लिए किया गया था। बैंक ने इसके निर्यात के लिए भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र से एक निर्यातक को चिह्नित किया। इसके बाद हुई वार्ताओं में कच्चे माल, इंस्टॉलेशन और कीमत तथा उत्पादन चक्र के संबंध में आयातक द्वारा अनुरोध की गई विशिष्टताओं को प्रभावी तरीके से पूरा किया गया।

बैंक ने एक सामाजिक उद्यम को यूएई के बाजार से सफलतापूर्वक जोड़ा। यह उद्यम एकल मूल वाले (शुद्धतम रूप) शहद और शहद के सह-उत्पादों का उत्पादन करता है। इस सामाजिक उद्यम में भारत के विभिन्न हिस्सों में आदिवासी समुदाय के लोग लगे हुए हैं। बैंक ने दुबई में अपनी उपस्थिति का लाभ उठाते हुए इस उद्यम के उत्पादों को संयुक्त अरब अमीरात के बाजारों में पहुंचाया। बैंक ने भारतीय निर्यातकों के व्यवसाय, मुख्य रूप से बैग, फैब्रिक, पेंटिंग, हस्तशिल्प सामान, घरेलू साज-सज्जा के सामान जैसे एमएसएमई उत्पाद विदेशी बाजारों से सफलतापूर्वक जोड़ा।

वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान बैंक ने कोलकाता स्थित गैर-लाभकारी फेयर ट्रेड संगठन, साशा, के साथ एक सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। एमओयू में यह व्यवस्था की गई है कि एक्ज़िम बैंक और साशा दोनों परस्पर ज्ञान/बाजार की जानकारी का आदान-प्रदान करेंगे तथा अपने विभिन्न वित्तीय उत्पादों और सलाहकारी सेवाओं के जरिए संभावनाओं वाले छोटे और ग्रासरूट उद्यमों में क्षमता सृजन के लिए उनके साथ मिलकर संयुक्त रूप से काम करेंगे। वर्तमान में साशा के साथ देशभर में 5,000 दस्तकार और 100 से

श्रीलंका सरकार को प्रदान की गई 382.37 मिलियन यूएस डॉलर की ऋण-व्यवस्था के अंतर्गत राइट्स लिमिटेड ने 10 डीजल इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव और वातानुकूलित यात्री डिब्बों सहित 6 डीजल मल्टीपल यूनिट की आपूर्ति की।

RITES Ltd. supplied 10 diesel electric locomotives and 6 diesel multiple units with air-conditioned passenger compartments under the Line of Credit of US$ 382.37 mn extended to the Government of Sri Lanka.

addressed specifications requested by the importer in terms of raw materials, installation, price and production cycle.

The Bank successfully linked a social enterprise, producing single-origin (purest form) honey and by-products of honey, by engaging tribal population in various parts of India, to the UAE market. The Bank has also successfully linked businesses of Indian exporters, predominantly MSMEs, to overseas markets for products, such as bags, fabrics, paintings, handicraft items and home furnishing.

During FY 2019-20, the Bank entered into a Memorandum of Understanding (MOU) with SASHA, a not-for-profit Fair Trade organization, based in Kolkata. The MOU entails both Exim Bank and SASHA to mutually share knowledge / market intelligence and jointly engage with promising small and grassroot enterprises, in their capacity building efforts through a range of financial and advisory services. Currently, SASHA is engaged with 5,000 artisans, over 100 craft enterprises and 16 craft lines across the country.

In July 2019, the Bank was conferred a 'Certificate of Merit' at the Karlsruhe Sustainable Finance Awards, jointly organised by the Association of

ज्यादा शिल्प उद्यम मिलकर 16 तरह की शिल्प कलाओं में काम कर रहे हैं।

जुलाई 2019 में, बैंक को 'कार्लस्रूहे सस्टेनेबल फायनेंस अवॉर्ड्स' के दौरान 'सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट' से नवाजा गया। इसका आयोजन जर्मनी के कार्लस्रूहे शहर के साथ मिलकर एशिया प्रशांत में विकास वित्त संस्थाओं के संघ (एडफिएप), यूरोपियन ऑर्गेनाइजेशन फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट और अफ्रीकी विकास वित्त संस्थाओं के संघ द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। बैंक को यह पुरस्कार 'संपोषी वित्तीय उत्पाद और सेवाएं' श्रेणी में 'आधारिक उद्यम विकास' कार्यक्रम के लिए प्रदान किया गया।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों में क्षमता विकास के लिए एक्ज़िम बैंक - यूएनडीपी सहयोग

एक्ज़िम बैंक और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) मिलकर 'पूर्वोत्तर भारत में निर्यात स्पर्धात्मकता के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों में क्षमता विकास' संबंधी एक परियोजना का कार्यान्वयन कर रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य निर्यातों को बढ़ाने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को सुदृढ़ करना है। प्रमुख रणनीतियों में भारत सरकार की 'एक्ट ईस्ट' नीति के अंतर्गत उभरते अवसरों का लाभ उठाना है, जिसमें इस क्षेत्र की संभावनाओं को रेखांकित किया गया है। इस परियोजना के प्रारंभिक चरण में असम और मिजोरम राज्यों पर फोकस किया गया है।

2019-20 के दौरान इस परियोजना के अंतर्गत कुछ प्रमुख पहलों में मिजोरम और असम में सूक्ष्म, लघु और मध्यम

बैंक ने मलावी सरकार को लिखुबुला नदी से नई जल आपूर्ति प्रणाली के निर्माण के लिए 23.50 मिलियन यूएस डॉलर की ऋण-व्यवस्था प्रदान की। इस परियोजना से लगभग तीन लाख निवासियों को पेयजल आपूर्ति होने की उम्मीद है।

The Bank extended a Line of Credit of US$ 23.50 mn to the Government of Malawi for construction of a new water supply system from Likhubula river. The project is expected to supply potable drinking water to nearly 300,000 residents.

Development Financing Institutions in Asia and the Pacific, the European Organization for Sustainable Development and the Association of African Development Finance Institutions, together with the City of Karlsruhe, Germany. The Bank won the award under the 'Sustainable Financial Products and Services' category in recognition of the innovative 'Grassroots Initiatives for Development' programme.

Exim Bank - UNDP Co-operation on Capacity Building of MSMEs in the North East Region

Exim Bank and the United Nations Development Programme (UNDP) are jointly implementing a project on 'Capacity Building of MSMEs in North East India for Export Competitiveness'. The initiative aims at creating stronger MSMEs in the North East region to boost exports. The key strategies include taking advantage of emerging opportunities under the Government of India's 'Act East Policy' that recognises the potential of the region. The project initially focuses on the states of Assam and Mizoram.

Some of the key initiatives under this project during 2019-20 include partnering with several pan-India institutions to identify opportunities for MSMEs, conducting studies to strengthen agricultural value chain, documenting cluster activities of agriculture, handloom and handicraft sectors and creating a UNDP-Exim Bank network of social entrepreneurs in Mizoram and Assam.

Exim Mitra

The Bank's Exim Mitra portal, provides exporters and importers a wide range of trade information services. The portal contributes to the ongoing efforts towards reducing the asymmetry in information and availability of trade finance and credit insurance facilities amongst MSME entrepreneurs. The platform also provides exhaustive trade-related

बैंक ने अवनी-कुमाऊं, उत्तराखंड के बुनकरों के लिए आयोजित की गई कौशल विकास कार्यशाला के लिए सहायता प्रदान की।

The Bank supported a skill development workshop for weavers of Avani-Kumaon, Uttarakhand.

उद्यमों के लिए अवसर चिह्नित करने, कृषि वैल्यू चेन को मजबूत करने तथा कृषि, हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र की गतिविधियों के दस्तावेजीकरण और सामाजिक उद्यमियों का यूएनडीपी-एक्ज़िम बैंक नेटवर्क विकसित करने के लिए विभिन्न अखिल भारतीय संस्थाओं के साथ भागीदारी करना शामिल रहा।

एक्ज़िम मित्र

बैंक का 'एक्ज़िम मित्र' पोर्टल निर्यातकों और आयातकों को विभिन्न व्यापार सूचना सेवाएं प्रदान करता है। यह पोर्टल सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमियों के बीच जानकारी के अभाव और व्यापार वित्त तथा ऋण बीमा सुविधाओं की उपलब्धता को लेकर व्याप्त असमानताओं को दूर करने की दिशा में किया गया एक प्रयास है। यह पोर्टल व्यापार से संबंधित व्यापक डाटा और जानकारी प्रदान करता है, ताकि प्रयोक्ता अपने व्यवसायों के अंतरराष्ट्रीयकरण प्रयासों में एक सूझबूझ भरा निर्णय ले सकें। इस पोर्टल पर उपलब्ध कराई जाने वाली जानकारियों में अन्य के साथ-साथ विभिन्न उत्पादों की मांग और उनके बाजारों; बाजार मानकों, सैनिटरी / फायटोसैनिटरी अपेक्षाओं; यूएसए और यूरोपीय संघ जैसे प्रमुख बाजारों में नियमों और विनियमों; विभिन्न क्षेत्रों में सरकारी प्रोत्साहनों; हैंडहोल्डिंग एजेंसियों के लिए संपर्क सूत्रों; दुनियाभर से शिपमेंट की लागत और उसमें लगने वाले समय की जानकारी और देश रेटिंग की जानकारियां प्रदान करना शामिल है।

बैंक निर्यातकों को व्यापार वित्त की जानकारी और मार्गनिर्देशन सुलभ कराने के लिए वाणिज्यिक बैंकों और ऋण बीमा एजेंसियों के साथ मिलकर काम करता है। बैंक ने इस

data and information, allowing the users to make informed decisions for their internationalization efforts. This, interalia, includes assessment of demand across products and markets; information pertaining to market standards, sanitary/phytosanitary requirements; rules and regulations in key markets, like the USA and the EU; government incentives across various sectors; relevant contact information for handholding agencies; cost and duration of shipments from across the globe and country ratings.

The Bank also works closely with commercial banks and credit insurance agencies to provide information and guidance to exporters. The Bank has partnered with 16 banks/financial institutions for facilitating financial services through the portal. Prospective exporters can fill and submit an online form on the portal, which captures preliminary data pertaining to loan applications. These details are then shared with participating banks. The portal, therefore, acts as a much needed intermediary between suppliers and users of trade finance.

Exim Bank recognizes that the full potential of knowledge dissemination can be fructified only

बैंक ने सूरीनाम के 50 सुदूर गांवों में सोलर डीजी हाइब्रिड पीवी सिस्टम्स के जरिए ग्रामीण विद्युतीकरण संबंधी परियोजना के वित्तपोषण के लिए 35.8 मिलियन यूएस डॉलर की ऋण-व्यवस्था प्रदान की।

The Bank extended a Line of Credit of US$ 35.8 mn to finance rural electrification through solar DG hybrid PV systems in 50 remote villages in Suriname.

पोर्टल के जरिए वित्तीय सेवाएं सुगम बनाने के लिए 16 बैंकों/वित्तीय संस्थाओं के साथ साझेदारी की है। भावी निर्यातक इस पोर्टल पर ऑनलाइन फॉर्म भरकर प्रस्तुत कर सकते हैं। यह ऋण आवेदनों से संबंधित प्राथमिक डाटा संकलित करता है। यह विवरण प्रतिभागी बैंकों से साझा किया जाता है। इस प्रकार यह पोर्टल व्यापार वित्त प्रयोक्ताओं और आपूर्तिकर्ताओं के बीच एक मध्यस्थ की भूमिका निभाता है।

एक्ज़िम बैंक जानकारियों के पूर्ण प्रसार के लिए सूचना के पारस्परिक आदान-प्रदान के महत्त्व को समझता है। सूचनाओं के इस आदान-प्रदान को सुगम बनाने के लिए इस पोर्टल

through a two-way exchange of information. To facilitate this, the portal has a helpline section to cater to specific queries of exporters and importers. As on March 31, 2020, Exim Mitra had addressed more than 800 queries of exporters from various industrial segments. A majority of the queries have been from MSME exporters in labour intensive sectors such as agro and food products, textiles and garments.

Award for Business Excellence

Exim Bank and Confederation of Indian Industry (CII) joined hands in 1994, to promote 'excellence' among Indian companies through the 'CII-Exim Bank Award for Business Excellence' for best Total Quality Management practices adopted by an Indian company. The Award is based on the European Foundation for Quality Management model. In 2019, there were 14 companies which received varying levels of recognition. Kirloskar Oil Engines Ltd. and Godrej & Boyce Mfg. Co. Ltd. (Appliances Divisions) were adjudged the winners of the CII-Exim Bank Award for business excellence.

एक्ज़िम बैंक का 'बिहार से निर्यातों का संवर्धनः विश्लेषण और नीतिगत परिदृश्य' शीर्षक वाला कार्यकारी आलेख पटना में निर्यातकों के साथ परिचर्चा के दौरान जारी किया गया।

Release of Exim Bank's working paper on 'Promoting Exports from Bihar: Insights and Policy Perspectives'.

पर एक हेल्पलाइन सेक्शन है, जहां निर्यातकों और आयातकों के विशिष्ट सवालों का ध्यान रखा गया है। 31 मार्च, 2020 तक एक्ज़िम मित्र के जरिए विभिन्न उद्योग खंडों के निर्यातकों के 800 से अधिक सवालों के जवाब दिए गए हैं। इनमें से अधिकांश सवाल कृषि और खाद्य उत्पादों तथा टेक्सटाइल और गारमेंट जैसे गहन श्रम क्षेत्रों में एमएसएमई निर्यातकों की ओर से रहे हैं।

व्यवसाय उत्कृष्टता पुरस्कार

एक्ज़िम बैंक और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), किसी भारतीय कंपनी द्वारा अपनाई जाने वाली उत्कृष्ट गुणवत्ता प्रबंधन पद्धतियों के लिए सीआईआई–एक्ज़िम बैंक व्यवसाय उत्कृष्टता पुरस्कार के जरिए भारतीय कंपनियों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए 1994 में साथ आए। यह पुरस्कार यूरोपियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट मॉडल पर आधारित है। 2019 में 14 कंपनियों को अलग–अलग स्तरों पर पुरस्कृत किया गया। किर्लोस्कर ऑयल इंजन्स लिमिटेड और गोदरेज एंड बॉयसे मैन्युफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड (एप्लायंस डिवीजन) को व्यवसाय उत्कृष्टता के लिए सीआईआई–एक्ज़िम बैंक पुरस्कार के लिए चुना गया।

अंतरराष्ट्रीय आर्थिक शोध पुरस्कार

बैंक द्वारा अंतरराष्ट्रीय आर्थिक शोध पुरस्कार की स्थापना 1989 में की गई थी। इसका उद्देश्य भारतीय और विदेशी विश्वविद्यालयों तथा शिक्षण संस्थाओं में भारतीय नागरिकों द्वारा अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र, व्यापार, विकास और संबद्ध वित्तपोषण के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देना है। इस पुरस्कार के अंतर्गत ₹ 3,50,000 की राशि तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। वर्ष 2018 के विजेता डॉ. सौम्यतनु मुखर्जी रहे। उन्हें यह पुरस्कार 'उदारीकरण, वेतन और सेक्टर वृद्धिः भारत के संबंध में सामान्य संतुलन विश्लेषण' शीर्षक वाली उनकी डॉक्टोरल थीसिस के लिए प्रदान किया गया। डॉ. मुखर्जी ने यूनिवर्सिटी ऑफ नॉटिंघम, यूके से 2016 में अपनी डिग्री हासिल की थी।

भारतीय एक्ज़िम बैंक ब्रिक्स आर्थिक शोध पुरस्कार

वर्ष 2016 में ब्रिक्स अंतरबैंक सहयोग तंत्र के अंतर्गत भारत की अध्यक्षता के दौरान बैंक ने 'भारतीय एक्ज़िम बैंक ब्रिक्स आर्थिक शोध पुरस्कार' की स्थापना की। इस पुरस्कार का उद्देश्य ब्रिक्स सदस्य देशों के लिए प्रासंगिकता रखने वाले समसामयिक विषयों पर केंद्रित उन्नत शोध अध्ययनों को बढ़ावा और प्रोत्साहित करना है। पुरस्कार स्वरूप एक प्रशस्ति पत्र और बैंक द्वारा प्रायोजित ₹ 1.5 मिलियन (लगभग 22,000 यूएस डॉलर) की सम्मान राशि प्रदान की जाती है।

एक्ज़िम बैंक का अंतरराष्ट्रीय आर्थिक शोध वार्षिक (ईरा) पुरस्कार 2018 डॉ. सौम्यतनु मुखर्जी को प्रदान किया गया।

Exim Bank's International Economic Research Annual (IERA) Award 2018 was presented to Dr. Soumyatanu Mukherjee.

International Economic Research Award

The International Economic Research Award was instituted by the Bank in 1989. The objective of the Award is to promote research in international economics, trade, development and related financing, by Indian nationals at universities and academic institutions in India and abroad. The Award consists of a sum of ₹ 3,50,000 and a citation. The winner for the year 2018 was Dr. Soumyatanu Mukherjee, for his doctoral thesis titled 'Liberalisation, Wages and Sector Growth: General Equilibrium Analysis for India'. Dr. Mukherjee received his degree in 2016 from the University of Nottingham, UK.

Exim Bank of India BRICS Economic Research Award

During India's Presidency under the BRICS Interbank Co-operation Mechanism in 2016, the Bank instituted the Exim Bank of India BRICS Economic Research Award, with an objective to encourage and stimulate advanced research on topics of contemporary relevance to the member nations of BRICS. The Award, comprising of a citation and prize money of ₹ 1.5 million (approximately US$ 22,000) is sponsored by the Bank. The Award is open to nationals of any of the five member nations of BRICS, whose doctoral theses have been awarded a doctorate or accepted for award of a doctorate from

सीआईआई-एक्ज़िम बैंक व्यवसाय उत्कृष्टता पुरस्कार में गोदरेज एंड बॉयसे मैन्युफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड (एप्लायंस डिवीजन) को विजेता तथा रोल मॉडल संगठन घोषित किया गया।

Godrej & Boyce Mfg. Co. Ltd. (Appliances Division) was declared as the winner and role model organisation at the CII-Exim Bank Award for Business Excellence.

ब्रिक्स के पांचों देशों के नागरिक, जिन्हें डॉक्टोरल थीसिस के लिए डॉक्टरेट डिग्री मिल गई है या जिनकी थीसिस को राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त किसी भी विश्वविद्यालय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक संस्थान द्वारा डॉक्टरेट की डिग्री प्रदान करने हेतु स्वीकार कर लिया गया है, इस पुरस्कार के लिए आवेदन कर सकते हैं। वर्ष 2019 के लिए यह पुरस्कार डॉ. तुषार भारती को 'विकासशील देशों में शिक्षा और शिक्षण संस्थानों पर आलेख' शीर्षक वाली उनकी डॉक्टोरल थीसिस के लिए मिला। डॉ. भारती ने यूएसए स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोर्निया से 2018 में डिग्री हासिल की थी।

any nationally accredited university or academic institution globally. The winner for the year 2019 was Dr. Tushar Bharati, for his doctoral thesis titled 'Essays on Education and Institutions in Developing Countries'. Dr. Bharati received his degree in 2018 from the University of Southern California, USA.

निर्यात संवर्द्धक के रूप में एक्ज़िम बैंक

Exim Bank as a Promoter of Exports

शोध एवं विश्लेषण

बैंक का शोध एवं विश्लेषण समूह अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र, व्यापार और निवेश के विभिन्न पहलुओं पर क्वालिटेटिव और क्वांटिटेटिव शोध तकनीकों के जरिए शोध अध्ययन करता है। इस समूह द्वारा ये शोध अध्ययन मुख्य रूप से क्षेत्रीय, उद्योग खंड और नीति संबंधी श्रेणियों के अंतर्गत किए जाते हैं और इन्हें प्रासंगिक आलेखों तथा कार्यकारी आलेखों, पुस्तकों आदि के रूप में प्रकाशित किया जाता है। वर्ष के दौरान, बीस शोध अध्ययन प्रकाशित किए गए, जो निम्नलिखित हैं:

1. कृषि और खेत मशीनीकरण में भारत-अफ्रीका की भागीदारी
2. भारत-म्यांमार व्यापार और निवेश: संभावनाएं और आगे की राह
3. भारत और लैटिन अमेरिका के बीच सेतुः गहन आर्थिक सहयोग के लिए नीतिगत विकल्प
4. सैडेक में विनिर्माण: मूल्य श्रृंखला को ऊपर ले जाना
5. उत्तरी अफ्रीका: भारत के व्यापार और निवेश संभावनाओं के द्वार खोलना
6. एएफसीएफटीए: अफ्रीका के आर्थिक एकीकरण में भारत के लिए अवसर
7. भारत-सीएलएमवी: एशिया में आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण करना

Research and Analysis

The Bank's Research and Analysis Group offers a range of insights on aspects of international economics, trade and investments through qualitative and quantitative research techniques. The research work carried out in the Group under the broad classification of regional, sectoral and policy related studies, are published in the form of Occasional Papers, Working Papers, books, etc. Twenty research studies were published during the year. These include the following:

1. India-Africa Partnership in Agriculture and Farm Mechanisation
2. India-Myanmar Trade and Investment: Prospects and Way Forward
3. A Bridge Between India and Latin America: Policy Options for Deeper Economic Cooperation
4. Manufacturing in SADC: Moving Up the Value Chain
5. North Africa: Unlocking India's Trade and Investment Potential
6. AfCFTA: Opportunities for India in Africa's Economic Integration
7. India-CLMV: Building Supply Chains in Asia

एक्ज़िम बैंक ने जेजु आइलैंड, कोरिया में आयोजित 25वें एशियन एक्ज़िम बैंक्स फोरम की वार्षिक बैठक में हिस्सा लिया।

Exim Bank participated in the 25th Annual Meeting of Asian Exim Banks Forum held at Jeju Island, Korea.

एक्ज़िम बैंक ने इंटर–अमेरिकन डेवलपमेंट बैंक के साथ संयुक्त रूप से तैयार किया गया 'भारत और लैटिन अमेरिका के बीच सेतुः गहन आर्थिक सहयोग के लिए नीतिगत विकल्प' शीर्षक वाला संयुक्त शोध अध्ययन जारी किया।

Exim Bank released a study jointly prepared with the Inter-American Development Bank titled, 'A Bridge between India and Latin America - Policy Options for Deeper Economic Cooperation'.

8. जीसीसी देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंध: व्यापार, प्रवासन और प्रेषण रुझान
9. दक्षिण कोरिया के साथ भारत के व्यापार और निवेश क्षमताओं का उपयोग करना
10. भारत और मध्य एशिया: व्यापार और निवेश संबंधों का पुनः सशक्तीकरण
11. दोराहे पर भारतीय मोटर वाहन उद्योग
12. भारतीय रासायनिक उद्योग: नई दिशाएं
13. भारतीय पैकेजिंग उद्योग: चुनौतियां और संभावनाएं
14. जीवीसी एकीकरण: भारत के निर्यातों को बढ़ाना
15. गहराता व्यापार संरक्षणवाद: भारत के लिए निहितार्थ
16. भारत से परियोजना निर्यात: पुनरुत्थान और पुनः अभिमुखीकरण के लिए रणनीति
17. चुनिंदा क्षेत्रों में निर्यातों के लिए घरेलू नीतिगत बाधाएं
18. भारत के टैरिफ नीति फ्रेमवर्क का पुनर्मूल्यांकन
19. उदारीकरण, वेतन और सेक्टर वृद्धिः भारत के संबंध में सामान्य संतुलन विश्लेषण
20. विकासशील देशों में शिक्षा और शिक्षण संस्थानों पर निबंध

एक्सपोर्ट लीडिंग इंडेक्स

एक्ज़िम बैंक ने भारत के निर्यातों में आने वाले उतार–चढ़ावों का पूर्वानुमान लगाने और उनका ट्रैक रखने के उद्देश्य से एक्सपोर्ट लीडिंग इंडेक्स (ईएलआई) तैयार करने के लिए एक आंतरिक मॉडल विकसित किया है। ईएलआई देश के निर्यातों

8. India's Bilateral Relations with the GCC Countries: Trends in Trade, Migration and Remittances
9. Realizing India's Trade and Investment Potential with South Korea
10. India and Central Asia: Revitalizing Trade and Investment Relations
11. Indian Automotive Industry: At the Crossroads
12. Indian Chemical Industry: New Directions
13. Indian Packaging Industry: Challenges and Prospects
14. GVC Integration: Enhancing India's Exports
15. Intensifying Trade Protectionism: Implications for India
16. Project Exports From India: Strategy for Reenergizing and Reorienting
17. Domestic Policy Constraints for Exports in Select Sectors
18. Relooking India's Tariff Policy Framework
19. Liberalisation, Wages and Sector Growth: General Equilibrium Analysis for India
20. Essays on Education and Institutions in Developing Countries

Export Leading Index

Exim Bank has developed an in-house model to generate an Export Leading Index (ELI) for India, to track and forecast the movement in India's exports. The ELI, gauges the outlook for the country's exports and is essentially developed as a leading indicator to forecast growth in total merchandise and non-oil exports of the country, on a quarterly basis, based on several external and domestic factors.

Exim Bank's forecasts are released during the first week of the months of June, September, December and March, for the corresponding quarters, with continuous improvisation to the model. ELI could be of interest to policy makers, researchers, and exporters, among others.

का आकलन करता है। इस मॉडल को विभिन्न बाह्य एवं घरेलू कारकों को ध्यान में रखते हुए देश के वस्तु निर्यातों और गैर-तेल निर्यातों में तिमाही आधार पर वृद्धि का पूर्वानुमान लगाने के लिए एक प्रमुख संकेतक के रूप में विकसित किया गया है।

एक्ज़िम बैंक के ये पूर्वानुमान हर तिमाही आधार पर संबंधित तिमाही के लिए जून, सितंबर, दिसंबर और मार्च के पहले सप्ताह में जारी किए जाते हैं। इस मॉडल में निरंतर सुधार किया जाता है। ईएलआई अन्य के साथ-साथ नीति निर्माताओं, शोधार्थियों और निर्यातकों के लिए उपयोगी हो सकता है।

सूचना और सलाहकारी सेवाएं

बैंक कई प्रकार की सूचना, सलाहकारी और सहायता सेवाएं प्रदान करता है। ये सेवाएं जहां बैंक के वित्तपोषण कार्यक्रमों की पूरक हैं, वहीं पॉलिसी बैंक के रूप में बैंक की भूमिका को भी रेखांकित करती हैं। ये सेवाएं बैंक के हितधारकों को प्रदान की जाती हैं, जिनमें राज्य सरकारें, भारतीय सार्वजनिक और निजी क्षेत्र तथा विदेशी संस्थाएं शामिल हैं। इन सेवाओं में राज्य सरकारों के लिए नीतिगत सुझाव और शोध अध्ययन, बाजार संबंधी सूचनाएं, क्षेत्र और व्यवहार्यता अध्ययन, प्रौद्योगिकी आपूर्तिकर्ताओं को चिह्नित करना, साझेदार तलाशना, क्षमता निर्माण, निवेश सुगमीकरण तथा भारत और विदेश में संयुक्त उद्यमों का विकास शामिल है।

एक्ज़िम बैंक विकासशील देशों की कई संस्थाओं को भी अपनी सलाहकारी और सहायता सेवाओं के जरिए सहायता प्रदान करता है। वर्ष के दौरान, एक्ज़िम बैंक ने घाना निर्यात-आयात बैंक (घाना एक्ज़िम) के क्षमता विकास के अपने असाइनमेंट के अगले चरण के रूप में घाना एक्ज़िम के विभिन्न समूहों के अधिकारियों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किए।

एक्ज़िमिअस शिक्षण केंद्र

भारतीय निर्यातकों और आयातकों के लिए आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के आयोजन का उत्तरदायित्व बैंक के एक्ज़िमिअस शिक्षण केंद्र (ईसीएल) पर है। इन कार्यक्रमों के आयोजन का उद्देश्य भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश के बारे में भारतीय निर्यातकों और आयातकों की जागरूकता बढ़ाना और भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं निवेश को सुगम बनाना है।

ईसीएल ने 2019-20 के दौरान निर्यातकों के लिए 24 सेमिनारों का आयोजन किया। इन सेमिनारों की थीम निर्यात क्षमता का

Information and Advisory Services

The Bank provides a wide range of information, advisory and support services, which complements its financing programmes whilst also underlining its role as a policy Bank. These services are provided to the Bank's stakeholders including state governments, Indian public and private sector and overseas entities. The scope of services include policy inputs and papers for the state governments, market-related information, sector and feasibility studies, technology supplier identification, partner search, capacity building exercises, investment facilitation and development of joint ventures both in India and abroad.

Exim Bank also provides assistance to a number of institutions in the developing world through its advisory and consultancy services. During the year, Exim Bank organised skill enhancement programmes for officers from Ghana Export-Import Bank (Ghana Exim), as a follow-on to a capacity building assignment.

Eximius Centre for Learning

The Eximius Centre for Learning (ECL) is responsible for organising programmes for Indian exporters and importers to enhance their awareness and facilitate India's international trade and investment.

During the financial year 2019-20, ECL conducted 24 seminars for exporters, with themes broadly classified into export capability creation, business opportunities, industry, country and region focus, and export potential of Indian states.

The Bank extends LOCs under the Indian Development and Economic Assistance Scheme (IDEAS). With the objective of raising awareness on IDEAS guidelines, the Bank partnered with the Ministry of External Affairs, GOI, to organize seminars in five tier II cities, namely, Indore, Kochi, Pune, Kanpur and Bhubaneshwar.

With merchandise exports witnessing a slowdown during the past decade, project exports present a

सृजन, व्यवसाय अवसर, उद्योग, देश और क्षेत्र पर फोकस तथा भारतीय राज्यों से निर्यात संभावनाओं से संबंधित रही।

बैंक, भारतीय विकास एवं आर्थिक सहायता योजना (आयडियाज) के अंतर्गत ऋण–व्यवस्थाएं प्रदान करता है। आयडियाज दिशानिर्देशों के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से बैंक ने विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के साथ मिलकर देश के पांच प्रमुख टियर–II शहरों में सेमिनार आयोजित किए। ये सेमिनार इंदौर, कोच्चि, पुणे, कानपुर और भुवनेश्वर में आयोजित किए गए।

बीते दशक के दौरान भारत के मर्चेंडाइज निर्यातों में मंदी के बावजूद परियोजना निर्यात ऐसा क्षेत्र है, जिसमें निर्यातों को बढ़ाने की संभावनाएं हैं। बैंक ने ‘परियोजना निर्यातों को बढ़ाने के लिए रोडमैप’ विषय पर नई दिल्ली में दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया। सेमिनार के दौरान माननीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने अपने संबोधन में भारत से निर्यातों में आई हाल की मंदी से उबरने तथा वैश्विक बाजार में भारतीय निर्यातकों की स्पर्धात्मकता बढ़ाने

vital conduit for expansion in exports. The Bank organised a two-day seminar on the theme of ‘Building a Roadmap for Boosting Project Exports’ in New Delhi. The Hon’ble Minister of Commerce and Industry, Shri Piyush Goyal in his address highlighted the efforts taken by GOI to reverse the recent slowdown in exports and enhance competitiveness of Indian exporters in the global market.

Exim Bank, organized a seminar on ‘Stepping Up India’s Engagements in Africa’ to seek stakeholder feedback on issues impacting India-Africa bilateral trade and investments. The seminar brought together representatives from African missions, GOI and the Indian corporate sector having presence in Africa who shared insights into areas for diversification and strategies for achieving greater collaboration.

ECL partners with multilateral development banks to

एक्ज़िम बैंक के प्रकाशन ‘भारत से परियोजना निर्यातः प्रोत्साहन और संवर्द्धन के लिए रणनीति’ शीर्षक वाले प्रकाशन का विमोचन श्री पीयूष गोयल, माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, भारत सरकार द्वारा किया गया।

Exim Bank’s publication titled ‘Project Exports from India: Strategy for Reenergizing and Reorienting’ was released by Shri Piyush Goyal, Minister of Commerce and Industry, Government of India.

बैंक ने घाना निर्यात-आयात बैंक (घाना एक्ज़िम) के लिए परामर्शी कार्य पूरा किया। इसी क्रम में घाना एक्ज़िम बैंक के नौ अधिकारियों की एक टीम ने कौशल विकास कार्यक्रम के लिए एक्ज़िम बैंक का दौरा किया।

The Bank completed a consultancy assignment for the Ghana Export-Import Bank (Ghana Exim). A team of nine officers from Ghana Exim visited Exim Bank for a skill enhancement programme.

के लिए भारत सरकार द्वारा किए गए प्रयासों का विशेष रूप से उल्लेख किया।

एक्ज़िम बैंक ने भारत-अफ्रीका द्विपक्षीय व्यापार और निवेशों को प्रभावित करने वाले विषयों पर स्टेकहोल्डरों का फीडबैक जानने के प्रयोजन से 'अफ्रीका में भारतीय व्यवसाय को बढ़ावा' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया। इस सेमिनार में अफ्रीकी मिशनों, भारत सरकार और अफ्रीका में मौजूदगी रखने वाले भारतीय कॉर्पोरेट जगत के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया और व्यवसायों के विविधिकरण के लिए विभिन्न क्षेत्रों तथा बेहतर सहयोग बनाए रखने के संबंध में रणनीतियों पर चर्चा की गई।

ईसीएल, बहुपक्षीय विकास बैंकों के साथ मिलकर उनके द्वारा निधिक परियोजनाओं में व्यवसाय अवसरों पर उनके साथ मिलकर संयुक्त रूप से सेमिनारों का आयोजन करता है। वर्ष के दौरान बैंक ने एशियाई विकास बैंक और विश्व बैंक के साथ मिलकर दो सेमिनारों का आयोजन किया। ये सेमिनार विदेशी सहायता प्राप्त परियोजनाओं में व्यवसाय अवसरों पर आयोजित किए गए।

राज्यों से निर्यातों को बढ़ाने के लिए राज्य केंद्रित रणनीति की जरूरत को महसूस करते हुए एक्ज़िम बैंक ने वर्ष के दौरान दो सेमिनार आयोजित किए। ये सेमिनार 'छत्तीसगढ़ के लिए निर्यात रणनीति' और 'बिहार से निर्यातों का संवर्धन' विषयों पर क्रमशः रायपुर और पटना में आयोजित किए गए।

ईसीएल ने विशेष रूप से एमएसएमई क्षेत्र से निर्यातों को बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करने के प्रयोजन से देशभर में विभिन्न व्यापार निकायों और वाणिज्य चैंबरों के

jointly organise seminars on business opportunities in projects funded by them. During the year, the Bank partnered with the Asian Development Bank and the World Bank to organise two seminars on business opportunities in externally-aided projects.

Recognising the need for a state-focused strategy, for export promotion, Exim Bank organized two seminars during the year, titled 'Export Strategy for Chhattisgarh' and 'Promoting Exports from Bihar', held in Raipur and Patna, respectively.

ECL partnered with various trade bodies and chambers of commerce across India to organise events aimed at promoting exports, especially from the MSME sector. In association with Federation of Indian Export Organisations, the Bank organized three seminars during the year on the theme of 'Opportunities for MSMEs in International Markets' at Mysore, Rudrapur and Jodhpur. To enhance export capability of the rural and grassroots enterprises, Exim Bank partnered with Export Promotion Council for Handicrafts to organise five workshops on themes related to export documentation, export marketing, e-commerce and online trading, design trends, GST, etc. in five handicraft clusters in Puducherry, Sagar, Coimbatore, Mangaluru and Madurai. More than 600 artisans benefitted from these workshops.

With a view to reach out to a global audience keen on matters pertaining to international trade, economy, trade related policy, etc., the Bank launched a series of webinars. The webinars, christened as 'Exim Bank's Masterclass' were held on topics such as 'India's Merchandise Exports: Drivers and Growth Prospects', 'Impact of Union Budget on Select Sectors', 'Intensifying Trade Protectionism: Causes and Implications', and 'How to Export?'. Economists from the Bank as well as external experts were invited as speakers for these webinars.

Institutional Linkages

The Bank has fostered a network of alliances and institutional linkages with multilateral agencies, export credit agencies, banks and financial

साथ साझेदारी की है। बैंक ने वर्ष के दौरान भारतीय निर्यात संगठन संघ (फिओ) के साथ मिलकर मैसूर, रुद्रपुर और जोधपुर में 'अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए अवसर' विषय पर तीन सेमिनारों का आयोजन किया। ग्रामीण और ग्रासरूट उद्यमों में निर्यात क्षमता बढ़ाने के लिए एक्ज़िम बैंक ने हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद के साथ मिलकर पांच कार्यशालाएं आयोजित कीं। ये कार्यशालाएं दक्षिण भारत के पांच हस्तशिल्प क्लस्टरों पुडुचेरी, सागरा, कोयंबटूर, मैंगलूरु और मदुरै में निर्यात दस्तावेजीकरण, निर्यात मार्केटिंग, ई–कॉमर्स और ऑनलाइन ट्रेडिंग, डिजाइन ट्रेंड, जीएसटी जैसे विषयों पर रखी गईं। इन कार्यशालाओं से 600 से ज्यादा दस्तकार लाभान्वित हुए।

बैंक ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार, अर्थव्यवस्था, व्यापार संबंधी नीति जैसे विषयों में रुचि रखने वाले वैश्विक वर्ग तक पहुंचने के लिए डिजिटल प्लैटफॉर्म पर वेबिनारों की एक श्रृंखला शुरू की। इन वेबिनारों को 'एक्ज़िम बैंक की मास्टर क्लास' नाम दिया गया। ये वेबिनार 'भारत से वस्तु निर्यातः संवाहक और वृद्धि की संभावनाएं', 'केंद्रीय बजट का चुनिंदा क्षेत्रों पर प्रभाव', 'बढ़ता व्यापार संरक्षणवादः कारण और असर' और 'निर्यात कैसे करें' जैसे विषयों पर आयोजित किए गए। इन वेबिनारों के लिए वक्ताओं के रूप में बैंक के अर्थशास्त्रियों के साथ–साथ बाहर से विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया गया।

संस्थागत संबद्धताएं

देश के व्यापार एवं निवेश हेतु अनुकूल परिवेश तैयार करने में मदद के लिए बैंक ने बहुपक्षीय एजेंसियों, निर्यात ऋण एजेंसियों, बैंकों तथा वित्तीय संस्थाओं, व्यापार संवर्धन निकायों और निवेश संवर्धन बोर्डों के साथ अपने संस्थागत संबंधों का एक नेटवर्क विकसित किया है।

ब्रिक्स अंतरबैंक सहयोग तंत्र

ब्रिक्स अंतरबैंक सहयोग तंत्र के अंतर्गत एक्ज़िम बैंक भारत की ओर से एक नामित सदस्य विकास बैंक है। बैंक ने बुनियादी ढांचागत क्षेत्र में निजी निवेश जुटाने के लिए ब्रिक्स राष्ट्रों के विकास बैंकों के साथ एक सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस एमओयू के फ्रेमवर्क के अंतर्गत, सदस्य विकास बैंकों ने बुनियादी ढांचागत क्षेत्र में निजी निवेश

institutions, trade promotion bodies and investment promotion boards to help create an enabling environment for supporting trade and investment.

BRICS Interbank Co-operation Mechanism

Exim Bank is the nominated member development bank from India under the BRICS Interbank Co-operation Mechanism. The Bank entered into a Memorandum of Understanding (MoU) with the development banks of the BRICS nations for Mobilization of Private Investment in Infrastructure. Under the framework of the MoU, member development banks have agreed to explore the possibilities of financing, co-financing or guaranteeing of private investment in the infrastructure sphere. The Bank also participated in the Annual Meeting and the Financial Forum of the BRICS Interbank Co-operation Mechanism and associated meetings held in Rio de Janeiro, Brazil.

Asian Exim Banks Forum

The twenty-fifth Annual Meeting of the Asian Exim Banks Forum (AEBF) was hosted by the Export-Import Bank of Korea (KEXIM) at Jeju Island, Korea, in November 2019. The theme of the meeting was 'Facing a New Decade: Revisiting Asian ECAs' role in the Shifting Global Economic Landscape – Rising needs for Proactive, Flexible and Sustainable ECAs'.

एक्ज़िम बैंक का ब्रिक्स आर्थिक शोध पुरस्कार 2019, रियो डि जेनेरो, ब्राजील में आयोजित 9वें वार्षिक ब्रिक्स वित्तीय फोरम के दौरान डॉ. तुषार भारती को प्रदान किया गया।

Exim Bank's BRICS Economic Research Award 2019 was awarded to Dr. Tushar Bharati during the 9th Annual BRICS Financial Forum in Rio de Janeiro, Brazil.

के वित्तपोषण, सह-वित्तपोषण या गारंटी की संभावनाओं का पता लगाने पर सहमति जताई है। बैंक ने रियो डि जेनेरो, ब्राजील में आयोजित ब्रिक्स अंतरबैंक सहयोग तंत्र के वित्तीय फोरम की वार्षिक बैठक और अन्य संबंधित बैठकों में भी हिस्सा लिया।

एशियन एक्ज़िम बैंक्स फोरम

एशियन एक्ज़िम बैंक्स फोरम (एईबीएफ) की पच्चीसवीं वार्षिक बैठक नवंबर 2019 में जेजु आइलैंड, कोरिया में हुई। बैठक की मेजबानी एक्सपोर्ट-इंपोर्ट बैंक ऑफ कोरिया (केक्ज़िम) द्वारा की गई। बैठक की थीम 'नए दशक का सामनाः बदलते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में एशियाई निर्यात ऋण एजेंसियों की भूमिका का पुनरावलोकन – सक्रिय, लचीली और संपोषी निर्यात ऋण एजेंसियों की बढ़ती जरूरत' रही। बैठक में ऑस्ट्रेलिया, चीन, भारत, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया, मलेशिया, फिलीपींस, थाइलैंड, तुर्की और वियतनाम की सदस्य संस्थाओं से शीर्ष स्तर के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक में एशियाई विकास बैंक ने स्थाई अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। एक्सपोर्ट डेवलपमेंट कनाडा, अबू धाबी फंड फॉर डेवलपमेंट और अबू धाबी एक्सपोर्ट्स ऑफिस तथा यूके एक्सपोर्ट फायनैंस ने पर्यवेक्षक संस्थाओं के रूप में हिस्सा लिया।

The meeting had representatives at the highest level from member institutions, viz., Australia, China, India, Indonesia, Japan, Korea, Malaysia, Philippines, Thailand, Turkey and Vietnam. Asian Development Bank participated in the meeting as a permanent invitee. Export Development Canada, Abu Dhabi Fund for Development & Abu Dhabi Exports Office, and UK Export Finance were invited as Observer Institutions.

In 1996, Exim Bank took the initiative of forming the AEBF. AEBF seeks to enhance economic co-operation and forge stronger linkages among its member institutions, thereby fostering a long-term relationship within the Asian Exim Banks' community. The Forum also provides a sound platform for knowledge sharing by way of training programmes that have helped the staff of the member institutions learn the best practices in areas as diverse as project financing, capital markets, ship financing, SME financing, commodity financing, country risk, cross border investment, etc.

एक्ज़िम बैंक की ऋण-व्यवस्था के अंतर्गत सहायता प्राप्त रिवाटेक्स, ईस्ट अफ्रीका लिमिटेड केन्या मेडिकल सप्लाइज़ अथॉरिटी (केम्सा) के लिए मास्क बना रही है।

Rivatex, East Africa Ltd., Kenya, supported under Exim Bank's Line of Credit is producing face masks for Kenya medical supplies authority.

बैंक ने व्लादिवोस्तोक, रूस में ईस्टर्न इकनॉमिक फोरम में हिस्सा लिया, जिसमें माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

The Bank participated in the Eastern Economic Forum in Vladivostok, Russia, where Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi was the Chief Guest.

एक्ज़िम बैंक ने 1996 में एईबीएफ के गठन की पहल की थी। एईबीएफ का उद्देश्य अपनी सदस्य संस्थाओं के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने और मजबूत संस्थागत संबंध स्थापित करना है, ताकि एशियाई एक्ज़िम बैंक समुदाय में दीर्घकालिक संबंध स्थापित किए जा सकें। यह फोरम प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से ज्ञान साझा करने के लिए एक अच्छा मंच प्रदान करता है, जिनसे सदस्य संस्थाओं के स्टाफ सदस्यों को परियोजना वित्तपोषण, पूँजी बाजार, पोत वित्तपोषण, एसएमई वित्तपोषण, कमोडिटी वित्तपोषण, देश जोखिम, विदेशों में निवेश जैसे विविध क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ कार्यप्रणालियां सीखने में मदद मिली है।

इसकी वार्षिक बैठक के दौरान एक्ज़िम बैंक ने वर्ष के दौरान आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों के समन्वय के लिए प्रशिक्षण समिति की अध्यक्षता का कार्यभार ग्रहण किया। वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान 39वें प्रशिक्षण कार्यक्रम की मेजबानी एक्ज़िम बैंक ने की। यह कार्यक्रम 'दबावग्रस्त आस्तियों के लिए पूर्व चेतावनी संकेतों का चिह्नीकरण, समाधान और वसूली रणनीतियां' विषय पर आयोजित किया गया। 10 सदस्य संस्थाओं और तीन पर्यवेक्षक संस्थाओं से 31 प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में फैकल्टी के रूप में एक्ज़िम बैंक से विषय विशेषज्ञों के अलावा एक्सपोर्ट-इंपोर्ट बैंक ऑफ चाइना, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक और जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फायनेंस (हैदराबाद) से अधिकारियों को आमंत्रित किया गया।

Exim Bank took charge as the Chair for the Training Committee during the Annual Meeting, to coordinate the conduct of the training programmes to be held during the year. During FY 2019-20, Exim Bank hosted the 39th training programme on 'Identification of Early Warning Signals, Resolution and Recovery Strategies for Stressed Assets'. Thirty-one participants from 10 member institutions and three observer institutions attended the programme. Faculty for the programme was invited from the Export-Import Bank of China, Standard Chartered Bank and Jawaharlal Nehru Institute of Banking & Finance (Hyderabad), apart from subject specialists from Exim Bank of India.

Global Network of Exim Banks and Development Finance Institutions (GNEXID)

GNEXID was set up in Geneva in 2006 through the Bank's initiative, under the auspices of UNCTAD. With the active support of a number of other Exim Banks and Development Finance Institutions from various developing countries, the network has endeavoured to foster enhanced South-South trade and investment and co-operation. The Network

एक्ज़िम बैंकों तथा विकास वित्त संस्थाओं का वैश्विक नेटवर्क (जी-नेक्सिड)

जी-नेक्सिड की स्थापना बैंक की पहल पर अंकटाड के तत्त्वावधान में 2006 में जेनेवा में की गई थी। इस नेटवर्क ने विभिन्न विकासशील देशों के एक्ज़िम बैंकों तथा विकास वित्त संस्थाओं के सक्रिय सहयोग से दक्षिण-दक्षिण व्यापार और निवेश तथा सहयोग को बढ़ाने के प्रयास किए हैं। इस नेटवर्क की वार्षिक आम बैठक जून 2019 में जेनेवा में हुई। इससे पहले इस नेटवर्क की स्टीयरिंग समिति की बैठक भी आयोजित की गई। यह बैठक संयुक्त राष्ट्र सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम दिवस के साथ हुई। इसके बाद, काहिरा में अक्टूबर 2019 में जी-नेक्सिड के चौथे एक्सचेंज कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी मेजबानी अफ्रीकी निर्यात-आयात बैंक द्वारा की गई।

स्थापना दिवस वार्षिक व्याख्यान

एक्ज़िम बैंक की स्थापना दिवस वार्षिक व्याख्यान माला की शुरुआत 1986 में की गई थी। इस व्याख्यान माला को वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव डालने वाले वित्त, व्यापार और विकास के समसामयिक विषयों पर विचार-विमर्श तथा चर्चा के एक महत्त्वपूर्ण मंच के रूप में ख्याति प्राप्त है। 2019-20 के लिए यह व्याख्यान लंदन बिजनेस स्कूल में अर्थशास्त्र की लॉर्ड बागरी प्रोफेसर हेलेन रे ने दिया। प्रोफेसर हेलेन रे के व्याख्यान का विषय 'वित्तीय वैश्वीकरण और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजार' था।

एक्ज़िम बैंक का 35वां स्थापना दिवस वार्षिक व्याख्यान प्रो. हेलेन रे द्वारा दिया गया।

Exim Bank's 35th Commencement Day Annual Lecture was delivered by Prof. Helene Rey.

held its Steering Committee Meeting followed by the Annual General Meeting in Geneva in June 2019 in conjunction with the UN MSME Day. The 4th Exchange Programme of GNEXID was hosted by the African Export-Import Bank in Cairo in October 2019.

Commencement Day Annual Lecture

Exim Bank's Commencement Day Annual Lecture series, instituted in 1986, has earned recognition as an important milestone in contributing to the debate and discussions on contemporary finance, trade and development issues impacting the global economy. The lecture for FY 2019-20 was delivered by Prof. Hélène Rey, Lord Bagri Professor of Economics, London Business School. Prof. Rey spoke on the topic 'Financial Globalisation and International Financial Markets.'

एक्ज़िम बैंक का संस्थागत ढांचा

Exim Bank's Institutional Infrastructure

मानव संसाधन प्रबंधन

यथा 31 मार्च, 2020 को बैंक के कुल कर्मचारियों की संख्या 354 रही, जिनमें प्रबंधन स्नातक, सनदी लेखाकार, बैंकर, अर्थशास्त्री, विधि, पुस्तकालय एवं प्रलेखीकरण विशेषज्ञ, इंजीनियर, भाषा विशेषज्ञ, मानव संसाधन, मार्केटिंग तथा सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ शामिल हैं। बैंक एक ''लर्निंग संस्था'' के रूप में अपने अधिकारियों के कौशल का निरंतर उन्नयन करने के लिए विभिन्न समूह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता रहता है। अधिकारियों को विशिष्ट पोर्टफोलियो संभालने के लिए उनके कौशल विकास के उद्देश्य से उन्हें ई-लर्निंग सहित विशिष्ट समूह प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सेमिनारों के लिए नामित किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान बैंक के 245 अधिकारियों ने बैंक के परिचालनों से संबंधित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। ये कार्यक्रम क्लाउड सिक्योरिटी एंड ऑडिट, धनशोधन निवारण, डिस्ट्रेस्ड आस्तियों का समाधान, प्रोक्योरमेंट पॉलिसी फ्रेमवर्क, क्रेडिट रेटिंग, परिचालनात्मक जोखिम प्रबंधन, बॉन्ड मैथमेटिक्स, भारतीय ट्रेजरी बाजार जैसे विभिन्न विषयों पर आयोजित किए गए। स्टाफ सदस्यों को तनाव प्रबंधन, वर्क-लाइफ बैलेंस और व्यक्तिगत प्रभावशीलता जैसे विषयों पर भी प्रशिक्षण दिया गया।

Human Resources Management

The Bank's staff, comprising management graduates, chartered accountants, bankers, economists, legal, library and documentation experts, engineers, linguists, human resources, marketing and IT specialists, numbered 354 as on March 31, 2020. The Bank organises various group training programmes, facilitating continuous upgradation of skills of its staff. Officers are also nominated for customised training programmes and seminars including e-learning, aimed at enhancing skill sets for handling highly-specialised portfolios. During FY 2019-20, 245 officers attended training programmes and seminars on various subjects relevant to the Bank's operations ranging from Cloud Security and Audit, Anti-Money Laundering, Resolution of Distressed Assets, Procurement Policy Framework, Credit Rating, Operational Risk Management, Bond Mathematics, Indian Treasury Market. Training in Stress management, Work-life balance, Time Management and Personal Effectiveness, was provided to staff members.

बैंक ने पालघर, महाराष्ट्र में कम लागत वाली सैनिटरी नैपकिन विनिर्माण सुविधा की स्थापना के लिए डॉन बॉस्को इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी को अनुदान प्रदान किया। इससे वहां की स्थानीय महिलाओं को व्यक्तिगत हाइजीन के लिए जरूरी चीजें सुलभ हुईं और महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित हुए।

The Bank provided a grant to the Don Bosco Institute of Technology to set up a low-cost sanitary napkin making facility in Palghar, Maharashtra. The facility made the essentials of personal hygiene accessible to the local women and also created a few job opportunities for women.

वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान बैंक के 70 प्रतिशत अधिकारियों को प्रतिष्ठित संस्थानों और आंतरिक प्रशिक्षकों द्वारा आयोजित 93 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नामित किया गया।

अनुसूचित जातियों, जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व

यथा 31 मार्च, 2020 को बैंक की सेवा में कुल 354 स्टाफ सदस्यों में 38 अनुसूचित जाति, 24 अनुसूचित जनजाति और 59 अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी से रहे। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के स्टाफ सदस्यों को बैंक द्वारा समान अवसर और प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

'कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013' (अधिनियम) के अंतर्गत आंतरिक शिकायत समिति

बैंक कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न के मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाता है। बैंक में उक्त अधिनियम के अनुरूप, कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न के निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष पर एक नीति लागू है। बैंक के सभी कर्मचारियों ने बैंक द्वारा कार्यान्वित इस नीति को पढ़ लिया है, स्वीकार किया है तथा वे इससे अवगत हैं।

इस अधिनियम के अनुपालन में बैंक ने कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न संबंधी घटनाओं की शिकायतों पर विचार करने के लिए अधिनियम में परिभाषित अनुसार आंतरिक शिकायत समितियों का गठन किया है। इन समितियों की नियमित बैठकें हुई हैं और बैंक के सभी कार्यालयों के कर्मचारियों के लिए इस संबंध में जागरूकता सत्रों का आयोजन भी किया गया। वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान, आंतरिक शिकायत समितियों को कोई शिकायत नहीं मिली।

ट्रेजरी

बैंक की एकीकृत ट्रेजरी अतिरिक्त निधियों के निवेश, मुद्रा बाजार, फॉरेक्स परिचालनों तथा प्रतिभूतियों की खरीद–बिक्री सहित निधि प्रबंधन का कार्य देखती है। बैंक में फ्रंट/ मिडल / बैक ऑफिस कार्यों को अलग–अलग रखते हुए आधुनिकतम डीलिंग रूम बनाया हुआ है। बैंक की ट्रेजरी अपने ग्राहकों को विदेशी मुद्रा सौदे, निर्यात दस्तावेजों की वसूली/ परक्रामण, अंतरदेशीय / विदेशी साख–पत्र / गारंटियां,

During FY 2019-20, 70 per cent of the Bank's officers were nominated for 93 training programmes conducted by reputed institutes and by internal trainers.

Representation of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other Backward Classes

Of the total staff of 354 in the Bank's service as on March 31, 2020, there were 38 Scheduled Caste, 24 Scheduled Tribe and 59 Other Backward Class staff members. Equal opportunities and training is provided by the Bank to staff members belonging to SCs, STs and OBCs.

Internal Committee under 'The Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013' (the Act)

The Bank has zero tolerance for sexual harassment at the workplace and has adopted a Policy on Prevention, Prohibition and Redressal of Sexual Harassment of Women at the Workplace, in line with the Act and the Rules made thereunder. All employees of the Bank have read, acknowledged and are aware of the Policy implemented by the Bank.

In compliance with the Act, the Bank has constituted Internal Complaints Committees for considering complaints of sexual harassment of women at the workplace as defined under the Act. The committees have held regular meetings and also organised awareness sessions for employees at all offices of the Bank. No complaint was received by the Internal Complaints Committees during the FY 2019-20.

Treasury

The Bank’s integrated treasury handles fund management functions including investment of surplus funds, money market and forex operations and securities trading. The Bank has segregated front/middle/back office functions and has set up a state-of-the-art dealing room. The range of products

संरचित ऋण आदि विभिन्न प्रकार के उत्पाद प्रदान करती है। बैंक अपने बाजार जोखिमों को कम करने के उद्देश्य से न्यून लागत पर निधियां जुटाने और बैलेंस शीट एक्सपोज़र की हेजिंग के लिए फायनेंशल डेरिवेटिव संव्यवहारों का भी उपयोग करता है। बैंक भारतीय वित्तीय नेटवर्क का सदस्य है और बैंक को इंस्टीट्यूट फॉर डेवलपमेंट रिसर्च इन बैंकिंग टेक्नोलॉजी, प्रमाणीकरण प्राधिकरण से रजिस्ट्रेशन प्राधिकारी का दर्जा प्राप्त है। बैंक को आरबीआई के निगोशिएटेड डीलिंग सिस्टम ऑर्डर मैचिंग सेगमेंट के जरिए सौदा करने के लिए डिजिटल प्रमाण पत्र प्राप्त है। यह भारत सरकार की प्रतिभूतियों के क्रय-विक्रय के लिए इलेक्ट्रॉनिक लेनदेन का एक मंच प्रदान करता है। बैंक की प्रतिभूतियां तथा विदेशी मुद्रा लेनदेन मुख्यतः भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड (सीसीआईएल) द्वारा प्रदान की गई गारंटित निपटान सुविधा के जरिए किए जाते हैं। बैंक सीसीआईएल के ट्राय-पार्टी रेपो डीलिंग सिस्टम (ट्रेप्स) और क्लीयरकॉर्प ऑर्डर मैचिंग सिस्टम (क्रोम्स) का सदस्य है। ट्रेप्स और क्रोम्स सीसीआईएल द्वारा शुरू किए गए स्ट्रेट थ्रू प्रोसेसिंग इनेबल्ड एनोनिमस ऑर्डर मैचिंग प्लेटफॉर्म हैं, जो सभी प्रकार की सरकारी प्रतिभूतियों की T+0/T+1 आधार पर बाजार रेपो दरों में खरीद-बिक्री को सुगम बनाता है। सीसीआईएल सभी ट्रेप्स / क्रोम्स लेनदेनों के लिए केंद्रीय काउंटरपार्टी के रूप में काम करती है। सभी निपटान सीसीआईएल द्वारा गारंटित होते हैं। बैंक सीसीआईएल के फॉरेक्स डीलिंग सिस्टम एफएक्स-क्लीयर सेग्मेंट का सदस्य भी है। बैंक में लंदन शाखा से कनेक्टिविटी के साथ केन्द्रीकृत स्विफ्ट सुविधा भी है, जो 'मल्टिपल बैंक आइडेंटिफायर कोड्स' को संभालने में सक्षम है।

पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस (ईएसजी) फ्रेमवर्क

बैंक में संपोषी विकास / उत्तरदायित्वपूर्ण वित्तपोषण के लिए बोर्ड द्वारा अनुमोदित ईएसजी नीति लागू है। यह नीति संबंधित मेजबान देश के विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित करती है और कंसोर्शियम के सभी ऋणदाताओं के लिए एक समान नीतिगत दृष्टिकोण की परिकल्पना करती है। बैंक, बैंकों के लिए संपोषी फ्रेमवर्क संबंधी भारतीय बैंक संघ (आईबीए) की अगुआई वाले मंच का भी सदस्य है। आईबीए ने दिशानिर्दे शों के सिद्धांत 2 अर्थात ऋण मूल्यांकन प्रक्रिया में ईएसजी आधारित जोखिम विश्लेषण को शामिल करने के साथ-साथ, दिशानिर्देशों के सिद्धांत 4 अर्थात ग्रीन फायनेंस के नए तरीकों

offered by the Bank's treasury to its borrowers include foreign exchange deals, collection/ negotiation of export documents, issuance of inland/foreign letters of credit/guarantees, structured loans, etc. The Bank uses financial derivative transactions for raising cost effective funds and hedging its balance sheet exposures, with the objective of reducing market risks. The Bank is a member of the Indian Financial Network and has registration authority status from Institute for Development Research in Banking Technology, the certifying authority. The Bank holds a digital certificate to deal through the Negotiated Dealing System-Order Matching segment of RBI, which provides the electronic dealing platform for trading in GOI securities. The securities/foreign exchange transactions of the Bank are routed through the Guaranteed Settlement Facility provided by the Clearing Corporation of India Ltd. (CCIL). The Bank is a member of Tri-Party Repo Dealing System (TREPS) and Clearcorp Order Matching System (CROMS), the Repo Dealing Systems of CCIL. TREPS and CROMS are Straight Through Processing enabled anonymous Order Matching Platforms launched by CCIL for facilitating dealing in market repos in all kinds of Government Securities on T+0/ T+1 basis. CCIL acts as a central counterparty to all TREPS/ CROMS trades and settlements are guaranteed by CCIL. Also, the Bank is a member of FX-Clear segment, the forex dealing system of CCIL. The Bank has centralized SWIFT facility (with connectivity to the London Branch) which is capable of handling multiple Bank Identifier Codes.

Environmental, Social and Governance (ESG) Framework

The Bank has in place a Board-approved ESG Policy for Sustainable Development / Responsible Financing. The Policy seeks to ensure compliance with the respective host country regulations and envisages evolution of a common policy approach

का इस्तेमाल करते हुए हरित निवेश के विभिन्न पहलुओं की दिशा में आगे बढ़ने के एक्ज़िम बैंक के प्रयासों की सराहना की है।

बैंक अपने विभिन्न वित्तपोषण कार्यक्रमों के जरिए भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संपोषी बैंकिंग को बढ़ावा दे रहा है। बैंक अक्षय ऊर्जा, ऊर्जा क्षमता, कचरा प्रबंधन, जन परिवहन और कम उर्जा की खपत करने वाले परिवहन के साधनों जैसे क्षेत्रों में परियोजनाओं का वित्तपोषण कर रहा है। बैंक अपनी आधारभूत उद्यम विकास पहलों के जरिए समावेशी विकास को भी बढ़ावा दे रहा है। एक्ज़िम बैंक को विकास वित्त संस्थाओं के लैटिन अमेरिकी संघ (एलीडे) द्वारा संपोषी वित्तपोषण कार्यक्रम श्रेणी में वर्ष 2019 के लिए सर्वश्रेष्ठ पद्धतियां अपनाने के लिए पुरस्कृत किया गया। इस पुरस्कार समारोह का आयोजन स्पेन के मैड्रिड में एलीडे की 49वीं आम सभा के दौरान किया गया।

बैंक ईएसजी से संबंधित पैरामीटरों के लिए अपने आंतरिक परिचालनों की समीक्षा भी करता रहा है। बैंक ने न्यूनतम ऊर्जा की खपत सुनिश्चित करने के लिए इलेक्ट्रिकल ऑडिट

for all lenders in the consortium. The Bank is also a part of the deliberations led by the Indian Banks Association (IBA) on a sustainability framework for banks. The IBA has appreciated the efforts of the Bank, among others, for moving forward on Principle 2 of the Guidelines, i.e. integrating ESG-based risk assessment into the credit appraisal process, as well as making forward strides on aspects of green investment using new modes of green finance, which is Principle 4 of the Guidelines.

The Bank has been promoting sustainable banking both in India as well as internationally through its various financing programmes. The Bank has been funding projects in areas such as renewable energy, energy efficiency, waste management, mass transportation and energy efficient transport. The Bank is promoting inclusive growth through its Grassroots Initiatives and Development programme.

एक्ज़िम बैंक के स्टाफ और उनके परिजनों ने पर्यावरण कार्यकर्ता श्री अफरोज शाह के साथ मिलकर मुंबई में वर्सोवा और दाना पानी समुद्र तट के सफाई अभियानों में हिस्सा लिया।

Exim Bank's staff and their family members participated with environment activist Mr. Afroz Shah for cleaning of the Versova and Dana Pani beaches in Mumbai.

एक्जिम बैंक ने सिएरा लिओन सरकार को हाइड्रॉलिक्स, जल प्रबंधन प्रणाली और ट्रैक्टरों के प्रावधान सहित भूमि और बुनियादी ढांचागत विकास के लिए 30 मिलियन यूएस डॉलर की ऋण-व्यवस्था प्रदान की।

Exim Bank extended a Line of Credit of US$ 30 mn to the Government of Sierra Leone for land and infrastructure development including hydraulics, water management system and provision of tractors.

और इससे जुड़े अन्य उपाय भी किए हैं। मुंबई के वाल्केश्वर में स्थित बैंक के स्टाफ क्वार्टरों में सोलर पैनल भी लगाए गए हैं। बैंक ने अपने प्रधान कार्यालय में एलईडी लाइटें और शौचालयों में मोशन सेंसर लाइटें लगवाई हैं, जिससे ऊर्जा की खपत को उल्लेखनीय रूप से कम करने में मदद मिली है।

बैंक कार्यालयीन कार्यों का डिजिटलीकरण करते हुए कागज के प्रयोग को घटा रहा है। इस दिशा में विभिन्न बैठकों की कार्यसूची ऑनलाइन भेजने के साथ-साथ ई-ग्रीटिंग; और विभिन्न अवसरों एवं समारोहों के लिए ई-आमंत्रण पत्रों का उपयोग किया गया है। वीडियो / टेलीकॉन्फ्रेंसिंग के प्रयोग से कार्बन फुटप्रिंट कम करने में मदद मिलती है। बैंक ने अपने स्टाफ सदस्यों को प्रदान किए आवासों की सोसायटियों में वृक्षारोपण अभियान चलाकर अपने 'गो ग्रीन' प्रयासों को भी बढ़ावा दिया है। कार्यालय परिसर में कागज के कपों के स्थान पर कांच के कपों का प्रयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त , बैंक के विभिन्न बैठक कक्षों में भी प्लास्टिक की बोतलों के स्थान पर कांच की बोतलें प्रयोग में लाई जा रही हैं। भारत सरकार के 'स्वच्छ भारत मिशन' के अनुरूप, बैंक के स्टाफ ने मुंबई के पर्यावरण कार्यकर्ता श्री अफरोज शाह के साथ मिलकर समुद्र तट सफाई अभियानों में हिस्सा लिया।

सामाजिक रूप से उत्तरदायी संस्था के रूप में बैंक महिला सशक्तीकरण और वंचित बच्चों के उत्थान संबंधी विभिन्न नेक कार्यों में सदैव सहयोग प्रदान करता रहा है। बैंक ने विभिन्न कार्यक्रमों में पुष्पगुच्छ प्रदान करने के बजाय अपने अतिथि के नाम से किसी सामाजिक कार्य (जैसे अक्षय पात्र)

Exim Bank was awarded for its best practices in the Category of Sustainable Financing Programme in the Latin American Association of Development Financing Institutions (ALIDE) Awards for 2019, held at the 49^{th} General Assembly of ALIDE in Madrid, Spain.

The Bank has been reviewing its internal operations for ESG-related parameters. The Bank has taken up electrical audit and associated measures for optimising energy consumption. Solar panels have been installed at the Bank's staff quarters in Walkeshwar, Mumbai. The Bank has installed LED lights in the work areas and motion sensor lights in its washrooms at its Head Office which has considerably reduced energy consumption.

The Bank aims to minimise the use of paper through digitisation of workflows including circulation of agenda papers for meetings, e-Greetings and e-Invites for various occasions and functions. Use of video/tele conferencing has helped reduce the carbon footprint. The Bank has showcased its 'Go Green' initiative by organising sapling plantation drives in housing societies where the Bank provides accommodation to staff members. Paper cups have been replaced with reusable glass mugs in the office premises. Further, single-use plastic water bottles have been replaced with glass bottles across all facilities of the Bank. In line with the 'Swachh Bharat Mission' of the GOI, the staff of the Bank participated in beach clean-up drives with Mr. Afroz Shah, an environmental activist based in Mumbai.

Being a socially responsible organization, the Bank has been at the forefront in supporting causes related to women empowerment and upliftment of underprivileged children. As an alternative to presenting bouquets at events, donation certificates in the name of the recipient for a social cause

के लिए योगदान प्रमाण पत्र देना शुरू किया है। अक्षय पात्र फाउंडेशन एक गैर–लाभकारी संगठन है, जिसका मुख्यालय बेंगलुरु में है और यह सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में मिड–डे मील योजना चलाते हुए भारत में भूख और कुपोषण जैसी समस्याओं से निपटने के लिए प्रयासरत है।

वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान एक्ज़िम बैंक ने जरूरतमंद छात्रों को स्कूल शूज प्रदान करने वाले नवोद्यम 'ग्रीनसोल' को सहयोग प्रदान किया। एक्ज़िम बैंक की सहायता से मुंबई और गुजरात में 500 स्कूली छात्रों को जूते प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त, 2019 में मानसून के दौरान बैंक ने रॉबिनहुड आर्मी नाम के एक स्वयं सहायता समूह के साथ मिलकर मुंबई में रहने वाले वंचित बच्चों को छाते प्रदान किए। बैंक के इन प्रयासों की सराहना की गई और बैंक को हैदराबाद में आयोजित पब्लिक रिलेशंस सोसायटी ऑफ इंडिया अवॉर्ड्स 2019 में 'बेस्ट सीएसआर प्रोजेक्ट फॉर चाइल्डकेयर' पुरस्कार से नवाजा गया।

बैंक ने नॉर्थ ईस्टर्न रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, अरुणाचल प्रदेश के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्तियां प्रदान करना जारी रखा है। इसके साथ ही बैंक ने भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, नई दिल्ली; कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी, ओडिशा; जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; दिल्ली स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स; राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान, जयपुर; मणिपुर विश्वविद्यालय; मिजोरम विश्वविद्यालय; सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय; तेजपुर विश्वविद्यालय, असम; सिक्किम विश्वविद्यालय; नॉर्थ ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, मेघालय; नगालैंड विश्वविद्यालय; और त्रिपुरा विश्वविद्यालय में भी छात्रवृत्तियां शुरू की हैं।

(such as Akshaya Patra) have been introduced in the Bank. The Akshaya Patra Foundation, a not-for-profit organisation headquartered in Bengaluru, strives to fight issues like hunger and malnutrition in India, by implementing the mid-day meal scheme in government and government-aided schools.

During FY 2019-20, Exim Bank provided support to GreenSole, a start-up providing school shoes for needy students. With Exim Bank's support, footwear was provided to 500 school going children in Mumbai and Gujarat. Furthermore, during the monsoon season in 2019, the Bank joined hands with the Robinhood Army, a volunteer group and provided umbrellas to underprivileged children in Mumbai. These efforts of the Bank were recognized and the Bank was awarded the 'Best CSR Project for Childcare' at the Public Relations Society of India Awards 2019.

The Bank continues to grant scholarships for students from Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes at the North Eastern Regional Institute of Science and Technology, Arunachal Pradesh, and has also instituted scholarships for reserved category students of Indian Institute of Foreign Trade, New Delhi; Kalinga Institute of Industrial Technology University, Odisha; Jawaharlal Nehru University, New Delhi; Delhi School of Economics; National Institute of

बैंक ने अपने कार्यालयों में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया।

The Bank organized blood donation camps in its offices.

वेलस्पन इंडिया लिमिटेड अपनी उन्नत तकनीकी टेक्सटाइल साइट पर नॉन-वूवन सामग्री का इस्तेमाल करते हुए 3 प्लाई वाले मास्क बना रही है। रही है, जिसे एक्ज़िम बैंक द्वारा वित्त प्रदान किया गया था।

Welspun India Ltd. is manufacturing 3-ply masks using nonwoven material at its Advanced Technical Textile site, which was financed by Exim Bank.

वर्ष 2019 में बैंक ने महाराष्ट्र के पालघर जिले में जव्हर नामक स्थान पर सस्ते दामों पर सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराने के लिए उत्पादन इकाई की स्थापना हेतु प्रोजेक्ट मैत्रीण के लिए डॉन बॉस्को इंस्टीट्यूट, मुंबई के जरिए सहायता दी। यह परियोजना स्थानीय महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से शुरू हुई, जिसमें अधिकांश कॉलेज की छात्राएं रहीं। यह परियोजना इस मायने में लाभान्वित करने वाली रही कि इससे स्थानीय महिलाओं में व्यक्तिगत स्वच्छता का संदेश गया और सस्ते दामों पर सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराई जा सकीं। ये सैनिटरी नैपकिन स्थानीय बाजारों में बेची जा रही हैं और इस परियोजना से रोजगार के कुछ अवसर भी सृजित हुए हैं।

सामाजिक रूप से उत्तरदायी नागरिकों के रूप में बैंक के अधिकारी सालभर सामाजिक महत्त्व की विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते रहते हैं। बैंक के प्रधान कार्यालय और नई दिल्ली कार्यालय में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। इसके साथ ही बैंक ने स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तीकरण और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले एनजीओ 'श्रीमद् राजचंद्र मिशन लव एंड केयर' को सहायता प्रदान करने के लिए बैंक के 100 से अधिक कर्मचारियों ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ मुंबई मैराथन 2020 में हिस्सा लिया।

वित्तीय वर्ष के अंत में भारत में भी कोविड-19 महामारी फैलने के बीच एक्ज़िम बैंक और इसके कर्मचारियों ने मिलकर

Agricultural Marketing, Jaipur; Manipur University; Mizoram University; Sikkim Manipal University; Tezpur University, Assam; Sikkim University; North Eastern Hill University, Meghalaya; Nagaland University, and Tripura University.

In 2019, the Bank supported setting up of Project Maitreen, a low-cost sanitary napkin production unit, at Jawhar, Palghar district (Maharashtra), through the Don Bosco Institute, Mumbai. The project commenced with active participation of local women, mostly college students. The project has benefitted the locals by spreading the message of personal hygiene and sanitation as well as making available low-cost sanitary napkins. An additional benefit was the generation of few employment opportunities, as the product is being sold in the local market.

As socially responsible citizens, officers of the Bank participate in various socially relevant activities throughout the year. Blood donation camps were organised in the Bank's Head Office and New Delhi office. More than 100 employees of the Bank along with their family members participated in the Mumbai Marathon 2020, to support Shrimad Rajchandra Mission Love & Care, an NGO working in the areas of health, education, women's empowerment and environment protection, among others.

As COVID-19 pandemic spread in India towards the end of the financial year 2019-20, Exim Bank and its employees together contributed an amount of ₹ 10 million to the Prime Minister's Citizen Assistance and Relief in Emergency Situations (PM-CARES) Fund. The fund will be used for combating, containment and relief efforts against the coronavirus outbreak and similar pandemic-like situations in the future.

'आपात स्थितियों में प्रधानमंत्री नागरिक सहायता और राहत कोष' (पीएम–केयर्स फंड) में ₹ 10 मिलियन का योगदान दिया। इस फंड का प्रयोग कोरोना वायरस महामारी और भविष्य में इस प्रकार की महामारी की अन्य स्थितियों से लड़ने, इन्हें नियंत्रित करने और राहत कार्यों के लिए किया जाएगा।

राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में प्रगति

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त वित्तीय वर्ष 2019-20 के वार्षिक कार्यक्रम को लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए बनाई गई कार्य–योजना के जरिए कार्यान्वित किया गया। इस संबंध में बैंक के प्रधान कार्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों की राजभाषा कार्यान्वयन समितियों ने राजभाषा कार्यान्वयन में प्रगति की नियमित रूप से समीक्षा और निगरानी की। बैंक में हिन्दी के प्रयोग को सुदृढ़ करने के लिए समूहों/कार्यालयों के साथ समीक्षा बैठकों का आयोजन भी किया गया।

अधिकारियों को अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी का प्रयोग करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए नियमित रूप से हिन्दी कार्यशालाओं तथा ओरिएंटेशन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दिशा में, विभिन्न प्रकार के अभिनव तरीके जैसे प्रख्यात वक्ताओं के व्याख्यानों का आयोजन, शब्दों की मेल, आज का शब्द/ विचार, चाय पे चर्चा, तीन सवाल, पुस्तक समीक्षा, पीपीटी प्रतियोगिता, ऑनलाइन तिमाही हिन्दी क्विज़ आदि के जरिए अधिकारियों को हिन्दी सीखने

Progress in Implementation of the Official Language Policy

The Annual Programme for FY 2019-20, received from the Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, Government of India, was implemented through an action plan to achieve targets. Towards this end, Official Language Implementation Committee at the Bank's Head Office and Regional Offices reviewed and monitored the progress on regular basis. Review meetings with groups and offices were also conducted to strengthen the usage of Hindi in the Bank.

Hindi workshops and orientation programmes were organized regularly to motivate the staff to use Hindi in their day-to-day official work. Various innovative initiatives such as lectures by eminent speakers, *Shabdon ki Mail, Aaj ka Shabd / Vichaar, Chai pe Charcha, Teen Sawal, Pustak Samiksha,* PPT competition, online quarterly Hindi quizzes etc. were undertaken and officers were motivated to learn Hindi and improve their Hindi vocabulary.

A scheme offering incentives aimed at encouraging officers to learn and use Hindi in business transactions is in place in the Bank. The Bank publishes a bilingual in-house magazine called

बैंक ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, मुंबई के तत्वावधान में भारतीय भाषाओं पर एक सेमिनार आयोजित किया।
The Bank organised a seminar on Indian languages under the aegis of the Town Official Language Committee, Mumbai.

तथा अपना हिन्दी शब्दकोश बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

अधिकारियों को हिन्दी सीखने और उनके व्यावसायिक कार्यों में हिन्दी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बैंक में एक प्रोत्साहन योजना लागू है। बैंक द्विभाषिक गृह-पत्रिका 'एक्ज़िमिअस' प्रकाशित करता है। हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में एक्ज़िमिअस का एक विशेषांक, राजभाषा विशेषांक के रूप में प्रकाशित किया जाता है। अधिकारियों को हिन्दी में अपनी रचनाएं देने के लिए प्रोत्साहित किया गया और सर्वश्रेष्ठ रचनाओं को पुरस्कृत किया गया।

बैंक ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों की बैठकों में सक्रियता से हिस्सा लिया और अपने अधिकारियों को अंतर-बैंक हिन्दी प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। अधिकारियों की हिन्दी प्रशिक्षण आवश्यकताओं को चिह्नित किया गया और उन्हें हिन्दी में कार्यसाधक ज्ञान तथा प्रवीणता प्राप्त कराने हेतु प्रशिक्षण के लिए नामित किया गया। अधिकारियों को कम्प्यूटर पर हिन्दी में काम करने के लिए उपलब्ध सॉफ्टवेयरों का प्रयोग करने के लिए भी प्रशिक्षण दिया गया।

राजभाषा नियमों के अंतर्गत वांछित अनुसार, बैंक की कॉर्पोरेट वेबसाइट और एक्ज़िम मित्र पोर्टल दोनों हिन्दी और अंग्रेजी में हैं। आंतरिक उपयोग के लिए बैंक में एक राजभाषा पोर्टल भी है, जो राजभाषा हिन्दी से संबंधित सभी सामग्री को एक स्थान पर उपलब्ध कराने वाला डिजिटल प्लेटफॉर्म है।

वार्षिक कार्यक्रम में निर्देशित अनुसार, बैंक के परिचालनों एवं प्रक्रियाओं से संबंधित साहित्य के अलावा, हिन्दी के त्रैमासिक प्रकाशन 'एक्ज़िमिअसः एक्सपोर्ट एडवांटेज' के सभी अंकों को हिन्दी में 'एक्ज़िमिअसः निर्यात लाभ' शीर्षक से प्रकाशित किया गया। इसी प्रकार बैंक के द्विमासिक प्रकाशन 'एग्री एक्सपोर्ट एडवांटेज' के सभी अंकों को भी हिन्दी में 'कृषि निर्यात लाभ' शीर्षक से प्रकाशित किया गया। हिन्दी और अंग्रेजी के अतिरिक्त इसका प्रकाशन 10 भारतीय भाषाओं में भी किया जाता है। हिन्दी के प्रगामी प्रयोग विषयक भारत सरकार की नीति के अनुसार, बैंक के ज्ञान केंद्र तथा क्षेत्रीय कार्यालयों के पुस्तकालयों को विदेश व्यापार, वाणिज्य, वित्तपोषण, बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी तथा अन्य विषयों पर हिन्दी की नई पुस्तकों से समृद्ध बनाया गया।

भारत सरकार के निर्देशों के अनुपालन में, बैंक में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में

'Eximius'. A special issue of Eximius is brought out as *Rajbhasha Visheshank* on the occasion of Hindi Day. Officers were encouraged to contribute articles in Hindi and the best articles were rewarded.

The Bank has actively participated in the meetings of Town Official Language Implementation Committees and has increasingly encouraged its officers to participate in inter-bank Hindi competitions. Hindi training needs of the officers were identified and they were nominated for suitable training to attain working knowledge as well as proficiency in Hindi. Officers were also given training to use software available for working in Hindi on computers.

As required under Official Language Rules, the Bank maintains its corporate website and a portal named Exim Mitra in both Hindi and English. The Bank has a Rajbhasha Portal for internal use, which serves as a digital platform, providing all material related to Hindi at one place.

As directed in the Annual Programme, apart from literature on the Bank's operations and procedures, all the issues of 'Eximius Export Advantage', a quarterly publication of the Bank, were published in Hindi under the title *'Eximius: Niryaat Laabh'*. Issues of 'Agri Export Advantage', a bi-monthly publication of the Bank, were also published in Hindi under the title *'Krishi Niryaat Laabh'*. In addition to Hindi and English, the Agri Export Advantage is translated in 10 Indian languages. In pursuance of GOI policy, new Hindi books, particularly on foreign trade, commerce, finance, banking, information technology and other subjects were added to the Bank's Knowledge Centre and libraries of the regional offices.

In pursuance of the Government's directives, various Hindi competitions and programmes aimed at encouraging usage of Hindi were organised in the

विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताएं एवं कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके साथ ही बैंक में विश्व हिन्दी दिवस और अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस भी मनाए गए। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2020 के उपलक्ष्य में बैंक ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, मुंबई के तत्वावधान में 'भारतीय भाषाएं @2050 और आगे' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया।

कार्यालयीन उद्देश्यों के लिए हिन्दी के प्रयोग को बढ़ाने के बैंक के प्रयासों को विभिन्न प्राधिकारियों द्वारा सराहा गया। राजभाषा हिन्दी में सराहनीय कार्य निष्पादन के लिए बैंक के प्रधान कार्यालय के अलावा हैदराबाद एवं कोलकाता क्षेत्रीय कार्यालयों को राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में गठित संबंधित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। बैंक के द्विभाषिक न्यूजलेटर 'एग्री एक्सपोर्ट एडवांटेज' जिसे हिन्दी में 'कृषि निर्यात लाभ' के नाम से प्रकाशित किया जाता है, को वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए हिन्दी न्यूजलेटर की श्रेणी में पीआरएसआई द्वारा पुरस्कृत किया गया।

सूचना प्रौद्योगिकी

बैंक में सिस्टम इंटलीजेंस क्षमताएं बढ़ाने के लिए ज्ञान आधारित टूल्स, ऑथेंटिक संप्रेषण के प्रयोग को बढ़ाने की अपनी पहलें जारी रखी गई हैं। विभिन्न क्षेत्रों में आईटी सिस्टम अपग्रेड किए गए। इनमें कोर बैंकिंग सिस्टम, व्यवसाय आसूचना, डिजिटल डॉक्यूमेंटेशन, ऑटोमैटिक वर्कफ्लो, नेटवर्क, ढांचागत सुविधा तथा सुरक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्र शामिल रहे। बैंक ने आईटी गवर्नेंस के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुपालन में अपनी पद्धतियों और प्रक्रियाओं को सुदृढ़ किया है। बैंक की कॉर्पोरेट वेबसाइट (www.eximbankindia.in और www.eximmitra.in) के जरिए बैंक के विभिन्न ऋण कार्यक्रमों, गतिविधियों और परामर्शी सेवाओं की जानकारी दी जाती है।

बैंक ने बढ़ती व्यावसायिक जरूरतों के अनुसार, बुनियादी ढांचे में निवेश करना जारी रखा और अपने सभी कार्यालयों में नेटवर्क डाटा सेंटर, कंप्यूटिंग तथा अन्य महत्त्वपूर्ण उपकरणों का उन्नयन करना जारी रखा। बैंक के कोर बैंकिंग सिस्टम और भुगतान चैनलों (आरटीजीएस/ एनईएफटी और स्विफ्ट) के बीच एकीकरण के चलते बेहतर निधि प्रबंधन और निधियों का रियल टाइम में बेहतर विनियोजन होता है। बैंक, भारतीय बैंकिंग उद्योग में ब्लॉक चेन आधारित प्रौद्योगिकी के कार्यान्वयन

बैंक ने डिफेंस ऑफसेट कार्यक्रम के अंतर्गत एल्टा सिस्टम्स, इजरायल को पॉवर सिस्टम्स की आपूर्ति के लिए मैक कंट्रोल्स एंड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड को वित्त प्रदान किया।

The Bank extended finance to Mak Controls & Systems Private Ltd., for supply of power systems to ELTA Systems, Israel, under the Defence Offset Programme.

Bank to mark the occasion of Hindi Day. In addition to Hindi Day, World Hindi Day and International Mother Language Day (IMLD) were also celebrated in the Bank. On the occasion of IMLD 2020, the Bank organised a seminar on 'Indian Languages @2050 and Beyond' under the aegis of the Town Official Language Committee, Mumbai.

The Bank's efforts for accelerating the use of Hindi for official purposes received recognition from various authorities. The Bank's Head Office and regional offices at Hyderabad and Kolkata were awarded by their respective Town Official Language Implementation Committees, constituted under the aegis of Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, Government of India, for commendable performance in implementing the Official Language. The Bank's bi-monthly newsletter 'Agri Export Advantage' which is published in Hindi under the title *'Krishi Niryaat Laabh'* was awarded by PRSI under the Hindi newsletter category for FY 2018-19.

Information Technology

The Bank continued its initiatives for enhancing the use of knowledge-based tools, authentic communication across its various constituents for better sharing of information, customer

की व्यवहार्यता परखने के लिए गठित भारतीय बैंकों के फोरम, बैंकचेन के प्राथमिक सदस्यों में से एक बन गया है।

बेंगलूरु में बैंक की नई आधुनिकतम डिजास्टर रिकवरी साइट है, जिसमें मैनुअल काम की न्यूनतम जरूरत है। क्लाउड और डिवाइस आधारित ऑडियो-वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा से विभिन्न पक्षों के बीच अबाधित व्यवसाय संप्रेषण संभव हो पाता है।

ई-गवर्नेंस और ई-भुगतान

व्यवसाय परिचालनों, एमआईएस, व्यवसाय आसूचना, दस्तावेज प्रबंधन, वर्कफ्लो, नेटवर्क और सुरक्षा के लिए बैंक में सिस्टम्स लागू हैं। बैंक की आंतरिक प्रक्रियाएं वर्कफ्लो कोलैबोरेशन टूल के माध्यम से ऑटोमेट कर दी गई हैं। बैंक नेशनल ई-गवर्नेंस सर्विसेज लिमिटेड (एनईएसएल) का सदस्य बन गया है। एनईएसएल एक क्रेडिट रिपोज़िटरी है, जो ऋणदाताओं द्वारा प्रस्तुत की गई विश्वसनीय वित्तीय सूचनाओं का भंडारण करती है और उन्हें आवश्यकतानुसार सुलभ कराती है। बैंक ने निगेटिव लिस्ट और केंद्रीय आर्थिक आसूचना ब्यूरो से प्राप्त सूचनाओं का आंतरिक ऑनलाइन डेटाबेस तैयार किया है। ऋण मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान इन सूचनाओं का उपयोग किया जाता है। बैंक विभिन्न देशों के बीच वित्तीय और गैर-वित्तीय संदेशों के सुरक्षित ट्रांसमिशन के लिए स्विफ्ट अलायंस एक्सेस सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करता है। ये संदेश फिनैकल एप्लिकेशन (कोर और ट्रेजरी) में बनाए जाते हैं और स्ट्रेट थ्रू प्रोसेस के जरिए स्विफ्ट एप्लिकेशन को भेजे जाते हैं।

कॉर्पोरेट अभिशासन

एक्ज़िम बैंक अपने सभी संप्रेषणों में पूरी पारदर्शिता तथा सत्यनिष्ठा सुनिश्चित करता है तथा सभी संबंधित पक्षों को पूर्ण, सही एवं स्पष्ट सूचना प्रदान करता है। बैंक कॉर्पोरेट अभिशासन की उत्कृष्ट पद्धतियों के अनुपालन के लिए प्रतिबद्ध है और बैंक से संबंधित उत्कृष्ट पद्धतियों के अनुपालन के लिए सदैव तत्पर रहता है। इस पर रणनीतिक नियंत्रण के लिए बैंक ने एक फ्रेमवर्क बनाया है तथा इसकी प्रभावशीलता की निरंतर समीक्षा करता रहता है। व्यवसाय / वित्तीय निष्पादन से संबंधित मामलों, विश्लेषणात्मक आंकड़ों / सूचना आदि को निदेशक मंडल/ निदेशक मंडल की प्रबंधन समिति को समीक्षा के लिए आवधिक आधार पर रिपोर्ट किया जाता है।

empowerment and system intelligence capabilities. Systems were supported and upgraded in various areas including those of the core banking system, business intelligence, digital documentation, automatic workflows, networks, infrastructure and security. The Bank strengthened its practices and procedures in compliance with international standards for IT governance. The Bank's corporate websites (www.eximbankindia.in and www.eximmitra.in) continued to disseminate information on the Bank's various lending programmes, activities and advisory services.

The Bank continued to invest on infrastructure to support the growing need of business and upgraded networks across the offices, data center, computing and other crucial equipment. Seamless integration between the Bank's core banking system and payment channels (RTGS/NEFT and SWIFT) supports better fund management and realtime appropriation of funds. The Bank became one of the early members of BankChain which is a forum of Indian banks to explore the feasibility of implementation of Blockchain-based technology in the Indian banking industry.

The Bank has a Disaster Recovery Site with latest technology and minimal human resource intervention. Cloud and Device based audio-video conferencing facility enables seamless business communication among stakeholders.

E-Governance and E-Payment

Systems are in place for business operations, MIS, business intelligence, document management, workflow, networks and security. The Bank's internal processes are automated using workflow collaboration tool. The Bank became a member of National e-Governance Services Ltd. (NeSL). NeSL is a credit repository, which accepts, stores and makes readily available authenticated financial information submitted by creditors. The Bank

सभी कानूनों, विनियमों और अन्य प्रक्रियाओं तथा भारत सरकार / भारतीय रिज़र्व बैंक, अन्य विनियामकों, निदेशक मंडल द्वारा निर्धारित विनियमों के अनुपालन के संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी को अनुपालन अधिकारी के रूप में उत्तरदायी बनाया गया है, जो किसी भी प्रकार के विचलन को लेखा परीक्षा समिति को रिपोर्ट करते हैं। वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान बैंक के निदेशक मंडल की पांच बैठकें तथा प्रबंधन समिति की सात बैठकें आयोजित की गईं।

लेखा परीक्षा समिति

बैंक के निदेशक मंडल की लेखा परीक्षा समिति (एसी) संपूर्ण लेखा परीक्षा कार्यों के लिए मार्गदर्शन प्रदान करती है, ताकि एक प्रबंधन माध्यम के रूप में इसकी प्रभावशीलता में वृद्धि हो और वह सांविधिक/ बाहरी/ आंतरिक/ संगामी लेखा परीक्षा रिपोर्टों तथा भारतीय रिज़र्व बैंक की निरीक्षण रिपोर्टों में उठाए गए सभी मुद्दों के संबंध में अनुवर्ती कार्रवाई करे। यह समिति प्रत्येक वर्ष बैंक के वार्षिक वित्तीय विवरणों को निदेशक मंडल के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले उनकी जांच करती है। वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान लेखा परीक्षा समिति की छह बैठकें हुईं।

आस्ति देयता प्रबंधन (एएलएम)

बैंक की आस्ति देयता प्रबंधन समिति (एल्को) बैंक के मिड-ऑफिस के सहयोग से बाजार जोखिम की निगरानी और प्रबंधन का कार्य देखती है। एल्को द्वारा लिक्विडिटी / ब्याज दर जोखिमों का प्रबंधन निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित व्यापक एएलएम / लिक्विडिटी नीतियों के अनुसार किया जाता है। एल्को की भूमिका में अन्य बातों के साथ-साथ, भारतीय रिज़र्व बैंक / बोर्ड द्वारा निर्धारित विवेकपूर्ण सीमाओं की तुलना में बैंक की मुद्रा-वार संरचनात्मक लिक्विडिटी तथा ब्याज दर संवेदनशीलता की स्थितियों की समीक्षा करना, नकदी प्रवाहों के आवधिक दबाव परीक्षणों के परिणामों की निगरानी करना और ब्याज दर जोखिम के आधार पर एक उपयुक्त एएलएम रणनीति तैयार करना शामिल है। ब्याज दर जोखिम को (क) निवल ब्याज आय की संवेदनशीलता के विश्लेषण और (ख) ब्याज दर में उतार-चढ़ाव की तुलना में अवधि अंतराल विश्लेषण के जरिए आर्थिक मूल्य की संवेदनशीलता से मापा जाता है। मुद्रा-वार लिक्विडिटी स्थिति के दबाव परीक्षण नियमित रूप से किए जाते हैं और प्रत्येक मुद्रा की

has created internal online database on negative list and on information received from Central Economic Intelligence Bureau, which are being referred during loan appraisal cycles. The Bank is using SWIFT Alliance Access software platform to securely transmit financial and non-financial messages across countries. The messages are created in Finacle Application (Core and Treasury) and transmitted to the SWIFT application by Straight through Process.

Corporate Governance

Exim Bank ensures transparency and integrity in communication and makes available full, accurate and clear information to all concerned. The Bank is committed to and continuously strives to ensure compliance with best practices of corporate governance as relevant to the Bank. The Bank has established a framework of strategic control and is continuously reviewing its efficacy. Business/financial performance related matters, analytical data/information are reported to the Board/Management Committee of the Board (MC) periodically for review. The Bank has put in place a Board-approved Compliance Policy and a senior official has been made responsible in respect of compliance issues with all applicable statutes, regulations and other procedures, policies as laid down by the GOI/RBI and other regulators and the Board. Deviations, if any, are reported to the Audit Committee (AC). The Bank's Board held five meetings during FY 2019-20 and the MC held seven meetings.

Audit Committee

The Audit Committee (AC) of the Bank's Board provides direction to the total audit function in order to enhance its effectiveness as a management tool and to follow-up on all issues raised in the statutory/

सेनेगल सरकार को 200 मिलियन यूएस डॉलर की क्रेता ऋण-एनईआईए सुविधा के अंतर्गत कल्पतरु पॉवर ट्रांसमिशन लिमिटेज द्वारा 225 केवी की हाई-वोल्टेज ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण और वितरण नेटवर्क का पुनरुद्धार।

Construction of the 225 kV high-voltage transmission line and rehabilitation of distribution networks by Kalpataru Power Transmission Ltd., under Buyer's Credit-NEIA facility of US$ 200 mn to the Government of Senegal.

उपलब्धता में कमी की स्थिति का आकलन करने के लिए समय-समय पर एक आकस्मिक फंडिंग योजना बनाई जाती है। भारत सरकार की प्रतिभूतियों के 'हेल्ड फॉर ट्रेडिंग' तथा 'अवेलेबेल फॉर सेल' पोर्टफोलियो के लिए (वैल्यू एट रिस्क) की गणना की जाती है। निधि प्रबंधन समिति (एफएमसी) प्रत्येक वित्तीय वर्ष के प्रारंभ में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित और वर्ष के दौरान समीक्षित निधि प्रबंधन / संसाधन योजना के अनुसार निवेशों / विनिवेशों तथा संसाधन जुटाने के संबंध में निर्णय लेती है।

जोखिम प्रबंधन

बैंक में निदेशक मंडल की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी) गठित है। यह समिति बैंक के लिए विभिन्न जोखिमों की निगरानी और उनका प्रबंधन करने के साथ-साथ ऋण जोखिम, बाजार जोखिम और परिचालनगत जोखिमों के संबंध में एकीकृत जोखिम प्रबंधन हेतु नीति और रणनीति संबंधी कार्य देखती है।

जोखिम प्रबंधन समिति विभिन्न जोखिमों (पोर्टफोलियो, नकदी, ब्याज दर, तुलन-पत्र से इतर और परिचालनगत जोखिमों) के संबंध में बैंक की स्थिति की समीक्षा करती है। साथ ही एल्को, एफएमसी, ऋण जोखिम प्रबंधन समिति (सीआरएमसी) और परिचालन जोखिम प्रबंधन समिति (ओआरएमसी) के परिचालनों की देख-रेख भी करती है, जिनमें से सभी का क्रॉस-फंक्शनल प्रतिनिधित्व होता है। एल्को जहां बैंक में आस्ति-देयता प्रबंधन (एएलएम) नीति और प्रक्रियाओं से संबधित विषयों को देखती है और बैंक के

external/internal/concurrent audit reports and RBI inspection reports. The AC reviews the annual financial statements every year before submission of the same to the Board. The AC met six times during FY 2019-20.

Asset-Liability Management (ALM)

The Asset-Liability Management Committee (ALCO) of the Bank oversees the monitoring and management of market risk with support from the Bank's mid-office. Liquidity/interest rate risks are managed by ALCO as per the comprehensive ALM/ liquidity policies approved by the Board. The role of ALCO includes, interalia, reviewing the Bank's currency-wise structural liquidity and interest rate sensitivity positions vis-a-vis prudential limits prescribed by the RBI/Board, monitoring results of periodical stress testing of cash flows and identifying a suitable ALM strategy based on the quantum of interest rate risk as measured through (a) assessment of sensitivity of net interest income and (b) sensitivity of economic value, using duration-gap analysis, to interest rate movement. Regular stress testing of the currency-wise liquidity position is carried out and a Contingency Funding Plan is drawn up periodically to estimate the worst-case fund shortfall in each currency. Value-at-risk is computed for the Bank's held for-trading and available-for-sale portfolio of GOI securities. The FMC decides on the investments/ disinvestments and raising of resources as per the Fund Management/Resources Plan approved by the Board at the beginning of each financial year and reviewed during the year.

Risk Management

The Risk Management Committee of the Board (RMC) is responsible for monitoring and managing Bank-wide risks, and overseeing the policy and

समग्र बाजार जोखिम (लिक्विडिटी, ब्याज दर जोखिम और मुद्रा जोखिम) का विश्लेषण करती है, वहीं ऋण जोखिम प्रबंधन समिति (सीआरएमसी), ऋण–नीति और प्रक्रियाओं की देख–रेख करती है और बैंक के ऋण जोखिमों का विश्लेषण, प्रबंधन तथा नियंत्रण करती है। बैंक में एक उन्नत ऋण जोखिम मॉडल (सीआरएम) है, जिससे (गुणवत्ता तथा मात्रात्मक मानदंडों/ उपायों की व्यापक श्रेणी के जरिए) बैंक को बेहतर ऋण मूल्यांकन निर्णय लेने और उत्कृष्ट पोर्टफोलियो प्रबंधन क्षमता को बनाए रखने में मदद मिलती है। संबंधित प्रस्तावों के लिए ऋण अधिकारियों द्वारा दी गई रेटिंग की समीक्षा एक स्वतंत्र रेटिंग समिति द्वारा की जाती है। परिचालन जोखिम प्रबंधन समिति (ओआरएमसी) बैंक में परिचालन संबंधी जोखिमों की समीक्षा करती है और जोखिम घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुधारात्मक कदम उठाने की संस्तुति करती है। साथ ही यह बैंक की आईटी आस्तियों से संबंधित / उत्पन्न होने वाले परिचालन जोखिमों को चिह्नित करने, मूल्यांकन करने और / अथवा मापने, निगरानी करने और नियंत्रित करने / जोखिमों को कम करने का काम भी करती है। बैंक, अपने सभी कार्यालयों की व्यवसाय निरंतरता और डिजास्टर रिकवरी योजनाओं की भी वार्षिक समीक्षा करता है। जोखिमों का प्रभाव न्यूनतम करने के लिए प्रत्येक योजना की इस दृष्टि से भली–भांति जांच की जाती है कि ये योजनाएं संकट की स्थिति में व्यवसाय जारी रखने के लिए कितनी कारगर हैं और जोखिम से सुरक्षा के उपाय कैसे हैं।

विशेष परिस्थिति समूह

तनावग्रस्त ऋण खातों की निगरानी और अनर्जक आस्तियों (एनपीए) के वसूली उपायों पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करने के लिए, बैंक में अलग से एक विशेष परिस्थिति समूह (एसएसजी) है। यह समूह बोर्ड द्वारा अनुमोदित ऋण निगरानी एवं वसूली नीति के अनुसार वसूली के लिए सक्रियता से कदम उठाता है। साथ ही ऐसी अनर्जक आस्तियां, जिन्हें अर्जक बनाना व्यवहार्य हो, उन्हें अर्जक बनाने के प्रयास करता है और उन अनर्जक खातों से वसूली पर फोकस करता है, जहां वसूली के लिए कानूनी कार्रवाई की जानी हो। एसएसजी की आंतरिक समिति द्वारा अनर्जक आस्तियों की मासिक समीक्षा की जाती है। अनर्जक आस्तियों की वसूली

strategy for integrated risk management relating to credit risk, market risk and operational risk.

The RMC reviews the Bank's position in regard to various risks (portfolio, liquidity, interest rate, off-balance sheet and operational risks) and oversees the operations of the ALCO, the FMC, the Credit Risk Management Committee (CRMC) and the Operational Risk Management Committee (ORMC), all of which have cross-functional representation. While ALCO deals with issues relating to ALM policy and processes and analyses the overall market risk (liquidity, interest rate risk and currency risk) of the Bank, CRMC deals with credit policy and procedures and analyses, manages and controls credit risk on a Bank-wide basis. The Bank has in place an advanced Credit Risk Model (CRM) that enables a broad-based credit decision support (by incorporating a range of qualitative as well as quantitative parameters/ measures) and better portfolio management capability. A Rating Committee is in place to independently review the credit ratings assigned by sponsor officers to the respective proposals. The ORMC reviews the occurrence of operational risk events in the Bank and recommends corrective action(s) to prevent recurrence as also includes identification, assessment, and / or measurement, monitoring and control / mitigation of operational risks related to/ emanating from IT-assets of the Bank. The Bank also undertakes an annual review of the Business Continuity and Disaster Recovery plans of its offices. Each of the plans is vetted for completeness with regard to critical Business Continuity Risk Events and safeguards in place, for mitigating the impact thereof.

Special Situations Group

To provide focused attention to monitoring of loan accounts which are under stress and also strengthening of recovery measures for NPAs,

के लिए बैंक बहुआयामी रणनीति के जरिए अनर्जक आस्तियों की वसूली को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। इस रणनीति में ऋणों की पुनर्संरचना (रीस्ट्रक्चरिंग), कानूनी कार्रवाई, कोर्ट रिसीवर के जरिए आस्तियों की बिक्री, निगोशिएशन, एकबारगी निपटान, अनर्जक आस्तियों का अंतरण / समनुदेशन, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम के अंतर्गत आस्तियों पर कब्जा लेना और उसके बाद उनकी बिक्री तथा उधारकर्ता कंपनी के मामले को दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता के अंतर्गत राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण में ले जाना शामिल है।

बैंक में केवाईसी, एएमएल एवं सीएफटी उपाय

बैंक में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुरूप 'अपने ग्राहक को जानिए (केवाईसी) मानदंडों, धनशोधन निवारण (एएमएल) मानकों और आतंकवाद के वित्तपोषण का प्रतिरोध (सीएफटी)' पर निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित नीति है। केवाईसी, एएमएल तथा सीएफटी नीतियों में 'ग्राहक स्वीकार्यता नीति', 'जोखिम प्रबंधन', 'ग्राहक पहचान प्रक्रिया' और 'संव्यवहारों की निगरानी' को कवर किया गया है।

बैंक द्वारा बैंकरों के एक्युटी डेटाबेस का भी उपयोग किया जाता है, जो विश्व के प्रमुख व्यवसाय प्रकाशकों में से एक रीड बिजनेस इन्फॉर्मेशन की ऑनलाइन डेटाबेस सेवा है। एक्युटी की ग्लोबल वॉचलिस्ट काफी व्यापक है और इसमें विश्व के सभी प्रमुख प्रतिबंध लगाने वाले निकायों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों और वित्तीय नियामकों की चेतावनी सूचियों का संग्रह है। बैंक के सभी ग्राहकों को केवाईसी मानकों के अधीन लाया जाता है। इससे स्वाभाविक व्यक्ति/कानूनी व्यक्ति तथा 'हितकारी स्वामित्व' की पहचान में मदद मिलती है।

केवाईसी नीतियों तथा प्रक्रियाओं के कार्यान्वयन में कॉर्पोरेट उधारकर्ताओं को, सावधि जमा खाताधारकों, प्रतिनिधि बैंकों, नए स्टाफ सदस्यों की भर्ती तथा ट्रेजरी संव्यवहारों से संबंधित प्रतिपक्षी पार्टियों को चिह्नित करना शामिल है। बैंक अपने काउंटर पार्टी बैंकों द्वारा केवाईसी मानदंडों के संबंध में अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार पद्धति के अनुरूप वुल्फ्सबर्ग ग्रुप एएमएल प्रश्नावली के माध्यम से डाटा प्राप्त करता है। बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक और सेबी द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट प्रक्रियाओं तथा तरीकों के

the Bank has a dedicated Special Situations Group (SSG), which takes proactive steps towards loan recovery as per the Board-approved Loan Monitoring and Recovery Policy, rehabilitation of NPAs which are viable and also focuses on recovery from NPA accounts where legal action is to be pursued for recovery. Monthly reviews of NPAs are undertaken by a Committee within SSG. The Bank accords highest priority to the recovery of NPAs through a multi-pronged strategy comprising of restructuring, legal action, sale of assets through court receiver, negotiations, one-time settlements, transfer / assignment of NPAs, possession and subsequent sale of assets under provisions of the Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act and referring the company to the National Company Law Tribunal under the Insolvency and Bankruptcy Code.

KYC, AML, and CFT measures of the Bank

The Bank has a policy approved by the Board on 'Know your Customer (KYC) norms, Anti Money Laundering (AML) standards, and Combating Financing of Terrorism (CFT)'. The Policy conforms to the RBI guidelines in the matter. The KYC, AML and CFT policy covers Customer Acceptance Policy, Risk Management, Customer Identification Procedure, and Monitoring of transactions.

The Bank has access to the Bankers Accuity Database, an online database service, a product of one of the world's leading business publishers, Reed Business Information. Accuity's enhanced Global Watch List is a comprehensive collection of caution lists from all major sanctioning bodies, law enforcement agencies and financial regulators worldwide. All the customers of the Bank are subjected to KYC standards, which establish the identity of the natural / legal person and those of the 'beneficial owners'.

अनुसार कतिपय संव्यवहारों के संबंध में जानकारियों का रिकॉर्ड भी रखता है तथा ये रिकॉर्ड, संव्यवहार की तारीख से दस वर्ष तक की अवधि के लिए सुरक्षित रखे जाते हैं। बैंक में महाप्रबंधक स्तर के एक अधिकारी को मुख्य अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है, जो बैंक के केवाईसी, एएमएल तथा सीएफटी उपायों के लिए उत्तरदायी हैं। केवाईसी, एएमएल और सीएफटी नीति को बैंक की वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराया गया है।

ऋणदाताओं के लिए उचित आचार संहिता

बैंक में भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुरूप ऋणदाताओं के लिए उचित आचार संहिता के संबंध में नीति विद्यमान है, जो निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित है। यह संहिता बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

सूचना का अधिकार

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 में परिभाषित अनुसार, एक्ज़िम बैंक एक लोक प्राधिकार है और इस अधिनियम का अनुपालन करता है। भारतीय नागरिक, इस अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत सूचना प्राप्त करने के लिए बैंक के मुंबई स्थित प्रधान कार्यालय में केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी अथवा बैंक के भारत स्थित क्षेत्रीय कार्यालयों में सहायक लोक सूचना अधिकारियों को अपने आवेदन भेज सकते हैं। इनका विवरण बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध है। वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान, बैंक को कुल 66 आरटीआई आवेदन प्राप्त हुए (जिनमें अन्य सार्वजनिक प्राधिकारियों द्वारा एक्ज़िम बैंक को हस्तांतरित मामले भी शामिल हैं) और आरटीआई अधिनियम के अंतर्गत निर्दिष्ट अनुसार, 30 दिनों की समयसीमा के भीतर इनके जवाब दिए गए। इसके साथ ही बैंक ने वर्ष के दौरान www.dsscic.nic.in पोर्टल पर त्रैमासिक आरटीआई रिटर्न भी दाखिल किए।

केंद्रीकृत सार्वजनिक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीग्राम्स)

केंद्रीकृत सार्वजनिक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीग्राम्स) एक ऑनलाइन वेब आधारित सिस्टम है। इसे मंत्रालयों / विभागों / भारत सरकार की संस्थाओं द्वारा शिकायतों के शीघ्र निपटान और प्रभावी निगरानी के लिए विकसित किया गया है। बैंक में एक समुचित शिकायत निवारण व्यवस्था है और उधारकर्ताओं की शिकायतों के निवारण के

The implementation of KYC policies and procedures covers identification of corporate borrowers, term deposit holders, correspondent banks, recruitment of new staff members and counter party identification with regard to treasury transactions. The Bank obtains data required for ensuring compliance by its counterparty banks with regard to KYC norms through the Wolfsberg Group AML Questionnaire, in line with international market practice. The Bank also maintains information in respect of certain transactions in accordance with the procedure and manner as may be specified by RBI and SEBI and the records are maintained for a period of ten years from the date of the transaction. An officer in the rank of General Manager has been appointed as the Principal Officer, with responsibility for the Bank's KYC, AML and CFT measures. The KYC, AML and CFT Policy is posted on the Bank's website.

Fair Practices Code for Lenders

The Bank has in place, a Board-approved policy on Fair Practices Code for Lenders, framed in line with the RBI guidelines. The Code is posted on the Bank's website.

Right to Information

Exim Bank, as a public authority as defined in the Right to Information Act, 2005, is compliant with the Act. Citizens of India may apply for information under the provisions of the Act by communicating the same to the Central Public Information Officer of the Bank at the Head Office, Mumbai or to the Assistant Public Information Officers at the Bank's Regional Offices in India, as mentioned on the Bank's website. During FY 2019-20, the Bank received a total of 66 RTI applications (including cases transferred by other Public Authorities to Exim Bank) and responded within the 30 days permitted for response, as specified under the RTI Act. The Bank filed RTI quarterly returns on the portal www.dsscic.nic.in during the year.

लिए शिकायत निवारण अधिकारी तथा अपीलीय प्राधिकारी का विवरण बैंक की वेबसाइट पर दिया गया है। वित्तीय वर्ष के दौरान, बैंक को सीपीग्राम्स पोर्टल पर 4 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनका जवाब निर्धारित 30 दिन की अवधि के भीतर दे दिया गया था।

संयुक्त उद्यम

एक्ज़िम बैंक द्वारा वर्ष 1996 में निजी क्षेत्र की संस्था के रूप में स्थापित और प्रवर्तित जीपीसीएल कंसल्टिंग सर्विसेज लिमिटेड (पूर्व में ग्लोबल प्रोक्योरमेंट कन्सल्टैंट्स लिमिटेड), एक्ज़िम बैंक तथा निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की अन्य 9 प्रतिष्ठित कंपनियों का एक संयुक्त उद्यम है। जीपीसीएल एक अग्रणी अवधारणा थी, जिसकी स्थापना कृषि, ऊर्जा, उद्योग, खनन, परिवहन, जल संसाधन जैसे क्षेत्रों से जुड़ी अग्रणी कंपनियों की भागीदारी में की गई थी। जीपीसीएल ने वर्ष के दौरान अपनी प्रोक्योरमेंट सेवाओं के दायरे को बढ़ाया है, जिनमें बिड परामर्श, प्रोक्योरमेंट प्रशिक्षण, ई-प्रोक्योरमेंट सॉल्यूशन, परियोजना को चिह्नित करना, पूर्व व्यवहार्यता अध्ययन करना, विभिन्न रिपोर्टें तैयार करना और उनकी समीक्षा करना, ऋणदाता के इंजीनियर के रूप में काम करना, परियोजना की सम्यक जांच करना, परियोजना की निगरानी करना, मूल्यांकन, क्षमता निर्माण तथा द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय ऋण एजेंसियों को विभिन्न सेवाएं प्रदान करना शामिल है। वित्तीय वर्ष 2019-20 में ₹ 16.15 मिलियन की आय के साथ कंपनी का कर पूर्व लाभ ₹ 3.76 मिलियन दर्ज किया गया।

Centralized Public Grievance Redress and Monitoring System (CPGRAMS)

CPGRAMS is an online web-enabled system developed with the objective of speedy redress and effective monitoring of grievances by Ministries/ Departments/Organizations of the GOI. The Bank has implemented the Grievance Redressal mechanism and details of the Grievance Redressal Officer for Borrowers and the Appellate Authority for Redressal of Grievances of Borrowers are provided on the Bank's website. During the financial year, the Bank received 4 grievances on the CPGRAMS portal which were responded to within the stipulated 30 days for response.

Joint Venture

GPCL Consulting Services Ltd. (formerly known as Global Procurement Consultants Ltd.), conceived and promoted by Exim Bank as a private sector outfit in the year 1996, is a joint venture between Exim Bank and 9 other reputed private and public sector companies. GPCL was a pioneering concept, brought to reality through a synergetic partnership among industry leaders in sectors such as agriculture, energy, industries, mining, transportation, water resources and others. During the year, GPCL has broadened its range of services built around the procurement function, to cover areas such as bid advisory, procurement training, e-procurement solutions, project identification, pre-feasibility studies, preparation and review of reports, functioning as a lender's engineer, undertaking due diligence of projects, project monitoring, evaluation, capacity building and a variety of support services to the bilateral and multilateral lending agencies. The company recorded a total income of ₹ 16.15 million in FY 2019-20 with a pre-tax profit of ₹ 3.76 million.

वित्तीय विवरण

FINANCIAL STATEMENTS

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में

भारत के राष्ट्रपति

वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा संबंधी रिपोर्ट

अभिमत

हमने भारतीय निर्यात-आयात बैंक ('बैंक') की सामान्य निधि के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा कर ली है, जिसमें यथा 31 मार्च, 2020 को तुलन-पत्र एवं लाभ और हानि लेखे तथा उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह विवरण और वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियां तथा महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का सारांश एवं अन्य विवरणात्मक सूचना शामिल है।

हमारी राय में और सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उक्त लेखा विवरण भारतीय निर्यात-आयात बैंक सामान्य विनियमावली, 1982 के विनियम 14 (i) तथा भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुरूप हैं और यथा 31 मार्च, 2020 को बैंक की वित्तीय स्थिति, उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए बैंक की वित्तीय निष्पादन स्थिति तथा नकदी प्रवाह स्थिति की सत्य एवं सही स्थिति प्रकट करते हैं।

अभिमत का आधार

हमने आईसीएआई द्वारा जारी लेखा परीक्षा मानकों (एसए) के अनुसार लेखा परीक्षा की। इन मानकों के अंतर्गत हमारे उत्तरदायित्वों का विवरण, हमारी रिपोर्ट के 'वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा' खंड में आगे 'लेखा परीक्षक के उत्तरदायित्व' में दिया गया है। हम आईसीएआई द्वारा जारी नैतिक संहिता (कोड ऑफ एथिक्स) के अनुरूप बैंक से स्वतंत्र हैं। हमारा मत है कि हमें मिले लेखा परीक्षा संबंधी साक्ष्य पर्याप्त हैं और हमारे अभिमत को आधार प्रदान करने के लिए समुचित हैं।

लेखा परीक्षा संबंधी प्रमुख मामले

लेखा परीक्षा संबंधी प्रमुख मामले वे मामले हैं, जो हमारे प्रोफेशनल निर्णय में, वर्तमान अवधि के वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा में सबसे अधिक महत्त्व के रहे। इन मामलों को वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के संदर्भ में, संपूर्णता पर हमारा अभिमत बनाने के रूप में देखा गया और हम उन मामलों के संबंध में अलग से अभिमत प्रदान नहीं करते हैं।

हमने अपनी रिपोर्ट में नीचे दिए गए मामलों को लेखा परीक्षा संबंधी प्रमुख मामलों के रूप में वर्णित करने का निर्णय लिया हैः

INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

To,

The President of India

Report on the Financial Statements

Opinion

We have audited the accompanying Financial Statements of the General Fund of the "Export-Import Bank of India" ("the Bank"), which comprise the Balance Sheet as at March 31, 2020, the Profit and Loss account, Statement of Cash flows for the year then ended and notes to the financial statements, including a summary of significant accounting policies and other explanatory information.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the accompanying financial statements give a true and fair view of the financial position of the Bank as at March 31, 2020, of its financial performance and its cash flows for the year then ended in accordance with the Regulation 14 (i) of the Export-Import Bank of India General Regulations, 1982 and the accounting principles generally accepted in India.

Basis for Opinion

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing (SAs) issued by the ICAI. Our responsibilities under those standards are further described in the Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements section of our report. We are independent of the Bank in accordance with the Code of Ethics issued by the ICAI. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion.

Key Audit Matter

Key audit matters are those matters that, in our professional judgement, were of most significance in our audit of the financial statements of the current period. These matters were addressed in the context of our audit of the financial statements as a whole, and in forming our opinion thereon, and we do not provide a separate opinion on these matters.

We have determined the matters described below to be the Key Audit Matters to be communicated in our report:

क्रमांक	लेखा परीक्षा संबंधी प्रमुख मामला	लेखा परीक्षा संबंधी प्रमुख मामले पर प्रतिक्रिया
1	**अनर्जक अग्रिमों का निर्धारण और अग्रिमों के प्रावधानीकरणः** अग्रिम, बैंक की आस्तियों का महत्त्वपूर्ण हिस्सा होते हैं और इन अग्रिमों की गुणवत्ता को, बैंक के सकल अग्रिमों की तुलना में अनर्जक अग्रिमों (''एनपीए'') के अनुपात के रूप में मापा जाता है। यथा 31 मार्च, 2020 को, बैंक के ऋणों और अग्रिमों का हिस्सा, कुल आस्तियों का 74.94 प्रतिशत है और सकल एनपीए अनुपात 8.75 प्रतिशत है। भारतीय रिज़र्व बैंक (''आरबीआई'') के आय निर्धारण और आस्ति वर्गीकरण दिशानिर्देशों में एनपीए तथा ऐसी आस्तियों के लिए न्यूनतम प्रावधान का निर्धारण और वर्गीकरण करने के लिए विवेकसम्मत मानदंड निर्धारित किए गए हैं। ये मानदंड, क्वांटिटेटिव और क्वालिटेटिव कारकों का प्रयोग करते हुए एनपीए का निर्धारण करने और उनके लिए अपेक्षित प्रावधान करने के संबंध में बैंक पर भी लागू होते हैं। एनपीए का निर्धारण कुछ निश्चित क्षेत्रों में स्ट्रेस और लिक्विडिटी जैसे कारकों से प्रभावित होता है। निर्धारित एनपीए के लिए प्रावधानीकरण, उन एनपीए के कालिक क्षय और वर्गीकरण, वसूली अनुमान, सिक्योरिटी के मूल्य और अन्य क्वालिटेटिव कारकों के आधार पर आकलित किया जाता है तथा यह प्रावधान आरबीआई द्वारा निर्धारित न्यूनतम प्रावधानीकरण मानदंडों के अध्यधीन है। इसके अतिरिक्त, बैंक, कुछ निश्चित क्षेत्रों में अग्रिमों और एनपीए हो जाने की आशंका वाले चिह्नित अग्रिमों अथवा समूह अग्रिमों सहित उन एक्सपोज़रों के लिए भी प्रावधान करता है, जो एनपीए के रूप में वर्गीकृत नहीं किए गए हैं। इन्हें आकस्मिक प्रावधानों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। बैंक ने इस संबंध में अपनी लेखा नीति में, नोट I (iii) आस्ति वर्गीकरण और प्रावधानीकरण के अंतर्गत ''महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां और लेखों पर टिप्पणियां'' में विवरण दिया है। चूंकि एनपीए का निर्धारण और अग्रिमों के लिए प्रावधानीकरण में महत्त्वपूर्ण आकलन अपेक्षित होता है, और समग्र लेखा परीक्षा में इसके महत्त्व को देखते हुए, हमने एनपीए के निर्धारण और प्रावधानीकरण को लेखा परीक्षा संबंधी प्रमुख मामला माना है।	हमने अन्य के साथ-साथ निम्नलिखित लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं अपनाई हैं: – एनपीए निर्धारण और प्रावधानीकरण के लिए बैंक की नीतियों को ध्यान में रखना तथा आईआरएसी मानदंडों के साथ अनुपालन का मूल्यांकन करना। – मौजूदा आईआरएसी दिशानिर्देशों के आधार पर ह्रासित खातों का निर्धारण करने के संबंध में प्रमुख नियंत्रणों (एप्लिकेशन नियंत्रणों सहित) को समझना और उनकी परिचालन प्रभावशीलता का मूल्यांकन तथा परीक्षण करना। – यथोचित प्रक्रियाओं की प्रकृति, समय और सीमा का निर्धारण करने के लिए अग्रिमों पर विभिन्न आंतरिक नियंत्रणों की प्रभावशीलता की जांच की गई और बैंक की निगरानी प्रक्रिया के अनुसार की गई विभिन्न लेखा परीक्षाओं तथा आरबीआई निरीक्षण की टिप्पणियों के संबंध में अनुपालन की जांच की गई। – चिह्नित किए गए उधारकर्ताओं के लेखा विवरणों और अन्य संबंधित जानकारियों की क्वांटिटेटिव और क्वालिटेटिव जोखिम कारकों के आधार पर समीक्षा करना। – बैंक द्वारा दबावग्रस्त ऋण खातों को चिह्नित करने के लिए बनाई गई पूर्व चेतावनी रिपोर्टों की जांच करना। – जहां कहीं भी ऋण जोखिम माना गया, उन मामलों में बैंक के प्रबंधन के साथ विशिष्ट चर्चा करना और जोखिमों को कम करने के उपाय करना। अग्रिमों के प्रावधानीकरण के संबंध में हमने निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाईः – अग्रिमों के प्रावधानीकरण के लिए बैंक की प्रक्रिया के संबंध में एक समझ बनाई। – आरबीआई विनियमों के अनुपालन के लिए प्रबंधन द्वारा की गई गणना की जांच तथा प्रावधानीकरण के लिए आंतरिक स्तर पर निर्धारित की गई नीतियों की जांच की गई। – ऐसे ऋण खातों के लिए, जो एनपीए के रूप में वर्गीकृत नहीं किए गए हैं और बैंक ने उनके लिए प्रावधान किए हैं, हमने उन प्रावधानों के लिए बैंक के मूल्यांकन की समीक्षा की।
2	**आयकर के लिए आकस्मिक देयताः** बैंक में कुछ महत्त्वपूर्ण कर मामले चल रहे हैं, जिनमें ऐसे मामले भी शामिल हैं, जो विवादित हैं और उन विवादों में संभावित परिणाम के लिए निर्णय महत्त्वपूर्ण होगा। चूंकि इन कर मामलों के मूल्यांकन में महत्त्वपूर्ण स्तर का निर्णय अपेक्षित है, इसलिए हमने इसे लेखा संबंधी प्रमुख मामलों में शामिल किया।	– कर देयताएं और कर प्रावधान निर्धारित करने के लिए बैंक की प्रक्रिया के संबंध में समझ बनाना। – रिपोर्टिंग की तारीख को कर मामलों के संबंध में कानूनी वरीयता, अन्य निर्णयों और नई जानकारी पर विचार करने के बाद महत्त्वपूर्ण कर जोखिमों के लिए देयता की संभावना और उसके स्तर के मूल्यांकन को समझने के लिए और बाहरी कर विशेषज्ञों को शामिल किया। – कर प्राधिकारों के साथ हुए पत्राचार सहित संबंधित दस्तावेजीकरण का संदर्भ लेते हुए कर मांग की समीक्षा की गई। – इस संबंध में वित्तीय विवरणों में किए गए प्रकटीकरणों का मूल्यांकन किया गया।

<table>
<tr><th>Sr. No.</th><th>Key Audit Matter</th><th>Response to Key Audit Matter</th></tr>
<tr><td>1</td><td>Identification of Non-performing advances and provisioning of advances:

Advances constitute a significant portion of the Bank's assets and the quality of these advances is measured in terms of ratio of Non-Performing Advances ("NPA") to the gross advances of the Bank. The loans & advances constitute 74.94 per cent of the total assets and the gross NPA ratio of the Bank is 8.75 per cent as at March 31, 2020.

The Reserve Bank of India's ("RBI") guidelines on Income recognition and asset classification ("IRAC") prescribe the prudential norms for identification and classification of NPAs and the minimum provision required for such assets. The Bank is also required to apply its judgement to determine the identification and provision required against NPAs by applying quantitative as well as qualitative factors. The identification of NPAs is affected by factors like stress and liquidity concerns in certain sectors.

The provisioning for identified NPAs is estimated based on ageing and classification of NPAs, recovery estimates, value of security and other qualitative factors and is subject to the minimum provisioning norms specified by RBI.

Additionally, the Bank makes provisions on exposures that are not classified as NPAs including advances in certain sectors and identified advances or group advances that can potentially slip into NPA. These are classified as contingency provisions.

The Bank has detailed its accounting policy in this regard in Significant accounting policies and notes to accounts under note I (iii) Asset Classification and Provisioning.

Since the identification of NPAs and provisioning for advances require significant level of estimation and given its significance to the overall audit, we have ascertained identification and provisioning for NPAs as a key audit matter.</td><td>We performed the following audit procedures, among others, including:

- Considering the Bank's policies for NPA identification and provisioning and assessing compliance with the IRAC norms.
- Understanding, evaluating and testing the design and operating effectiveness of key controls (including application controls) around identification of impaired accounts based on the extant guidelines on IRAC.
- Examined the efficacy of various internal controls over advances to determine the nature, timing and extent of the substantive procedures and compliance with the observations of the various audits conducted as per the monitoring mechanism of the Bank and RBI Inspection.
- Reviewing account statements and other related information of the borrowers selected based on quantitative and qualitative risk factors.
- Examining the early warning reports generated by the Bank to identify stressed loan accounts.
- Holding specific discussions with the management of the Bank where there is perceived credit risk and the steps taken to mitigate the risks.

With respect to provisioning of advances, we performed the following procedures:

- Gained an understanding of the Bank's process for provisioning of advances.
- Tested the calculation performed by the management for compliance with RBI regulations and internally laid down policies for provisioning.
- For loan accounts, where the Bank made provisions which were not classified as NPA, we reviewed the Bank's assessment for these provisions.</td></tr>
<tr><td>2</td><td>Contingent Liability for Income Tax:

The Bank has material open tax litigations including matters under dispute which involve significant judgement to determine the possible outcome of these disputes.

Since the assessment of these open tax litigations requires significant level of judgement, we have included this as a key audit matter.</td><td>- Gained an understanding of the Bank's process for determining tax liabilities and the tax provisions.
- Involved external Tax experts to understand the evaluation of likelihood and level of liability for significant tax risks after considering legal precedence, other rulings and new information in respect of open tax positions as at reporting date.
- Reviewed the tax demand by referring to supporting documentation, including correspondence with tax authorities.
- Assessed the disclosures within the financial statements in this regard.</td></tr>
</table>

अन्य जानकारी

अन्य जानकारियों के लिए बैंक का निदेशक मंडल उत्तरदायी है। अन्य जानकारियों में निदेशकों की रिपोर्ट, समग्र व्यवसाय परिचालन, प्रबंधन और कॉर्पोरेट अभिशासन (गवर्नेंस) शामिल हैं, किन्तु इनमें वित्तीय विवरण और हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट शामिल नहीं है।

वित्तीय विवरणों पर हमारे अभिमत में अन्य जानकारी को कवर नहीं किया गया है और इस संबंध में हम किसी भी रूप में कोई आश्वासन / निष्कर्ष अभिव्यक्त नहीं करते हैं। वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के संबंध में, हमारा उत्तरदायित्व ऊपर चिह्नित की गई अन्य जानकारी को पढ़ना है, और इसे पढ़ते हुए इस पर विचार करना है कि यह अन्य जानकारी वित्तीय विवरणों में दी गई जानकारी से वस्तुतः असंगत तो नहीं है, या लेखा परीक्षा में ली गई हमारी जानकारी या अन्यथा कोई जानकारी गलत तो नहीं है।

यदि, इस लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की तारीख से पूर्व में हमें मिली अन्य जानकारी पर हमारे द्वारा किए गए काम के आधार पर, हम इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि यह अन्य जानकारी गलत है तो हमें उस तथ्य को रिपोर्ट करना आवश्यक है। इस संबंध में रिपोर्ट करने के लिए कुछ भी नहीं है।

जब हम वार्षिक रिपोर्ट पढ़ते हैं, यदि हम इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि इसमें कहीं कुछ गलत बयान है तो हम उन मामलों को गवर्नेंस मामलों के साथ रिपोर्ट करेंगे।

अन्य मामले

इस रिपोर्ट में अभिव्यक्त किए गए अभिमत में हमें बैंक के प्रबंधन द्वारा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के जरिए प्रदान की गई जानकारी, तथ्य तथा इनपुट शामिल हैं और कोविड-19 के चलते भौतिक गतिविधि पर प्रतिबंधों को देखते हुए हम इन पर निर्भर रहे हैं।

बैंक के भारत में नौ कार्यालय हैं तथा आठ कार्यालय और एक शाखा विदेश में स्थित हैं। भारत और विदेश स्थित कार्यालयों के लिए बैंक की वित्तीय लेखा प्रणालियां केंद्रीकृत हैं। हमारी लेखा परीक्षा के क्रम में, हमने देश में स्थित सभी घरेलू कार्यालयों का दौरा किया है। हम कोविड-19 महामारी के चलते विदेश स्थित शाखा का दौरा करने में असमर्थ रहे और लेखा विवरणों और इस शाखा से मिले जवाबों (रिटर्न्स) पर निर्भर रहे, जिन्हें इन वित्तीय विवरणों में शामिल किया गया है।

इस मामले के संबध में हमारा अभिमत संशोधित नहीं है।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन का उत्तरदायित्व

बैंक का प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों को, उक्त अधिनियम तथा उसके अधीन विरचित विनियमों के प्रावधानों के अनुरूप तैयार करने और उन्हें प्रस्तुत करने तथा प्रबंधन द्वारा निर्धारित अनुसार, धोखाधड़ी अथवा त्रुटि के चलते किसी भी तरह के मिथ्या कथन से रहित वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए आवश्यक ऐसे आंतरिक नियंत्रणों के लिए उत्तरदायी है।

वित्तीय विवरणों को तैयार करने में, प्रबंधन, बैंक के परिचालन को जारी रखने के लिए बैंक की क्षमता का मूल्यांकन करने, परिचालन जारी रखने संबंधी मामलों के यथा लागू अनुसार प्रकटीकरण, और जब तक कि भारत सरकार बैंक को लिक्विडेट न करना चाहे या परिचालन बंद न करना चाहे, या ऐसा करने के अलावा कोई उचित विकल्प न हो, तब तक लेखांकन के आधार पर परिचालन जारी रखने के लिए उत्तरदायी है। गवर्नेंस से जुड़ा प्रबंधन बैंक की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की निगरानी के लिए उत्तरदायी है।

Other Information

The Bank's Board of Directors is responsible for the other information. The other information comprises the information included in the Directors' Report, Overall Business Operations, Management and Corporate Governance but does not include the financial statements and our auditor's report thereon.

Our opinion on the financial statements does not cover the other information and we do not express any form of assurance / conclusion thereon. In connection with our audit of the financial statements, our responsibility is to read the other information identified above and, in doing so, consider whether the other Information is materially inconsistent with the financial statements or our knowledge obtained in the audit or otherwise appears to be materially misstated.

If, based on the work we have performed on the other information that we obtained prior to the date of this auditors' report, we conclude that there is a material misstatement of this other information, we are required to report that fact. We have nothing to report in this regard.

When we read the Annual report, if we conclude that there is a material misstatement therein, then we will communicate the matter to those charged with governance.

Other Matters

The opinion expressed in the present report includes the information, facts and inputs made available to us through electronic means by the Bank's management and relied upon by us because of the COVID-19 induced restrictions on physical movements.

The Bank has nine domestic offices, eight overseas offices and one foreign branch. The financial accounting systems of the Bank are centralized for the Domestic and Overseas Offices. As part of our audit, we have visited all the domestic offices. We have not been able to visit the foreign branch because of COVID-19 Pandemic and have relied on the accounting statements and returns received from the branch, which are included in these financial Statements.

Our opinion is not modified in respect of this matter.

Responsibilities of Management for the Financial Statements

The management of the Bank is responsible for the preparation and fair presentation of the financial statements in accordance with the provisions of the Act and the Regulations framed thereunder and for such internal controls as the management determines it is necessary to enable the preparation of financial statements that are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the financial statements, the management is responsible for assessing the Bank's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless the Government of India intends to liquidate the Bank or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so. Those charged with governance are responsible for overseeing the Bank's financial reporting process.

वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक के उत्तरदायित्व

हमारा उत्तरदायित्व इस बारे में तर्कसंगत आश्वासन हासिल करना है कि ये वित्तीय विवरण, पूर्ण रूप में धोखाधड़ी अथवा त्रुटि के चलते किसी भी तरह के मिथ्या कथन से रहित हैं, और अपने अभिमत को शामिल करते हुए लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना है। तर्कसंगत आश्वासन, उच्च स्तरीय आश्वासन है, किन्तु गारंटी नहीं है कि लेखा परीक्षा मानकों के अनुरूप की गई लेखा परीक्षा, यदि कोई महत्त्वपूर्ण मिथ्या कथन है तो सदैव उसका पता लगा लेगी। मिथ्या कथन धोखाधड़ी या त्रुटि के चलते आ सकते हैं और उन्हें तब महत्त्वपूर्ण माना जाता है, जब अलग-अलग या सकल रूप से, इन वित्तीय विवरणों के आधार पर लिए गए प्रयोक्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने की संभावना रखते हों। लेखा परीक्षा मानकों के अनुरूप लेखा परीक्षा के क्रम में, हम प्रोफेशनल निर्णय लेते हैं और पूरी लेखा परीक्षा के दौरान प्रोफेशनल संशयात्मकता रखते हैं। हमारे उत्तरदायित्वों में निम्नलिखित भी शामिल हैं:

- धोखाधड़ी या त्रुटि के चलते, वित्तीय विवरणों के महत्त्वपूर्ण मिथ्या कथन के जोखिमों का निर्धारण और मूल्यांकन, उन जोखिमों की प्रतिक्रियास्वरूप लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं डिजाइन करना और उनका निष्पादन करना, तथा हमारे अभिमत को आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और समुचित लेखा परीक्षा साक्ष्य हासिल करना। किसी धोखाधड़ी के चलते बनने वाले महत्त्वपूर्ण मिथ्या कथन का जोखिम, किसी त्रुटि के चलते होने वाले मिथ्या कथनों की तुलना में अधिक होता है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, इरादतन चूक, मिथ्या प्रस्तुति, अथवा आंतरिक नियंत्रण की अवहेलना करना शामिल हो सकता है।

- परिस्थितियों के अनुसार यथोचित लेखा प्रक्रियाएं डिजाइन करने के लिए लेखा परीक्षा से संबंधित आंतरिक नियंत्रण की समझ विकसित करना।

- प्रयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और लेखांकन आकलन की तर्कसंगतता तथा प्रबंधन द्वारा किए गए संबंधित प्रकटीकरणों का मूल्यांकन करना।

- परिचालन जारी रखने के लेखांकन आधार और हासिल किए गए लेखा परीक्षा साक्ष्य के आधार पर, इसकी उपयुक्तता पर निष्कर्ष देना, कि घटनाओं या स्थितियों से संबंधित कोई महत्त्वपूर्ण अनिश्चितता तो नहीं है, जो बैंक के परिचालन जारी रखने के संबंध में कोई शंका पैदा करती हो। यदि हम इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि ऐसी कोई आशंका है तो हमें अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट में, वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटीकरणों में इस ओर ध्यान आकर्षित करना आवश्यक होता है अथवा यदि ऐसे प्रकटीकरण अपर्याप्त होते हैं, तो अपना अभिमत बदलना पड़ता है। हमारे निष्कर्ष, हमारी लेखा परीक्षा की रिपोर्ट की तारीख तक हासिल किए गए लेखा परीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं। तथापि, भविष्य में ऐसी कोई घटनाएं या स्थितियां हो सकती हैं, जो बैंक के लिए अपना परिचालन बंद करने का कारण बनें।

- प्रकटीकरण सहित वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, ढांचे और सामग्री का मूल्यांकन करना, और देखना कि वित्तीय विवरण निहित संव्यवहरों को प्रदर्शित करते हैं और घटनाएं इस रूप में हैं कि उचित प्रस्तुति प्रदर्शित करती हैं।

हम अपनी लेखा परीक्षा के दौरान चिह्नित किए गए किसी महत्त्वपूर्ण विचलन सहित अन्य मामलों में, गवर्नेंस से जुड़े व्यक्तियों को लेखा परीक्षा के नियोजित स्कोप और समय तथा महत्त्वपूर्ण लेखा परीक्षा निष्कर्ष सूचित करते हैं।

हम गवर्नेंस से जुड़े व्यक्तियों को यह कथन भी प्रदान करते हैं कि हमने स्वतंत्रता से संबंधित सभी नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन किया है, और उन्हें सभी संबंधों तथा अन्य मामलों और जहां कहीं लागू हो, संबंधित सेफगार्ड के बारे में सूचित करते हैं, जिन्हें हमारी स्वतंत्रता के लिए जरूरी माना जा सकता है।

Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements. As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgement and maintain Professional Scepticism throughout the audit. We also:

- Identify and assess the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.

- Obtain an understanding of internal control relevant to the audit in order to design the audit procedures that are appropriate in the circumstances.

- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates and related disclosures made by management.

- Conclude on the appropriateness of the management's use of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the Bank's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the Bank to cease to continue as a going concern.

- Evaluate the overall presentation, structure and content of the financial statements, including the disclosures, and whether the financial statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

अन्य कानूनी और विनियामकीय अपेक्षाओं संबंधी रिपोर्ट

तुलन-पत्र, लाभ और हानि खाता तथा नकदी प्रवाह विवरण, भारतीय निर्यात-आयात बैंक विनियमावली, 1982 की अनुसूचियों I, II और III के अनुरूप तैयार किए गए हैं।

हम यह रिपोर्ट करते हैं किः

i. लेखा परीक्षा के लिए हमारी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार जो तथ्य और स्पष्टीकरण आवश्यक थे, वे सब हमने प्राप्त किए हैं और वे संतोषजनक हैं।

ii. इस रिपोर्ट में लिए गए तुलन-पत्र, लाभ और हानि लेखा विवरण तथा नकदी प्रवाह विवरण लेखों की बहियों के अनुरूप हैं।

iii. बैंक के संव्यवहार, जो हमारे संज्ञान में लाए गए हैं, बैंक की शक्तियों के अन्दर हैं।

iv. बैंक के कार्यालयों और विदेश स्थित शाखा से प्राप्त लेखांकन विवरण, जानकारी और रिटर्न हमारी लेखा परीक्षा के लिए पर्याप्त पाए गए हैं।

v. हमारी राय में, इस रिपोर्ट में लिए गए उक्त वित्तीय विवरण, लेखामानकों के अनुरूप हैं।

कृते **जेसीआर एंड कं.**
सनदी लेखाकार
फर्म रजिस्ट्रेशन संख्या 105270W

सीए मितेश छेड़ा
पार्टनर
सदस्यता सं. 160688
यूडीआईएन: 20160688AAAABY7180
मुंबई, 23 जून, 2020

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

The Balance Sheet , the Profit and Loss Account and the Cash Flow Statement have been drawn up as per Schedules I, II and III of the Export-Import Bank of India General Regulations, 1982.

We further report that:

i. We have sought and obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit and have found them to be satisfactory.

ii. The Balance Sheet, the Statement of Profit and Loss Account and the Cash Flow Statement dealt with by this Report are in agreement with the Books of Account.

iii. The transactions of the Bank, which have come to our notice, have been within the powers of the Bank.

iv. The accounting statements, information and returns received from the offices and a foreign branch of the Bank have been found adequate for the purposes of our audit.

v. In our opinion, the aforesaid financial statements dealt with by this report comply with the applicable Accounting Standards.

For **JCR & CO.**
Chartered Accountants
Firm Registration No.105270W

CA Mitesh Chheda
PARTNER
Membership No.160688
UDIN: 20160688AAAABY7180
Mumbai, 23rd June, 2020

यथा 31 मार्च, 2020 को तुलन-पत्र

सामान्य निधि

	अनुसूचियां	इस वर्ष (यथा 31.03.2020 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2019 को) ₹
देयताएं			
1. पूँजी	I	138,593,663,881	123,593,663,881
2. आरक्षित निधियां	II	24,257,259,181	23,142,671,603
3. लाभ और हानि खाता	III	123,900,000	81,700,000
4. नोट, बॉन्ड एवं डिबेंचर		906,280,902,600	779,195,625,139
5. देय बिल		-	-
6. जमा राशियां	IV	2,314,489,165	2,527,597,036
7. उधार राशियां	V	143,067,005,089	141,317,894,176
8. चालू देयताएं एवं आकस्मिकताओं हेतु प्रावधान		31,371,876,936	32,992,875,864
9. अन्य देयताएं		62,398,347,751	43,402,455,079
योग		**1,308,407,444,603**	**1,146,254,482,778**
आस्तियां			
1. नकदी एवं बैंक शेष	VI	128,790,544,979	42,119,521,997
2. निवेश	VII	108,370,660,101	93,273,853,320
3. ऋण एवं अग्रिम	VIII	980,515,012,545	929,171,509,101
4. भुनाये गये/पुनः भुनाये गये विनिमय बिल और वचन पत्र	IX	13,950,000,000	7,000,000,000
5. अचल आस्तियां	X	3,729,129,019	2,277,439,560
6. अन्य आस्तियां	XI	73,052,097,959	72,412,158,800
योग		**1,308,407,444,603**	**1,146,254,482,778**
आकस्मिक देयताएं			
i) स्वीकृतियां, गारंटियां, परांकन तथा अन्य दायित्व		145,486,078,032	130,545,759,983
ii) वायदा विनिमय संविदाओं की बकाया राशियों पर		4,925,978,657	1,527,375,944
iii) हामीदारी वचनबद्धताओं पर		-	-
iv) अंशतः प्रदत्त निवेशों पर अनाहूत देयताएं		178,542,365	165,294,180
v) बैंक पर दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है		9,408,600,000	7,216,381,446
vi) संग्रहण के लिए बिल		-	-
vii) सहभागिता प्रमाण-पत्रों पर		-	-
viii) भुनाये गये/पुनः भुनाए गए बिल		-	-
ix) अन्य राशियां जिनके लिए बैंक आकस्मिक रूप से जिम्मेदार है		11,049,905,466	12,223,083,677
योग		**171,049,104,520**	**151,677,895,230**

'लेखों पर टिप्पणियां' संलग्न हैं।

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से

सुश्री हर्षा बंगारी
उप प्रबंध निदेशक

श्री डेविड रस्कीना
प्रबंध निदेशक

श्री बिद्युत बिहारी स्वैन
श्री पंकज जैन
श्री ए. एस. राजीव

श्री आनंद सिंह भाल
श्री रजनीश कुमार

श्री के. राजारमन
श्री एम. सेंथिलनाथन

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते **जेसीआर एंड कंपनी**
सनदी लेखाकार
फर्म रजि. नं. 105270 डब्ल्यू

(सीए मितेश छेड़ा)
पार्टनर
एम. सं. 160688

मुंबई, 23 जून, 2020

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH, 2020

GENERAL FUND

		SCHEDULES	This year (As at 31.03.2020) ₹	Previous year (As at 31.03.2019) ₹
	LIABILITIES			
1.	Capital	I	138,593,663,881	123,593,663,881
2.	Reserves	II	24,257,259,181	23,142,671,603
3.	Profit and Loss Account	III	123,900,000	81,700,000
4.	Notes, Bonds and Debentures		906,280,902,600	779,195,625,139
5.	Bills Payable		-	-
6.	Deposits	IV	2,314,489,165	2,527,597,036
7.	Borrowings	V	143,067,005,089	141,317,894,176
8.	Current Liabilities and Provisions for Contingencies		31,371,876,936	32,992,875,864
9.	Other Liabilities		62,398,347,751	43,402,455,079
	Total		**1,308,407,444,603**	**1,146,254,482,778**
	ASSETS			
1.	Cash and Bank Balances	VI	128,790,544,979	42,119,521,997
2.	Investments	VII	108,370,660,101	93,273,853,320
3.	Loans and Advances	VIII	980,515,012,545	929,171,509,101
4.	Bills of Exchange and Promissory Notes Discounted/Rediscounted	IX	13,950,000,000	7,000,000,000
5.	Fixed Assets	X	3,729,129,019	2,277,439,560
6.	Other Assets	XI	73,052,097,959	72,412,158,800
	Total		**1,308,407,444,603**	**1,146,254,482,778**
	CONTINGENT LIABILITIES			
i)	Acceptances, Guarantees, Endorsements and other obligations		145,486,078,032	130,545,759,983
ii)	On outstanding forward exchange contracts		4,925,978,657	1,527,375,944
iii)	On underwriting commitments		-	-
iv)	Uncalled Liability on partly paid investments		178,542,365	165,294,180
v)	Claims on the Bank not acknowledged as debts		9,408,600,000	7,216,381,446
vi)	Bills for collection		-	-
vii)	On participation certificates		-	-
viii)	Bills Discounted/Rediscounted		-	-
ix)	Other monies for which the Bank is contingently liable		11,049,905,466	12,223,083,677
	Total		**171,049,104,520**	**151,677,895,230**

'Notes to Accounts' attached.

For and on behalf of the Board

Ms Harsha Bangari
Deputy Managing Director

Shri David Rasquinha
Managing Director

Shri Bidyut Behari Swain

Shri Anand Singh Bhal

Shri K. Rajaraman

Shri Pankaj Jain

Shri Rajnish Kumar

Shri M. Senthilnathan

Shri A. S. Rajeev

As per our attached report of even date
For **JCR & Co.**
Chartered Accountants
Firm Regn. No. 105270W

(CA Mitesh Chheda)
Partner
M. No. 160688

Mumbai, June 23, 2020

31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि लेखा

सामान्य निधि

व्यय	अनुसूचियां	इस वर्ष ₹	गत वर्ष ₹
1. ब्याज		62,519,630,086	67,567,208,278
2. ऋण बीमा, शुल्क एवं प्रभार		573,869,341	622,762,019
3. स्टाफ़ के वेतन, भत्ते आदि और सेवांत लाभ		855,494,692	583,511,306
4. निदेशकों एवं समिति के सदस्यों की फीस तथा व्यय		-	-
5. लेखा परीक्षा की फीस		1,198,100	1,178,100
6. भाड़ा, कर, बिजली और बीमा प्रीमिया		224,564,022	199,807,641
7. संचार विषयक व्यय		51,215,211	37,883,597
8. विधि विषयक व्यय		77,237,262	95,803,770
9. अन्य व्यय	XII	1,563,917,056	920,863,831
10. मूल्यह्रास		350,003,968	255,794,954
11. ऋण हानियों/आकस्मिकताओं, निवेशों पर मूल्यह्रास के लिए प्रावधान		17,875,849,648	18,806,011,033
12. नीचे ले जाया गया लाभ		2,437,432,706	1,874,913,938
योग		**86,530,412,092**	**90,965,738,467**
आयकर के लिए प्रावधान [आस्थगित कर राशि ₹ 1,429,270,589 सहित (गत वर्ष आस्थगित कर राशि ₹ 511,262,518)]		1,198,945,128	1,058,438,490
तुलन-पत्र में अंतरित शेष लाभ		1,238,487,578	816,475,448
		2,437,432,706	**1,874,913,938**
आय			
1. ब्याज और बट्टा	XIII	82,463,660,553	87,265,632,379
2. विनिमय, कमीशन, ब्रोकरेज और फीस		2,321,411,488	2,553,741,219
3. अन्य आय	XIV	1,745,340,051	1,146,364,869
योग		**86,530,412,092**	**90,965,738,467**
नीचे लाया गया लाभ		2,437,432,706	1,874,913,938
पूर्ववर्ती वर्षों की आधिक्य आय/ब्याज-कर प्रावधान का प्रतिलेखन		-	-
		2,437,432,706	**1,874,913,938**

'लेखों पर टिप्पणियां' संलग्न हैं।

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से

सुश्री हर्षा बंगारी
उप प्रबंध निदेशक

श्री डेविड रस्कीना
प्रबंध निदेशक

श्री बिद्युत बिहारी स्वैन

श्री आनंद सिंह भाल

श्री के. राजारमन

श्री पंकज जैन

श्री रजनीश कुमार

श्री एम. सेंथिलनाथन

श्री ए. एस. राजीव

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते **जेसीआर एंड कंपनी**
सनदी लेखाकार
फर्म रजि. नं. 105270 डब्ल्यू

(सीए मितेश छेड़ा)
पार्टनर
एम. सं. 160688

मुंबई, 23 जून, 2020

PROFIT AND LOSS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2020

GENERAL FUND

EXPENDITURE	SCHEDULES	This year ₹	Previous year ₹
1. Interest		62,519,630,086	67,567,208,278
2. Credit Insurance, Fees and Charges		573,869,341	622,762,019
3. Staff Salaries, Allowances, etc. and Terminal Benefits		855,494,692	583,511,306
4. Directors' and Committee Members' Fees and Expenses		-	-
5. Audit Fees		1,198,100	1,178,100
6. Rent, Taxes, Electricity and Insurance Premia		224,564,022	199,807,641
7. Communication Expenses		51,215,211	37,883,597
8. Legal Expenses		77,237,262	95,803,770
9. Other Expenses	XII	1,563,917,056	920,863,831
10. Depreciation		350,003,968	255,794,954
11. Provision for loan losses/contingencies, depreciation on investments		17,875,849,648	18,806,011,033
12. Profit carried down		2,437,432,706	1,874,913,938
Total		**86,530,412,092**	**90,965,738,467**
Provision for Income Tax [including Deferred tax of ₹ 1,429,270,589 (previous year - Deferred tax credit of ₹ 511,262,518)]		1,198,945,128	1,058,438,490
Balance of Profit transferred to Balance Sheet		1,238,487,578	816,475,448
		2,437,432,706	**1,874,913,938**
INCOME			
1. Interest and Discount	XIII	82,463,660,553	87,265,632,379
2. Exchange, Commission, Brokerage and Fees		2,321,411,488	2,553,741,219
3. Other Income	XIV	1,745,340,051	1,146,364,869
Total		**86,530,412,092**	**90,965,738,467**
Profit brought down		2,437,432,706	1,874,913,938
Excess Income/Interest tax provision of earlier years written back		-	-
		2,437,432,706	**1,874,913,938**

'Notes to Accounts' attached.

For and on behalf of the Board

Ms Harsha Bangari
Deputy Managing Director

Shri David Rasquinha
Managing Director

Shri Bidyut Behari Swain | **Shri Anand Singh Bhal** | **Shri K. Rajaraman**

Shri Pankaj Jain | **Shri Rajnish Kumar** | **Shri M. Senthilnathan**

Shri A. S. Rajeev

As per our attached report of even date
For **JCR & Co.**
Chartered Accountants
Firm Regn. No. 105270W

(CA Mitesh Chheda)
Partner
M. No. 160688

Mumbai, June 23, 2020

तुलन-पत्र की अनुसूचियां

सामान्य निधि

	इस वर्ष (यथा 31.03.2020 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2019 को) ₹
अनुसूची I: पूँजी:		
1. प्राधिकृत	200,000,000,000	200,000,000,000
2. निर्गमित एवं प्रदत्तः (केंद्र सरकार द्वारा पूर्णतः अभिदत्त)	138,593,663,881	123,593,663,881
अनुसूची II: आरक्षित निधियां:		
1. आरक्षित निधि	8,470,943,717	7,547,352,539
2. सामान्य आरक्षित राशियां	-	-
3. अन्य आरक्षित राशियां:		
निवेश उतार-चढ़ाव आरक्षित निधि	190,996,400	-
ऋण शोधन निधि (ऋण-व्यवस्थाएं)	1,955,319,064	1,955,319,064
4. आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1) (viii) के अधीन विशेष आरक्षित राशि	13,640,000,000	13,640,000,000
	24,257,259,181	**23,142,671,603**
अनुसूची III: लाभ और हानि लेखा:		
1. परिशिष्ट में उल्लिखित लेखों के अनुसार शेष	1,238,487,578	816,475,448
2. घटाएं: विनियोजनः		
- आरक्षित निधि को अंतरित	923,591,178	734,775,448
- निवेश उतार-चढ़ाव आरक्षित निधि को अंतरित*	190,996,400	-
- ऋण शोधन निधि को अंतरित	-	-
- आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1) (viii) के अधीन विशेष आरक्षित निधि को अंतरित	-	-
3. निवल लाभ का शेष (एक्ज़िम बैंक अधिनियम, 1981 की धारा 23 (2) के अनुसार केंद्र सरकार को अंतरणीय)	-	-
	123,900,000	**81,700,000**
अनुसूची IV: जमा राशियां:		
(क) भारत में	2,314,489,165	2,527,597,036
(ख) भारत के बाहर	-	-
	2,314,489,165	**2,527,597,036**

* 31 मार्च, 2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष तक कुल निवेश उतार-चढ़ाव आरक्षित निधि (आईएफआर) बनाने की आवश्यकता होगी।

SCHEDULES TO THE BALANCE SHEET

GENERAL FUND

	This year (As at 31.03.2020) ₹	Previous year (As at 31.03.2019) ₹
Schedule I: Capital:		
1. Authorised	200,000,000,000	200,000,000,000
2. Issued and Paid-up: (Wholly subscribed by the Central Government)	138,593,663,881	123,593,663,881
Schedule II: Reserves:		
1. Reserve Fund	8,470,943,717	7,547,352,539
2. General Reserve	-	-
3. Other Reserves:		
Investment Fluctuation Reserve	190,996,400	-
Sinking Fund (Lines of Credit)	1,955,319,064	1,955,319,064
4. Special Reserve u/s 36(1)(viii) of the Income Tax Act,1961	13,640,000,000	13,640,000,000
	24,257,259,181	**23,142,671,603**
Schedule III: Profit and Loss Account:		
1. Balance as per annexed accounts	1,238,487,578	816,475,448
2. Less: Appropriations:		
- Transferred to Reserve Fund	923,591,178	734,775,448
- Transferred to Investment Fluctuation Reserve*	190,996,400	-
- Transferred to Sinking Fund	-	-
- Transferred to Special Reserve u/s 36(1)(viii) of the Income Tax Act,1961	-	-
3. Balance of the net profits (Transferable to the Central Government in terms of Section 23(2) of the Exim Bank Act,1981)	-	-
	123,900,000	**81,700,000**
Schedule IV: Deposits:		
(a) In India	2,314,489,165	2,527,597,036
(b) Outside India	-	-
	2,314,489,165	**2,527,597,036**

* The total Investment Fluctuation Reserve (IFR) requirement shall be built-up by FYE March 31, 2021.

	इस वर्ष (यथा 31.03.2020 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2019 को) ₹
अनुसूची V: उधार राशियां:		
1. भारतीय रिज़र्व बैंक से:		
(क) न्यासी प्रतिभूतियों पर	-	-
(ख) विनिमय बिलों पर	-	-
(ग) राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घावधि परिचालन) निधि से	-	-
2. भारत सरकार से	-	-
3. अन्य स्रोतों से:		
(क) भारत में	33,499,037,358	27,123,472,225
(ख) भारत के बाहर	109,567,967,731	114,194,421,951
	143,067,005,089	**141,317,894,176**
अनुसूची VI: नकदी एवं बैंक में शेष:		
1. हाथ में नकदी	609,591	302,849
2. भारतीय रिज़र्व बैंक में शेष	3,008,861,307	196,634,111
3. अन्य बैंकों में शेष:		
(क) भारत में		
i) चालू खातों में	4,916,751,451	3,953,389,463
ii) अन्य जमा खातों में	30,000,000,000	-
(ख) भारत के बाहर	90,864,322,630	37,359,518,285
4. मांग और अल्प सूचना पर प्रतिदेय राशि/ सीबीएलओ/ट्रेप्स के अंतर्गत ऋण	-	609,677,289
	128,790,544,979	**42,119,521,997**

	This year (As at 31.03.2020) ₹	Previous year (As at 31.03.2019) ₹
Schedule V: Borrowings:		
1. From Reserve Bank of India:		
a) Against Trustee Securities	-	-
b) Against Bills of Exchange	-	-
c) Out of the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	-	-
2. From Government of India	-	-
3. From Other Sources:		
a) In India	33,499,037,358	27,123,472,225
b) Outside India	109,567,967,731	114,194,421,951
	143,067,005,089	**141,317,894,176**
Schedule VI: Cash and Bank Balances:		
1. Cash in Hand	609,591	302,849
2. Balance with Reserve Bank of India	3,008,861,307	196,634,111
3. Balances with other Banks:		
a) In India		
i) In current accounts	4,916,751,451	3,953,389,463
ii) In other deposit accounts	30,000,000,000	-
b) Outside India	90,864,322,630	37,359,518,285
4. Money at call and short notice/ Lending under CBLO/TREPS	-	609,677,289
	128,790,544,979	**42,119,521,997**

	इस वर्ष (यथा 31.03.2020 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2019 को) ₹
अनुसूची VII: निवेश: (मूल्य में ह्रास का निवल, यदि कोई है)		
1. केन्द्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	88,161,170,750	81,344,461,703
2. इक्विटी शेयर और स्टॉक	1,395,373,789	1,967,495,698
3. अधिमानी शेयर एवं स्टॉक	-	-
4. नोट, डिबेंचर एवं बॉन्ड	6,284,092,933	9,961,895,919
5. अन्य	12,530,022,629	-
	108,370,660,101	**93,273,853,320**
अनुसूची VIII: ऋण एवं अग्रिम:		
1. विदेशी सरकारें	466,728,007,276	396,124,617,822
2. बैंक:		
(क) भारत में	15,844,251,000	52,321,250,028
(ख) भारत के बाहर	-	-
3. वित्तीय संस्थाएं:		
(क) भारत में	-	-
(ख) भारत के बाहर	38,364,780,476	34,620,875,511
4. अन्य	459,577,973,793	446,104,765,740
	980,515,012,545	**929,171,509,101**
अनुसूची IX: भुनाये गये/पुनः भुनाये गये विनिमय बिल और वचन-पत्र:		
(क) भारत में	13,950,000,000	7,000,000,000
(ख) भारत के बाहर	-	-
	13,950,000,000	**7,000,000,000**

	This year (As at 31.03.2020) ₹	Previous year (As at 31.03.2019) ₹
Schedule VII: Investments: (net of diminution in value, if any)		
1. Securities of Central and State Governments	88,161,170,750	81,344,461,703
2. Equity Shares and Stocks	1,395,373,789	1,967,495,698
3. Preference Shares and Stocks	-	-
4. Notes, Debentures and Bonds	6,284,092,933	9,961,895,919
5. Others	12,530,022,629	-
	108,370,660,101	**93,273,853,320**
Schedule VIII: Loans and Advances:		
1. Foreign Governments	466,728,007,276	396,124,617,822
2. Banks:		
a) In India	15,844,251,000	52,321,250,028
b) Outside India	-	-
3. Financial Institutions:		
a) In India	-	-
b) Outside India	38,364,780,476	34,620,875,511
4. Others	459,577,973,793	446,104,765,740
	980,515,012,545	**929,171,509,101**
Schedule IX: Bills of Exchange and Promissory Notes Discounted/ Rediscounted:		
a) In India	13,950,000,000	7,000,000,000
b) Outside India	-	-
	13,950,000,000	**7,000,000,000**

	इस वर्ष (यथा 31.03.2020 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2019 को) ₹
अनुसूची X: अचल आस्तियां:		
(लागत पर मूल्यह्रास घटाकर)		
1. परिसर		
सकल राशि (आगे लाई गई)	3,115,385,721	2,091,500,834
वर्ष के दौरान परिवर्द्धन	1,652,020,173	1,164,161,043
वर्ष के दौरान निपटान	-	140,276,156
वर्ष के अंत में सकल राशि	4,767,405,894	3,115,385,721
संचित ह्रास	1,245,139,947	1,028,424,172
निवल राशि	3,522,265,947	2,086,961,549
2. अन्य		
सकल राशि (आगे लाई गई)	1,051,414,176	1,036,641,903
वर्ष के दौरान परिवर्द्धन	151,634,962	147,843,319
वर्ष के दौरान निपटान	17,152,408	133,071,046
वर्ष के अंत में सकल राशि	1,185,896,730	1,051,414,176
संचित ह्रास	979,033,658	860,936,165
निवल राशि	206,863,072	190,478,011
	3,729,129,019	**2,277,439,560**
अनुसूची XI: अन्य आस्तियां:		
1. निम्नलिखित पर उपचित ब्याज:		
(क) निवेशों/बैंक जमाओं पर	8,654,668,858	8,809,286,271
(ख) ऋण एवं अग्रिम	21,960,025,806	21,168,396,332
2. विविध पक्षों के पास जमा राशियां	57,806,538	48,320,978
3. प्रदत्त अग्रिम आयकर (निवल)	7,200,365,035	5,883,409,567
4. अन्य [आस्थगित कर आस्तियों सहित ₹ 31,334,148,153 (गत वर्ष ₹ 32,763,418,742)]	35,179,231,722	36,502,745,652
	73,052,097,959	**72,412,158,800**
अनुसूची XII: अन्य व्यय:		
1. निर्यात संवर्द्धन व्यय	19,712,035	23,811,205
2. डाटा प्रोसेसिंग पर और संबद्ध व्यय	1,282,721	1,332,587
3. मरम्मत और रखरखाव	239,923,903	222,008,100
4. मुद्रण और लेखन सामग्री	10,105,161	10,471,988
5. अन्य	1,292,893,236	663,239,951
	1,563,917,056	**920,863,831**

	This year (As at 31.03.2020) ₹	Previous year (As at 31.03.2019) ₹
Schedule X: Fixed Assets:		
(At cost less depreciation)		
1. Premises		
Gross Block b/f	3,115,385,721	2,091,500,834
Additions during the year	1,652,020,173	1,164,161,043
Disposals during the year	-	140,276,156
Gross Block as at the end of the year	4,767,405,894	3,115,385,721
Accumulated Depreciation	1,245,139,947	1,028,424,172
Net Block	3,522,265,947	2,086,961,549
2. Others		
Gross Block b/f	1,051,414,176	1,036,641,903
Additions during the year	151,634,962	147,843,319
Disposals during the year	17,152,408	133,071,046
Gross Block as at the end of the year	1,185,896,730	1,051,414,176
Accumulated Depreciation	979,033,658	860,936,165
Net Block	206,863,072	190,478,011
	3,729,129,019	**2,277,439,560**
Schedule XI: Other Assets:		
1. Accrued interest on:		
a) investments/bank balances	8,654,668,858	8,809,286,271
b) loans and advances	21,960,025,806	21,168,396,332
2. Deposits with sundry parties	57,806,538	48,320,978
3. Advance Income Tax paid (net)	7,200,365,035	5,883,409,567
4. Others [including Deferred tax asset of ₹ 31,334,148,153 (previous year ₹ 32,763,418,742)]	35,179,231,722	36,502,745,652
	73,052,097,959	**72,412,158,800**
Schedule XII: Other Expenses:		
1. Export Promotion Expenses	19,712,035	23,811,205
2. Expenses on and related to Data Processing	1,282,721	1,332,587
3. Repairs and Maintenance	239,923,903	222,008,100
4. Printing and Stationery	10,105,161	10,471,988
5. Others	1,292,893,236	663,239,951
	1,563,917,056	**920,863,831**

	इस वर्ष (यथा 31.03.2020 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2019 को) ₹
अनुसूची XIII: ब्याज एवं बट्टाः		
1. ऋणों और अग्रिमों/बिलों की भुनाई/पुनर्भुनाई पर ब्याज और बट्टा	54,506,029,521	60,802,258,674
2. निवेशों/बैंक शेष राशियों पर आय	27,957,631,032	26,463,373,705
	82,463,660,553	**87,265,632,379**
अनुसूची XIV: अन्य आय:		
1. निवेशों की बिक्री/पुनर्मूल्यांकन पर निवल लाभ	1,364,165,845	589,720,842
2. भूमि, भवन और अन्य आस्तियों की बिक्री पर निवल लाभ	1,425,973	422,975,904
3. अन्य	379,748,233	133,668,123
	1,745,340,051	**1,146,364,869**

टिप्पणीः

'देयताओं' [अनुसूची IV (क) देखिए] के अंतर्गत 24.50 मिलियन यूएस डॉलर की 'ऑन शोर' विदेशी मुद्रा जमा राशियां (गत वर्ष 29.88 मिलियन यूएस डॉलर) शामिल हैं जो प्रतिपक्षी पार्टी बैंकों/संस्थाओं द्वारा एक्ज़िम बैंक के पास रेसीप्रोकल रुपया जमा/बॉन्डों के पेटे रखी गई हैं। 'आस्तियों' के अंतर्गत निवेश में [अनुसूची सं. VII 4. देखिए] कुल ₹ 1.12 बिलियन (गत वर्ष ₹ 1.36 बिलियन) की बॉन्ड राशि शामिल है जो स्वैप्स के चलते है।

	This year (As at 31.03.2020) ₹	Previous year (As at 31.03.2019) ₹
Schedule XIII: Interest and Discount:		
1. Interest and Discount on loans and advances/bills discounted/ rediscounted	54,506,029,521	60,802,258,674
2. Income on Investments/bank balances	27,957,631,032	26,463,373,705
	82,463,660,553	**87,265,632,379**
Schedule XIV: Other Income:		
1. Net Profit on sale/revaluation of investments	1,364,165,845	589,720,842
2. Net Profit on sale of land, buildings and other assets	1,425,973	422,975,904
3. Others	379,748,233	133,668,123
	1,745,340,051	**1,146,364,869**

Note:

Deposits under 'Liabilities' [ref. Schedule IV (a)] include `on shore' foreign currency deposits aggregating US$ 24.50 million (Previous year US$ 29.88 million) kept by counter party banks / institutions with Exim Bank against reciprocal rupee deposits/ bonds. Investments under `Assets' [ref. Schedule VII 4.] include bonds aggregating ₹ 1.12 billion (Previous year ₹ 1.36 billion) on account of swaps.

31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह विवरणी

राशि (₹ मिलियन में)

विवरण	वर्ष समाप्ति लेखा परीक्षित 31 मार्च, 2020	वर्ष समाप्ति लेखा परीक्षित 31 मार्च, 2019
परिचालनगत कार्यकलापों से नकदी प्रवाह		
कर पूर्व निवल लाभ/(हानि) और असाधारण मदें	2,437.4	1,874.9
निम्नलिखित के लिए समायोजन:		
- अचल आस्तियों की बिक्री से (लाभ)/हानि (निवल)	(1.4)	(423.0)
- निवेशों की बिक्री से (लाभ)/हानि (निवल)	(1,364.2)	(589.7)
- मूल्यह्रास	350.0	255.8
- बट्टे में डाले गए बॉन्ड निर्गमों पर छूट/व्यय	180.9	156.3
- निवेश उतार-चढ़ाव आरक्षित लेखे से अंतर	-	-
- ऋणों/निवेशों एवं अन्य प्रावधानों के लिए प्रावधान/बट्टे खाते डालना	17,875.8	18,806.0
- अन्य उल्लेख करें	-	-
	19,478.6	**20,080.3**
निम्नलिखित के लिए समायोजन:		
- अन्य आस्तियां	(587.4)	(659.8)
- चालू देयताएं	(2,677.3)	(38,897.9)
परिचालनों से नकदी निर्माण	**16,213.9**	**(19,477.4)**
आय कर/ब्याज कर का भुगतान	1,089.8	(386.0)
परिचालनगत कार्यकलापों से निवल नकदी प्रवाह (क)	**17,303.6**	**(19,863.4)**
निवेशगत कार्यकलापों से नकदी प्रवाह		
- अचल आस्तियों की निवल खरीद	(1,800.3)	(851.2)
- निवेशों में निवल परिवर्तन	(13,732.6)	(35,714.9)
निवेशगत कार्यकलापों में उपयोग की गयी/से अर्जित निवल नकदी (ख)	**(15,532.9)**	**(36,566.1)**
वित्तपोषण कार्यकलापों से नकदी प्रवाह		
- प्राप्त इक्विटी पूँजी	15,000.0	50,000.0
- लिए गए ऋण (चुकौती घटाकर)	128,275.5	(118,755.0)
- दिए गए ऋण, बिलों की भुनाई और पुनर्भुनाई (प्राप्त चुकौती घटाकर)	(58,293.5)	139,149.1
- इक्विटी शेयरों पर लाभांश तथा लाभांश पर कर (केन्द्र सरकार को अंतरित निवल लाभ अधिशेष)	(81.7)	-
वित्तीय कार्यकलापों में प्रयुक्त/से अर्जित निवल नकदी प्रवाह (ग)	**84,900.3**	**70,394.0**
नकदी और नकद समतुल्य में निवल वृद्धि/(गिरावट) (क+ख+ग)	**86,671.0**	**13,964.5**
प्रारंभिक नकदी एवं समतुल्य	42,119.5	28,155.0
अंतिम नकदी एवं समतुल्य	128,790.5	42,119.5

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से

सुश्री हर्षा बंगारी
उप प्रबंध निदेशक

श्री डेविड रस्कीना
प्रबंध निदेशक

श्री बिद्युत बिहारी स्वैन | **श्री आनंद सिंह भाल** | **श्री के. राजारमन**

श्री पंकज जैन | **श्री रजनीश कुमार** | **श्री एम. सेंथिलनाथन**

श्री ए. एस. राजीव

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते **जेसीआर एंड कंपनी**
सनदी लेखाकार
फर्म रजि. नं. 105270 डब्ल्यू

(सीए मितेश छेड़ा)
पार्टनर
एम. सं. 160688

मुंबई, 23 जून, 2020

CASH FLOW STATEMENT FOR THE YEAR ENDED MARCH 31, 2020

Amount (₹ million)

Particulars	Year ended March 31, 2020 (Audited)	Year ended March 31, 2019 (Audited)
CASH FLOW FROM OPERATING ACTIVITIES		
Net Profit/(Loss) before tax and extra-ordinary items	2,437.4	1,874.9
Adjustments for:		
- (Profit)/Loss on sale of Fixed Assets (Net)	(1.4)	(423.0)
- (Profit)/Loss on sale of Investments (Net)	(1,364.2)	(589.7)
- Depreciation	350.0	255.8
- Discount/Expenses on bond issues written off	180.9	156.3
- Transfer from Investment Fluctuation Reserve	-	-
- Provisions/Write Off of Loans/Investments and other provisions	17,875.8	18,806.0
- Others - to specify	-	-
	19,478.6	**20,080.3**
Adjustments for:		
- Other Assets	(587.4)	(659.8)
- Current Liabilities	(2,677.3)	(38,897.9)
CASH GENERATED FROM OPERATIONS	**16,213.9**	**(19,477.4)**
Payment of income tax/interest tax	1,089.8	(386.0)
NET CASH FLOW FROM OPERATING ACTIVITIES (A)	**17,303.6**	**(19,863.4)**
CASH FLOW FROM INVESTING ACTIVITIES		
- Net purchase of fixed assets	(1,800.3)	(851.2)
- Net change in investments	(13,732.6)	(35,714.9)
NET CASH USED IN/RAISED FROM INVESTING ACTIVITIES (B)	**(15,532.9)**	**(36,566.1)**
CASH FLOW FROM FINANCING ACTIVITIES		
- Equity capital infusion	15,000.0	50,000.0
- Loans borrowed (net of repayments made)	128,275.5	(118,755.0)
- Loans lent, bills discounted and rediscounted (net of repayments received)	(58,293.5)	139,149.1
- Dividend on equity shares and tax on dividend (Balance of Net profits transferred to Central Government)	(81.7)	-
Net cash used in/raised from Financing Activities (C)	**84,900.3**	**70,394.0**
NET INCREASE/(DECREASE) IN CASH AND CASH EQUIVALENTS (A+B+C)	**86,671.0**	**13,964.5**
OPENING CASH AND CASH EQUIVALENTS	42,119.5	28,155.0
CLOSING CASH AND CASH EQUIVALENTS	128,790.5	42,119.5

For and on behalf of the Board

Ms Harsha Bangari
Deputy Managing Director

Shri David Rasquinha
Managing Director

Shri Bidyut Behari Swain

Shri Anand Singh Bhal

Shri K. Rajaraman

Shri Pankaj Jain

Shri Rajnish Kumar

Shri M. Senthilnathan

Shri A. S. Rajeev

As per our attached report of even date
For **JCR & Co.**
Chartered Accountants
Firm Regn. No. 105270W

(CA Mitesh Chheda)
Partner
M. No. 160688

Mumbai, June 23, 2020

महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां एवं लेखों पर टिप्पणियां

I. महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां

i) वित्तीय विवरण

क) तैयारी का आधार

भारतीय निर्यात–आयात बैंक (एक्ज़िम बैंक) का तुलन–पत्र तथा लाभ और हानि लेखा (सामान्य निधि एवं निर्यात विकास कोष), भारत में प्रचलित लेखा सिद्धांतों के अनुसार तैयार किए गए हैं। वित्तीय विवरण जब तक अन्यथा उल्लिखित न हो ऐतिहासिक लागत पद्धति के तहत तैयार किए गए हैं। बैंक द्वारा अपनाई गई लेखा नीतियां गत वर्ष प्रयोग की गई लेखा नीतियों के अनुरूप हैं। एक्ज़िम बैंक का तुलन–पत्र तथा लाभ और हानि लेखा भारतीय निर्यात–आयात बैंक सामान्य विनियमावली, 1982 में दिए गए अनुसार तैयार किए गए हैं, जिसे भारतीय निर्यात–आयात बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 28) की धारा 39(2) के अधीन भारत सरकार के पूर्व अनुमोदन से निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया है। भारतीय रिज़र्व बैंक के मास्टर निर्देश डीबीआर.एफआईडी.सं. 108/01.02.000/2015-16, दिनांकित 23 जून, 2016 में अपेक्षित अनुसार कतिपय महत्त्वपूर्ण वित्तीय अनुपात/आंकड़े, ''लेखों पर टिप्पणियां'' के खंड के रूप में दर्शाए गए हैं।

ख) आकलन का प्रयोग

वित्तीय विवरणों को स्वीकृत मानक लेखा सिद्धांतों के अनुसार तैयार किया गया है और इन्हें तैयार करने के लिए प्रबंधन को वित्तीय विवरणों और रिपोर्ट की जाने वाली अवधि तक के लिए आय एवं व्यय की तारीख को आस्तियों, देयताओं और प्रावधानों (आकस्मिक देयताओं सहित) की रिपोर्ट की गई राशि में कुछ आकलन और पूर्वानुमान करने पड़ते हैं। वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए प्रयोग किए गए ये आकलन प्रबंधन की राय में विवेकसम्मत और तार्किक हैं।

ii) राजस्व की गणना

अनर्जक आस्तियों/अनर्जक निवेशों और ''दबावग्रस्त आस्तियों'' पर ब्याज, एसडीआर के अंतर्गत ऋणों पर ब्याज शुल्क आय, कमीशन, वचनबद्धता प्रभार और लाभांश जिन्हें नकदी आधार पर हिसाब में लिया जाता है, को छोड़कर आय/व्यय का निर्धारण उपचय आधार पर किया गया है। अनर्जक आस्तियों का निर्धारण अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुरूप किया गया है। एक्ज़िम बैंक के बॉन्डों पर दिया जाने वाला बट्टा/मोचन प्रीमियम बॉन्ड की अवधि के दौरान परिशोधित किया गया है और ब्याज व्यय में शामिल किया गया है।

iii) आस्ति वर्गीकरण और प्रावधानीकरण

तुलन–पत्र में दर्शायी गई ऋण और अग्रिम राशियों में अनर्जक आस्तियों हेतु प्रावधानों को घटाकर सिर्फ मूलधन बकाया राशियां शामिल हैं। प्राप्य ब्याज को ''अन्य आस्तियों'' में समूहित किया गया है।

ऋण चुकौती और वसूली हेतु कोलैटरल सिक्योरिटी पर निर्भरता के अनुसार ऋण आस्तियों को निम्नलिखित समूहों में वर्गीकृत किया गया हैः मानक आस्तियां, अवमानक आस्तियां, संदिग्ध आस्तियां और हानि आस्तियां। ऋण आस्तियों का वर्गीकरण एवं प्रावधानीकरण भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं को जारी किए गए मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुरूप किया गया है।

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES AND NOTES TO ACCOUNTS

I. SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

i) Financial Statements

a) Basis of preparation

The Balance Sheet and Profit and Loss account of Export-Import Bank of India (Exim Bank) (General Fund and Export Development Fund) have been prepared in accordance with the accounting principles followed in India. The financial statements have been prepared under the historical cost convention on an accrual basis unless otherwise stated. The accounting policies that are applied by the Bank are consistent with those used in the previous year. The form and manner in which the Balance Sheet and the Profit and Loss Account of Exim Bank are prepared have been provided in the Export-Import Bank of India, General Regulations, 1982 approved by the Board of Directors with the previous approval of Government of India under Section 39 (2) of Export-Import Bank of India Act, 1981 (28 of 1981). Certain important financial ratios / data are disclosed as part of the "Notes to Accounts" in terms of Reserve Bank of India (RBI) Master Direction DBR.FID.No.108/ 01.02.000/2015-16 dated June 23, 2016.

b) Use of estimates

The preparation of financial statements in conformity with accepted accounting principles requires the management to make estimates and assumptions considered in the reported amount of assets and liabilities and provisions (including contingent liabilities) as of the date of the financial statements and the reported income and expenses for the reporting period. The management believes that the estimates used in the preparation of the financial statements are prudent and reasonable.

ii) Revenue Recognition

Income/Expenditure is recognised on accrual basis except in respect of interest on Non–performing Assets (NPA) / Non-performing Investments and "Stressed Assets", interest on loans under Strategic Debt Restructuring, fee income, commission, commitment charges and dividend which are accounted on cash basis. NPAs are determined as per RBI guidelines issued to All-India Financial Institutions. Discount/ redemption premium offered on Exim Bank Bonds has been amortised over the tenure of the bond and included in interest expenses.

iii) Asset Classification and Provisioning

Loans and Advances shown in Balance Sheet comprise only principal outstanding net of provisions for Non-Performing Assets (NPA). Interest receivables are grouped under "Other Assets".

Loan Assets are classified into the following groups: Standard Assets, Sub-standard Assets, Doubtful Assets and Loss Assets, taking into consideration the degree of credit weaknesses and extent of dependence on collateral security for realisation of dues. Classification of loan assets and provisioning are as per RBI guidelines issued to All-India Financial Institutions.

iv) निवेश

संपूर्ण निवेश-पोर्टफोलियो को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया हैः

क) ''परिपक्वता तक धारित''(परिपक्वता तक रखने के इरादे से अर्जित प्रतिभूतियां),

ख) ''क्रय-विक्रय के लिए धारित'' (प्रतिभूतियां इस इरादे से अर्जित की जाती हैं कि अल्पावधि मूल्य/ब्याज दर में होने वाले उतार-चढ़ावों आदि का लाभ उठाकर उनका क्रय-विक्रय किया जाए) और

ग) ''बिक्री के लिए उपलब्ध'' (शेष निवेश)।

निवेशों को निम्नलिखित रूप में पुनः वर्गीकृत किया गया हैः

i) सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश

ii) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश

iii) शेयरों में निवेश

iv) डिबेंचर और बॉन्ड में निवेश

v) सहायक कंपनियों/संयुक्त उपक्रमों में निवेश

vi) अन्य (वाणिज्यिक-पत्र, म्युचुअल फंड इकाईयों आदि में) निवेश

निवेशों के विभिन्न लिखतों का वर्गीकरण, श्रेणीकरण, श्रेणियों के बीच परिवर्तन, मूल्य निर्धारण और निवेशों का प्रावधान भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं के लिए निर्धारित किए गए मानदंडों के अनुसार किया गया है।

v) अचल आस्तियां तथा मूल्यह्रास

क) अचल आस्तियों को संचित मूल्यह्रास घटाकर परंपरागत लागत अर्जन के समय मूल लागत पर दर्शाया गया है।

ख) मूल्यह्रास का प्रावधान सीधी रेखा पद्धति के आधार पर निम्नलिखित दरों पर किया गया हैः

आस्तियां	मूल्यह्रास दर
स्वयं के भवन	5%
फर्नीचर एवं फिक्सचर	25%
कार्यालय उपकरण	25%
अन्य इलेक्ट्रिकल उपकरण	25%
कम्प्यूटर व कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	25%
मोटर वाहन	25%
मोबाइल फोन व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर मूल्यह्रास प्रौद्योगिकी के पुराने होने के आधार पर लिया गया है	33.33%

ग) वर्ष के दौरान अर्जित आस्तियों के संबंध में, मूल्यह्रास खरीद वर्ष में समूचे वर्ष के लिए प्रदान किया गया है तथा वर्ष के दौरान बेची गई आस्तियों के संबंध में बिक्री वर्ष में कोई मूल्यह्रास नहीं किया गया है।

घ) जहां किसी अवक्षयी आस्ति को बेच दिया गया है, त्याग दिया गया है, ढहा दिया गया है अथवा नष्ट कर दिया गया है ऐसी स्थिति में निवल अधिशेष या कमी को लाभ और हानि लेखे में समायोजित किया गया है।

iv) **Investments**

The entire investment portfolio is classified under three categories:

a) "Held to Maturity" (the securities acquired with the intention to hold them to maturity),

b) "Held for Trading" (the securities acquired with the intention to trade by taking advantage of the short term price/interest rate movements, etc.) and

c) "Available for Sale" (the balance investments).

The investments are further classified as:

i) Government securities

ii) Other approved securities

iii) Shares

iv) Debentures and Bonds

v) Subsidiaries/Joint Ventures

vi) Others (Commercial Papers, Mutual Fund Units, etc.)

The classification of various instruments of investments, categorisation, shifting among categories, valuation and provisioning of investments are done in accordance with the norms laid down by RBI for All-India Financial Institutions.

v) **Fixed Assets and Depreciation**

a) Fixed Assets are stated at historical cost less accumulated depreciation.

b) Depreciation is provided for on straight-line method basis at the following rates:

Asset	Depreciation Rate
Owned Buildings	5%
Furniture and Fixtures	25%
Office Equipments	25%
Other Electrical Equipments	25%
Computers and Computer Software	25%
Motor Vehicles	25%
Mobile Phones and other electronic items subject to rapid technological obsolescence	33.33%

c) In respect of assets acquired during the year, depreciation is provided for the entire year in the year of purchase and in respect of assets sold during the year, no depreciation is provided in the year of sale.

d) When a depreciable asset is disposed off, discarded, demolished or destroyed, the net surplus or deficit is adjusted in the Profit and Loss Account.

vi) ह्रास

आस्तियों के रख-रखाव की राशि को हर तुलन-पत्र की तारीख को आंतरिक अथवा बाह्य कारणों से आस्ति के मूल्य में हुए ह्रास के लिए प्रावधान अथवा गत अवधियों में हुई ह्रास हानियों यथा लागू के प्रावधानों को रिवर्स करने के लिए पुनरीक्षित किया गया है। ह्रास हानि तब होती है जब किसी आस्ति की वहन राशि वसूली योग्य राशि से अधिक होती है।

vii) विदेशी मुद्रा लेन-देनों के लिए लेखांकन

क) विदेशी मुद्रा में मूल्यांकित आस्तियों तथा देयताओं को वर्ष के अंत में भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापार संघ (फेडाई) द्वारा अधिसूचित विनिमय दर पर अंतरित किया गया है।

ख) आय तथा व्यय मदों को वर्ष के दौरान विनिमय की औसत दरों पर अंतरित किया गया है।

ग) बकाया विदेशी मुद्रा विनिमय संविदाओं को निर्दिष्ट परिपक्वता अवधियों के लिए फेडाई द्वारा अधिसूचित विनिमय दरों पर पुनर्मूल्यांकित किया गया है तथा इससे होने वाले लाभ/हानि को लाभ और हानि लेखे में शामिल किया गया है।

घ) गारंटियों, स्वीकृतियों, परांकनों तथा अन्य दायित्वों के संबंध में आकस्मिक देयताओं को वर्ष के अंत में फेडाई द्वारा अधिसूचित विनिमय दरों पर दर्शाया गया है।

viii) गारंटियां

ईसीजीसी पॉलिसियों के अधीन अरक्षित खण्ड के लिए गारंटियों का प्रावधान परियोजनाओं के पूरे होने तक संभावित हानियों को ध्यान में रखकर किया गया है।

ix) डेरिवेटिव

बैंक अपनी आस्तियों और देयताओं की हेजिंग के लिए डेरिवेटिव संविदाएं जैसे ब्याज दर स्वैप, करंसी स्वैप, अंतर करंसी ब्याज दर स्वैप तथा वायदा दर करार करता है। भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार ये संव्यवहार हेजिंग के उद्देश्य से किए जाते हैं तथा उपचित आधार पर हिसाब में लिए जाते हैं। तुलन-पत्र की तारीख को बकाया डेरिवेटिव संविदाओं के बारे में मात्रात्मक और गुणात्मक प्रकटन, अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं के लिए आरबीआई के मास्टर निदेश ''प्रस्तुति, प्रकटन और रिपोर्टिंग संबंधी मानदंड'' के अनुसार रिपोर्ट किए जाते हैं।

x) कर्मचारी लाभ हेतु प्रावधान

क) बैंक में भविष्य निधि, ग्रेच्युटी निधि और पेंशन निधि बैंक द्वारा चलाई जा रही परिभाषित कर्मचारी लाभ योजनाएं हैं। इन निधियों में बैंक का अंशदान संबंधित वर्ष के लिए लाभ-हानि खाते को डेबिट कर किया जाता है।

ख) ग्रेच्युटी तथा पेंशन परिभाषित कर्मचारी लाभ देयताएं हैं। इन देयताओं के लिए प्रावधान बीमांकिक मूल्यांकन आधार पर प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति के आधार पर किया जाता है।

vi) Impairment

The carrying amounts of assets are reviewed at each Balance Sheet date based on internal/external factors to provide for impairment in the value of the assets or reverse impairment losses recognised in previous periods, as applicable. Impairment loss is recognised when the carrying amount of an asset exceeds recoverable amount.

vii) Accounting for Foreign Currency Transactions

a) Assets and liabilities denominated in foreign currency are translated at the exchange rate notified by the Foreign Exchange Dealers' Association of India (FEDAI) at year end.

b) Income and expenditure items are translated at the average rates of exchange during the year.

c) Outstanding foreign exchange contracts are revalued at rates of exchange notified by the FEDAI for specified maturities and the resulting profits/losses are included in the Profit and Loss account.

d) Contingent liabilities in respect of guarantees, acceptances, endorsements and other obligations are stated at the rates of exchange notified by FEDAI at year end.

viii) Guarantees

Provisioning for guarantees is made taking into account the likely losses on projects till their completion, for uncovered portion under ECGC policies.

ix) Derivatives

The Bank presently deals in derivative contracts such as Interest Rate Swaps, Currency Swaps, Cross-Currency Interest Rate Swaps and Forward Rate Agreements, for hedging its assets and liabilities. Based on RBI Guidelines, the above derivatives undertaken for hedging purposes are accounted on accrual basis. Qualitative and Quantitative disclosures pertaining to outstanding derivative contracts are reported in the "Notes to Accounts" in accordance with RBI's Master Direction on Presentation, Disclosure and Reporting norms for All India Financial Institutions on the Balance Sheet date.

x) Provision for Employee Benefits

a) Provident Fund, Gratuity Fund and Pension Fund are defined benefit schemes administered by the Bank and the Bank's contributions to these funds are charged to the Profit and Loss Account for the year.

b) Gratuity and Pension are defined benefit obligations. Liabilities towards these obligations are provided for on the basis of actuarial valuation at the end of each financial year based on the projected unit credit method.

ग) छुट्टी नकदीकरण के प्रति देयता के लिए वर्ष के अंत में बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर प्रावधान किया जाता है।

xi) आय पर करों का लेखांकन

क) संबंधित संविधि के अधीन भुगतान योग्य कर के अनुसार वर्तमान कर के लिए प्रावधान किया गया है।

ख) कर योग्य आय और लेखांकन आय के बीच समय अंतर की दृष्टि से आस्थगित कर की गणना विद्यमान कर दरों पर तथा अधिनियमित विधि अथवा तुलन-पत्र की सम दिनांक को प्रमुखतः अधिनियमित विधि के अनुसार की गई है। आस्थगित कर आस्तियों को केवल उसी सीमा तक हिसाब में लिया गया है जिस सीमा तक उनकी वसूली की समुचित निश्चितता है।

xii) प्रावधान, आकस्मिक देयताएं तथा आकस्मिक आस्तियां

''प्रावधान, आकस्मिक देयताओं तथा आकस्मिक आस्तियों'' की गणना भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखा मानक 29 के अनुसार की जाती है। बैंक केवल उन प्रावधानों को हिसाब में लेता है जब वर्तमान दायित्व किसी विगत घटना का परिणाम हो। हालांकि यह संभव है कि इस दायित्व से उपजे आर्थिक भार संबंधी राशि का भुगतान दायित्व की राशि के सही आकलन के निर्धारण के बाद किया जाए।

आकस्मिक देयताएं तभी प्रकट की जाती हैं, जब आर्थिक लाभ संबंधी राशि का भुगतान किए जाने की कुछ न कुछ संभावना अवश्य हो।

आकस्मिक आस्तियों को न ही हिसाब में लिया जाता है तथा न ही उन्हें वित्तीय विवरणों में प्रकट किया जाता है।

xiii) भारतीय लेखा मानकों (इंड एएस) के क्रियान्वयन का स्थगन

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के परिपत्र दिनांकित 04 अगस्त, 2016 के अनुसार, भारतीय लेखा मानक (इंड एएस) सभी बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं पर 01 अप्रैल, 2018 से शुरू होने वाली लेखांकन अवधि के लिए और 31 मार्च, 2018 को समाप्त होने वाली अवधि के तुलनात्मक आंकड़ों के साथ लागू थे। आरबीआई ने एक्ज़िम बैंक को संबोधित 15 मई, 2019 के अपने पत्र के जरिए अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं के लिए इन मानकों का क्रियान्वयन अगली सूचना तक स्थगित करने के संबंध में सूचित किया है।

c) Liability towards leave encashment is provided for on the basis of actuarial valuation at year end.

xi) Accounting for Taxes on Income

a) Provision for current tax is made, based on the tax payable under the relevant statute.

b) Deferred tax on timing difference between taxable income and accounting income is accounted for, using the tax rates and the tax law enacted or substantially enacted as on the Balance Sheet date. Deferred tax assets are recognised only to the extent that there is a virtual certainty of realisation.

xii) Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets

As per AS 29 – "Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets" issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI), the Bank recognises provisions only when it has a present obligation as a result of a past event, it is probable that an outflow of resources embodying economic benefits will be required to settle the obligation and when a reliable estimate of the amount of the obligation can be made.

Contingent liabilities are disclosed unless the possibility of an outflow of resources embodying economic benefit is remote.

Contingent assets are neither recognised nor disclosed in the financial statements.

xiii) Deferment of Implementation of Indian Accounting Standards (Ind AS)

In terms of Reserve Bank of India's (RBI) circular dated August 04, 2016, Indian Accounting Standards (Ind AS) was applicable to all Banks, NBFCs and AIFIs for the accounting periods beginning from April 01, 2018 onwards with comparatives for the period ending March 31, 2018. RBI vide its letter dated May 15, 2019 addressed to Exim Bank has conveyed deferment of implementation of Ind AS by the AIFIs until further notice.

II. लेखों पर टिप्पणियां – सामान्य निधि

1. एजेंसी लेखा

चूंकि एक्ज़िम बैंक इराक में भारतीय संविदाकारों से संबंधित कतिपय सौदों को सुगम बनाने के लिए एक एजेंसी के रूप में कार्य कर रहा है, अतएव भारत सरकार को समनुदेशित ₹ 52.00 बिलियन (पिछले वर्ष ₹ 47.53 बिलियन) की राशि सहित बैंक को सूचित की गई एजेंसी खाते में धारित ₹ 46.99 बिलियन (पिछले वर्ष ₹ 42.95 बिलियन) की समतुल्य राशि की विदेशी मुद्रा की प्राप्य राशियां उपर्युक्त तुलन-पत्र में शामिल नहीं की गई हैं।

2. आयकर

बैंक की पूँजी संपूर्ण रूप से भारत सरकार द्वारा धारित है तथा बैंक में कोई अन्य शेयर पूँजी नहीं है। अतः भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम 1981 की धारा 23 (2) के अनुसार केन्द्र सरकार को अंतरणीय लाभ अधिशेष को लाभांश नहीं कहा जा सकता। परिणामस्वरूप वाद सं. आईटीए सं. 2025/मुंबई/2000 में 18 दिसंबर, 2006 को कर अपील न्यायाधीकरण द्वारा पारित निर्णय के आलोक में लाभांश वितरण पर कोई कर देय नहीं है, अतः इसके लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

3. क) आकस्मिक देयताएं

गारंटियों में ₹ 1.20 बिलियन (गत वर्ष ₹ 4.85 बिलियन) की एक्सपायर्ड गारंटियां शामिल हैं, जिन्हें बहियों में से निरस्त किया जाना बाकी है। आकस्मिक देयताओं में आईएल एंड एफएस की अनुषंगी एल्सामेक्स एसए, स्पेन की ओर से बैंक द्वारा जारी की गई 29.09 मिलियन यूएस डॉलर (यथा 31 मार्च, 2020 को ₹ 220.12 करोड़ के समतुल्य) की इनवोक की गई काउंटर बैंक गारंटियां शामिल हैं। इसके भुगतान पर माननीय बॉम्बे उच्च न्यायालय द्वारा रोक लगाई गई है और मामला अभी न्यायाधीन है। तदनुसार भुगतान नहीं किया गया है। तथापि, बैंक द्वारा उक्त आकस्मिक देयता के लिए उक्त राशि के 100% (गत वर्ष 50%) का प्रावधान किया गया है।

ख) दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है

आकस्मिक देयताओं के अंतर्गत ''बैंक पर दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है'' के रूप में दिखाई गई ₹ 9.41 बिलियन (पिछले वर्ष ₹ 7.22 बिलियन) की राशि अधिकांशत: बैंक के चूककर्ता उधारकर्ताओं के विरुद्ध बैंक द्वारा शुरू की गई कानूनी कार्रवाई के जवाब में उन उधारकर्ताओं द्वारा बैंक के विरुद्ध दायर किए गए दावों/प्रतिदावों से संबंधित है। बैंक के सॉलिसिटरों की राय में कोई भी दावा/प्रतिदावा गुणवत्ता योग्य नहीं है तथा कोई भी मामला अभी तक अंतिम सुनवाई तक नहीं पहुंचा है; अतः विशेषज्ञों की सलाह के आधार पर इस संबंध में कोई प्रावधान आवश्यक नहीं समझा गया है।

ग) वायदा विनिमय संविदाएं, मुद्रा/ब्याज दर स्वैप

i) यथा 31 मार्च, 2020 को बकाया वायदा विनिमय संविदाओं की पूर्ण हेजिंग की गई है। बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक के 7 जुलाई, 1999 के परिपत्र संदर्भ सं. एमपीडी.बीसी.187/07.01.279/1999-2000 एवं उसके बाद जारी दिशानिर्देशों के अनुसार आस्ति-देयता प्रबंधन के प्रयोजनार्थ डेरिवेटिव सौदे (ब्याज दर स्वैप, वायदा दर करार तथा मुद्रा-सह-ब्याज दर स्वैप) करता है। बैंक अपनी आवश्यकताओं तथा बाजार स्थितियों के आधार पर ऐसे सौदे करता है और आवश्यकता पड़ने पर उनका निपटान भी करता है। ऐसे बकाया डेरिवेटिव संव्यवहारों को हिसाब में लिया जाता है, जिन पर ब्याज दर में उतार-चढ़ाव का अत्यधिक प्रभाव पड़ता है। आस्ति देयता प्रबंधन समिति (एल्को) द्वारा इस स्थिति की निगरानी की जाती है और निदेशक मंडल द्वारा समीक्षा की जाती

II. NOTES TO ACCOUNTS – GENERAL FUND

1. Agency Account

As Exim Bank is acting only in the capacity of an agency to facilitate certain transactions in Iraq relating to Indian contractors, foreign currency receivables advised to the Bank equivalent to ₹ 52.00 billion (previous year ₹ 47.53 billion) held on agency account including a sum of ₹ 46.99 billion (previous year ₹ 42.95 billion) assigned to Government of India (GOI) are not included in the above Balance Sheet.

2. Income-Tax

The capital of the Bank is wholly subscribed by the Central Government and the Bank does not have any share capital. The balance of profit transferable to the Central Government in accordance with Section 23 (2) of the Export-Import Bank of India Act, 1981 is not termed as dividend. Consequently, dividend distribution tax is considered not payable, in the light of the judgement passed by the Income Tax Appellate Tribunal in case no. ITA No. 2025 / Mum / 2000 on December 18, 2006 and hence, no provision has been made for the same.

3. a) Contingent Liabilities

Guarantees include expired guarantees amounting to ₹ 1.20 billion (previous year ₹ 4.85 billion), yet to be cancelled in the books. Contingent liabilities include invoked Counter Bank Guarantees aggregating US$ 29.09 million (equivalent ₹ 220.12 crore as on March 31, 2020) issued on behalf of Elsamex S.A., Spain, a step-down subsidiary of IL&FS. The payment has been stayed by the Hon'ble High Court of Bombay and the matter is currently subjudice. Consequently the payment has not been made. However, as a matter of abundant caution, the Bank has made a provision for 100% (previous year 50%) of the amount against the said contingent liability.

b) Claims not acknowledged as debts

The amount of ₹ 9.41 billion (previous year ₹ 7.22 billion) shown under Contingent Liabilities as "Claims on the Bank not acknowledged as debts", pertains to claims/counter-claims filed against the Bank mostly by Bank's defaulting borrowers in response to legal action initiated against them by the Bank. None of the claims / counter-claims is considered as maintainable in the opinion of Bank's solicitors and none of them has reached the stage of final hearing. Based on professional advice, no provision is considered necessary.

c) Forward Exchange Contracts, Currency/Interest Rate Swaps

i) The outstanding forward exchange contracts as at March 31, 2020 have been fully hedged. The Bank undertakes derivatives transactions (Interest Rate Swaps, Forward Rate Agreements and Currency-cum-interest rate swaps), for the purpose of Asset-Liability management as per RBI guidelines issued vide circular Ref. No. MPD.BC.187/07.01.279/1999-2000 dated July 7, 1999 and thereafter. The Bank also unwinds and re-enters such transactions based on requirements/market conditions. The outstanding derivative transactions are captured in the interest rate sensitivity position, which is monitored by the Asset Liability Management Committee (ALCO) and reviewed by the Board. The credit equivalent of derivatives is arrived at as per 'Current Exposure' method prescribed by RBI. The fair value and the price value of a basis point (PV01) of derivatives are disclosed separately in the 'Notes to Accounts' as

है। डेरिवेटिव के ऋण समतुल्य की गणना भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित 'विद्यमान ऋण जोखिम' पद्धति के अनुसार की जाती है। डेरिवेटिव के आधार बिंदु (पीवी 01) के फेयर वैल्यू तथा प्राइस वैल्यू को भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित अनुसार 'लेखों पर टिप्पणियों' में अलग से प्रकट किया गया है। वायदा दर संविदाओं से होने वाले लाभ या हानि को संविदा की पूरी अवधि के लिए परिशोधित किया गया है। वायदा विनिमय संविदाओं के निरस्तीकरण से उत्पन्न होने वाले लाभ या हानि को वर्ष के लिए आय/व्यय के रूप में हिसाब में लिया जाता है।

ii) बैंक को ग्राहकों/गैर-ग्राहकों के लिए 'लॉन्ग डेटेड फॉरेन करंसी - रूपी स्वैप' संव्यवहारों के लिए 'मार्केट मेकर' की भूमिका निभाने की अनुमति प्राप्त है।

घ) मुद्रा विनिमय दर के उतार-चढ़ाव पर लाभ/हानि

विदेशी मुद्रा में उल्लिखित आस्तियों तथा देयताओं को वर्ष के अंत में भारतीय विदेशी मुद्रा डीलर संघ (फेडाई) द्वारा अधिसूचित दरों पर अंतरित किया जाता है। आय तथा व्यय मदों को वार्षिक औसत विनिमय दर पर अंतरित किया जाता है। चालू वर्ष के दौरान विदेशी मुद्रा परिचालनों से अर्जित एवं धारित आय के अंतरणों पर सांकेतिक हानि ₹ 0.53 बिलियन (गत वर्ष ₹ 0.07 बिलियन की सांकेतिक लाभ) है।

4. सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम अधिनियम, 2006 के अंतर्गत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों संबंधित प्रकटीकरण: सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को विलंबित भुगतान संबंधी कोई मामला प्रकाश में नहीं आया है।

5. भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अपेक्षित अनुसार अतिरिक्त सूचना

5.1 पूँजी

(क)

(₹ बिलियन)

	विवरण	**यथा 31 मार्च, 2020 को**	**यथा 31 मार्च, 2019 को**
(i)	सामान्य इक्विटी	126.86	109.77
(ii)	अतिरिक्त टियर 1 पूँजी	5.00	5.00
(iii)	कुल टियर 1 पूँजी (i+ii)	131.86	114.77
(vi)	टियर 2 पूँजी	10.10	8.81
(v)	कुल पूँजी (टियर 1+ टियर 2)	141.96	123.58
(vi)	कुल जोखिम भारित आस्तियां	705.18	648.05
(vii)	सामान्य इक्विटी अनुपात (कुल जोखिम भारित आस्तियों के प्रतिशत के रूप में कॉमन इक्विटी)	17.99%	16.94%
(viii)	टियर 1 अनुपात (कुल जोखिम भारित आस्तियों के प्रतिशत के रूप में टियर 1 पूँजी)	18.70%	17.71%
(ix)	जोखिम भारित आस्तियों की तुलना में पूँजी अनुपात (सीआरएआर) (कुल जोखिम भारित आस्तियों के प्रतिशत के रूप में कुल पूँजी)	20.13%	19.07%
(x)	बैंक में भारत सरकार की शेयरधारिता का प्रतिशत	100%	100%

stipulated by RBI. The premium or discount arising at inception of forward exchange contracts is amortized over the life of the contracts. Any profit or loss arising on cancellation of forward exchange contracts is recognized as income/expense for the year.

ii) The Bank is permitted to be a 'market maker' for offering long-dated Foreign Currency-Rupee Swaps to clients/non-clients.

d) Profit/Loss on Exchange fluctuation

Assets and liabilities denominated in foreign currency are translated at the exchange rate notified by the Foreign Exchange Dealers' Association of India (FEDAI) at year end. Income and expenditure items are translated at the average rates of exchange during the year. The notional loss on such translation of the retained earnings on FC operations during the current year is ₹ 0.53 billion (previous year notional profit of ₹ 0.07 billion).

4. Disclosure relating to Micro, Small and Medium Enterprises under the Micro, Small and Medium Enterprises Act, 2006: There have been no reported cases of delayed payments to Micro, Small and Medium Enterprises.

5. Additional Information as required by Reserve Bank of India

5.1 Capital

(a)

(₹ billion)

	Particulars	As on March 31, 2020	As on March 31, 2019
(i)	Common Equity	126.86	109.77
(ii)	Additional Tier 1 Capital	5.00	5.00
(iii)	Total Tier 1 Capital (i+ii)	131.86	114.77
(iv)	Tier 2 Capital	10.10	8.81
(v)	Total Capital (Tier 1 + Tier 2)	141.96	123.58
(vi)	Total Risk weighted assets (RWAs)	705.18	648.05
(vii)	Common Equity Ratio (Common Equity as a percentage of RWAs)	17.99%	16.94%
(viii)	Tier 1 Ratio (Tier 1 capital as a percentage of RWAs)	18.70%	17.71%
(ix)	Capital to Risk weighted Assets Ratio (CRAR) (Total Capital as a percentage of RWAs)	20.13%	19.07%
(x)	Percentage of the shareholding of the Government of India in the Bank	100%	100%

(₹ बिलियन)

	विवरण	यथा 31 मार्च, 2020 को	यथा 31 मार्च, 2019 को
(xi)	भारत सरकार द्वारा प्रदान की गई इक्विटी पूँजी राशि	15.00	50.00
(xii)	जुटाई गई टियर 1 पूँजी, जिसमें से		
	क) बेमियादी गैर-संचयी अधिमानी शेयर	शून्य	शून्य
	ख) बेमियादी ऋण लिखत	शून्य	शून्य
(xiii)	जुटाई गई टियर 2 पूँजी, जिसमें से		
	क) ऋण पूँजी लिखतें	शून्य	शून्य
	ख) बेमियादी गैर-संचयी अधिमानी शेयर	शून्य	शून्य
	ग) प्रतिदेय गैर-संचयी अधिमानी शेयर	शून्य	शून्य
	घ) प्रतिदेय संचयी अधिमानी शेयर	शून्य	शून्य

(ख) यथा 31 मार्च, 2020 को टियर-II पूँजी के रूप में जुटाए गए और बकाया गौण ऋण की राशिः ₹ शून्य (गत वर्ष: ₹ शून्य)

(ग) जोखिम भारित आस्तियां

(₹ बिलियन)

	विवरण	यथा 31 मार्च, 2020 को	यथा 31 मार्च, 2019 को
(i)	तुलन-पत्र में 'शामिल' मदें	544.47	490.99
(ii)	तुलन-पत्र में 'शामिल नहीं की गई' मदें	160.71	157.06

(घ) तुलन-पत्र की तारीख को शेयरधारिता का स्वरूप: भारत सरकार द्वारा पूर्णतः अभिदत्त पूँजी।

- जोखिम आस्तियों की तुलना में पूँजी का अनुपात (सीआरएआर) और अन्य संबंधित मानदंडों का निर्धारण भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा वित्तीय संस्थाओं के लिए निर्धारित पूँजी पर्याप्तता मानदंडों के अनुसार किया गया है।
- बासेल III मानकों सहित भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित संशोधित रूपरेखा अभी मसौदा चरण में है। बैंक सीआरएआर के निर्धारण हेतु बासेल III मानकों को इनके प्रभावी होने की तारीख से लागू करेगा। भारतीय रिज़र्व बैंक से अंतिम अधिसूचना प्रतीक्षित है।

5.2 निर्बंध आरक्षित निधियां एवं प्रावधान

(क) मानक आस्तियों पर प्रावधान

(₹ बिलियन)

विवरण	2019-20	2018-19
मानक आस्तियों के लिए प्रावधान	1.10	(17.43)

(₹ billion)

	Particulars	As on March 31, 2020	As on March 31, 2019
(xi)	Amount of equity capital infused by the Government of India	15.00	50.00
(xii)	Amount of Tier 1 capital raised; of which		
	a) Perpetual Non-Cumulative Preference Shares (PNCPS);	Nil	Nil
	b) Perpetual Debt Instruments (PDI)	Nil	Nil
(xiii)	Amount of Tier 2 capital raised; of which		
	a) Debt Capital Instruments	Nil	Nil
	b) Perpetual Non-Cumulative Preference Shares (PNCPS);	Nil	Nil
	c) Redeemable Non-Cumulative Preference Shares (RNCPS)	Nil	Nil
	d) Redeemable Cumulative Preference Shares (RCPS)	Nil	Nil

(b) The amount of subordinated debt raised and outstanding as on March 31, 2020 as Tier-II capital: ₹ Nil (previous year: ₹ Nil).

(c) Risk weighted assets

(₹ billion)

	Particulars	As on March 31, 2020	As on March 31, 2019
(i)	'On' balance sheet items	544.47	490.99
(ii)	'Off' balance sheet items	160.71	157.06

(d) The share holding pattern as on the date of the balance sheet: Capital wholly subscribed by the Government of India.

- The CRAR and other related parameters have been determined as per the extant capital adequacy norms prescribed by RBI for the Financial Institutions (FIs).
- The revised Framework to be prescribed by the RBI, including the Basel III norms, is still at draft stage. The Bank will implement Basel III norms for determining CRAR from the date they become effective. However, the final notification from RBI is awaited.

5.2 Free Reserves and Provisions

(a) Provisions on Standard Assets

(₹ billion)

	Particulars	2019-20	2018-19
	Provisions towards Standard Assets	1.10	(17.43)

(ख) कोविड-19 विनियामकीय पैकेज पर आरबीआई के परिपत्र के अनुसार लेखों में किए गए प्रावधानों के संबंध में प्रकटीकरण

कोविड-19 विनियामकीय पैकेज - आस्ति वर्गीकरण और प्रावधानीकरण संबंधी आरबीआई के परिपत्रों डीओआर.सं.बीपी.बीसी. 47/21.04.048/2019-20 दिनांकित 27 मार्च, 2020 ('विनियामकीय पैकेज'), डीओआर.सं.बीपी.बीसी.63/21.04.048/2019-20 दिनांकित 17 अप्रैल, 2020 और डीओआर.एफआईडी.सं. 8140/01.02.000/2019-20 दिनांकित 08 मई, 2020 के अनुसार, ऋणदाता संस्थाओं को ऐसे लेखों के संबंध में किए गए प्रावधानों का प्रकटीकरण करना आवश्यक है, जिन्हें मॉरेटोरियम प्रदान किया गया था और आस्ति वर्गीकरण का लाभ प्रदान किया गया था। ऐसे प्रावधानों का विवरण निम्नलिखित अनुसार हैः

(₹ बिलियन)

उधारकर्ताओं की संख्या	यथा 31 मार्च, 2020 को ऋण बकाया	अतिदेय राशि	राशि, जिसके लिए आस्ति वर्गीकरण लाभ प्रदान किया गया	किया गया प्रावधान
7	2.84	0.075	2.84	0.14

(ग) अस्थायी प्रावधान

(₹ बिलियन)

	विवरण	2019-20	2018-19
(क)	अस्थायी प्रावधान खाते में प्रारंभिक शेष	-	-
(ख)	लेखा वर्ष में किए गए अस्थायी प्रावधानों की राशि	-	-
(ग)	लेखा वर्ष के दौरान आहरण द्वारा कम हुई राशि	-	-
(घ)	अस्थायी प्रावधान खाते में अंतिम शेष	-	-

(b) Disclosure on provisions made on accounts in accordance with RBI Circular on COVID-19 Regulatory Package

In terms of the RBI circulars DOR.No.BP.BC.47/21.04.048/2019-20 dated March 27, 2020 ('Regulatory Package'), DOR.No.BP.BC.63/21.04.048/2019-20 dated April 17, 2020 and DOR. FID.No.8140/01.02.000/2019-20 dated May 08, 2020 on COVID-19 Regulatory Package - Asset Classification and Provisioning, lending institutions are required to disclose the provisions made in respect of accounts for which moratorium was granted and benefit of asset classification was extended. The details of such provisions are as under:

(₹ billion)

Number of Borrowers	Loan outstanding as on March 31, 2020	Amount overdue	Amount for which asset classification benefit extended	Provision made
7	2.84	0.075	2.84	0.14

(c) Floating Provisions

(₹ billion)

	Particulars	2019-20	2018-19
(a)	Opening balance in the floating provisions accounts	-	-
(b)	The quantum of floating provisions made in the accounting year	-	-
(c)	Amount of draw down made during the accounting year	-	-
(d)	Closing balance in the floating provisions account	-	-

5.3 आस्ति गुणवत्ता और विशिष्ट प्रावधान

(क) अनर्जक अग्रिम

(₹ बिलियन)

	विवरण	2019-20	2018-19
(i)	निवल अग्रिमों की तुलना में निवल अनर्जक आस्तियां (%)	1.77%	2.44%
(ii)	अनर्जक आस्तियों में घट-बढ़ (सकल)		
(क)	प्रारंभिक शेष	116.78	119.76
(ख)	वर्ष के दौरान बढ़ोत्तरी	21.06	33.63
(ग)	वर्ष के दौरान कमी	44.22	36.61
(घ)	अंतिम शेष	93.62	116.78
(iii)	निवल अनर्जक आस्तियों में घट-बढ़		
(क)	प्रारंभिक शेष	22.88	40.28
(ख)	वर्ष के दौरान बढ़ोत्तरी	9.03	2.61
(ग)	वर्ष के दौरान कमी	14.34	20.01
(घ)	अंतिम शेष	17.57	22.88
(iv)	अनर्जक आस्तियों के लिए प्रावधानों में घट-बढ़ (मानक आस्तियों पर प्रावधानों को छोड़कर)		
(क)	प्रारंभिक शेष	93.90	79.48
(ख)	वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान	20.88	43.73
(ग)	अतिरिक्त प्रावधानों का बट्टा खाता/प्रतिलेखन	38.73	29.31
(घ)	अंतिम शेष	76.05	93.90

5.3 Asset Quality and Specific Provisions

(a) Non-Performing Advances

(₹ billion)

	Particulars	2019-20	2018-19
(i)	Net NPAs to Net Advances (%)	1.77%	2.44%
(ii)	Movement of NPAs (Gross)		
(a)	Opening balance	116.78	119.76
(b)	Additions during the year	21.06	33.63
(c)	Reductions during the year	44.22	36.61
(d)	Closing balance	93.62	116.78
(iii)	Movement of Net NPAs		
(a)	Opening balance	22.88	40.28
(b)	Additions during the year	9.03	2.61
(c)	Reductions during the year	14.34	20.01
(d)	Closing balance	17.57	22.88
(iv)	Movement of Provisions for NPAs (excluding provisions on standard assets)		
(a)	Opening balance	93.90	79.48
(b)	Provisions made during the year	20.88	43.73
(c)	Write off/write back of excess provisions	38.73	29.31
(d)	Closing balance	76.05	93.90

(ख) अनर्जक निवेश

(₹ बिलियन)

	विवरण	2019-20	2018-19
(i)	निवल निवेशों की तुलना में निवल अनर्जक निवेश (%)	0.15%	0.36%
(ii)	अनर्जक निवेशों में घट-बढ़ (सकल)		
(क)	प्रारंभिक शेष	5.55	3.04
(ख)	वर्ष के दौरान बढ़ोत्तरी	0.67	2.62
(ग)	वर्ष के दौरान कमी	0.20	0.11
(घ)	अंतिम शेष	6.02	5.55
(iii)	निवल अनर्जक निवेशों में घट-बढ़		
(क)	प्रारंभिक शेष	0.34	0.46
(ख)	वर्ष के दौरान बढ़ोत्तरी	0.05	0.19
(ग)	वर्ष के दौरान कमी	0.22	0.31
(घ)	अंतिम शेष	0.17	0.34
(iv)	अनर्जक निवेशों के लिए प्रावधानों में घट-बढ़ (मानक आस्तियों पर प्रावधानों को छोड़कर)		
(क)	प्रारंभिक शेष	5.21	2.58
(ख)	वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान	0.84	2.71
(ग)	अतिरिक्त प्रावधानों का बट्टा खाता/प्रतिलेखन	0.19	0.08
(घ)	अंतिम शेष	5.86	5.21

(ग) अनर्जक आस्तियां (क+ख)

(₹ बिलियन)

	विवरण	2019-20	2018-19
(i)	निवल आस्तियों की तुलना में निवल अनर्जक आस्तियां (अग्रिम + निवेश) (%)	1.61%	2.26%
(ii)	अनर्जक आस्तियों में घट-बढ़ (सकल अग्रिम + सकल निवेश)		
(क)	प्रारंभिक शेष	122.33	122.80
(ख)	वर्ष के दौरान बढ़ोत्तरी	21.73	36.25
(ग)	वर्ष के दौरान कमी	44.42	36.72
(घ)	अंतिम शेष	99.64	122.33
(iii)	अनर्जक आस्तियों में घट-बढ़		
(क)	प्रारंभिक शेष	23.22	40.74
(ख)	वर्ष के दौरान बढ़ोत्तरी	9.08	2.80
(ग)	वर्ष के दौरान कमी	14.56	20.32
(घ)	अंतिम शेष	17.74	23.22
(iv)	अनर्जक आस्तियों के लिए प्रावधानों में घट-बढ़ (मानक आस्तियों पर किए गए प्रावधानों को छोड़कर)		
(क)	प्रारंभिक शेष	99.11	82.06
(ख)	वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान	21.72	46.44
(ग)	अतिरिक्त प्रावधानों का बट्टा खाता/प्रतिलेखन	38.92	29.39
(घ)	अंतिम शेष	81.91	99.11

(b) Non-Performing Investments

(₹ billion)

	Particulars	2019-20	2018-19
(i)	Net NPIs to Net Investments (%)	0.15%	0.36%
(ii)	Movement of NPIs (Gross)		
(a)	Opening balance	5.55	3.04
(b)	Additions during the year	0.67	2.62
(c)	Reductions during the year	0.20	0.11
(d)	Closing balance	6.02	5.55
(iii)	Movement of Net NPIs		
(a)	Opening balance	0.34	0.46
(b)	Additions during the year	0.05	0.19
(c)	Reductions during the year	0.22	0.31
(d)	Closing balance	0.17	0.34
(iv)	Movement of Provisions for NPIs (excluding provisions on standard assets)		
(a)	Opening balance	5.21	2.58
(b)	Provisions made during the year	0.84	2.71
(c)	Write off/write back of excess provisions	0.19	0.08
(d)	Closing balance	5.86	5.21

(c) Non-Performing Assets (a+b)

(₹ billion)

	Particulars	2019-20	2018-19
(i)	Net NPAs to Net Assets (Advances + Investments) (%)	1.61%	2.26%
(ii)	Movement of NPAs (Gross Advances + Gross Investments)		
(a)	Opening balance	122.33	122.80
(b)	Additions during the year	21.73	36.25
(c)	Reductions during the year	44.42	36.72
(d)	Closing balance	99.64	122.33
(iii)	Movement of Net NPAs		
(a)	Opening balance	23.22	40.74
(b)	Additions during the year	9.08	2.80
(c)	Reductions during the year	14.56	20.32
(d)	Closing balance	17.74	23.22
(iv)	Movement of Provisions for NPAs (excluding provisions on standard assets)		
(a)	Opening balance	99.11	82.06
(b)	Provisions made during the year	21.72	46.44
(c)	Write off/write back of excess provisions	38.92	29.39
(d)	Closing Balance	81.91	99.11

5.4 पुनर्संरचित किए गए खातों का विवरण

(₹ बिलियन)

क्र. सं.	पुनर्संरचना का प्रकार		कंपनी कर्ज पुनर्संरचना (सीडीआर) प्रक्रिया के अंतर्गत					एसएमई ऋण पुनर्संरचना प्रक्रिया के अंतर्गत					अन्य					कुल
	आस्ति वर्गीकरण	विवरण	मानक	अवमानक	संदिग्ध	हानि	कुल	मानक	अवमानक	संदिग्ध	हानि	कुल	मानक	अवमानक	संदिग्ध	हानि	कुल	
1	वित्तीय वर्ष की प्रारंभिक तारीख को पुनर्संरचित खाते (प्रारंभिक आंकड़े)	उधारकर्ताओं की संख्या	5	-	8	-	13	1	-	2	-	3	4	1	10	-	15	31
		बकाया राशि	1.41	-	2.81	-	4.22	0.01	-	0.02	-	0.03	2.55	1.14	7.87	-	11.56	15.81
		उस पर प्रावधान	0.34	-	2.74	-	3.08	0.002	-	0.02	-	0.02	0.40	0.22	5.64	-	6.26	9.36
2	वर्ष के दौरान नवीन पुनर्संरचना/बढ़त	उधारकर्ताओं की संख्या	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	1	-	1	2
		बकाया राशि	-	-	1.15	-	1.15	-	-	-	-	-	-	-	1.53	-	1.53	2.68
		उस पर प्रावधान	-	-	1.15	-	1.15	-	-	-	-	-	1.80	-	2.80	-	4.60	5.75
3	वित्तीय वर्ष के दौरान पुनर्संरचित मानक श्रेणी में उन्नयन	उधारकर्ताओं की संख्या	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		बकाया राशि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		उस पर प्रावधान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4	वित्तीय वर्ष के अंत में पुनर्संरचित मानक अग्रिम, जिनमें उच्चतर प्रावधान हुए और / अथवा अतिरिक्त जोखिम भार और इस तरह उन्हें अगले वित्तीय वर्ष के आरंभ में पुनर्संचित मानक अग्रिमों के रूप में दिखाने की आवश्यकता नहीं है	उधारकर्ताओं की संख्या	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		बकाया राशि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		उस पर प्रावधान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	वित्तीय वर्ष के दौरान पुनर्संरचित खातों का डाउनग्रेडेशन / घटत	उधारकर्ताओं की संख्या	2	-	1	-	3	1	-	-	-	1	1	1	2	-	4	8
		बकाया राशि	1.26	-	1.48	-	2.74	0.01	-	-	-	0.01	0.10	1.14	0.82	-	2.06	4.81
		उस पर प्रावधान	0.27	-	1.41	-	1.68	0.002	-	-	-	0.002	0.03	0.22	0.68	-	0.93	2.61
6	वित्तीय वर्ष के दौरान पुनर्संरचित खातों को बट्टे खाते डालना	उधारकर्ताओं की संख्या	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		बकाया राशि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		उस पर प्रावधान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7	वित्तीय वर्ष की अंतिम तारीख को पुनर्संरचित खाते (अंतिम आंकड़े)	उधारकर्ताओं की संख्या	3	-	8	-	11	-	-	2	-	2	3	-	9	-	12	25
		बकाया राशि	0.15	-	2.48	-	2.63	-	-	0.02	-	0.02	2.45	-	8.58	-	11.03	13.68
		उस पर प्रावधान	0.07	-	2.48	-	2.55	-	-	0.02	-	0.02	2.17	-	7.76	-	9.93	12.50

5.4 Particulars of Accounts Restructured

(₹ billion)

Sr. No.	Type of Restructuring		Under CDR Mechanism					Under SME Debt Restructuring Mechanism					Others					Total
	Asset Classification	Details	Standard	Sub-standard	Doubtful	Loss	Total	Standard	Sub-standard	Doubtful	Loss	Total	Standard	Sub-standard	Doubtful	Loss	Total	
1	Restructured Accounts as on date of opening of the FY (opening figures)	No. of borrowers	5	-	8	-	13	1	-	2	-	3	4	1	10	-	15	31
		Amount outstanding	1.41	-	2.81	-	4.22	0.01	-	0.02	-	0.03	2.55	1.14	7.87	-	11.56	15.81
		Provision thereon	0.34	-	2.74	-	3.08	0.002	-	0.02	-	0.02	0.40	0.22	5.64	-	6.26	9.36
2	Fresh restructuring/ Additions during the year	No. of borrowers	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	1	-	1	2
		Amount outstanding	-	-	1.15	-	1.15	-	-	-	-	-	-	-	1.53	-	1.53	2.68
		Provision thereon	-	-	1.15	-	1.15	-	-	-	-	-	1.80	-	2.80	-	4.60	5.75
3	Upgradations to restructured standard category during the FY	No. of borrowers	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		Amount outstanding	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		Provision there-on	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4	Restructured standard advances which cease to attract higher provisioning and/or additional risk weight at the end of the FY and hence need not be shown as restructured standard advances at the beginning of the next FY	No. of borrowers	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		Amount outstanding	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		Provision thereon	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	Downgradations/ Reductions of restructured accounts during the FY	No. of borrowers	2	-	1	-	3	1	-	-	-	1	1	1	2	-	4	8
		Amount outstanding	1.26	-	1.48	-	2.74	0.01	-	-	-	0.01	0.10	1.14	0.82	-	2.06	4.81
		Provision thereon	0.27	-	1.41	-	1.68	0.002	-	-	-	0.002	0.03	0.22	0.68	-	0.93	2.61
6	Write-offs of restructured accounts during the FY	No. of borrowers	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		Amount outstanding	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		Provision thereon	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7	Restructured Accounts as on date of closing of the FY (closing figures)	No. of borrowers	3	-	8	-	11	-	-	2	-	2	3	-	9	-	12	25
		Amount outstanding	0.15	-	2.48	-	2.63	-	-	0.02	-	0.02	2.45	-	8.58	-	11.03	13.68
		Provision thereon	0.07	-	2.48	-	2.55	-	-	0.02	-	0.02	2.17	-	7.76	-	9.93	12.50

5.5 अनर्जक आस्तियों में घट-बढ़

(₹ बिलियन)

विवरण	2019-20	2018-19
यथा 1 अप्रैल को सकल अनर्जक आस्तियां (प्रारंभिक शेष)	116.78	119.76
वर्ष के दौरान बढ़त (नई अनर्जक आस्तियां)	17.72	28.35
ब्याज निधीयन	0.11	2.53
विनिमय दर घट-बढ़	3.24	2.75
उपखंड योग (क)	137.85	153.39
घटाएं:		
(i) उन्नयन	1.47	2.51
(ii) वसूली (उन्नत खातों से वसूली को छोड़कर)	9.67	15.16
(iii) तकनीकी/विवेकसम्मत बट्टे खाते	28.10	11.88
(iv) बट्टे खाते, उपर्युक्त (iii) के अलावा	4.99	7.06
(v) विनिमय दर घट-बढ़	-	-
उपखंड योग (ख)	44.23	36.61
यथा आगामी वर्ष की 31 मार्च को सकल अनर्जक आस्तियां (अंतिम शेष) (क-ख)	93.62	116.78

आरबीआई के मास्टर परिपत्र संख्या डीबीआर सं. बीपी. बीसी. 2/21.04.048/2015-16 दिनांकित 1 जुलाई, 2015 के अनुलग्नक भाग सी-2 के अनुसार सकल अनर्जक आस्तियां

5.6 बट्टे खाते और वसूली

(₹ बिलियन)

विवरण	2019-20	2018-19
बट्टे खाते डाले गए खातों का यथा 1 अप्रैल को प्रारंभिक शेष तकनीकी/विवेकसम्मत बट्टे खाते	32.92	20.38
जोड़ें: वर्ष के दौरान तकनीकी/विवेकसम्मत बट्टे खाते	28.10	11.88
जोड़ें: विनिमय में उतार-चढ़ाव	1.80	0.75
उपखंड योग (क)	62.82	33.01
घटाएं: वर्ष के दौरान पुराने तकनीकी/विवेकसम्मत बट्टे खाते डाले गए खातों से की गई वसूली (ख)	0.13	0.09
यथा 31 मार्च को अंतिम शेष (क-ख)	62.69	32.92

5.7 विदेशी आस्तियां, अनर्जक आस्तियां और राजस्व

(₹ बिलियन)

विवरण	2019-20	2018-19
कुल आस्तियां	49.85	86.89
कुल अनर्जक आस्तियां	2.96	1.31
कुल राजस्व	3.34	5.02

उपर्युक्त आंकड़े बैंक की लंदन शाखा से संबंधित हैं, जिसका परिचालन अक्टूबर 2010 में शुरू हुआ।

5.5 Movement of Non-Performing Assets

(₹ billion)

Particulars	2019-20	2018-19
Gross NPAs as on 1st April (Opening balance)	116.78	119.76
Additions (Fresh NPAs) during the year	17.72	28.35
Interest funding	0.11	2.53
Exchange Fluctuation	3.24	2.75
Sub Total (A)	137.85	153.39
Less:		
(i) Upgradations	1.47	2.51
(ii) Recoveries (excluding recoveries made from upgraded accounts)	9.67	15.16
(iii) Technical/Prudential write offs	28.10	11.88
(iv) Write offs other than those under (iii) above	4.99	7.06
(v) Exchange Fluctuation	-	-
Sub Total (B)	44.23	36.61
Gross NPAs as on 31st March (closing balance) (A-B)	93.62	116.78

Gross NPAs as per Appendix Part C-2 of RBI Master Circular DBR.No.BP.BC.2/21.04.048/ 2015-16 dated July 1, 2015.

5.6 Write-offs and Recoveries

(₹ billion)

Particulars	2019-20	2018-19
Opening balance of Technical/Prudential written off accounts as at 1st April	32.92	20.38
Add: Technical/Prudential write offs during the year	28.10	11.88
Add: Exchange Fluctuation	1.80	0.75
Sub Total (A)	62.82	33.01
Less: Recoveries made from previously technical/ prudential written off accounts during the year (B)	0.13	0.09
Closing balance as on 31st March (A-B)	62.69	32.92

5.7 Overseas Assets, NPAs and Revenue

(₹ billion)

Particulars	2019-20	2018-19
Total Assets	49.85	86.89
Total NPAs	2.96	1.31
Total Revenue	3.34	5.02

The above figures pertain to Bank's London Branch, which started operations in October, 2010.

5.8 निवेशों पर मूल्यह्रास और प्रावधान

(₹ बिलियन)

	विवरण	2019-20	2018-19
(1)	निवेश		
(i)	सकल निवेश	129.14	113.40
क)	भारत में	128.30	112.63
ख)	भारत से बाहर	0.84	0.77
(ii)	मूल्यह्रास के लिए प्रावधान	20.77	20.12
क)	भारत में	20.18	19.55
ख)	भारत से बाहर	0.59	0.57
(iii)	निवल निवेश	108.37	93.28
क)	भारत में	108.12	93.08
ख)	भारत से बाहर	0.25	0.20
(2)	निवेशों पर मूल्यह्रास के लिए किए गए प्रावधानों में घट-बढ़		
(i)	प्रारंभिक शेष	20.12	16.14
(ii)	जोड़ें: वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान	2.57	4.83
(iii)	वर्ष के दौरान निवेश अस्थिर आरक्षित निधि खाते से विनियोजन, यदि कोई है	-	-
(iv)	घटाएं: वर्ष के दौरान अतिरिक्त प्रावधानों पर बट्टा खाता/प्रतिलेखन	1.92	0.85
(v)	घटाएं: अस्थिर आरक्षित निधि खाते में हस्तांतरण, यदि कोई है	-	-
(vi)	अंतिम शेष	20.77	20.12

5.9 प्रावधान और आकस्मिक व्यय

(₹ बिलियन)

लाभ एवं हानि शीर्ष के अंतर्गत दिखाए गए प्रावधानों और आकस्मिक व्यय का विवरण	2019-20	2018-19
निवेश पर मूल्यह्रास के लिए प्रावधान	(1.54)	1.49
अनर्जक आस्ति के लिए प्रावधान	(17.95)	14.47
आयकर के लिए किए गए प्रावधान	1.20	1.06
अन्य प्रावधान और आकस्मिक व्यय*	1.48	1.19

*इसमें बैंक गारंटियों के लिए 30.29 मिलियन यूएस डॉलर और देश जोखिम प्रावधानीकरण के लिए ₹ 0.29 बिलियन (गत वर्ष ₹ 0.09 बिलियन) के लिए 100% प्रावधानीकरण (गत वर्ष 50%) करने के चलते ₹ 1.19 बिलियन (गत वर्ष ₹ 1.10 बिलियन) की राशि शामिल है।

5.8 Depreciation and Provision on Investments

(₹ billion)

	Particulars	2019-20	2018-19
(1)	Investments		
(i)	Gross Investments	129.14	113.40
a)	In India	128.30	112.63
b)	Outside India	0.84	0.77
(ii)	Provision for Depreciation	20.77	20.12
a)	In India	20.18	19.55
b)	Outside India	0.59	0.57
(iii)	Net Investments	108.37	93.28
a)	In India	108.12	93.08
b)	Outside India	0.25	0.20
(2)	Movement of provision held towards depreciation on investments		
(i)	Opening balance	20.12	16.14
(ii)	Add: Provisions made during the year	2.57	4.83
(iii)	Appropriation, if any, from Investment Fluctuation Reserve Account during the year	-	-
(iv)	Less: Write off/write back of excess provisions during the year	1.92	0.85
(v)	Less: Transfer, if any, to Investment Fluctuation Reserve Account	-	-
(vi)	Closing balance	20.77	20.12

5.9 Provisions and Contingencies

(₹ billion)

Break up of 'Provisions and Contingencies' shown under the head Expenditure in Profit and Loss Account	2019-20	2018-19
Provision for depreciation on Investment	(1.54)	1.49
Provision towards NPA	(17.95)	14.47
Provision made towards Income tax	1.20	1.06
Other Provisions and Contingencies*	1.48	1.19

*Includes ₹ 1.19 billion (previous year ₹ 1.10 billion) on account of 100% provisioning (previous year 50%) for US$ 30.29 mn on account of Bank Guarantees and ₹ 0.29 billion (previous year ₹ 0.09 billion) on account of Country Risk Provisioning.

5.10 प्रावधान कवरेज अनुपात

विवरण	2019-20	2018-19
प्रावधान कवरेज अनुपात	88.76%	84.72%

5.11 वर्ष के दौरान रिपोर्ट किए गए धोखाधड़ी मामले और उनके लिए किए गए प्रावधान

वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान धोखाधड़ी के रूप में घोषित किए गए 6 मामलों में ₹ 3.76 बिलियन (गत वर्ष 8 मामलों में ₹ 12.52 बिलियन) की राशि अग्रिमों को दर्शाती है। वर्ष के दौरान रिपोर्ट की गई धोखाधड़ियों के संबंध में यथा 31 मार्च, 2020 को बकाया शेष के लिए पूर्ण प्रावधान किए गए हैं।

6. निवेश पोर्टफोलियो: संघटक एवं परिचालन

6.1 रेपो लेन-देन

वर्तमान वर्ष:

(₹ बिलियन)

विवरण	वर्ष के दौरान न्यूनतम बकाया	वर्ष के दौरान अधिकतम बकाया	वर्ष के दौरान दैनिक औसत बकाया	यथा 31 मार्च, 2020 को बकाया
रेपो के अंतर्गत बेची गई प्रतिभूतियां				
i) सरकारी प्रतिभूतियां	-	-	-	-
ii) कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियां	-	-	-	-
रिवर्स रेपो के अंतर्गत खरीदी गई प्रतिभूतियां				
i) सरकारी प्रतिभूतियां	-	-	-	-
ii) कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियां	-	-	-	-

5.10 Provision Coverage Ratio

Particulars	2019-20	2018-19
Provision Coverage Ratio	88.76%	84.72%

5.11 Fraud Reported and provision made during the year

An amount of ₹ 3.76 billion in 6 cases (previous year ₹ 12.52 billion in 8 cases) represents advances declared as frauds during FY 2019-20. Full provision has been made for the outstanding balance as on March 31, 2020 in respect of frauds reported during the year.

6. Investment Portfolio: Constitution and Operations

6.1 Repo Transactions

Current Year:

(₹ billion)

Particulars	Minimum outstanding during the year	Maximum outstanding during the year	Daily Average outstanding during the year	Outstanding as on March 31, 2020
Securities sold under repos				
i) Government Securities	-	-	-	-
ii) Corporate Debt Securities	-	-	-	-
Securities Purchased under reverse repos				
i) Government Securities	-	-	-	-
ii) Corporate Debt Securities	-	-	-	-

गत वर्षः

(₹ बिलियन)

विवरण	वर्ष के दौरान न्यूनतम बकाया	वर्ष के दौरान अधिकतम बकाया	वर्ष के दौरान दैनिक औसत बकाया	यथा 31 मार्च, 2019 को बकाया
रेपो के अंतर्गत बेची गई प्रतिभूतियां				
i) सरकारी प्रतिभूतियां	-	-	-	-
ii) कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियां	-	-	-	-
रिवर्स रेपो के अंतर्गत खरीदी गई प्रतिभूतियां				
i) सरकारी प्रतिभूतियां	-	-	-	-
ii) कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियां	-	-	-	-

6.2 ऋण प्रतिभूतियों में निवेश के लिए निवेशकर्ता की जमाराशियों का प्रकटीकरण

वर्तमान वर्षः

(₹ बिलियन)

क्र.सं.	निवेशकर्ता	राशि	राशि			
			निजी प्लेसमेंट के जरिए किया गया निवेश	''निवेश ग्रेड से नीचे'' धारित प्रतिभूतियां	धारित ''अश्रेणीकृत'' प्रतिभूतियां	धारित ''असूचीबद्ध'' प्रतिभूतियां
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1	सार्वजनिक उपक्रम	-	-	-	-	-
2	वित्तीय संस्थाएं	1.52	1.52	-	0.06	1.52**
3	बैंक	0.002	0.002	-	-	-
4	निजी कॉर्पोरेट	39.43	39.25	-	17.26	36.09*
5	अनुषंगी संस्थाएं/ संयुक्त उपक्रम	0.003	0.003	-	0.003	0.003
6	अन्य	0.02	0.02	-	-	0.02
7	मूल्यह्रास के लिए किए गए प्रावधान#	20.77	-	-	-	-
	कुल	**40.98**	**40.80**	**-**	**17.33**	**37.64**

कॉलम 3 में प्रकट किए जाने वाले प्रावधान की केवल कुल राशि

* जिसमें से ₹ 20.42 बिलियन की जमा राशियां आस्ति पुनर्संरचना कंपनियों (एआरसी) द्वारा जारी प्रतिभूति रसीदों में निवेश को दर्शाती हैं और ₹ 2.77 बिलियन का निवेश ऋण पुनर्संरचना के हिस्से के रूप में शेयरों/ऋण पत्रों (डिबेंचरों) में है।

** जिसमें से ₹ 1.12 बिलियन की जमा राशियां भारतीय रिज़र्व बैंक के अनुमोदन से किए गए यूएस डॉलर/भारतीय रुपए में स्वैप के जरिए थीं। उपर्युक्त कॉलम 4, 5, 6 और 7 के अंतर्गत उल्लिखित राशियां पारस्परिक रूप से अनन्य नहीं हैं।

Previous Year:

(₹ billion)

Particulars	Minimum outstanding during the year	Maximum outstanding during the year	Daily Average outstanding during the year	Outstanding as on March 31, 2019
Securities sold under repos				
i) Government Securities	-	-	-	-
ii) Corporate Debt Securities	-	-	-	-
Securities Purchased under reverse repos				
i) Government Securities	-	-	-	-
ii) Corporate Debt Securities	-	-	-	-

6.2 Disclosure of Issuer Composition for Investment in Debt Securities

Current Year:

(₹ billion)

Sr. No.	Issuer	Amount	Amount of			
			Investment made through private placement	"Below investment grade" Securities held	"Unrated" Securities held	"Unlisted" Securities held
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1	PSUs	-	-	-	-	-
2	FIs	1.52	1.52	-	0.06	1.52**
3	Banks	0.002	0.002	-	-	-
4	Private corporates	39.43	39.25	-	17.26	36.09*
5	Subsidiaries/ Joint ventures	0.003	0.003	-	0.003	0.003
6	Others	0.02	0.02	-	-	0.02
7	Provision held towards depreciation#	20.77	-	-	-	-
	Total	**40.98**	**40.80**	**-**	**17.33**	**37.64**

\# Only aggregate amount of provision held to be disclosed in column 3

* Out of which ₹ 20.42 billion represents investment in security receipts issued by Asset Reconstruction Companies (ARCs) and ₹ 2.77 billion of investments are in shares / debentures acquired as part of loan restructuring.

** Out of which ₹ 1.12 billion were by way of US$ / INR Swap undertaken with RBI approval.

Amounts reported under columns 4, 5, 6 and 7 above are not mutually exclusive.

गत वर्ष:

(₹ बिलियन)

क्र. सं.	निवेशकर्ता	राशि	राशि			
			निजी प्लेसमेंट के जरिए किया गया निवेश	''निवेश ग्रेड से नीचे'' धारित प्रतिभूतियां	धारित ''अश्रेणीकृत'' प्रतिभूतियां	धारित ''असूचीबद्ध'' प्रतिभूतियां
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1	सार्वजनिक उपक्रम	-	-	-	-	-
2	वित्तीय संस्थाएं	1.76	1.76	-	0.064	1.76**
3	बैंक	0.002	0.002	-	--	-
4	निजी कॉर्पोरेट	28.94	28.77	-	4.87	25.52*
5	अनुषंगी संस्थाएं/ संयुक्त उपक्रम	0.0032	-	-	0.0032	0.0032
6	अन्य	0.02	0.02	-	--	0.02
7	मूल्यह्रास के लिए किए गए प्रावधान#	18.81	-	-	-	-
	कुल	**30.73**	**30.56**	**-**	**4.929**	**27.30**

कॉलम 3 में प्रकट किए गए प्रावधान की कुल राशि

* जिसमें से ₹ 21.23 बिलियन की जमा राशियां आस्ति पुनर्संरचना कंपनियों (एआरसी) द्वारा जारी प्रतिभूति रसीदों में निवेश और ₹ 4.18 बिलियन ऋण पुनर्संरचना के हिस्से के रूप में शेयरों/ऋण पत्रों (डिबेंचरों) में निवेश को दर्शाती हैं।

** जिसमें से ₹ 1.36 बिलियन राशि आरबीआई के अनुमोदन से किए गए यूएस डॉलर/भारतीय रुपए में स्वैप के जरिए थीं।

उपर्युक्त कॉलम 4, 5, 6 और 7 के अंतर्गत उल्लिखित राशियां पारस्परिक रूप से अनन्य नहीं हैं।

Previous Year:

(₹ billion)

Sr. No.	Issuer	Amount	Amount of			
			Investment made through private placement	"Below investment grade" Securities held	"Unrated" Securities held	"Unlisted" Securities held
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1	PSUs	-	-	-	-	-
2	FIs	1.76	1.76	-	0.064	1.76**
3	Banks	0.002	0.002	-	--	-
4	Private corporates	28.94	28.77	-	4.87	25.52*
5	Subsidiaries/ Joint ventures	0.0032	-	-	0.0032	0.0032
6	Others	0.02	0.02	-	--	0.02
7	Provision held towards depreciation#	18.81	-	-	-	-
	Total	**30.73**	**30.56**	**-**	**4.929**	**27.30**

Only aggregate amount of provision held disclosed in column 3

* Out of which ₹ 21.23 billion represents investment in security receipts issued by Asset Reconstruction Companies (ARCs) and ₹ 4.18 billion of investments are in shares/debentures acquired as part of loan restructuring.

** Out of which ₹ 1.36 billion were by way of US$/INR Swap undertaken with RBI approval.

Amounts reported under columns 4, 5, 6 and 7 above are not mutually exclusive.

6.3 एचटीएम श्रेणी को/से बिक्री और अंतरण

वर्ष के दौरान इस प्रकार की कोई बिक्री अथवा अंतरण नहीं हुआ।

7. खरीदी/बेची गई वित्तीय आस्तियों का विवरण

7.1 आस्ति पुनर्निर्माण के लिए प्रतिभूतिकरण/पुनर्निर्माण कंपनी को बेची गई वित्तीय आस्तियों का विवरण

क. बिक्री का विवरण

(₹ बिलियन)

क्र. सं.	विवरण	2019-20	2018-19
(i)	खातों की संख्या	3	1
(ii)	आस्ति प्रतिभूतिकरण/पुनर्निर्माण कंपनी को बेचे गए खातों (प्रावधानों को घटाकर) का कुल मूल्य	0.70	2.14
(iii)	कुल प्राप्ति	2.25	2.77
(iv)	गत वर्षों में हस्तांतरित खातों के संबंध में प्राप्त अतिरिक्त राशि	1.97	0.36
(v)	निवल बही मूल्य पर कुल प्राप्ति/(हानि)	3.51	1.00

- "आस्ति पुनर्निर्माण कंपनियों को बेची गई आस्तियों'' को आरबीआई के मास्टर परिपत्र डीबीओडी संख्या एफआईडी. एफआईसी.2/01.02.00/2006-07 दिनांकित 01 जुलाई, 2006 और उसके बाद परिभाषित अनुसार माना गया है।
- उपर्युक्त तीन खातों के अतिरिक्त, ₹ 3.42 बिलियन के निवल आस्ति मूल्य वाला एक खाता मैसर्स वार्डे इन्वेस्टमेंट्स पार्टनर्स एल. पी. यूएस को ₹ 2.95 बिलियन में बेचा गया, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान ₹ 0.47 बिलियन की हानि हुई।

ख. प्रतिभूति जमाओं में निवेशों के बही मूल्य का विवरण

(₹ बिलियन)

क्र. सं.	विवरण	प्रतिभूति रसीदों में निवेशों का बही मूल्य	
		2019-20	2018-19
(i)	बैंक द्वारा बेची गई अनर्जक आस्तियों द्वारा गारंटित	4.09	6.26
(ii)	बैंकों/अन्य वित्तीय संस्थाओं/गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा बेची गई अनर्जक आस्तियों द्वारा गारंटित	-	-
	कुल	4.09	6.26

6.3 Sale and Transfer to / from HTM Category

There has been no sale or transfer.

7. Details of Financial Assets Purchased/Sold

7.1 Details of Financial Assets sold to Securitisation (SC)/Reconstruction (RC) Company for Asset Reconstruction

A. Details of Sales

(₹ billion)

Sr. No.	Particulars	2019-20	2018-19
(i)	No. of Accounts	3	1
(ii)	Aggregate value (net of provisions) of accounts sold to SC/RC	0.70	2.14
(iii)	Aggregate consideration	2.25	2.77
(iv)	Additional Consideration realised in respect of accounts transferred in earlier years	1.97	0.36
(v)	Aggregate gain/(loss) over net book value	3.51	1.00

- The "Assets sold to Reconstruction Companies" have been reckoned as defined in RBI Master Circular DBOD No. FID.FIC.2/01.02.00/2006-07 dated July 01, 2006 and thereafter.
- In addition to the above three accounts, an account with net asset value of ₹ 3.42 billion was sold to M/s Varde Investment Partners L.P., US for ₹ 2.95 billion resulting into loss of ₹ 0.47 billion during FY 2019-20.

B. Details of Book value of Investments in Security Receipts

(₹ billion)

Sr. No.	Particulars	Book value of Investments in Security receipts	
		2019-20	2018-19
(i)	Backed by NPAs sold by the Bank as underlying	4.09	6.26
(ii)	Backed by NPAs sold by banks/other financial institutions/ non-banking financial companies as underlying	-	-
	Total	**4.09**	**6.26**

7.2 खरीदी/बेची गई अनर्जक वित्तीय आस्तियों का विवरण

क. खरीदी गई अनर्जक वित्तीय आस्तियों का विवरण

(₹ बिलियन)

क्र. सं.	विवरण	2019-20	2018-19
1)	क) वर्ष के दौरान खरीदे गए खातों की संख्या	-	-
	ख) कुल बकाया	-	-
2)	क) इनमें से वर्ष के दौरान पुनर्संरचित खातों की संख्या	-	-
	ख) कुल बकाया	-	-

ख. बेची गई अनर्जक वित्तीय आस्तियों का विवरण

(₹ बिलियन)

क्र. सं.	विवरण	2019-20	2018-19
1)	बेचे गए खातों की संख्या	-	1
2)	कुल बकाया	-	1.38
3)	कुल प्राप्त राशि	-	0.44

8. परिचालन परिणाम

क्र. सं.	विवरण	2019-20	2018-19
(i)	औसत कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में ब्याज आय	7.16	7.82
(ii)	औसत कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में गैर-ब्याज आय	0.35	0.33
(iii)	औसत कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में परिचालन लाभ	1.76	1.85
(iv)	औसत आस्तियों पर प्रतिफल	0.10	0.07
(v)	प्रति (स्थायी) कर्मचारी निवल लाभ/(हानि) (₹ बिलियन में)	0.003	0.002

- परिचालन परिणामों के लिए कार्यशील निधियों और कुल आस्तियों को गत लेखा वर्ष के अंत तथा रिपोर्ट के अंतर्गत लेखा वर्ष के अंत के आंकड़ों के औसत के रूप में लिया गया है (''कार्यशील निधियों'' का संदर्भ कुल आस्तियों से है)।
- प्रति कर्मचारी निवल लाभ की गणना के लिए सभी कैडरों के स्थायी, पूर्णकालिक कर्मचारियों को लिया गया है।

7.2 Details of Non Performing Financial Assets Purchased/Sold

A. Details of Non Performing financial assets purchased

(₹ billion)

Sr. No.	Particulars	2019-20	2018-19
1)	a) No. of accounts purchased during the year	-	-
	b) Aggregate outstanding	-	-
2)	a) Of these, number of accounts restructured during the year	-	-
	b) Aggregate outstanding	-	-

B. Details of Non Performing financial assets sold

(₹ billion)

Sr. No.	Particulars	2019-20	2018-19
1)	No. of accounts sold	-	1
2)	Aggregate outstanding	-	1.38
3)	Aggregate consideration received	-	0.44

8. Operating Results

Sr. No.	Particulars	2019-20	2018-19
(i)	Interest income as a percentage to average working funds	7.16	7.82
(ii)	Non-interest income as a percentage to average working funds	0.35	0.33
(iii)	Operating profit as a percentage to average working funds	1.76	1.85
(iv)	Return on average assets	0.10	0.07
(v)	Net Profit/(Loss) per (permanent) employee (in ₹ billion)	0.003	0.002

- For operating results, the working funds and total assets have been taken as the average of the figures as at the end of the previous accounting year and the end of the accounting year under report (The “working funds” refer to the total assets).
- All permanent, full-time employees in all cadres have been reckoned for computing per employee net profit .

9. ऋण संकेंद्रण जोखिम

9.1 पूँजी बाजार एक्सपोज़र

क्र. सं.	विवरण	2019-20	2018-19
(i)	इक्विटी शेयरों, परिवर्तनीय बॉन्डों, परिवर्तनीय डिबेंचरों और इक्विटी उन्मुख म्युचुअल फंड यूनिट्स में प्रत्यक्ष निवेश, जिनका निवेश केवल कॉर्पोरेट ऋण में ही नहीं है;	-	-
(ii)	शेयरों (आईपीओ/ईसॉप सहित) परिवर्तनीय बॉन्डों/परिवर्तनीय डिबेंचरों और इक्विटी उन्मुख म्युचुअल फंडों की यूनिट्स में निवेश के लिए शेयरों / बॉन्डों / डिबेंचरों अथवा अन्य प्रतिभूतियों के एवज में अग्रिम अथवा गैर प्रतिभूति आधार पर व्यक्तियों को अग्रिम;	-	-
(iii)	अन्य उद्देश्यों के लिए अग्रिम, जहां शेयरों या परिवर्तनीय बॉन्डों या परिवर्तनीय डिबेंचरों या इक्विटी उन्मुख म्युचुअल फंडों की यूनिट्स को प्राथमिक प्रतिभूति के रूप में लिया गया है;	-	-
(iv)	अन्य उद्देश्यों के लिए अग्रिम जहां शेयरों या परिवर्तनीय बॉन्डों/डिबेंचरों या इक्विटी उन्मुख म्युचुअल फंड यूनिट्स की कोलैटरल सिक्योरिटी, अर्थात ऐसे उद्देश्य जहां शेयरों/परिवर्तनीय बॉन्डों या परिवर्तनीय डिबेंचरों या इक्विटी उन्मुख म्युचुअल फंड यूनिट्स के अलावा प्राथमिक प्रतिभूति अग्रिमों को पूरी तरह कवर नहीं करती;	-	-
(v)	शेयर दलालों को जमानती और गैर-जमानती अग्रिम तथा शेयर दलालों और मार्केटमेकर्स की ओर से जारी गारंटियां;	-	-
(vi)	संसाधन जुटाने के लिए कॉर्पोरेट्स को नई कंपनियों में प्रवर्तक इक्विटी लेने के लिए शेयरों/बॉन्डों/डिबेंचरों या अन्य प्रतिभूतियों के पेटे या बेजमानती ऋणों की मंजूरी;	-	-
(vii)	संभावित इक्विटी प्रवाह/निर्गमों के बदले पूरक ऋण;	-	-
(viii)	शेयरों या परिवर्तनीय बॉन्डों या परिवर्तनीय डिबेंचरों या इक्विटी उन्मुख म्युचुअल फंड यूनिट्स की प्राथमिक निर्गम की खरीद के संबंध में बैंक द्वारा दी गई हामीदारी प्रतिबद्धताएं;	-	-
(ix)	शेयर दलालों को मार्जिन ट्रेडिंग के लिए वित्तपोषण;	-	-
(x)	उद्यम पूँजीगत निधियों (पंजीकृत और अपंजीकृत दोनों) के लिए सभी एक्सपोज़र	-	-
	पूँजी बाजार में कुल एक्सपोज़र	-	-

9. Credit Concentration Risk

9.1 Capital Market Exposure

Sr. No.	Particulars	2019-20	2018-19
(i)	Direct investment in equity shares, convertible bonds, convertible debentures and units of equity oriented mutual funds the corpus of which is not exclusively invested in corporate debt;	-	-
(ii)	Advances against shares/bonds/debentures or other securities or on clean basis to individuals for investment in shares (including IPOs/ESOPs), convertible bonds, convertible debentures and units of equity oriented mutual funds;	-	-
(iii)	Advances for any other purposes where shares or convertible bonds or convertible debentures or units of equity oriented mutual funds are taken as primary security;	-	-
(iv)	Advances for any other purposes to the extent secured by the collateral security of shares or convertible bonds or convertible debentures or units of equity oriented mutual funds i.e. where the primary security other than shares/ convertible bonds/convertible debentures/units of equity oriented mutual funds does not fully cover the advances;	-	-
(v)	Secured and unsecured advances to stockbrokers and guarantees issued on behalf of stockbrokers and market makers;	-	-
(vi)	Loans sanctioned to corporates against the security of shares/bonds/debentures or other securities or on clean basis for meeting promoter's contribution to the equity of new companies in anticipation of raising resources;	-	-
(vii)	Bridge loans to companies against expected equity flows/ issues;	-	-
(viii)	Underwriting commitments taken up by the Bank in respect of primary issue of shares or convertible bonds or convertible debentures or units of equity oriented mutual funds;	-	-
(ix)	Financing to stockbrokers for margin trading;	-	-
(x)	All exposures to Venture Capital Funds (both registered and unregistered)	-	-
	Total Exposure to Capital Market	-	-

9.2 देशगत जोखिम एक्सपोज़र

(₹ बिलियन)

जोखिम श्रेणी	यथा मार्च 2020 को एक्सपोज़र (नेट)	मार्च 2020 को प्रावधान	यथा मार्च 2019 को एक्सपोज़र (नेट)	मार्च 2019 को प्रावधान
नगण्य	80.50	0.35	87.61	0.09
न्यून	443.74	0.03	380.07	-
मध्यम	378.41	-	242.19	-
उच्च	73.26	-	144.14	-
बहुत ज्यादा	65.76	-	59.95	-
प्रतिबंधित	-	-	-	-
ऑफ क्रेडिट	-	-	-	-
कुल	**1,041.67**	**0.38**	**913.96**	**0.09**

9.3 रणनीतिक ऋण पुनर्संरचना (एसडीआर) योजना

(₹ बिलियन)

खातों की संख्या	कुल बकाया राशि	इक्विटी में परिवर्तित ऋण की राशि
1	-	0.08

9.4 दबावग्रस्त आस्तियों की संवहनीय संरचना योजना (एस4ए) के अंतर्गत एक्सपोज़र

(₹ बिलियन)

विवरण	एस4ए लागू खातों की संख्या	कुल बकाया राशि	बकाया राशि		किया गया प्रावधान
			भाग क में	भाग ख में	
मानक के रूप में वर्गीकृत	2	0.01	2.94	2.59	1.11

9.2 Exposure to Country Risk

(₹ billion)

Risk Category	Exposure (net) as at March 2020	Provision held as at March 2020	Exposure (net) as at March 2019	Provision held as at March 2019
Insignificant	80.50	0.35	87.61	0.09
Low	443.74	0.03	380.07	-
Moderate	378.41	-	242.19	-
High	73.26	-	144.14	-
Very High	65.76	-	59.95	-
Restricted	-	-	-	-
Off-credit	-	-	-	-
Total	**1,041.67**	**0.38**	**913.96**	**0.09**

9.3 Strategic Debt Restructuring (SDR) Scheme

(₹ billion)

No. of accounts	Aggregate amount outstanding	Amount of exposure converted into equity
1	-	0.08

9.4 Exposure on the Scheme for Sustainable Structuring of Stressed Assets (S4A)

(₹ billion)

Particulars	No. of accounts where S4A has been applied	Aggregate amount outstanding	Amount Outstanding		Provision Held
			In Part A	In Part B	
Classified as Standard	2	0.01	2.94	2.59	1.11

9.5 बैंक द्वारा विवेकसम्मत ऋण सीमा से अधिक ऋण देने संबंधी मामले-एकल उधारकर्ता सीमा/समूह उधारकर्ता सीमा

क. वर्ष के दौरान विवेकसम्मत ऋण सीमा से अधिक ऋण संबंधी मामले- संख्या और राशि

(₹ बिलियन)

क्र. सं.	पैन	उधारकर्ता का नाम	उद्योग कोड	उद्योग का नाम	क्षेत्र	निधिक राशि	गैर-निधिक राशि	पूँजीगत निधियों के % के रूप में एक्सपोज़र
1.	-	-	-	-	-	-	-	-

ख. पूँजीगत निधियों और कुल आस्तियों के प्रतिशत के रूप में ऋण एक्सपोज़र

	विवरण	पूँजीगत निधियों की तुलना में प्रतिशत*	कुल ऋण एक्सपोज़र की तुलना में प्रतिशत (टीसीई)@	कुल आस्तियों की तुलना में प्रतिशत
i)	सबसे बड़ा एकल उधारकर्ता	14.99	1.04	1.42
ii)	सबसे बड़ा उधारकर्ता समूह	29.85	2.07	2.82
iii)	20 सबसे बड़े एकल उधारकर्ता	194.62	13.50	18.38
iv)	20 सबसे बड़े उधारकर्ता समूह	236.31	16.39	22.31

* यथा 31 मार्च, 2019 को पूँजीगत निधियां

@ टीसीईः ऋण + अग्रिम + अप्रयुक्त मंजूरियां + गारंटियां + साख पत्र + डेरिवेटिव्स पर ऋण एक्सपोज़र

1) बैंकों और विदेशी संस्थाओं को दिए गए ऐसे ऋण, जिनके लिए भारत सरकार द्वारा गारंटी दी गई है/भारत सरकार की ओर से स्वीकृत किए गए हैं, उन्हें एकल/समूह उधारकर्ता एक्सपोज़र में शामिल नहीं किया गया है।

2) यथा 31 मार्च, 2020 को कोई भी ऐसे एकल उधारकर्ता या समूह उधारकर्ता नहीं रहे, जिन्हें ऋण एक्सपोज़र पूँजी निधियों के क्रमशः 15% और 40% की अधिकतम सीमा से ऊपर रहा हो।

9.5 Prudential Exposure Limits – Single Borrower Limit (SBL)/Group Borrower Limit (GBL) exceeded by the Bank

A. The number and amount of exposures in excess of the prudential exposure limits during the year

(₹ billion)

Sr. No.	PAN	Borrower Name	Industry Code	Industry Name	Sector	Amount Funded	Amount Non-Funded	Exposure as a % to Capital Funds
1.	-	-	-	-	-	-	-	-

B. Credit exposure as percentage to capital funds and as percentage to total assets

	Particulars	Percentage to Capital Funds*	Percentage to Total Credit Exposure (TCE)@	Percentage to Total Assets
i)	Largest single borrower	14.99	1.04	1.42
ii)	Largest borrower group	29.85	2.07	2.82
iii)	20 largest single borrowers	194.62	13.50	18.38
iv)	20 largest borrower groups	236.31	16.39	22.31

*Capital Funds as on March 31, 2019

@ TCE: Loans + Advances + Unutilised Sanctions + Guarantees + LCs + Credit exposure on account of derivatives.

1) Credit exposure to banks and overseas institutions guaranteed by GOI/assumed at the behest of GOI, not considered for single/group borrower exposure.

2) As on March 31, 2020, there are no single borrowers and borrower groups to whom credit exposure was above the base ceilings of 15% and 40% of capital funds, respectively.

गत वर्ष:

	विवरण	पूँजी निधियों का प्रतिशत*	कुल ऋण एक्सपोज़र का प्रतिशत (टीसीई)@	कुल आस्तियों का प्रतिशत
i)	सबसे बड़ा एकल उधारकर्ता	31.57	1.40	2.05
ii)	सबसे बड़ा उधारकर्ता समूह	48.17	2.14	3.13
iii)	20 सबसे बड़े एकल उधारकर्ता	319.52	14.19	20.76
iv)	20 सबसे बड़े उधारकर्ता समूह	389.81	17.31	25.33

* यथा 31 मार्च, 2018 को पूँजीगत निधियां

@ टीसीई: ऋण + अग्रिम + अप्रयुक्त मंजूरियां + गारंटियां + साख पत्र + डेरिवेटिव्स पर ऋण एक्सपोज़र

1) बैंकों और विदेशी संस्थाओं को दिए गए ऐसे ऋण, जिनके लिए भारत सरकार द्वारा गारंटी दी गई है/भारत सरकार की ओर से स्वीकृत किए गए हैं, उन्हें एकल/समूह उधारकर्ता एक्सपोज़र में शामिल नहीं किया गया है।

2) यथा 31 मार्च, 2019 को 9 एकल उधारकर्ता और 2 उधारकर्ता समूह थे, जिन्हें ऋण एक्सपोज़र पूँजी निधियों के क्रमशः 15% और 40% की अधिकतम सीमा से ऊपर रहा था तथा इसके लिए निदेशक मंडल से अनुमोदन ले लिया गया था।

ग. पांच सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्रों को ऋण

	क्षेत्र	कुल ऋण एक्सपोज़र की तुलना में प्रतिशत (टीसीई)	ऋण आस्तियों की तुलना में प्रतिशत
i)	इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और निर्माण सेवाएं	13.07	9.18
ii)	निर्माण	8.36	5.88
iii)	पेट्रोलियम उत्पाद	7.52	5.29
iv)	रसायन और रंजक (डाई)	6.85	4.81
v)	लौह सदृश धातुएं और धातु प्रसंस्करण	6.47	4.55

गत वर्ष:

	क्षेत्र	कुल ऋण एक्सपोज़र की तुलना में प्रतिशत (टीसीई)	ऋण आस्तियों की तुलना में प्रतिशत
i)	इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और निर्माण सेवाएं	12.36	9.42
ii)	लौह धातुएं और धातु प्रसंस्करण	7.82	5.96
iii)	टेक्सटाइल और गारमेंट	6.82	5.20
iv)	रसायन और रंजक	6.57	5.00
v)	पेट्रोलियम उत्पाद	6.13	4.67

- ''ऋण एक्सपोज़र'' की गणना भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा परिभाषित अनुसार की गई है।
- उद्योग एक्सपोज़र की गणना के लिए बैंकों और विदेशी संस्थाओं को दिया गया वह ऋण जिसके लिए भारत सरकार द्वारा/भारत सरकार की ओर से गारंटी दी गई है को, भारत सरकार की ओर से दिया गया ऋण माना गया है और उसे इसमें शामिल नहीं किया गया है।

Previous Year:

	Particulars	Percentage to Capital Funds*	Percentage to Total Credit Exposure (TCE)@	Percentage to Total Assets
i)	Largest single borrower	31.57	1.40	2.05
ii)	Largest borrower group	48.17	2.14	3.13
iii)	20 largest single borrowers	319.52	14.19	20.76
iv)	20 largest borrower groups	389.81	17.31	25.33

* Capital Funds as on March 31, 2018

@TCE: Loans + Advances + Unutilised Sanctions + Guarantees + LCs + Credit exposure on account of derivatives.

1) Credit exposure to banks and overseas institutions guaranteed by GOI/assumed at the behest of GOI, not considered for single/group borrower exposure.

2) There were 9 single borrowers and 2 borrower groups as on March 31, 2019 for whom credit exposure was above the base ceilings of 15% and 40% of capital funds respectively and the same was assumed with the approval of the Board.

C. Credit exposure to the five largest industrial sectors

	Sector	Percentage to Total Credit Exposure (TCE)	Percentage to Loan Assets
i)	EPC Services	13.07	9.18
ii)	Construction	8.36	5.88
iii)	Petroleum Products	7.52	5.29
iv)	Chemical and Dyes	6.85	4.81
v)	Ferrous Metals and Metal Processing	6.47	4.55

Previous Year:

	Sector	Percentage to Total Credit Exposure (TCE)	Percentage to Loan Assets
i)	EPC Services	12.36	9.42
ii)	Ferrous Metals and Metal Processing	7.82	5.96
iii)	Textiles and Garments	6.82	5.20
iv)	Chemical and Dyes	6.57	5.00
v)	Petroleum Products	6.13	4.67

- The “credit exposure” has been reckoned as defined by RBI.
- Credit exposure to banks and overseas institutions guaranteed by GOI/assumed at the behest of GOI, excluded for computing industry exposure.

घ. गैर जमानती अग्रिम

कॉर्पोरेट/व्यक्तिगत गारंटियों, वचन पत्रों, ट्रस्ट रसीदों आदि द्वारा प्रतिभूत किए गए (जिनका आकलित मूल्य ₹ 0.19 बिलियन है (गत वर्ष ₹ 1.30 बिलियन) गैर जमानती अग्रिम कुल ₹ 12.40 बिलियन (गत वर्ष ₹ 12.59 बिलियन) के रहे।

ङ. फैक्टरिंग एक्सपोज़र

फैक्टरिंग व्यवस्था के अंतर्गत बैंक का कोई एक्सपोजर नहीं है (गत वर्ष ₹ 3.15 बिलियन)।

च. वर्ष के दौरान वित्तीय संस्था द्वारा पार की गई विवेकसम्मत ऋण सीमा वाले एक्सपोज़र

(₹ बिलियन)

क्र. सं.	पैन	उधारकर्ता का नाम	उद्योग कोड	उद्योग का नाम	क्षेत्र	निधिक राशि	गैर-निधिक राशि	पूँजीगत निधियों के % के रूप में एक्सपोज़र
1.	-	-	-	-	-	-	-	-

10. उधारियों/ऋण-व्यवस्थाओं, ऋण एक्सपोज़रों और अनर्जक आस्तियों का संकेंद्रण

(क) उधारियों और ऋण-व्यवस्थाओं का संकेंद्रण

(₹ बिलियन)

विवरण	2019-20	2018-19
20 सबसे बड़े ऋणदाताओं से कुल उधारियां	109.57	134.96
बैंक की कुल उधारियों की तुलना में 20 सबसे बड़े ऋणदाताओं से कुल उधारियों का प्रतिशत	10.42%	14.62%

(ख) ऋण एक्सपोज़रों का संकेंद्रण

(₹ बिलियन)

विवरण	2019-20	2018-19
20 सबसे बड़े उधारकर्ताओं को कुल उधारियां	240.51	237.95
बैंक के कुल अग्रिमों की तुलना में 20 सबसे बड़े ऋणदाताओं को कुल उधारियों का प्रतिशत	22.47%	23.10%
20 सबसे बड़े उधारकर्ताओं/ग्राहकों को कुल एक्सपोज़र	240.51	237.95
उधारकर्ताओं/ग्राहकों पर बैंक के कुल एक्सपोज़र की तुलना में 20 सबसे बड़े उधारकर्ताओं/ग्राहकों को एक्सपोज़र का प्रतिशत	13.50%	14.19%
एक्ज़िम बैंक के मामले में, कुल एक्सपोज़र की तुलना में शीर्ष 10 देशों के एक्सपोज़र का प्रतिशत	34.37%	32.34%

ऋण और निवेश एक्सपोज़र पर आधारित एक्सपोज़र की गणना वित्तीय संस्थाओं के लिए एक्सपोज़र मानदंडों पर भारतीय रिज़र्व बैंक के मास्टर परिपत्र संख्या डीबीआर.एफआईडी.एफआईसी.संख्या 4/01.02.00/2015-16 दिनांकित 01 जुलाई, 2015 के अनुसार की गई है।

D. Unsecured Advances

Unsecured advances secured by corporate/personal guarantees, promissory notes, trust receipts, etc. (the estimated value of which is at ₹ 0.19 billion (previous year ₹ 1.30 billion) aggregated to ₹ 12.40 billion (previous year ₹ 12.59 billion).

E. Factoring Exposures

The Bank has no exposure under factoring arrangement (previous year ₹ 3.15 billion).

F. Exposures where the FI had exceeded the prudential Exposures Limits during the year

(₹ billion)

Sr. No.	PAN	Borrower Name	Industry Code	Industry Name	Sector	Amount Funded	Amount Non-Funded	Exposure as a % to Capital Funds
1.	-	-	-	-	-	-	-	-

10. Concentration of borrowings/lines of credit, credit exposures and NPAs

(a) Concentration of borrowings and lines of credit

(₹ billion)

Particulars	2019-20	2018-19
Total borrowings from twenty largest lenders	109.57	134.96
Percentage of borrowings from twenty largest lenders to total borrowings of the Bank	10.42%	14.62%

(b) Concentration of Credit exposures

(₹ billion)

Particulars	2019-20	2018-19
Total exposures to twenty largest borrowers	240.51	237.95
Percentage of exposures to twenty largest borrowers to Total Advances of the Bank	22.47%	23.10%
Total exposure to twenty largest borrowers/customers	240.51	237.95
Percentage of exposures to twenty largest borrowers/customers to Total exposure of the Bank on borrowers/customers	13.50%	14.19%
In the case of Exim Bank, percentage of total of top ten country exposures to total exposures	34.37%	32.34%

Exposure computed based on credit and investment exposure as prescribed vide RBI Master Circular on Exposure norms for financial institutions: DBR.FID.FIC.No.4/01.02. 00/ 2015-16 dated July 01, 2015.

(ग) ऋणों और अनर्जक आस्तियों का क्षेत्रवार संकेंद्रण

(₹ बिलियन)

क्र. सं.	क्षेत्र	2019-20			2018-19		
		कुल बकाया अग्रिम	सकल अनर्जक आस्तियां	क्षेत्र में कुल अग्रिमों की तुलना में सकल अनर्जक आस्तियों का प्रतिशत	कुल बकाया अग्रिम	सकल अनर्जक आस्तियां	क्षेत्र में कुल अग्रिमों की तुलना में सकल अनर्जक आस्तियों का प्रतिशत
क	**घरेलू क्षेत्र**	298.00	46.11	15%	313.76	61.85	20%
1	**कुल निर्यात वित्त**	255.96	39.11	15%	263.15	49.49	19%
	कृषि क्षेत्र	-	-	-	-	-	-
	औद्योगिक क्षेत्र	201.72	30.06	15%	228.44	41.06	18%
	लौह धातु और धातु प्रसंस्करण	18.17	2.56	14%	21.60	6.05	28%
	तेल और गैस	4.65	0.70	15%	4.66	0.68	15%
	टेक्सटाइल और गारमेंट	-	-	-	34.18	4.25	12%
	रसायन और रंजक	12.89	-	-	-	-	-
	अन्य	166.01	26.80	16%	168.00	30.08	18%
	सेवा क्षेत्र	54.24	9.05	17%	34.71	8.43	24%
	विमानन सेवाएं	2.29	-	-	2.36	-	-
	ईपीसी सेवाएं	10.92	8.37	77%	9.80	7.75	79%
	जहाजरानी सेवाएं	11.35	-	-	12.45	-	-
	अन्य	29.68	0.68	2%	10.10	0.68	7%
2	**कुल आयात वित्त**	42.04	7.00	17%	50.61	12.36	24%
	कृषि क्षेत्र	-	-	-	-	-	-
	औद्योगिक क्षेत्र	38.47	5.59	15%	46.50	12.06	26%
	लौह धातु और धातु प्रसंस्करण	0.33	0.33	100%	1.52	1.52	100%
	तेल और गैस	6.38	-	-	4.87	-	-
	रसायन और रंजक	18.38	2.16	12%	-	-	-
	अन्य	13.38	3.10	23%	40.11	10.54	26%
	सेवा क्षेत्र	3.57	1.41	39%	4.11	0.30	7%
	ईपीसी सेवाएं	0.32	-	-	0.32	-	-
	जहाजरानी सेवाएं	2.39	0.63	26%	2.92	-	-
	अन्य	0.86	0.78	91%	0.87	0.30	35%
3	(क) में से भारत सरकार द्वारा गारंटित एक्सपोज़र	-	-	-	-	-	-
ख	**बाह्य क्षेत्र**	144.48	47.51	33%	164.98	54.93	33%
1	**कुल निर्यात वित्त**	144.48	47.51	33%	164.98	54.93	33%
	कृषि क्षेत्र	-	-	-	-	-	-

(c) Sector-wise concentration of exposures and NPAs

(₹ billion)

Sr. No.	Sector	2019-20			2018-19		
		Outstanding Total Advances	Gross NPAs	Percentage of Gross NPAs to Total Advances in that sector	Outstanding Total Advances	Gross NPAs	Percentage of Gross NPAs to Total Advances in that sector
A	**Domestic Sector**	298.00	46.11	15%	313.76	61.85	20%
1	**Total Export Finance**	255.96	39.11	15%	263.15	49.49	19%
	Agricultural Sector	-	-	-	-	-	-
	Industrial Sector	201.72	30.06	15%	228.44	41.06	18%
	Ferrous Metals & Metal Processing	18.17	2.56	14%	21.60	6.05	28%
	Oil and Gas	4.65	0.70	15%	4.66	0.68	15%
	Textiles & Garments	-	-	-	34.18	4.25	12%
	Chemical and dyes	12.89	-	-	-	-	-
	Others	166.01	26.80	16%	168.00	30.08	18%
	Services Sector	54.24	9.05	17%	34.71	8.43	24%
	Aviation Services	2.29	-	-	2.36	-	-
	EPC Services	10.92	8.37	77%	9.80	7.75	79%
	Shipping Services	11.35	-	-	12.45	-	-
	Others	29.68	0.68	2%	10.10	0.68	7%
2	**Total Import Finance**	42.04	7.00	17%	50.61	12.36	24%
	Agricultural Sector	-	-	-	-	-	-
	Industrial Sector	38.47	5.59	15%	46.50	12.06	26%
	Ferrous Metals & Metal Processing	0.33	0.33	100%	1.52	1.52	100%
	Oil and Gas	6.38	-	-	4.87	-	-
	Chemicals and dyes	18.38	2.16	12%	-	-	-
	Others	13.38	3.10	23%	40.11	10.54	26%
	Services Sector	3.57	1.41	39%	4.11	0.30	7%
	EPC Services	0.32	-	-	0.32	-	-
	Shipping Services	2.39	0.63	26%	2.92	-	-
	Others	0.86	0.78	91%	0.87	0.30	35%
3	**Of (A), exposures guaranteed by the Government of India**	-	-	-	-	-	-
B	**External Sector**	144.48	47.51	33%	164.98	54.93	33%
1	**Total Export Finance**	144.48	47.51	33%	164.98	54.93	33%
	Agricultural Sector	-	-	-	-	-	-

(ग) ऋणों और अनर्जक आस्तियों का क्षेत्रवार संकेंद्रण

(₹ बिलियन)

क्र. सं.	क्षेत्र	2019-20			2018-19		
		कुल बकाया अग्रिम	सकल अनर्जक आस्तियां	क्षेत्र में कुल अग्रिमों की तुलना में सकल अनर्जक आस्तियों का प्रतिशत	कुल बकाया अग्रिम	सकल अनर्जक आस्तियां	क्षेत्र में कुल अग्रिमों की तुलना में सकल अनर्जक आस्तियों का प्रतिशत
	औद्योगिक क्षेत्र	120.29	44.36	37%	136.42	52.28	38%
	लौह धातु और धातु प्रसंस्करण	26.42	1.06	4%	27.42	2.66	10%
	तेल और गैस	26.99	22.34	83%	32.06	27.32	85%
	टेक्सटाइल और गारमेंट	-	-	-	7.61	3.55	47%
	रसायन और रंजक	6.56	-	-	-	-	-
	अन्य	60.32	20.96	35%	69.33	18.75	27%
	सेवा क्षेत्र	24.19	3.15	13%	28.56	2.65	9%
	विमानन सेवाएं	4.36	-	-	4.50	-	-
	ईपीसी सेवाएं	-	-	-	4.56	0.16	4%
	वित्त सेवाएं	13.30	-	-	11.96	-	-
	जहाजरानी सेवाएं	1.49	0.59	40%	0.85	-	-
	अन्य	5.04	2.56	51%	6.69	2.49	37%
2	**कुल आयात वित्त**	-	-	-	-	-	-
	कृषि क्षेत्र	-	-	-	-	-	-
	औद्योगिक क्षेत्र	-	-	-	-	-	-
	सेवा क्षेत्र	-	-	-	-	-	-
3	**(ख) में से भारत सरकार द्वारा गारंटित एक्सपोज़र**	-	-	-	-	-	-
ग	**अन्य एक्सपोज़र#**	628.04	-	-	551.33	-	-
घ	**कुल एक्सपोज़र (क+ख+ग)**	1070.52	93.62	8.75%	1030.07	116.78	11.34%

इसमें ऋण-व्यवस्थाओं, राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाते के अंतर्गत क्रेता ऋण, रियायती वित्त योजना, वाणिज्यिक बैंकों को पुनर्वित्त और बैंकों द्वारा प्रति-गारंटित अग्रिम शामिल हैं।

(c) Sector-wise concentration of exposures and NPAs

(₹ billion)

Sr. No.	Sector	2019-20			2018-19		
		Outstanding Total Advances	Gross NPAs	Percentage of Gross NPAs to Total Advances in that sector	Outstanding Total Advances	Gross NPAs	Percentage of Gross NPAs to Total Advances in that sector
	Industrial Sector	120.29	44.36	37%	136.42	52.28	38%
	Ferrous Metals & Metal Processing	26.42	1.06	4%	27.42	2.66	10%
	Oil and Gas	26.99	22.34	83%	32.06	27.32	85%
	Textiles & Garments	-	-	-	7.61	3.55	47%
	Chemicals and Dyes	6.56	-	-	-	-	-
	Others	60.32	20.96	35%	69.33	18.75	27%
	Services Sector	24.19	3.15	13%	28.56	2.65	9%
	Aviation Services	4.36	-	-	4.50	-	-
	EPC Services	-	-	-	4.56	0.16	4%
	Financial Services	13.30	-	-	11.96	-	-
	Shipping Services	1.49	0.59	40%	0.85	-	-
	Others	5.04	2.56	51%	6.69	2.49	37%
2	**Total Import Finance**	-	-	-	-	-	-
	Agricultural Sector	-	-	-	-	-	-
	Industrial Sector	-	-	-	-	-	-
	Services Sector	-	-	-	-	-	-
3	**Of (B), exposures guaranteed by the Government of India**	-	-	-	-	-	-
C	**Other Exposures#**	628.04	-	-	551.33	-	-
D	**Total Exposures (A+B+C)**	1070.52	93.62	8.75%	1030.07	116.78	11.34%

includes advances under Lines of Credit, BC-NEIA, Concessional Finance Scheme, refinance to commercial banks and advances counter-guaranteed by banks.

11. डेरिवेटिव

11.1 वायदा दर करार एवं ब्याज दर स्वैप

(₹ बिलियन)

क्र. सं.	विवरण	2019-20		2018-19	
		हेजिंग	ट्रेडिंग	हेजिंग	ट्रेडिंग
1.	स्वैप करारों का मूल कल्पित मूल्य	511.96	-	430.87	-
2.	प्रतिपक्षी पार्टी द्वारा करार के दायित्वों का निर्वहन न करने पर संभावित हानि	0.05	-	-	-
3.	स्वैप करारों के लिए बैंक द्वारा अपेक्षित कोलैटरल	-	-	-	-
4.	स्वैप्स से उत्पन्न ऋण जोखिम का संकेंद्रण	सभी संव्यवहार अनुमोदित ऋण जोखिम सीमाओं के अंदर हैं।*	-	सभी संव्यवहार अनुमोदित ऋण जोखिम सीमाओं के अंदर हैं।*	-
5.	स्वैप बही का सही मूल्य	28.80		(4.80)	-

* सभी ब्याज दर स्वैप बैंकों के साथ किए गए हैं।

स्वैप की प्रकृति तथा शर्तें: सभी संव्यवहार बैंक की आस्तियों/देयताओं से संबंधित हैं तथा इन्हें बैंक की आस्ति-देयता प्रबंधन स्थिति की हेजिंग के उद्देश्य से किया गया है।

(₹ बिलियन)

लिखत	प्रकृति	संख्या	अनुमानित मूलधन	बेंचमार्क	शर्तें
आईआरएस	हेजिंग	32	449.66	लाइबोर	फिक्स्ड प्राप्तियां बनाम फ्लोटिंग देय
आईआरएस	हेजिंग	2	3.66	लाइबोर	फिक्स्ड प्राप्तियां बनाम फ्लोटिंग देय
आईआरएस	हेजिंग	4	58.64	लाइबोर	फिक्स्ड प्राप्तियां बनाम फ्लोटिंग देय
	कुल	38	511.96		

11. Derivatives

11.1 Forward Rate Agreement/Interest Rate Swap

(₹ billion)

Sr. No.	Particulars	2019-20		2018-19	
		Hedging	Trading	Hedging	Trading
1.	The Notional Principal of swap agreements	511.96	-	430.87	-
2.	Losses, which would be incurred if counter parties failed to fulfill their obligations under the agreements	0.05	-	-	-
3.	Collateral required by the Bank upon entering into swaps	-	-	-	-
4.	Concentration of credit risk arising from Swaps	All transactions fall within approved credit exposure limits*	-	All transactions fall within approved credit exposure limits*	-
5.	The fair value of the swap book	28.80		(4.80)	-

*All the interest rate swaps have been undertaken with Banks

Nature and Terms of Swaps: All transactions have underlying assets/liabilities and have been undertaken for the purpose of hedging the Bank's ALM position.

(₹ billion)

Instrument	Nature	Nos.	Notional Principal	Benchmark	Terms
IRS	Hedging	32	449.66	LIBOR	Fixed receivable vs Floating payable
IRS	Hedging	2	3.66	LIBOR	Floating receivable vs Fixed payable
IRS	Hedging	4	58.64	LIBOR	Floating receivable vs Floating payable
	Total	38	511.96		

11.2 एक्सचेंजों में खरीदे-बेचे गए ब्याज दर डेरिवेटिव्स

(₹ बिलियन)

क्र. सं.	विवरण	राशि
1.	वर्ष के दौरान एक्सचेंजों में खरीदे-बेचे गए ब्याज दर डेरिवेटिव की सांकेतिक मूल राशि	-
2.	यथा 31 मार्च, 2020 को एक्सचेंजों में खरीदे-बेचे गए ब्याज दर डेरिवेटिव की बकाया सांकेतिक मूल राशि	-
3.	एक्सचेंजों में खरीदे-बेचे गए ब्याज दर डेरिवेटिव की बकाया सांकेतिक मूल राशि किंतु ''हाइली इफेक्टिव'' नहीं	-
4.	एक्सचेंजों में खरीदे-बेचे गए ब्याज दर डेरिवेटिव का बकाया मार्क-टू-मार्केट मूल्य किंतु ''हाइली इफेक्टिव'' नहीं	-

11.3 डेरिवेटिव्स में जोखिम एक्सपोज़र का प्रकटीकरण

क. गुणात्मक प्रकटीकरण

1. बैंक बाजार जोखिमों को कम करने के उद्देश्य से मुख्यतः अपने तुलन-पत्र जोखिमों को हेज करने तथा प्रभावी न्यून लागत निधियों को जुटाने के लिए वित्तीय डेरिवेटिव का उपयोग करता है। बैंक वर्तमान में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अनुमत केवल ओवर दि काउंटर (ओटीसी) ब्याज दर तथा मुद्रा डेरिवेटिव्स का ही उपयोग करता है।

2. डेरिवेटिव संव्यवहारों में दो जोखिम (i) बाजार जोखिम अर्थात ब्याज दरों/विनिमय दरों के प्रतिकूल प्रचलन से बैंक को संभावित हानि तथा (ii) ऋण जोखिम अर्थात प्रतिपक्षी पार्टी द्वारा अपने दायित्व के निर्वहन में चूक से हानि की संभावना, विहित रहते हैं। बैंक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित एक डेरिवेटिव नीति है, जिसका उद्देश्य जोखिम प्रबंधन की दृष्टि से समग्र आस्ति देयता स्थिति को संव्यवहार स्तर पर ही प्रबंधित कर लेना है। यह नीति बैंक के व्यवसाय लक्ष्यों के अनुरूप अनुमत डेरिवेटिव उत्पादों के प्रयोग को परिभाषित करती है, नियंत्रण एवं निगरानी प्रणाली निर्धारित करती है और नियामकीय, प्रलेखन तथा लेखा संबंधी विषयों के बारे में बताती है। इसमें बाजार जोखिम को नियंत्रित करने तथा प्रबंध करने (स्टॉप लॉस लिमिट, ओपन पोजिशन लिमिट, टेनर लिमिट, सेटलमेंट तथा प्री-सेटलमेंट लिमिट, पीवी01 लिमिट आदि) संबंधी जोखिम मानदंडों को भी निर्धारित किया गया है।

3. बैंक की आस्ति-देयता प्रबंधन समिति (एल्को) बैंक के मिड ऑफिस, जो डेरिवेटिव संव्यवहारों से जुड़े बाजार जोखिमों का आकलन और निगरानी करता है, की सहायता से बाजार जोखिम प्रबंधन कार्य की देखरेख करती है।

4. यथा 31 मार्च, 2020 को बैंक की बहियों में बकाया सभी डेरिवेटिव संव्यवहारों को हेजिंग के उद्देश्य से किया गया है तथा आस्ति-देयता बहियों में दर्शाया गया है। इन संव्यवहारों पर आय को बीमांकिक आधार पर हिसाब में लिया गया है।

5. आकस्मिक देयताओं के अंतर्गत बकाया वायदा दर संविदाओं में ब्याज दर स्वैप/करंसी स्वैप्स शामिल नहीं हैं जो कि डेरिवेटिव नीति के अनुपालन के संदर्भ में है।

11.2 Exchange Traded Interest Rate Derivatives

(₹ billion)

Sr. No.	Particulars	Amount
1.	Notional Principal amount of exchange traded interest rate derivatives undertaken during the year	-
2.	Notional Principal amount of exchange traded interest rate derivatives outstanding as on March 31, 2020	-
3.	Notional Principal amount of exchange traded interest rate derivatives outstanding and not "highly effective"	-
4.	Mark-to-market value of exchange traded interest rate derivatives outstanding and not "highly effective"	-

11.3 Disclosures on risk exposure in derivatives

A. Qualitative disclosures

1. The Bank uses financial derivative transactions predominantly for raising cost-effective funds and hedging its balance sheet exposures, with the objective of reducing market risk. The Bank currently deals only in over-the-counter (OTC) interest rate and currency derivatives, of the type permitted by RBI.

2. Derivative transactions carry: (i) market risk i.e. the probable loss that the Bank may incur as a result of adverse movements in interest rates / exchange rates and (ii) credit risk i.e. the probable loss the Bank may incur if the counter-parties fail to meet their obligations. The Bank has in place a Derivative Policy approved by the Board, which aims at synchronizing the risk management objectives at the transaction level with those of the overall ALM position. The policy defines the use of permitted derivative products consistent with business goals of the Bank, lays down the control and monitoring systems and deals with regulatory, documentation and accounting issues. The policy also prescribes suitable risk parameters to control and manage market risk on derivative trades undertaken in the treasury book. (stop-loss limits, open position limits, tenor limits, settlement and pre-settlement risk limits, PV01 limits).

3. The ALCO of the Bank oversees management of market risks with support from the Bank's Mid-Office, which measures, monitors and reports market risk associated with derivative transactions.

4. All derivative transactions outstanding in the Bank's books as on March 31, 2020 have been undertaken for hedging purposes and are in the ALM book. The income on such transactions has been accounted for on accrual basis.

5. Interest Rate Swaps (IRS) and Currency Swaps are not included in Outstanding Forward Exchange Contracts under Contingent Liabilities as per the Derivative Policy.

ख. मात्रात्मक प्रकटन

(₹ बिलियन)

क्र. सं.	विवरण	2019-20		2018-19	
		करंसी डेरिवेटिव्स	ब्याज दर डेरिवेटिव्स	करंसी डेरिवेटिव्स	ब्याज दर डेरिवेटिव्स
1	डेरिवेटिव (कल्पित मूल राशि)				
	क) हेजिंग के लिए	319.89	511.96	285.19	430.87
	ख) ट्रेडिंग के लिए	-	-	-	-
2	मार्क्ड-टू-मार्केट स्थितियां	-	-	(32.49)	(4.80)
	क) आस्ति (+)	-	28.80	1.74	2.12
	ख) देयता (-)	(45.41)		(34.23)	(6.92)
3	ऋण एक्सपोजर	13.72	31.23	14.34	4.10
4	ब्याज दर में एक प्रतिशत परिवर्तन का संभावित प्रभाव (100*पीवी 01)				
	क) हेजिंग डेरिवेटिव पर	11.68	21.14	11.80	16.03
	ख) ट्रेडिंग डेरिवेटिव पर	-	-	-	-
5	वर्ष के दौरान 100*पीवी 01 का अधिकतम और न्यूनतम				
	क) हेजिंग पर				
	(i) अधिकतम	11.78	21.21	13.49	21.44
	(ii) न्यूनतम	10.45	13.89	11.80	16.03
	ख) ट्रेडिंग पर				
	(i) अधिकतम	-	-	-	-
	(ii) न्यूनतम	-	-	-	-

ग. अरक्षित विदेशी मुद्रा एक्सपोज़र

यथा 31 मार्च, 2020 को बैंक का कोई अरक्षित (अनहेज्ड) विदेशी मुद्रा एक्सपोज़र नहीं रहा (गत वर्षः शून्य)

12. बैंक द्वारा जारी चुकौती आश्वासन पत्र

वर्ष के दौरान, बैंक द्वारा कोई चुकौती आश्वासन पत्र जारी नहीं किया गया (गत वर्षः शून्य) और बकाया प्रतिबद्धताओं के लिए कोई वित्तीय उत्तरदायित्व नहीं रहा। यथा 31 मार्च, 2020 को प्राप्त वचन पत्रों के एवज में कोई बकाया एक्सपोज़र नहीं है (गत वर्ष ₹ 2.00 बिलियन)।

B. Quantitative Disclosures

(₹ billion)

Sr. No.	Particulars	2019-20		2018-19	
		Currency Derivatives	Interest rate Derivatives	Currency Derivatives	Interest rate Derivatives
1	Derivatives (Notional Principal Amount)				
	a) For hedging	319.89	511.96	285.19	430.87
	b) For trading	-	-	-	-
2	Marked to Market Positions	-	-	(32.49)	(4.80)
	a) Asset (+)	-	28.80	1.74	2.12
	b) Liability (-)	(45.41)		(34.23)	(6.92)
3	Credit Exposure	13.72	31.23	14.34	4.10
4	Likely impact of one percentage change in interest rate (100*PV01)				
	a) On hedging derivatives	11.68	21.14	11.80	16.03
	b) On trading derivatives	-	-	-	-
5	Maximum and Minimum of 100*PV01 observed during the year				
	a) On hedging				
	(i) Maximum	11.78	21.21	13.49	21.44
	(ii) Minimum	10.45	13.89	11.80	16.03
	b) On trading				
	(i) Maximum	-	-	-	-
	(ii) Minimum	-	-	-	-

C. Unhedged Foreign Currency Exposure

The Bank has no unhedged foreign currency exposure as on March 31, 2020 (previous year: Nil).

12. Letters of Comfort issued by the Bank

During the year, the Bank has not issued any Letter of Comfort (previous year Nil) and no financial obligation has arisen on account of the outstanding commitments. There are no outstanding exposures against Letters of comfort received as on March 31, 2020 (previous year ₹ 2.00 billion).

13. आस्ति-देयता प्रबंधन

वर्तमान वर्षः

(₹ बिलियन)

विवरण	1 से 14 दिन	15 से 28 दिन	29 दिन से 3 माह	3 माह से 6 माह तक	6 माह से 1 साल तक	1 साल से 3 साल तक	3 साल से 5 साल तक	5 साल से ज्यादा	कुल
रुपया अग्रिम	10.26	7.27	9.86	24.88	12.16	28.17	30.17	6.33	129.11
रुपया निवेश	12.50	0.06	0.08	0.04	0.13	0.73	0.58	94.25	108.37
रुपया अन्य आस्तियां	14.37	1.57	59.10	44.55	51.15	127.54	111.09	254.61	663.98
रुपया जमा राशियां	0.01	0.00	7.22	0.02	28.92	0.17	0.06	0.00	36.41
रुपया उधारियां	33.50	0.00	44.66	12.30	24.23	72.67	65.41	88.45	341.21
रुपया अन्य देयताएं	5.24	5.29	14.35	21.24	29.70	78.36	21.46	215.72	391.37
विदेशी मुद्रा आस्तियां	82.40	2.70	25.67	40.95	73.01	256.96	214.30	515.15	1,211.14
विदेशी मुद्रा देयताएं	48.52	2.87	47.09	72.76	79.56	349.37	172.12	367.70	1,139.99

गत वर्षः

(₹ बिलियन)

विवरण	1 से 14 दिन	15 से 28 दिन	29 दिन से 3 माह	3 माह से 6 माह तक	6 माह से साल 1 तक	1 साल से 3 साल तक	3 साल से 5 साल तक	5 साल से ज्यादा	कुल
रुपया अग्रिम	17.44	0.55	4.39	10.34	43.22	30.04	26.82	24.55	157.36
रुपया निवेश	-	-	0.08	0.04	0.12	0.38	1.17	91.49	93.27
रुपया अन्य आस्तियां	24.70	3.05	35.38	32.51	24.14	124.00	116.57	257.70	618.04
रुपया जमाराशियां	0.03	0.02	0.14	0.08	30.32	0.24	0.02	-	30.86
रुपया उधारियां	27.12	-	24.45	-	15.00	47.43	98.74	99.68	312.42
रुपया अन्य देयताएं	19.62	3.80	24.14	27.72	37.45	75.70	29.10	198.18	415.71

13. Asset Liability Management

Current Year:

(₹ billion)

Particulars	1 to 14 days	15 to 28 days	29 days to 3 months	Over 3 months & up to 6 months	Over 6 months & up to 1 year	Over 1 year & up to 3 years	Over 3 years & up to 5 years	Over 5 years	Total
Rupee Advances	10.26	7.27	9.86	24.88	12.16	28.17	30.17	6.33	129.11
Rupee Investments	12.50	0.06	0.08	0.04	0.13	0.73	0.58	94.25	108.37
Rupee Other Assets	14.37	1.57	59.10	44.55	51.15	127.54	111.09	254.61	663.98
Rupee Deposits	0.01	0.00	7.22	0.02	28.92	0.17	0.06	0.00	36.41
Rupee Borrowings	33.50	0.00	44.66	12.30	24.23	72.67	65.41	88.45	341.21
Rupee Other Liabilities	5.24	5.29	14.35	21.24	29.70	78.36	21.46	215.72	391.37
Foreign Currency Assets	82.40	2.70	25.67	40.95	73.01	256.96	214.30	515.15	1,211.14
Foreign Currency Liabilities	48.52	2.87	47.09	72.76	79.56	349.37	172.12	367.70	1,139.99

Previous Year:

(₹ billion)

Particulars	1 to 14 days	15 to 28 days	29 days to 3 months	Over 3 months & up to 6 months	Over 6 months & up to 1 year	Over 1 year & up to 3 years	Over 3 years & up to 5 years	Over 5 years	Total
Rupee Advances	17.44	0.55	4.39	10.34	43.22	30.04	26.82	24.55	157.36
Rupee Investments	-	-	0.08	0.04	0.12	0.38	1.17	91.49	93.27
Rupee Other Assets	24.70	3.05	35.38	32.51	24.14	124.00	116.57	257.70	618.04
Rupee Deposits	0.03	0.02	0.14	0.08	30.32	0.24	0.02	-	30.86
Rupee Borrowings	27.12	-	24.45	-	15.00	47.43	98.74	99.68	312.42
Rupee Other Liabilities	19.62	3.80	24.14	27.72	37.45	75.70	29.10	198.18	415.71

(₹ बिलियन)

विवरण	1 से 14 दिन	15 से 28 दिन	29 दिन से 3 माह	3 माह से 6 माह तक	6 माह से साल 1 तक	1 साल से 3 साल तक	3 साल से 5 साल तक	5 साल से ज्यादा	कुल
विदेशी मुद्रा आस्तियां	66.65	11.37	23.52	40.35	101.68	236.14	210.09	447.93	1,137.73
विदेशी मुद्रा देयताएं	25.50	11.47	27.89	45.19	81.83	294.06	284.09	308.76	1,078.79

14. आरक्षित निधियों से आहरण

बैंक द्वारा आरक्षित निधियों से कोई राशि नहीं निकाली गई है।

15. व्यवसाय अनुपात

विवरण	2019-20	2018-19
इक्विटी पर रिटर्न	0.94%	1.04%
आस्तियों पर रिटर्न	0.10%	0.07%
प्रति कर्मचारी निवल लाभ/(हानि)(₹ बिलियन)	0.003	0.002

16. भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा लगाए गए दंडों का प्रकटीकरण

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा बैंक पर भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 के अंतर्गत अधिनियम के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन करने अथवा अधिनियम, आदेश, नियम अथवा भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्दिष्ट किसी भी अपेक्षित शर्त के उल्लंघन के लिए कोई दंड नहीं लगाया गया।

17. शिकायतों का प्रकटीकरण

ग्राहक शिकायतें

क्र. सं.	विवरण	2019-20	2018-19
(क)	वर्ष के प्रारंभ में लंबित शिकायतें	-	-
(ख)	वर्ष के दौरान मिली शिकायतें	4	3
(ग)	वर्ष के दौरान निपटाई गई शिकायतें	4	3
(घ)	वर्ष के अंत में लंबित शिकायतें	-	-

(₹ billion)

Particulars	1 to 14 days	15 to 28 days	29 days to 3 months	Over 3 months & up to 6 months	Over 6 months & up to 1 year	Over 1 year & up to 3 years	Over 3 years & up to 5 years	Over 5 years	Total
Foreign Currency Assets	66.65	11.37	23.52	40.35	101.68	236.14	210.09	447.93	1,137.73
Foreign Currency Liabilities	25.50	11.47	27.89	45.19	81.83	294.06	284.09	308.76	1,078.79

14. Draw Down from Reserves

The Bank has not drawn any amount from the Reserves.

15. Business Ratios

Particulars	2019-20	2018-19
Return on Equity	0.94%	1.04%
Return on Assets	0.10%	0.07%
Net Profit/(Loss) per employee (₹ billion)	0.003	0.002

16. Disclosure of Penalties Imposed by RBI

There are no penalties imposed by the Reserve Bank of India under the Reserve Bank of India Act, 1934, for contraventions of any of the provisions of the Act or non-compliance with any other requirements of the Act, order, rule or condition specified by Reserve Bank of India.

17. Disclosure of Complaints

Customer Complaints

Sr. No.	Particulars	2019-20	2018-19
(a)	No. of complaints pending at the beginning of the year	-	-
(b)	No. of complaints received during the year	4	3
(c)	No. of complaints redressed during the year	4	3
(d)	No. of complaints pending at the end of the year	-	-

18. तुलन पत्र से इतर प्रायोजित एसपीवी (जिन्हें लेखा मानकों के अनुरूप समेकित किया जाना है)

प्रायोजित एसपीवी का नाम	
घरेलू	विदेशी
-	-

विशिष्ट लेखा मानकों के अनुसार प्रकटीकरण

19. अचल आस्तियों के विवरण

अचल आस्तियों के विवरण भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा अचल आस्तियों के लिए जारी लेखा मानक-10 के अनुसार नीचे दिए गए हैं।

(₹ बिलियन)

विवरण	परिसर	अन्य	कुल
सकल ब्लॉक			
यथा 31 मार्च, 2019 को लागत	3.11	1.06	4.17
परिवर्द्धन	1.65	0.15	1.80
निपटान	0.00	0.02	0.02
यथा 31 मार्च, 2020 को लागत (क)	4.76	1.19	5.95
मूल्यह्रास			
यथा 31 मार्च, 2019 को संचित	1.03	0.86	1.89
वर्ष के दौरान प्रावधान	0.22	0.13	0.35
निपटान पर हटाया गया	0.00	0.02	0.02
यथा 31 मार्च, 2020 को संचित (ख)	1.25	0.97	2.22
निवल ब्लॉक (क-ख)	**3.51**	**0.22**	**3.73**

गत वर्ष:

(₹ बिलियन)

विवरण	परिसर	अन्य	कुल
सकल ब्लॉक			
यथा 31 मार्च, 2018 को लागत	2.09	1.04	3.13
परिवर्द्धन	1.16	0.15	1.31
निपटान	0.14	0.13	0.27
यथा 31 मार्च, 2019 को लागत (क)	3.11	1.06	4.17
मूल्यह्रास			
यथा 31 मार्च, 2018 को संचित	1.01	0.86	1.87
वर्ष के दौरान प्रावधान	0.14	0.12	0.26
निपटान पर हटाया गया	0.12	0.12	0.24
यथा 31 मार्च, 2019 को संचित (ख)	1.03	0.86	1.89
निवल ब्लॉक (क-ख)	**2.08**	**0.20**	**2.28**

18. Off-Balance Sheet SPVs Sponsored (which are required to be consolidated as per accounting norms)

Name of the SPV sponsored	
Domestic	Overseas
-	-

Disclosure as per specific Accounting Standards

19. Details of Fixed Assets

Details of Fixed Assets are given below as prescribed in AS-10 Accounting for Fixed Assets issued by the ICAI.

(₹ billion)

Particulars	Premises	Others	Total
Gross Block			
Cost as on 31st March 2019	3.11	1.06	4.17
Additions	1.65	0.15	1.80
Disposals	0.00	0.02	0.02
Cost as on 31st March 2020 (A)	4.76	1.19	5.95
Depreciation			
Accumulated as on 31st March 2019	1.03	0.86	1.89
Provided during the year	0.22	0.13	0.35
Eliminated on Disposals	0.00	0.02	0.02
Accumulated as on 31st March 2020 (B)	1.25	0.97	2.22
Net Block (A-B)	**3.51**	**0.22**	**3.73**

Previous Year:

(₹ billion)

Particulars	Premises	Others	Total
Gross Block			
Cost as on 31st March 2018	2.09	1.04	3.13
Additions	1.16	0.15	1.31
Disposals	0.14	0.13	0.27
Cost as on 31st March 2019 (A)	3.11	1.06	4.17
Depreciation			
Accumulated as on 31st March 2018	1.01	0.86	1.87
Provided during the year	0.14	0.12	0.26
Eliminated on Disposals	0.12	0.12	0.24
Accumulated as on 31st March 2019 (B)	1.03	0.86	1.89
Net Block (A-B)	**2.08**	**0.20**	**2.28**

20. सरकारी अनुदानों का लेखा

भारत सरकार ने बैंक द्वारा विदेशी सरकारों, विदेशी बैंकों/संस्थाओं को प्रदान की गई विशिष्ट ऋण–व्यवस्थाओं के प्रति बैंक को ब्याज समकरण राशि अदा करने के लिए सहमति दी है और उसे उपचय (अक्रुअल) आधार पर हिसाब में लिया गया है।

21. व्यवसाय खंड रिपोर्टिंग

बैंक के परिचालनों में केवल वित्तीय कार्यकलाप शामिल हैं अतः इसे एकल व्यवसाय खंड में शामिल किया गया है।

बैंक के भौगोलिक परिचालन खंडों को घरेलू परिचालनों एवं अंतरराष्ट्रीय परिचालनों में वर्गीकृत किया गया है। इन परिचालनों का घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय खंड में वर्गीकरण मुख्यतः संव्यवहार के जोखिम तथा प्रतिफल पर आधारित हैं।

(₹ बिलियन)

विवरण	घरेलू परिचालन		अंतरराष्ट्रीय परिचालन		कुल	
	2019-20	2018-19	2019-20	2018-19	2019-20	2018-19
राजस्व	83.19	85.95	3.34	5.02	86.53	90.97
आस्तियां	1,258.52	1,059.33	49.89	86.92	1,308.41	1,146.25

22. संबंधित पक्षकार प्रकटन

भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा मानक-18 के अनुसार, बैंक के संबंधित पक्षकारों का प्रकटन निम्नलिखित अनुसार हैः

- संबंध

  (i) संयुक्त उपक्रम:

  – जीपीसीएल कंसल्टिंग सर्विसेज लिमिटेड

  (ii) मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक अधिकारी:

  – **श्री डेविड रस्कीना** (प्रबंध निदेशक)

  – **श्री देबाशिस मल्लिक** (उप प्रबंध निदेशक जुलाई 2019 तक)

20. Accounting for Government Grants

GOI has agreed to pay interest equalisation amount to the Bank towards specific Lines of Credit extended by the Bank to foreign governments, overseas banks / institutions and the same is accounted on accrual basis.

21. Segment Reporting

The operations of the Bank predominantly comprise of only one business segment i.e. financial activities and hence, have been considered as representing a single business segment.

The geographic segments of the Bank are categorised as Domestic Operations and International Operations. The categorisation of operations as domestic or international is primarily based on the risk and reward associated with the place of the transaction

(₹ billion)

Particulars	Domestic Operations		International Operations		Total	
	2019-20	2018-19	2019-20	2018-19	2019-20	2018-19
Revenue	83.19	85.95	3.34	5.02	86.53	90.97
Assets	1,258.52	1,059.33	49.89	86.92	1,308.41	1,146.25

22. Related Party Disclosures

As per AS–18 Related Party Disclosure issued by the ICAI, the Bank's related parties are disclosed below:

- Relationship
  - (i) Joint Ventures:
    - GPCL Consulting Services Limited
  - (ii) Key Managerial Personnel:
    - **Shri David Rasquinha** (Managing Director)
    - **Shri Debasish Mallick** (Deputy Managing Director till July 2019)

- **बैंक से संबंधित पक्षकार शेष राशियां तथा लेन-देनों का सारांश नीचे दिया गया है:**

(₹ मिलियन)

विवरण	संयुक्त उपक्रम		मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक	
	2019-20	2018-19	2019-20	2018-19
मंजूर ऋण	-	-	-	-
जारी गारंटियां	3.94	-	-	-
प्राप्त ब्याज	-	-	-	-
प्राप्त गारंटी कमीशन	-	-	-	-
प्रदत्त सेवाओं के एवज में प्राप्त भुगतान	-	-	-	-
स्वीकार की गई जमा राशियां	-	-	-	-
सावधि जमा राशियों पर प्रदत्त ब्याज	-	-	0.19	0.30
बट्टाकृत/अपलेखीकृत की गई राशि	-	-	-	-
बकाया सावधि जमा राशियां	-	-	1.50	2.50
वर्ष के अंत में बकाया ऋण राशि	-	-	-	-
वर्ष के अंत में बकाया गारंटियां	3.94	-	-	-
वर्ष के दौरान बकाया निवेश राशि	3.23	3.23	-	-
प्राप्त लाभांश	0.42	0.42	-	-
वर्ष के दौरान बकाया अधिकतम ऋण राशि	-	-	-	-
वर्ष के दौरान बकाया अधिकतम गारंटियां	3.94	-	-	-
भत्ते सहित वेतन	-	-	7.30	7.18
भाड़े का भुगतान	-	-	0.30	0.30

23. आय पर कर का लेखांकन

(क) चालू वर्ष के लिए कर प्रावधान का विवरण:

(₹ बिलियन)

(i)	आय पर कर	(0.23)
(ii)	जोड़ें: निवल आस्थगित कर देयता	1.43
		1.20

- The Bank's related party balances and transactions are summarised as follows:

(₹ million)

Particulars	Joint Venture		Key Managerial Personnel	
	2019-20	2018-19	2019-20	2018-19
Loans granted	-	-	-	-
Guarantees issued	3.94	-	-	-
Interest received	-	-	-	-
Guarantee commission received	-	-	-	-
Receipts towards services rendered	-	-	-	-
Term Deposit Accepted	-	-	-	-
Interest on Term Deposits	-	-	0.19	0.30
Amounts written-off/written-back	-	-	-	-
Term Deposit Outstanding	-	-	1.50	2.50
Loans outstanding at year-end	-	-	-	-
Guarantees outstanding at year-end	3.94	-	-	-
Investments outstanding at year end	3.23	3.23	-	-
Dividend Received	0.42	0.42	-	-
Maximum Loan outstanding during the year	-	-	-	-
Maximum Guarantees outstanding during the year	3.94	-	-	-
Salary including perquisites	-	-	7.30	7.18
Rent paid	-	-	0.30	0.30

23. Accounting for Taxes on Income

(a) Details of Provision for Tax for current year:

(₹ billion)

(i)	Tax on Income	(0.23)
(ii)	Add: Net Deferred Tax Liability	1.43
		1.20

(ख) आस्थगित कर आस्ति:

प्रमुख करों के संदर्भ में आस्थगित कर आस्तियों तथा देयताओं का संयोजन नीचे दिया गया है:

(₹ बिलियन)

	विवरण	
	आस्थगित कर आस्तियां	
1.	अस्वीकार्य प्रावधान (निवल)	37.13
		37.13
	घटाएं: आस्थगित कर देयता	
1.	अचल आस्तियों पर मूल्यह्रास	0.60
2.	बॉन्ड निर्गम खर्च का परिशोधन	0.62
3.	धारा 36 (1) (viii) के अंतर्गत सृजित विशेष आरक्षित निधियां	4.58
		5.80
	निवल आस्थगित कर आस्तियां (तुलन-पत्र के 'आस्तियां' पक्ष में 'अन्य आस्तियों' में शामिल)	**31.33**

24. संयुक्त उपक्रमों में हित की रिपोर्टिंग

I.

	संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्था	**देश**	**धारिता का प्रतिशत**	
			वर्तमान वर्ष	**गत वर्ष**
क	जीपीसीएल कंसल्टिंग सर्विसेज लिमिटेड	भारत	28%	28%

II. लेखा मानक 27 संयुक्त उपक्रमों में हितों की वित्तीय रिपोर्टिंग के अनुसार, आनुपातिक समेकन पद्धति का प्रयोग करते हुए संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाओं में हितों से संबंधित आस्तियों, देयताओं, आय और व्यय की कुल राशि निम्नलिखित अनुसार हैः

(₹ मिलियन)

देयताएं	**2019-20**	**2018-19**	**आस्तियां**	**2019-20**	**2018-19**
पूँजी एवं आरक्षित निधियां	28.23	28.23	अचल आस्तियां	0.03	0.05
ऋण	-	-	निवेश	21.39	19.76
अन्य देयताएं	13.79	5.13	अन्य आस्तियां	20.60	13.55
कुल	**42.02**	**33.36**	**कुल**	**42.02**	**33.36**

(b) **Deferred Tax Asset:**

The composition of deferred tax assets and liabilities into major items is given below:

(₹ billion)

	Particulars	
	Deferred Tax Assets	
1.	Provision Disallowed (Net)	37.13
		37.13
	Less: Deferred Tax Liability	
1.	Depreciation on Fixed Assets	0.60
2.	Amortisation of Bond issue expenses	0.62
3.	Special Reserve created under section 36 (1) (viii)	4.58
		5.80
	Net Deferred Tax Assets [included in 'Other Assets' in the 'Assets' side of the Balance Sheet]	**31.33**

24. Financial Reporting of Interest in Joint Ventures

I.

	Jointly Controlled Entities	**Country**	**Percentage of holding**	
			Current Year	**Previous Year**
A	GPCL Consulting Services Limited	India	28%	28%

II. The aggregate amount of assets, liabilities, income and expenses related to the interest in the jointly controlled entities using the proportionate consolidation method as per AS 27 Financial Reporting of Interests in joint Ventures is as under:

(₹ million)

Liabilities	**2019-20**	**2018-19**	**Assets**	**2019-20**	**2018-19**
Capital & Reserves	28.23	28.23	Fixed Assets	0.03	0.05
Loans	-	-	Investments	21.39	19.76
Other Liabilities	13.79	5.13	Other Assets	20.60	13.55
Total	**42.02**	**33.36**	**Total**	**42.02**	**33.36**

आकस्मिक देयताएं: शून्य (गत वर्ष: शून्य)

(₹ मिलियन)

व्यय	2019-20	2018-19	आय	2019-20	2018-19
अन्य व्यय	12.39	11.54	परामर्शी आय	14.49	13.35
प्रावधान	1.04	1.04	ब्याज आय तथा निवेश से आय	1.60	0.13
कर पश्चात लाभ	2.72	2.65	अन्य आय	0.06	1.75
कुल	**16.15**	**15.23**	**कुल**	**16.15**	**15.23**

नोट: जी पी सी एल के 2019-20 के लिए आँकड़े अनंतिम हैं और अंकेक्षित नहीं हैं।

25. आस्तियों का ह्रास

बैंक की आस्तियों में अधिकांश आस्तियां ''वित्तीय आस्तियां'' हैं, जिन पर ''आस्तियों का ह्रास'' संबंधी लेखा मानक 28 लागू नहीं होता है। बैंक की राय में, जिन आस्तियों पर ये मानक लागू होते हैं, उनमें उक्त लेखा मानकों के संबंध में हिसाब में लेने के लिए यथा 31 मार्च, 2020 को कोई ह्रास नहीं हुआ है।

26. कर्मचारी लाभ

बैंक ने भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा कर्मचारी लाभों पर, यथा 01 अप्रैल, 2007 से जारी लेखामानक -15 को अपनाया है। कर्मचारी लाभों से उत्पन्न देयता को बैंक की बहियों में दायित्व के विद्यमान मूल्य पर हिसाब में लिया गया है, जिसमें तुलन-पत्र की तारीख को आयोजनागत आस्तियों के सही मूल्य को घटाया गया है।

क) तुलन-पत्र में हिसाब में ली गई राशि

(₹ बिलियन)

विवरण	पेंशन निधि	ग्रेच्युटी
अवधि के अंत में आयोजनागत आस्तियों का सही मूल्य	1.049	0.174
अवधि के अंत में हित दायित्वों का वर्तमान मूल्य	(1.294)	(0.207)
निधीयन स्थिति	(0.245)	(0.033)
अवधि के अंत में हिसाब में न ली गई पूर्व सेवा लागत	-	-
अवधि के अंत में हिसाब में न ली गई परिवर्ती देयता	-	-
अवधि के अंत में तुलन पत्र में हिसाब में ली गई निवल देयता	(0.245)	(0.033)

Contingent Liabilities: NIL (previous year: NIL)

(₹ million)

Expenses	2019-20	2018-19	Income	2019-20	2018-19
Other Expenses	12.39	11.54	Consultancy Income	14.49	13.35
Provisions	1.04	1.04	Interest income and Income from investment	1.60	0.13
Profit after Tax	2.72	2.65	Other Income	0.06	1.75
Total	**16.15**	**15.23**	**Total**	**16.15**	**15.23**

Note: Figures for GPCL for FY 2019-20 are unaudited and provisional

25. Impairment of Assets

A substantial portion of the Bank's assets comprise of 'financial assets' to which Accounting Standard 28 "Impairment of Assets" is not applicable. In the opinion of the Bank, there is no impairment of its assets (to which the standard applies) as at March 31, 2020 requiring recognition in terms of the said standard.

26. Employee Benefits

The Bank has adopted Accounting Standard 15 – Employee Benefits, issued by The Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) w.e.f. April 01, 2007. The Bank recognises in its books the liability arising out of Employee Benefits as present value of obligations as reduced by the fair value of plan assets on the Balance Sheet date.

A) Amount to be recognised in the Balance Sheet

(₹ billion)

Particulars	Pension Fund	Gratuity
Fair value of Plan Assets at the end of the period	1.049	0.174
Present value of Benefit Obligation at the end of the period	(1.294)	(0.207)
Funded Status	(0.245)	(0.033)
Unrecognised past service cost at the end of the period	-	-
Unrecognised transitional liability at the end of the period	-	-
Net Liability recognised in the Balance Sheet	(0.245)	(0.033)

ख) लाभ और हानि खाते में हिसाब में लिया गया व्यय

(₹ बिलियन)

विवरण	पेंशन निधि	ग्रेच्युटी
वर्तमान सेवा लागत	0.025	0.013
ब्याज मूल्य	(0.002)	0.001
नियोजित आस्तियों पर अपेक्षित प्रतिफल	0.079	0.012
बीमांकिक हानि/(लाभ)	0.264	0.019
विगत सेवा लागत – गैर निहित लाभ	-	-
विगत सेवा लागत – निहित लाभ	-	-
परिवर्ती दायित्व	-	-
लाभ एवं हानि खाते में हिसाब में लिया गया व्यय	0.286	0.033
नियोक्ता द्वारा योगदान	(0.010)	(0.010)

ग) बीमांकिक अनुमानों का सारांश

विवरण	पेंशन निधि	ग्रेच्युटी
बट्टा दर (प्रति वर्ष)	6.78%	6.84%
आस्तियों पर अपेक्षित प्रतिफल की दर (प्रति वर्ष)	6.78%	6.84%
वेतन वृद्धि दर (प्रति वर्ष)	7.00%	7.00%

उपरोक्त के अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए छुट्टी नकदीकरण की परिभाषित लाभ दायित्व की राशि ₹ 0.0243 बिलियन रही, जिसका पूर्णतः प्रावधान किया जा चुका है।

27. सेबी के दिनांक 29 अक्तूबर, 2013 के परिपत्र के अनुपालन में भारतीय निर्यात-आयात बैंक द्वारा जारी किए गए विभिन्न बॉन्डों के लिए डिबेंचर ट्रस्टी का संपर्क विवरण नीचे दिया गया है:

डिबेंचर ट्रस्टी

एक्सिस ट्रस्टी सर्विसेज लिमिटेड

प्राधिकृत व्यक्ति: श्री अनिल ग्रोवर, ऑपरेशंस हेड;
श्री संजय सिन्हा, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी

पता:

द रूबी, दूसरी मंजिल, एसडब्ल्यू
सेनापति बापट मार्ग,
दादर पश्चिम, मुंबई – 400 028

फोन: (022) 62300441/44
ईमेल: debenturetrustee@axistrustee.com
वेबसाइट: www.axistrustee.com

B) Expense to be recognised in the Profit and Loss Account

(₹ billion)

Particulars	Pension Fund	Gratuity
Current Service Cost	0.025	0.013
Interest Cost	(0.002)	0.001
Expected Return on Plan Assets	0.079	0.012
Actuarial Losses/(Gains)	0.264	0.019
Past Service Cost – Non-vested Benefit	-	-
Past Service Cost – vested benefit	-	-
Transitional liability	-	-
Expense recognised in Profit and Loss Account	0.286	0.033
Contributions by Employer	(0.010)	(0.010)

C) Summary of Actuarial Assumptions

Particulars	Pension Fund	Gratuity
Discount Rate (p.a.)	6.78%	6.84%
Expected Rate of Return on Assets (p.a.)	6.78%	6.84%
Salary Escalation Rate (p.a.)	7.00%	7.00%

In addition to the above, for the year 2019-20 the amount of Defined Benefit Obligation of Leave Encashment works out to ₹ 0.0243 billion, which has been fully provided for.

27. In terms of SEBI circular dated October 29, 2013, the contact details of the Debenture Trustee for various Bonds issued by Export-Import Bank of India are as given below:

DEBENTURE TRUSTEE

AXIS Trustee Services Ltd.

Designated Person: Mr. Anil Grover, Operations Head;

Mr. Sanjay Sinha, Managing Director & Chief Executive Officer

Address:

The Ruby, 2nd Floor, SW
Senpati Bapat Marg,
Dadar West, Mumbai - 400 028

Tel.: (022) 62300441/44
E-mail: debenturetrustee@axistrustee.com
Website: www.axistrustee.com

28. जहां कहीं आवश्यक समझा गया है, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनर्समूहित किया गया है।

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से

सुश्री हर्षा बंगारी
उप प्रबंध निदेशक

श्री डेविड रस्कीना
प्रबंध निदेशक

श्री बिद्युत बिहारी स्वैन

श्री आनंद सिंह भाल

श्री के. राजारमन

श्री पंकज जैन

श्री रजनीश कुमार

श्री एम. सेंथिलनाथन

श्री ए. एस. राजीव

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते **जेसीआर एंड कंपनी**
सनदी लेखाकार
फर्म रजि. नं. 105270 डब्ल्यू

(सीए मितेश छेड़ा)
पार्टनर
एम. सं. 160688

मुंबई, 23 जून, 2020

28. Previous year's figures have been regrouped, wherever necessary.

For and on behalf of the Board

Ms Harsha Bangari
Deputy Managing Director

Shri David Rasquinha
Managing Director

Shri Bidyut Behari Swain

Shri Anand Singh Bhal

Shri K. Rajaraman

Shri Pankaj Jain

Shri Rajnish Kumar

Shri M. Senthilnathan

Shri A. S. Rajeev

As per our attached report of even date
For **JCR & Co.**
Chartered Accountants
Firm Regn. No. 105270W

(CA Mitesh Chheda)
Partner
M. No. 160688

Mumbai, June 23, 2020

निर्यात विकास कोष

THE EXPORT DEVELOPMENT FUND

निदेशकों की रिपोर्ट

DIRECTORS' REPORT

निर्यात विकास कोष

वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय ने भारत से ईरान को वस्तुओं और सेवाओं के निर्यातों के वित्तपोषण के लिए चुनिंदा ईरानी बैंकों को ₹ 9 बिलियन की क्रेता ऋण सुविधा के रूप में निर्यात विकास कोष (ईडीएफ) से राशि प्रदान करने के लिए एक्ज़िम बैंक अधिनियम की धारा 17(1) के अंतर्गत केंद्र सरकार का अनुमोदन सूचित किया। सभी आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद, भारत से ईरान को वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात के वित्तपोषण के लिए ईडीएफ के अंतर्गत सात ईरानी बैंकों को ₹ 9 बिलियन की क्रेता-ऋण सुविधा प्रदान करने के लिए 23 दिसंबर, 2014 को अम्ब्रेला फ्रेमवर्क करार पर हस्ताक्षर किए गए। ईरानी बैंकों को प्रदान की जाने वाली इस क्रेता ऋण सुविधा को ईरान सरकार की संप्रभु गारंटी प्राप्त है। तत्पश्चात, भारत सरकार के अनुमोदन के अनुसार, भारत से स्टील रेलों के आयात के वित्तपोषण और ईरान में चाबहार बंदरगाह के विकास के लिए इस क्रेता ऋण सुविधा की राशि ₹ 30 बिलियन तक बढ़ाई गई।

इस फ्रेमवर्क करार के अंतर्गत, भारत से इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के रेलवे को 150,000 टन स्टील रेलों की आपूर्ति के लिए ₹ 8.19 बिलियन मूल्य के प्रथम कॉन्ट्रैक्ट को क्रेता ऋण सुविधा के अंतर्गत अनुमोदित किया गया था। राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाता (एनईआईए) ट्रस्ट ने उक्त ऋण सुविधा के लिए क्रेता ऋण (व्यापक जोखिम) कवर प्रदान किया है।

इस कॉन्ट्रैक्ट के अंतर्गत यथा 31 मार्च, 2020 को ₹ 8.11 बिलियन की राशि का संवितरण किया जा चुका है। इस कॉन्ट्रैक्ट के अंतर्गत भौतिक और वित्तीय निष्पादन पूरे किए जा चुके हैं। यथा 31 मार्च, 2020 को इस ऋण सुविधा के अंतर्गत बकाया राशि ₹ 6.20 बिलियन रही। शेष स्टील रेल कॉन्ट्रैक्ट और चाबहार बंदरगाह परियोजना के लिए वित्तपोषण कॉन्ट्रैक्ट निगोशिएशन/अंतिम रूप दिए जाने के विभिन्न चरणों में हैं।

EXPORT DEVELOPMENT FUND (EDF)

The Department of Financial Services (DFS), Ministry of Finance conveyed the approval of the Central Government under Section 17 (1) of the Exim Bank Act, for domiciling in the EDF a Buyer's Credit Facility of ₹ 9 billion for extending to select Iranian banks for financing export of goods and services from India to Iran. Pursuant to receipt of all necessary approvals, the EDF, on December 23, 2014, concluded an umbrella Framework Agreement with seven Iranian banks for a Buyer's Credit Facility of ₹ 9 billion to finance the export of goods and services from India to Iran. The Buyer's Credit Facility to the Iranian banks is backed by Sovereign Guarantee of the Government of Iran. Subsequently, pursuant to approval from GOI, the facility was enhanced upto ₹ 30 billion, for financing import of steel rails from India, and development of the Chabahar Port in Iran.

Under the Framework Agreement, the first contract for an aggregate value of ₹ 8.19 billion, for supply of 150,000 tonnes of steel rails from India to the Railway of the Islamic Republic of Iran was approved under the Buyer's Credit Facility. The NEIA Trust has provided Buyer’s Credit (Comprehensive Risk) cover for the above facility.

As of March 31, 2020, disbursements aggregating ₹ 8.11 billion have been made under the contract. The physical and financial completion has been achieved under the contract. The amount outstanding under the facility as on March 31, 2020 stood at ₹ 6.20 billion. Financing for the balance steel rails contract, and the contract for the Chabahar Port project are at various stages of negotiation/finalisation.

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में

भारत के राष्ट्रपति

वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा संबंधी रिपोर्ट

अभिमत

हमने भारतीय निर्यात–आयात बैंक ('बैंक') के निर्यात विकास कोष ('कोष') वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा कर ली है, जिसमें यथा 31 मार्च, 2020 को तुलन–पत्र एवं उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि लेखे तथा वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियां और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का सारांश एवं अन्य विवरणात्मक सूचना शामिल हैं।

हमारी राय में और सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उक्त लेखा विवरण भारतीय निर्यात–आयात बैंक सामान्य विनियमावली, 1982 के विनियम 14 (ii) तथा भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुरूप हैं और यथा 31 मार्च, 2020 को इस कोष की वित्तीय स्थिति, उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए इसकी वित्तीय निष्पादन स्थिति की सत्य एवं सही स्थिति प्रकट करते हैं।

अभिमत का आधार

हमने आईसीएआई द्वारा जारी लेखा परीक्षा मानकों (एसए) के अनुसार लेखा परीक्षा की। इन मानकों के अंतर्गत हमारे उत्तरदायित्वों का विवरण, हमारी रिपोर्ट के 'वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा' खंड में आगे 'लेखा परीक्षक के उत्तरदायित्व' में दिया गया है। हम आईसीएआई द्वारा जारी नैतिक संहिता (कोड ऑफ एथिक्स) के अनुरूप बैंक से स्वतंत्र हैं। हमारा मत है कि हमें मिले लेखा परीक्षा संबंधी साक्ष्य पर्याप्त हैं और हमारे अभिमत को आधार प्रदान करने के लिए समुचित हैं।

अन्य जानकारी

अन्य जानकारियों के लिए बैंक का निदेशक मंडल उत्तरदायी है। अन्य जानकारियों में निदेशकों की रिपोर्ट, समग्र व्यवसाय परिचालन, प्रबंधन और कॉर्पोरेट अभिशासन (गवर्नैंस) शामिल हैं, किन्तु इनमें वित्तीय विवरण और हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट शामिल नहीं है।

INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

To,

The President of India

Report on the Financial Statements

Opinion

We have audited the accompanying Financial Statements of the Export Development Fund ("the Fund") of the "Export-Import Bank of India" ("the Bank"), which comprise the Balance Sheet of as at March 31, 2020 and the Profit and Loss account for the year then ended and notes to the financial statements, including a summary of significant accounting policies and other explanatory information.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the accompanying financial statements give a true and fair view of the financial position of the Fund as at March 31, 2020, of its financial performance for the year then ended in accordance with the Regulation 14 (ii) of the Export-Import Bank of India General Regulations, 1982 and the Accounting principles generally accepted in India.

Basis for Opinion

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing (SAs) issued by ICAI. Our responsibilities under those standards are further described in the Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements section of our report. We are independent of the Bank in accordance with the Code of Ethics issued by ICAI. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion.

वित्तीय विवरणों पर हमारे अभिमत में अन्य जानकारी को कवर नहीं किया गया है और इस संबंध में हम किसी भी रूप में कोई आश्वासन / निष्कर्ष अभिव्यक्त नहीं करते हैं। वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के संबंध में, हमारा उत्तरदायित्व ऊपर चिह्नित की गई अन्य जानकारी को पढ़ना है, और इसे पढ़ते हुए इस पर विचार करना है कि यह अन्य जानकारी वित्तीय विवरणों में दी गई जानकारी से वस्तुतः असंगत तो नहीं है, या लेखा परीक्षा में ली गई हमारी जानकारी या अन्यथा कोई जानकारी गलत तो नहीं है।

यदि, इस लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की तारीख से पूर्व में हमें मिली अन्य जानकारी पर हमारे द्वारा किए गए काम के आधार पर, हम इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि यह अन्य जानकारी गलत है तो हमें उस तथ्य को रिपोर्ट करना आवश्यक है। इस संबंध में रिपोर्ट करने के लिए कुछ भी नहीं है।

वार्षिक रिपोर्ट पढ़ते हुए, यदि हम इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि इसमें कहीं कुछ गलत बयान है तो हम उन मामलों को गवर्नेंस मामलों के साथ रिपोर्ट करेंगे।

अन्य मामले

इस रिपोर्ट में अभिव्यक्त किए गए अभिमत में हमें बैंक के प्रबंधन द्वारा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के जरिए प्रदान की गई जानकारी, तथ्य तथा इनपुट शामिल हैं और कोविड-19 के चलते भौतिक गतिविधि पर प्रतिबंधों को देखते हुए हम इन पर निर्भर रहे हैं।

इस मामले के संबध में हमारा अभिमत संशोधित नहीं है।

वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक के उत्तरदायित्व

बैंक का प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों को, उक्त अधिनियम तथा उसके अधीन विरचित विनियमों के प्रावधानों के अनुरूप तैयार करने और उन्हें प्रस्तुत करने तथा प्रबंधन द्वारा निर्धारित अनुसार, धोखाधड़ी अथवा त्रुटि के चलते किसी भी तरह के मिथ्या कथन से रहित वित्तीय विवरणों को तैयार के लिए आवश्यक ऐसे आंतरिक नियंत्रणों के लिए उत्तरदायी है।

Other Information

The Bank's Board of Directors is responsible for the other information. The other information comprises the information included in the Directors' Report, Overall Business Operations, Management and Corporate Governance but does not include the financial statements and our auditor's report there on.

Our opinion on the financial statements does notcover the other information and we do not express any form of assurance / conclusion thereon. In connection with our audit of the financial statements, our responsibility is to read the other information identified above and, in doing so, consider whether the other Information is materially inconsistent with the financial statements or our knowledge obtained in the audit or otherwise appears to be materially misstated.

If, based on the work we have performed on the other information that we obtained prior to the date of this auditors' report, we conclude that there is a material misstatement of this other information, we are required to report that fact. We have nothing to report in this regard.

When we read the Annual report, if we conclude that there is a material misstatement therein, then we will communicate the matter to those charged with governance.

Other Matters

The opinion expressed in the present report includes the information, facts and inputs made available to us through electronic means by the Bank's management and relied upon by us because of the COVID-19 induced restrictions on physical movements.

वित्तीय विवरणों को तैयार करने में, प्रबंधन, इस कोष के परिचालन को जारी रखने के लिए कोष की क्षमता का मूल्यांकन करने, परिचालन जारी रखने संबंधी मामलों के यथा लागू अनुसार प्रकटीकरण, और जब तक कि भारत सरकार इस कोष को लिक्विटेड न करना चाहे या परिचालन बंद न करना चाहे, या ऐसा करने के अलावा कोई उचित विकल्प न हो, तब तक लेखांकन के आधार पर परिचालन जारी रखने के लिए उत्तरदायी है। गवर्नैंस से जुड़ा प्रबंधन इस कोष की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की निगरानी के लिए उत्तरदायी है।

वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक के उत्तरदायित्व

हमारा उत्तरदायित्व इस बारे में तर्कसंगत आश्वासन हासिल करना है कि ये वित्तीय विवरण, पूर्ण रूप में धोखाधड़ी अथवा त्रुटि के चलते किसी भी तरह के मिथ्या कथन से रहित हैं, और अपने अभिमत को शामिल करते हुए लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना है। तर्कसंगत आश्वासन, उच्च स्तरीय आश्वासन है, किन्तु गारंटी नहीं है कि लेखा परीक्षा मानकों के अनुरूप की गई लेखा परीक्षा, यदि कोई महत्त्वपूर्ण मिथ्या कथन है तो सदैव उसका पता लगा लेगी। मिथ्या कथन धोखाधड़ी या त्रुटि के चलते आ सकते हैं और उन्हें तब महत्त्वपूर्ण माना जाता है, जब अलग-अलग या सकल रूप से, इन वित्तीय विवरणों के आधार पर लिए गए प्रयोक्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने की संभावना रखते हों।

लेखा परीक्षा मानकों के अनुरूप लेखा परीक्षा के क्रम में, हम प्रोफेशनल निर्णय लेते हैं और पूरी लेखा परीक्षा के दौरान प्रोफेशनल संशयात्मकता रखते हैं। हमारे उत्तरदायित्वों में निम्नलिखित भी शामिल हैं:

- धोखाधड़ी या त्रुटि के चलते, वित्तीय विवरणों के महत्त्वपूर्ण मिथ्या कथन के जोखिमों का निर्धारण और मूल्यांकन, उन जोखिमों की प्रतिक्रियास्वरूप लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं डिजाइन करना और उनका निष्पादन करना, तथा हमारे अभिमत को आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और समुचित लेखा परीक्षा साक्ष्य हासिल करना। किसी धोखाधड़ी के चलते बनने वाले महत्त्वपूर्ण मिथ्या कथन

Our opinion is not modified in respect of this matter.

Responsibilities of Management for the Financial Statements

The management of Bank is responsible for the preparation and fair presentation of the financial statements in accordance with the provisions of the Act and the Regulations framed there under and for such internal controls as the management determines is necessary to enable the preparation of financial statements that are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the financial statements, the management is responsible for assessing the Fund's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless the Government of India either intends to liquidate the Fund or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so. Those charged with governance are responsible for overseeing the Funds's financial reporting process.

Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

का जोखिम, किसी त्रुटि के चलते होने वाले मिथ्या कथनों की तुलना में अधिक होता है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, इरादतन चूक, मिथ्या प्रस्तुति, अथवा आंतरिक नियंत्रण की अवहेलना करना शामिल हो सकता है।

- परिस्थितियों के अनुसार यथोचित लेखा प्रक्रियाएं डिजाइन करने के लिए लेखा परीक्षा से संबंधित आंतरिक नियंत्रण की समझ विकसित करना।

- प्रयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और लेखांकन आकलन की तर्कसंगतता तथा प्रबंधन द्वारा किए गए संबंधित प्रकटीकरणों का मूल्यांकन करना।

- परिचालन जारी रखने के लेखांकन आधार और हासिल किए गए लेखा परीक्षा साक्ष्य के आधार पर, इसकी उपयुक्तता पर निष्कर्ष देना, कि घटनाओं या स्थितियों से संबंधित कोई महत्त्वपूर्ण अनिश्चितता तो नहीं है, जो बैंक के परिचालन जारी रखने के संबंध में कोई शंका पैदा करती हो। यदि हम इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि ऐसी कोई आशंका है तो हमें अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट में, वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटीकरणों में इस ओर ध्यान आकर्षित करना आवश्यक होता है अथवा यदि ऐसे प्रकटीकरण अपर्याप्त होते हैं, तो अपना अभिमत बदलना पड़ता है। हमारे निष्कर्ष, हमारी लेखा परीक्षा की रिपोर्ट की तारीख तक हासिल किए गए लेखा परीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं। तथापि, भविष्य में ऐसी कोई घटनाएं या स्थितियां हो सकती हैं, जो बैंक के लिए अपना परिचालन बंद करने का कारण बनें।

- प्रकटीकरण सहित वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, ढांचे और सामग्री का मूल्यांकन करना, और देखना कि वित्तीय विवरण निहित संव्यवहारों को प्रदर्शित करते हैं और घटनाएं इस रूप में हैं कि उचित प्रस्तुति प्रदर्शित करती हैं।

हम अपनी लेखा परीक्षा के दौरान चिह्नित किए गए किसी महत्त्वपूर्ण विचलन सहित अन्य मामलों में, गवर्नेंस से जुड़े

As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain professional scepticism throughout the audit. We also:

- Identify and assess the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.

- Obtain an understanding of internal control relevant to the audit in order to design the audit procedures that are appropriate in the circumstances.

- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates and related disclosures made by management.

- Conclude on the appropriateness of the management's use of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the Fund's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of

व्यक्तियों को लेखा परीक्षा के नियोजित स्कोप और समय तथा महत्त्वपूर्ण लेखा परीक्षा निष्कर्ष सूचित करते हैं।

हम गवर्नैंस से जुड़े व्यक्तियों को यह कथन भी प्रदान करते हैं कि हमने स्वतंत्रता से संबंधित सभी संबंधित नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन किया है, और उन्हें सभी संबंधों तथा अन्य मामलों और जहां कहीं लागू हो, संबंधित सेफगार्ड के बारे में सूचित करते हैं, जिन्हें हमारी स्वतंत्रता के लिए जरूरी माना जा सकता है।

अन्य कानूनी और विनियामकीय अपेक्षाओं संबंधी रिपोर्ट

तुलन-पत्र, तथा लाभ और हानि खाता, भारतीय निर्यात-आयात बैंक विनियमावली, 1982 की अनुसूचियों I क और II क के अनुरूप तैयार किए गए हैं।

हम यह रिपोर्ट करते हैं किः

i. लेखापरीक्षा के लिए हमारी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार जो तथ्य और स्पष्टीकरण आवश्यक थे, वे सब हमने प्राप्त किए हैं और वे संतोषजनक हैं।

ii. हमारी राय, इस रिपोर्ट में लिए गए तुलन-पत्र तथा लाभ और हानि लेखा विवरण, लेखों की बहियों के अनुरूप हैं।

iii. कोष के संव्यवहार, जो हमारे संज्ञान में लाए गए हैं, बैंक की शक्तियों के अन्दर हैं।

iv. हमारी राय में, इस रिपोर्ट में लिए गए उक्त वित्तीय विवरण, लेखा मानकों के अनुरूप हैं।

our auditor’s report. However, future events or conditions may cause the Fund to cease to continue as a going concern.

- Evaluate the overall presentation, structure and content of the financial statements, including the disclosures, and whether the financial statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

The Balance Sheet and the Profit and Loss Account have been drawn upas per Schedules IA and IIA of the Export-Import Bank of India General Regulations, 1982.

We further report that:

i. We have sought and obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit and have found them to be satisfactory.

ii. In our opinion, the Balance Sheet and the Profit and Loss Account dealt with by this Report are in agreement with Books of Account.

iii. The transactions of the Fund, which have come to our notice, have been within the powers of the Bank.

iv. In our opinion, the aforesaid financial statements dealt with by this report comply with the applicable Accounting Standards.

कृते **जेसीआर एंड कं.**
सनदी लेखाकार
फर्म रजिस्ट्रेशन संख्या 105270W

सीए मितेश छेड़ा
पार्टनर
सदस्यता सं. 160688
यूडीआईएन: 20160688AAAABZ1222
मुंबई, 23 जून, 2020

For **JCR & CO.**
Chartered Accountants
Firm Registration No.105270W

CA Mitesh Chheda
PARTNER
Membership No.160688
UDIN: 20160688AAAABZ1222
Mumbai, 23rd June, 2020

यथा 31 मार्च, 2020 को तुलन-पत्र

निर्यात विकास कोष

	इस वर्ष (यथा 31.03.2020 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2019 को) ₹
देयताएं		
1. ऋणः		
क) सरकार से	-	-
ख) अन्य स्रोतों से	5,596,223,297	6,550,225,350
2. अनुदान:		
क) सरकार से	128,307,787	128,307,787
ख) अन्य स्रोतों से	-	-
3. उपहार, दान, उपकृतियां:		
क) सरकार से	-	-
ख) अन्य स्रोतों से	-	-
4. अन्य देयताएं	447,745,509	465,062,828
5. लाभ और हानि लेखा	702,042,832	631,065,338
योग	**6,874,319,425**	**7,774,661,303**
आस्तियां		
1. बैंक की शेष राशियां		
क) चालू खातों में	97,252,892	116,550
ख) अन्य जमा खातों में	-	-
2. निवेश	-	-
3. ऋण एवं अग्रिम:		
क) भारत में	-	-
ख) भारत के बाहर	6,208,576,873	7,162,578,926
4. भुनाए गए, पुनर्भुनाए गए विनिमय बिल और वचन-पत्रः		
क) भारत में	-	-
ख) भारत के बाहर	-	-
5. अन्य आस्तियां		
क) निम्नलिखित पर उपचित ब्याज		
i) ऋण एवं अग्रिम	209,672,100	211,737,594
ii) निवेश/बैंक शेष	-	-
ख) प्रदत्त अग्रिम आय कर	242,415,703	267,531,703
ग) अन्य	116,401,857	132,696,530
योग	**6,874,319,425**	**7,774,661,303**

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH, 2020

EXPORT DEVELOPMENT FUND

	This year (As at 31.03.2020) ₹	Previous year (As at 31.03.2019) ₹
LIABILITIES		
1. Loans:		
a) From Government	-	-
b) From Other Sources	5,596,223,297	6,550,225,350
2. Grants:		
a) From Government	128,307,787	128,307,787
b) From Other Sources	-	-
3. Gifts, Donations, Benefactions:		
a) From Government	-	-
b) From Other Sources	-	-
4. Other Liabilities	447,745,509	465,062,828
5. Profit and Loss Account	702,042,832	631,065,338
Total	**6,874,319,425**	**7,774,661,303**
ASSETS		
1. Bank Balances:		
a) In current accounts	97,252,892	116,550
b) In other deposit accounts	-	-
2. Investments	-	-
3. Loans and Advances:		
a) In India	-	-
b) Outside India	6,208,576,873	7,162,578,926
4. Bills of Exchange and Promissory Notes Discounted, Rediscounted:		
a) In India	-	-
b) Outside India	-	-
5. Other Assets:		
a) Accrued interest on:		
i) Loans and Advances	209,672,100	211,737,594
ii) Investments/bank balances	-	-
b) Advance Income Tax paid	242,415,703	267,531,703
c) Others	116,401,857	132,696,530
Total	**6,874,319,425**	**7,774,661,303**

निर्यात विकास कोष

	इस वर्ष (यथा 31.03.2020 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2019 को) ₹
आकस्मिक देयताएं		
i) स्वीकृतियां, गारंटियां, परांकन तथा अन्य दायित्व	-	-
ii) वायदा विनियम संविदाओं की बकाया राशियों पर	-	-
iii) हामीदारी एवं वचनबद्धताओं पर	-	-
iv) अंशतः प्रदत्त निवेशों पर अनाहूत देयताएं	-	-
v) बैंक पर दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है	-	-
vi) संग्रहण के लिए बिल	-	-
vii) सहभागिता प्रमाण-पत्रों पर	-	-
viii) भुनाए गए/पुनः भुनाए गए बिल	-	-
ix) अन्य राशियां जिनके लिए बैंक आकस्मिक रूप से जिम्मेदार है	-	-

टिप्पणी:
भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 (अधिनियम) की धारा 15 की शर्तों के अनुसार बैंक द्वारा निर्यात विकास निधि की स्थापना की गई है। अधिनियम की धारा 17 की शर्तों के अनुसार, किसी भी ऋण अथवा अग्रिम की मंजूरी से पहले अथवा ऐसी कोई व्यवस्था करने से पहले भारतीय निर्यात-आयात बैंक को केन्द्र सरकार का पूर्व अनुमोदन प्राप्त करना होगा।

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से

सुश्री हर्षा बंगारी
उप प्रबंध निदेशक

श्री डेविड रस्कीना
प्रबंध निदेशक

श्री बिद्युत बिहारी स्वैन

श्री आनंद सिंह भाल

श्री के. राजारमन

श्री पंकज जैन

श्री रजनीश कुमार

श्री एम. सेंथिलनाथन

श्री ए. एस. राजीव

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते **जेसीआर एंड कंपनी**
सनदी लेखाकार
फर्म रजि. नं. 105270 डब्ल्यू

(सीए मितेश छेड़ा)
पार्टनर
एम. सं. 160688

मुंबई, 23 जून, 2020

EXPORT DEVELOPMENT FUND

	This year (As at 31.03.2020) ₹	Previous year (As at 31.03.2019) ₹
CONTINGENT LIABILITIES		
i) Acceptances, Guarantees, Endorsements and other obligations	-	-
ii) On outstanding forward exchange contracts	-	-
iii) On underwriting commitments	-	-
iv) Uncalled Liability on partly paid investments	-	-
v) Claims on the Bank not acknowledged as debts	-	-
vi) Bills for collection	-	-
vii) On participation certificates	-	-
viii) Bills Discounted/Rediscounted	-	-
ix) Other monies for which the Bank is contingently liable	-	-

Note:
The Bank has established Export Development Fund in terms of Section 15 of Export-Import Bank of India Act, 1981 (The Act). In terms of Section 17 of the Act, before granting any loan or advance or entering into any such arrangement, Exim Bank has to obtain the prior approval of the Central Government.

For and on behalf of the Board

Ms Harsha Bangari
Deputy Managing Director

Shri David Rasquinha
Managing Director

Shri Bidyut Behari Swain

Shri Anand Singh Bhal

Shri K. Rajaraman

Shri Pankaj Jain

Shri Rajnish Kumar

Shri M. Senthilnathan

Shri A. S. Rajeev

As per our attached report of even date
For **JCR & Co.**
Chartered Accountants
Firm Regn. No. 105270W

(CA Mitesh Chheda)
Partner
M. No. 160688

Mumbai, June 23, 2020

31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि लेखा

निर्यात विकास कोष

	इस वर्ष ₹	गत वर्ष ₹
व्यय		
1. ब्याज	541,441,588	624,492,619
2. अन्य व्यय	594,674	196,703
3. आगे ले जाया गया लाभ	108,787,035	69,322,204
योग	**650,823,297**	**694,011,526**
आयकर के लिए प्रावधान	37,809,541	24,223,951
तुलन-पत्र में अंतरित शेष लाभ	70,977,494	45,098,253
	108,787,035	**69,322,204**
आय		
1. ब्याज और बट्टा		
क) ऋण एवं अग्रिम	650,823,297	694,011,526
ख) निवेश/बैंक शेष	-	-
2. विनिमय, कमीशन, ब्रोकरेज और फीस	-	-
3. अन्य आय	-	-
4. तुलन-पत्र को ले जायी गयी हानि	-	-
योग	**650,823,297**	**694,011,526**
लाभ नीचे लाया गया	108,787,035	69,322,204
पूर्ववर्ती वर्षों की आधिक्य आय/ब्याज कर के प्रावधान का प्रतिलेखन	-	-
	108,787,035	**69,322,204**

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से

सुश्री हर्षा बंगारी
उप प्रबंध निदेशक

श्री डेविड रस्कीना
प्रबंध निदेशक

श्री बिद्युत बिहारी स्वैन

श्री आनंद सिंह भाल

श्री के. राजारमन

श्री पंकज जैन

श्री रजनीश कुमार

श्री एम. सेंथिलनाथन

श्री ए. एस. राजीव

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते **जेसीआर एंड कंपनी**
सनदी लेखाकार
फर्म रजि. नं. 105270 डब्ल्यू

(सीए मितेश छेड़ा)
पार्टनर
एम. सं. 160688

मुंबई, 23 जून, 2020

PROFIT AND LOSS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2020

EXPORT DEVELOPMENT FUND

	This year ₹	Previous year ₹
EXPENDITURE		
1. Interest	541,441,588	624,492,619
2. Other Expenses	594,674	196,703
3. Profit carried down	108,787,035	69,322,204
Total	**650,823,297**	**694,011,526**
Provision for Income Tax	37,809,541	24,223,951
Balance of profit transferred to Balance Sheet	70,977,494	45,098,253
	108,787,035	**69,322,204**
INCOME		
1. Interest and Discount:		
a) loans and advances	650,823,297	694,011,526
b) investments/bank balances	-	-
2. Exchange, Commission, Brokerage and Fees	-	-
3. Other Income	-	-
4. Loss carried to Balance Sheet	-	-
Total	**650,823,297**	**694,011,526**
Profit brought down	108,787,035	69,322,204
Excess Income/Interest tax provision of earlier years written back	-	-
	108,787,035	69,322,204

For and on behalf of the Board

Ms Harsha Bangari
Deputy Managing Director

Shri David Rasquinha
Managing Director

Shri Bidyut Behari Swain | **Shri Anand Singh Bhal** | **Shri K. Rajaraman**

Shri Pankaj Jain | **Shri Rajnish Kumar** | **Shri M. Senthilnathan**

Shri A. S. Rajeev

As per our attached report of even date
For **JCR & Co.**
Chartered Accountants
Firm Regn. No. 105270W

(CA Mitesh Chheda)
Partner
M. No. 160688

Mumbai, June 23, 2020

भारतीय निर्यात-आयात बैंक के कार्यालय

प्रधान कार्यालय

केन्द्र एक भवन, 21वीं मंज़िल, विश्व व्यापार केन्द्र संकुल, कफ़ परेड, मुंबई – 400 005.
फोन: (91 22) 22172600 । फैक्स: (91 22) 22182572
ई-मेल: ccg@eximbankindia.in । वेबसाइट: www.eximbankindia.in, www.eximmitra.in

भारत स्थित कार्यालय

अहमदाबाद
साकार II, पहली मंज़िल, एलिसब्रिज शॉपिंग सेंटर के पास,
एलिसब्रिज पी. ओ., अहमदाबाद – 380 006.
फोन: +91 79 26576852/26576843 । फैक्स: +91 79 26577696
ई-मेल: eximahro@eximbankindia.in

बेंगलूरु
रमणश्री आर्केड, चौथी मंज़िल, 18, एम. जी. रोड, बेंगलूरु – 560 001.
फोन: +91 80 25585755/25589101-04
फैक्स: +91 80 25589107
ई-मेल: eximbro@eximbankindia.in

चंडीगढ़
सी-213, दूसरी मंज़िल, एलान्ते कार्यालय,
औद्योगिक क्षेत्र फेज-1, चंडीगढ़ - 160 002.
फोन: +91 172 4629171-73 । फैक्स: +91 172 4629175
ई-मेल: eximcro@eximbankindia.in

चेन्नै
ओवरसीज टॉवर्स, चौथी एवं पांचवी मंज़िल, 756-एल,
अन्ना सलाई, चेन्नै - 600 002.
फोन: +91 44 28522830/31 । फैक्स: +91 44 28522832
ई-मेल: eximchro@eximbankindia.in

गुवाहाटी
नेडफी हाउस, चौथी मंज़िल, जी. एस. रोड, दिसपुर,
गुवाहाटी - 781 006.
फोन: +91 361 2237607/609 । फैक्स: +91 361 2237701
ई-मेल: eximgro@eximbankindia.in

हैदराबाद
गोल्डन एडिफिस, दूसरी मंज़िल, 6-3-639/640,
राज भवन रोड, खैरताबाद सर्कल, हैदराबाद - 500 004.
फोन: +91 40 23307816-21 । फैक्स: +91 40 23317843
ई-मेल: eximhro@eximbankindia.in

कोलकाता
वाणिज्य भवन, चौथी मंज़िल, (अंतरराष्ट्रीय व्यापार सुगमीकरण केंद्र),
1/1 वुड स्ट्रीट, कोलकाता - 700 016.
फोन: +91 33 22833419/20 । फैक्स: +91 33 22891727
ई-मेल: eximkro@eximbankindia.in

नई दिल्ली
ऑफिस ब्लॉक. टॉवर 1, सातवीं मंज़िल, रिंग रोड के पास,
किदवई नगर (पूर्व), नई दिल्ली – 110 023.
फोन: +91 11 61242600 / 24607700 । फैक्स: +91 11 20815029
ई-मेल: eximndo@eximbankindia.in

पुणे
नं. 402 और 402 (बी), चौथी मंज़िल, सिग्नेचर बिल्डिंग, भाम्बुर्डा,
भंडारकर रोड, शिवाजी नगर, पुणे - 411 004.
फोन: +91 20 25648856 । फैक्स: +91 20 25648846
ई-मेल: eximpro@eximbankindia.in

लंदन शाखा
5वीं मंज़िल, 35 किंग स्ट्रीट, लंदन ईसी 2वी 8 बीबी, यूनाइटेड किंगडम.
फोन: +44 20 77969040 । फैक्स: +44 20 76000936
ई-मेल: eximlondon@eximbankindia.in

विदेश स्थित कार्यालय

आबिदजान
5वीं मंज़िल, अज्यूर बिल्डिंग, 18-डॉक्टर क्रोज़े रोड,
प्लेत्यो-आबिदजान, कोत दि'वार.
फोन: +225 20 24 29 51 । मोबाइल: +225 79707149
फैक्स: +225 20 24 29 50
ई-मेल: eximabidjan@eximbankindia.in

अदिस अबाबा
हाउस नं. 46, जैक्रोस एस्टेट कंपाउंड, वोरेडा 07,
बोले सब-सिटी, अदिस अबाबा, इथियोपिया.
फोन: +251 116 222296 । फैक्स: +251 116 610170
ई-मेल: aaro@eximbankindia.in

ढाका
मधुमिता प्लाज़ा कॉनकॉर्ड, 12वीं मंज़िल, प्लॉट सं. 11, रोड नं. 11,
ब्लॉक जी, बानानी ढाका - 1213, बांग्लादेश.
फोन: +88 01 708 520 444
ई-मेल: eximdhaka@eximbankindia.in

दुबई
लेवल 5, टेनेंसी 1बी, गेट प्रीसिंक्ट बिल्डिंग नं. 3,
दुबई अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केन्द्र, पीओ बॉक्स नं. 506541, दुबई, यूएई.
फोन: +971 4 3637462 । फैक्स: +971 4 3637461
ई-मेल: eximdubai@eximbankindia.in

जोहांस्बर्ग
दूसरी मंज़िल, सैंडटन सिटी ट्विन टॉवर्स ईस्ट, सैंडहर्स्ट एक्सटेंशन 3,
सैंटन 2196, जोहांस्बर्ग, दक्षिण अफ्रीका.
फोन: +27 11 3265103/13 । फैक्स: +27 11 7844511
ई-मेल: eximjro@eximbankindia.in

सिंगापुर
20, कोलियर क्वे, #10-02, सिंगापुर - 049319.
फोन: +65 65326464 । फैक्स: +65 65352131
ई-मेल: eximsingapore@eximbankindia.in

वाशिंगटन डी. सी.
1750 पेंसिल्वेनिया एवेन्यू एन. डब्ल्यू, सूइट 1202,
वाशिंगटन डी. सी. 20006, संयुक्त राज्य अमेरिका.
फोन: +1202 223 3238 । फैक्स: +1202 785 8487
ई-मेल: eximwashington@eximbankindia.in

यॉंगॉन
हाउस नं. 54/ए, तल मंज़िल, बोयारन्युत मार्ग, डैगन टाउनशिप,
यॉंगॉन, म्यांमार.
फोन: +95 1389520 । मोबाइल: +95 1389520
ई-मेल: eximyangon@eximbankindia.in

OUR GLOBAL FOOTPRINT

Head Office

Centre One Building, 21st Floor, World Trade Centre Complex,
Cuffe Parade, Mumbai - 400 005.
Ph.: +91 22 22172600 | Fax: +91 22 22182572
E-mail: ccg@eximbankindia.in | Website: www.eximbankindia.in | www.eximmitra.in

Domestic Offices

AHMEDABAD
Sakar II, 1st Floor, Next to Ellisbridge Shopping Centre,
Ellisbridge P. O., Ahmedabad - 380 006.
Ph.: +91 79 26576852/26576843 | Fax: +91 79 26577696
E-mail: eximahro@eximbankindia.in

BENGALURU
Ramanashree Arcade, 4th Floor, 18, M. G. Road,
Bengaluru - 560 001.
Ph.: +91 80 25585755/25589101-04 | Fax: +91 80 25589107
E-mail: eximbro@eximbankindia.in

CHANDIGARH
C- 213, 2nd Floor, Elante Offices,
Industrial Area Phase -1, Chandigarh - 160 002.
Ph.: +91 172 4629171-73 | Fax: +91 172 4629175
E-mail: eximcro@eximbankindia.in

CHENNAI
Overseas Towers, 4th and 5th Floor, 756-L,
Anna Salai, Chennai - 600 002.
Ph.: +91 44 28522830/31 | Fax: +91 44 28522832
E-mail: eximchro@eximbankindia.in

GUWAHATI
NEDFi House, 4th Floor, GS Road, Dispur, Guwahati - 781 006.
Ph.: +91 361 2237607/609 | Fax: +91 361 2237701
E-mail: eximgro@eximbankindia.in

HYDERABAD
Golden Edifice, 2nd Floor, 6-3-639/640, Raj Bhavan Road,
Khairatabad Circle, Hyderabad - 500 004.
Ph.: +91 40 23307816-21 | Fax: +91 40 23317843
E-mail: eximhro@eximbankindia.in

KOLKATA
Vanijya Bhawan, 4th Floor, (International Trade Facilitation Centre),
1/1 Wood Street, Kolkata - 700 016.
Ph.: +91 33 22833419/20 | Fax: +91 33 22891727
E-mail: eximkro@eximbankindia.in

NEW DELHI
Office Block, Tower 1, 7th Floor, Adjacent Ring Road,
Kidwai Nagar (East), New Delhi - 110 023.
Ph.: +91 11 61242600/24607700 | Fax: +91 11 20815029
E-mail: eximndo@eximbankindia.in

PUNE
No. 402 & 402 (B) 4th Floor Signature Building, Bhamburda,
Bhandarkar Rd., Shivajinagar, Pune - 411 004.
Ph.: +91 20 25648856 | Fax: +91 20 25648846
E-mail: eximpro@eximbankindia.in

London Branch

5th Floor, 35 King Street,
London EC2V 8BB, United Kingdom.
Ph.: +44 20 77969040 | Fax: +44 20 76000936
E-mail: eximlondon@eximbankindia.in

Overseas Offices

ABIDJAN
5th Floor, Azur Building, 18-Docteur Crozet Road,
Plateau, Abidjan, Côte d'Ivoire.
Ph.: +225 20 24 29 51 | Fax: +225 20 24 29 50
E-mail: eximabidjan@eximbankindia.in

ADDIS ABABA
House No. 46, Jakrose Estate Compound,
Woreda 07, Bole Sub-City,
Addis Ababa, Ethiopia.
Ph.: +251 118 222296 | Fax: +251 116 610170
E-mail: aaro@eximbankindia.in

DHAKA
Modhumita Plaza Concord, Floor 12, Plot No. 11,
Road No. 11, Block G, Banani, Dhaka - 1213, Bangladesh.
Ph.: +88 01 708 520 444
E-mail: eximdhaka@eximbankindia.in

DUBAI
Level 5, Tenancy 1B, Gate Precinct Building No. 3, Dubai
International Financial Centre, PO Box No. 506541, Dubai, UAE.
Ph.: +971 4 3637462 | Fax: +971 4 3637461
E-mail: eximdubai@eximbankindia.in

JOHANNESBURG
2nd Floor, Sandton City Twin Towers East, Sandhurst Ext. 3,
Sandton 2196, Johannesburg, South Africa.
Ph.: +27 11 3265103/13 | Fax: +27 11 7844511
E-mail: eximjro@eximbankindia.in

SINGAPORE
20, Collyer Quay, #10-02, Singapore - 049319.
Ph.: +65 65326464 | Fax: +65 65352131
E-mail: eximsingapore@eximbankindia.in

WASHINGTON D.C.
1750 Pennsylvania Avenue NW, Suite 1202,
Washington D.C. 20006, United States of America.
Ph.: +1 202 223 3238 | Fax: +1 202 785 8487
E-mail: eximwashington@eximbankindia.in

YANGON
House No. 54/A, Ground Floor, Boyarnyunt Street,
Dagon Township, Yangon, Myanmar.
Ph.: +95 1389520
E-mail: eximyangon@eximbankindia.in

इंडिया एक्ज़िम बैंक
India Exim Bank

केन्द्र एक भवन, 21वीं मंज़िल, विश्व व्यापार केन्द्र संकुल, कफ़ परेड, मुंबई – 400 005.
Centre One Building, 21st Floor, World Trade Centre Complex, Cuffe Parade, Mumbai - 400 005.
+91-22-22172600 +91-22-22182572 ccg@eximbankindia.in www.eximbankindia.in/www.eximmitra.in
हमें फॉलो करें Follow us on: